



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-04042024-253488  
CG-DL-E-04042024-253488

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 79]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 28, 2024/चैत्र 8, 1946

No. 79]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 28, 2024/CHAITRA 8, 1946

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अंतिम निष्कर्ष

नई दिल्ली 28 मार्च, 2024

मामला सं. ए.डी. (ओआई) - 08/2022

विषय : चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “अलॉय स्टील चीसेल / टूल तथा पूर्णतः संयोजित स्थिति में हाईड्रोलिक रॉक ब्रेकर” के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

फा. सं. 6/8/2022-डीजीटीआर.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे एडी नियमावली या पाटनरोधी नियमावली या नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

## क. मामले की पृष्ठभूमि

- डोजको (इंडिया) प्रा. लिमिटेड (आगे आवेदक या घरेलू उद्योग भी कहा गया है) ने सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक

आवेदन प्रस्तुत किया है जिसने चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) से “अलॉय स्टील चीसेल / टूल तथा पूर्णतः संयोजित स्थिति में हाईड्रोलिक रॉक ब्रेकर” (जिसे आगे विचाराधीन उत्पाद या पीयूसी या संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया गया है।

2. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर एडी नियमावली 1995 के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 6/8/2022-डीजीटीआर दिनांक 30 सितंबर 2022 के माध्यम से एक सार्वजनिक सूचना जारी की ताकि संबद्ध वस्तु के कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी उचित राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

### ख. प्रक्रिया

3. इस जांच के दौरान निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने एडी नियमावली 1995 के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत की कार्रवाई से पहले वर्तमान पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में दोनों संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र – असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30 सितंबर, 2022 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की।
- ग. प्राधिकारी ने भारत में दोनों संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, भारत में संबद्ध आयातों के ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं, भारत में अन्य घरेलू उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 30 सितंबर, 2022 की जांच शुरुआत अधिसूचना की एक-एक प्रति भेजी थी। हितबद्ध पक्षकारों से जांच शुरुआत अधिसूचना में विहित ढंग और तरीके से संगत सूचना देने और जांच शुरुआत अधिसूचना में विहित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने अनुरोधों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।
- घ. प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति 15 नवंबर, 2022 के अपनी ई-मेल के माध्यम से एडी नियमावली 1995 के नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों / निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और भारत में दोनों संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी थी।
- ड. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से संबद्ध देशों से निर्यातकों/उत्पादकों को जांच शुरुआत अधिसूचना में विहित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का अपना उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का अनुरोध भी किया गया था। संबद्ध देशों के दूतावासों को संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पत्तों के साथ उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी भेजी गई थी।
- च. प्राधिकारी ने ए डी नियमावली 1995 के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं।
- छ. उक्त अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।

संबद्ध देश	उत्पादक/निर्यातक	शब्द संक्षेप
चीन जन. गण.	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	निंगबो
	यंताई इडेई प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड	एडी
कोरिया गणराज्य	हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन	इवरडिगम

	डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	डेमो
	सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	सुसान
	फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	फील
	हंसुंग स्पेशल मशीनरी कंपनी लिमिटेड	हंसुंग
	डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	डी एंड ए

- ज. संबद्ध देशों से ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है या जांच में सहयोग नहीं किया है, को इस जांच में असहयोगी माना गया है।
- झ. प्राधिकारी ने एडी नियमावली 1995 के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को भी प्रश्नावली भेजी थी।
- ञ. प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने आयातक/ प्रयोक्ता उत्तर प्रस्तुत किया है:

क्र. सं.	आयातक / प्रयोक्ता का विवरण	शब्द संक्षेप
	फिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	फिन
	फाइन इक्विपमेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड	फाइन

- ट. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए समय बढ़ाने के अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया और उचित पाए जाने पर समय बढ़ाया गया।
- ठ. प्रणाली और आंकड़ा प्रबंधन महानिदेशालय (डीजी सिस्टम्स) से पूर्ववर्ती क्षति अवधि और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों का सौदावार ब्यौरा देने का अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी द्वारा यह प्राप्त हुआ है और प्रकटन विवरण उस पर विचार किया गया है।
- ड. एडी नियमावली 1995 के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को संबद्ध जांच के संबंध में मौखिक रूप में अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर देने के लिए 28 जुलाई, 2023 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक सार्वजनिक सुनवाई की थी। मौखिक सुनवाई में अपने विचार रखने वाले हितबद्ध पक्षकारों से मौखिक रूप से व्यक्त विचारों और उसके बाद खंडन अनुरोधों यदि कोई हों, को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया। हितबद्ध पक्षकारों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे उनके द्वारा व्यक्त विचारों का अगोपनीय अंश अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ साझा करें।
- ढ. जांच पूरा करने की कानूनी समय-सीमा आरंभ में 29 सितंबर, 2023 थी। प्राधिकारी ने केंद्र सरकार से नियम 17(1) (क) के प्रावधान के अनुसार जांच को पूरा करने की समय-सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। दिनांक 29 अगस्त 2023 की अधिसूचना द्वारा केंद्र सरकार ने जांच पूरा करने की समय-सीमा को 28 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया।
- ण. क्षतिरहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) को सामान्यतः लेखांकन स्वीकृत सिद्धांतों (जीएएपी) और एडी नियमावली 1995 के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और तर्कसंगत लाभ के आधार पर निर्धारित किया गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- त. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना का आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापन के दौरान परीक्षण और सत्यापन किया गया था और वर्तमान प्रकटन विवरण के लिए उस पर भरोसा किया गया है।

- थ. संबद्ध देश से सहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच और परीक्षण भी आवश्यक सीमा तक किया गया था और वर्तमान प्रकटन विवरण के प्रयोजनार्थ उस पर भरोसा किया गया है।
- द. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च 2022 (12 महीने) की है। वर्तमान जांच के लिए क्षति अवधि 1 अप्रैल 2018 - 31 मार्च 2019, 1 अप्रैल 2019 - 31 मार्च 2020, 1 अप्रैल 2020 - 31 मार्च 2021 और पीओआई की है।
- ध. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश व्यापार सूचना संख्या 01/2020 दिनांक 10 अप्रैल 2020 के जरिए विहित ढंग से परस्पर आदान-प्रदान के आधार पर उपलब्ध कराए थे। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना/अनुरोध की गोपनीयता की दावों की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत गोपनीयता की दावों की पर्याप्तता से संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने ऐसी सूचना / अनुरोध को गोपनीय माना है। गोपनीयता के दावों को स्वीकार नहीं करने पर हितबद्ध पक्षकारों को उनका अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उन्हें परिचालित किया गया है।
- न. प्राधिकारी ने इस उत्तर पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए सभी तर्कों और सूचना पर उस सीमा तक विचार किया है, जहां तक वे साक्ष्यों द्वारा समर्थित हैं और वर्तमान जांच से संगत हैं।
- प. संयुक्त राज्य अमेरिका के नियमों के नियम 16 के संदर्भ में एक प्रकटीकरण विवरण 20 मार्च 2024 [00:42 HRS] को जारी किया गया था। आसन्न समय सीमा को ध्यान में रखते हुए इच्छुक पार्टियों को 24 मार्च, 2024 [22:00 बजे] तक का समय दिया गया। प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियों में या जांच टीम के साथ किसी अन्य संचार के माध्यम से इच्छुक पक्षों में से किसी ने भी निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब देने में असमर्थता के बारे में चिंता नहीं जताई है या प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय का अनुरोध नहीं किया है। इस प्रकार, सभी इच्छुक पार्टियों को पर्याप्त अवसर दिया गया था।
- फ. इस दस्तावेज में “\*\*\*\*” हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और एडी नियमावली 1995 के नियम 7 के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- ब. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा पीओआई (अप्रैल 2021 - मार्च 2022) के लिए विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 75.37 रुपए है।







#### ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत के स्तर पर यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद (जिसे आगे पीयूसी भी कहा गया है) निम्नानुसार हैं:

“वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद” अलॉय स्टील चीसेल/टूल तथा पूर्णतः संयोजित स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर” (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है)। सामान्य प्रयोग में विचाराधीन उत्पाद को हाइड्रोलिक ब्रेकर, हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर, चीसेल/टूल के रूप में जाना जाता है। पीयूसी को आम तौर पर निम्नलिखित वर्णन के अंतर्गत आयातित किया जाता है, परंतु यह निम्नलिखित तक सीमित नहीं है।”

“अलॉय स्टील चीसेल: रॉक चीसेल टीथ, टूथ रॉक चीसेल, बेंकर टूल, हाइड्रोलिक हैमर (टूल), हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर वेज प्वाइंट वर्किंग टूल के लिए चीसेल ब्लंट, ब्लंट, चीसेल आदि के रूप में आयातित। हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर: हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (चीसेल सहित और रहित), बल्क के साथ या उसके बिना रॉक ब्रेकर, हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर असेंबली किट, रॉक ब्रेकर स्पेयर बॉडी असेंबली, हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर फाइन, हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर, रॉक ब्रेकर, बॉक्स टाइप हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर आदि।”


5. पीयूसी के दायरे और पीसीएन पद्धति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों से विभिन्न टिप्पणियां प्राप्त हुई थी और तदनुसार 6 दिसंबर 2022 को उन पर चर्चा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। उक्त हितबद्ध पक्षकारों के विचार और अनुरोधों पर विचार करते हुए पीयूसी के दायरे और पीसीएन पद्धति अधिसूचना (जिसे आगे कार्यक्षेत्र अधिसूचना भी कहा गया है) दिनांक 16 जून, 2023<sup>1</sup> को स्पष्ट किया गया था। दिनांक 16 जून 2023 के जरिए स्पष्ट किया गया था कि पीयूसी का दायरा हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के निम्नलिखित "असेंबली, उक्त असेंबली और घटकों<sup>2</sup> तक सीमित है।

असेंबली / उप असेंबली	घटकों का चित्रात्मक प्रदर्शन <sup>3</sup>
क. फ्रंट हेड	
ख. बैक हेड	
ग. हाइड्रोलिक सिलेंडर या रॉक ब्रेकर के लिए पिस्टन	
घ. सिलेंडर बॉडी या हाइड्रोलिक यूनिट (हाइड्रोलिक बॉडी में फ्रंट हेड, बैक हेड, सिलेंडर और पिस्टन शामिल हैं)	
ड. ब्रैकेट	
च. फ्रेम	

<sup>1</sup> फाइल संख्या 6/8/2023 – डीजीटीआर, "विचाराधीन उत्पाद और उत्पाद नियंत्रण संख्याओं का दायरा ।" दिनांक 16 जून, 2023

<sup>2</sup> इस पूरे दस्तावेज में असेंबली और उप असेंबली शब्दों को एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया है।

<sup>3</sup> चित्र केवल प्रदर्शन के लिए हैं। वास्तविक असेंबली / उप असेंबली का रूप भिन्न हो सकता है।

छ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के लिए सिलेंडर	
---	--

6. उक्त हितबद्ध पक्षकारों के विचारों और अनुरोधों पर विचार करते हुए कार्यक्षेत्र अधिसूचना दिनांक 16 जून, 2023 के जरिए निम्नलिखित पीसीएन पद्धति भी अधिसूचित की गई थी<sup>4</sup>।

मानदंड	रेंज	पीसीएन
उत्पाद श्रेणी	चीसेल सहित हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर	एचआरसी
	चीसेल/टूल/ब्लंट/मोइल	सीएचआई
	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर चीसेल के बिना	एचआरबी
टूल / चीसेल का व्यास (यह चीसेल तथा चीसेल के बिना वाले हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर पर लागू होता है।)	≤75 एमएम	डी1
	> 75 एमएम ≤100 एमएम	डी2
	> 100 एमएम ≤150 एमएम	डी3
	>150 एमएम	डी4

#### ग.1 घरेलू उद्योग की ओर से किए गए अनुरोध

7. विचाराधीन उत्पाद के बारे में घरेलू उद्योग की ओर से निम्नलिखित अनुरोध किये गए हैं:

- जांच शुरूआत अधिसूचना में पीयूसी के दायरे के भीतर हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली शामिल हैं। उत्पाद के दायरे में असेंबली और उप असेंबली हमेशा शामिल है।
- ऐसा उत्पाद विवरण देने जिसके आधार पर जांच शुरूआत अधिसूचना में पीयूसी का आयात हो रहा है, का उद्देश्य सभी रूपों को इस जांच के दायरे में कवर करना है।
- जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में दिया गया विवरण पूर्ण नहीं था और उसमें पीयूसी के असेंबली और उप असेंबली शामिल थी।
- उत्पाद के दायरे के स्पष्टीकरण में केवल असेंबली / उप असेंबली की सूची का उल्लेख है और इसलिए उसका उद्देश्य केवल वर्तमान जांच के दायरे को सीमित करना है।
- हुआवेई टेक्नोलॉजीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारियों के मामले में सेस्टेट ने पुष्टि की थी कि प्राधिकारी को पीयूसी के दायरे में ऐसे कलपुर्जों और घटकों को शामिल करना चाहिए जिन्हें शामिल न करने पर शुल्क निष्प्रभावी जो जाएगा।

<sup>4</sup> फाइल संख्या 6/8/2023 – डीजीटीआर, “विचाराधीन उत्पाद और उत्पाद नियंत्रण संख्याओं का दायरा।” दिनांक 16 जून, 2023

<sup>5</sup> 2016 एसीसी ऑनलाइन सेस्टेट 404

- च. *मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी*<sup>6</sup> मामले में सेस्टेट ने मध्यम घनत्व के फाइबर बोर्ड के बड़े आकार को पीयूसी के दायरे में शामिल करने का समर्थन किया। यद्यपि घरेलू उद्योग उनका उत्पादन नहीं करता था।
- छ. औद्योगिक लेजर मशीन से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने पूर्णतः असेंबल लेजर कटिंग, लेजर मार्किंग और लेजर वेल्डिंग मशीनों को सीकेडी और एसकेडी रूप में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया था।
- ज. डीजीटीआर की अनेक जांचों में जैसे चीन जन. गण. से ग्लास फाइबर, चीन और इजराइल से एसएचडी मलेशिया, चीन जन. गण., चीनी ताइपे और संयुक्त राज्य अमेरिका से सोलर सेल, चीन जन. गण. से पवन चालित विद्युत जनरेटरों के लिए कास्टिंग में प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित करने के लिए पीयूसी की व्यापक परिभाषा दी है कि शुल्क के प्रयोजन को लागू किया जा सके।
- झ. ईयू और यूएसए में अनेक पाटनरोधी जांच में पीयूसी को इस प्रकार से परिभाषित किया गया कि उसमें कलपुर्जे असेंबली और घटक शामिल हो सकें।
- ञ. *हुआवेई टेक्नोलॉजीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी* मामले में माननीय सेस्टेट ने माना था कि यह आवश्यक नहीं है कि पीयूसी में शामिल सभी प्रकार के उत्पाद एक दूसरे के समान हों या आवश्यक रूप से समरूप उत्पाद बनाते हों।
- ट. रॉक ब्रेकर एक पूंजीगत सामान है और इसमें अनेक असेंबली और उप असेंबली शामिल हैं। इन उप असेंबली और असेंबली को पाटनरोधी शुल्क के लगने के बाद उससे बचने के लिए आयात किया जा सकता है।
- ठ. 7 असेंबली/उप असेंबली पर शुल्क लागू नहीं करके ऐसी प्रबल संभावना है कि आयातक टुकड़ों में आयात का उत्पाद करें और भारत में उत्पाद को असेंबल करें।
- ड. *चीन जन. गण. से ट्रेलर के लिए एक्सेल* से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने जांच शुरुआत अधिसूचना में कतिपय विशिष्ट हिस्सों को उत्पाद में शामिल नहीं किया था। उसके बाद प्राधिकारी को सीमा शुल्क आयुक्त द्वारा सूचित किया गया कि हिस्सों के आयातों में असामान्य वृद्धि हुई है। तत्पश्चात् प्राधिकारी को प्रवंचनारोधी जांच शुरू करनी पड़ी और ट्रेलर के लिए एक्सेल के कलपुर्जे पर शुल्क लागू करने की सिफारिश करनी पड़ी।
- ढ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का कोई निर्यातक इसी प्रकार की प्रक्रिया में शामिल हो सकता है। आयात आंकड़ों भी दर्शाते हैं कि रॉक ब्रेकर विभिन्न असेंबली/उप असेंबली का निरंतर व्यापार प्रवाह है।
- ण. डिजाइन के रूप में असेंबली/उप असेंबली रॉक ब्रेकर का एक घटक है और उसका कोई अंतिम उपयोग नहीं है। रॉक ब्रेकर की असेंबली में आने वाली परिवर्तन लागत काफी कम है।
- त. चीसेल और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर समान जांच का हिस्सा हैं जो प्राधिकारी की प्रक्रिया से संगत है।
- थ. *ईयू-कतिपय इस्पात उत्पादों पर रक्षोपाय (डीएस 595)* में डब्ल्यूटीओ पैनल में किसी जांच में पीयूसी की परिभाषा के लिए जांचकर्ता प्राधिकारी को व्यापक विवेकाधिकार की पुनः पुष्टि की है। पैनल ने यह बताया कि प्राधिकारी एक जांच में दो अलग उत्पादों को शामिल कर सकते हैं। इसी सिद्धांत को ईसी – साल्मन (नार्वे) में पैनल की रिपोर्ट में पहले भी स्पष्ट किया गया है।
- द. *सनसिटी शीट्स प्रा. लिमिटेड बनाम भारत संघ*<sup>7</sup> के मामले में माननीय सेस्टेट ने पीयूसी के दायरे को माना था इसमें यह बताते हुए हॉट रोलड और कोल्ड रोलड दोनों उत्पादों को शामिल किया गया कि संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों की परस्पर प्रतिस्थापनीयता की कोई आवश्यकता नहीं है।

<sup>6</sup> 2016 (334) ई – एल.टी. 552<sup>7</sup> 2017 एससीसी ऑनलाइन बेल दिल्ली 9412

- ध. चीन ज. गण. से ग्लास फाइबर संबंधी पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा और चीन जन. गण., मलेशिया, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ से विनियर्ड इंजियर्ड वुडेन फ्लोरिंग संबंधी पाटनरोधी जांच में विभिन्न उत्पादों को एक साथ शामिल और जांच की गई थी क्योंकि सभी उत्पाद एक साथ विनिर्मित होते थे।
- न. एडी ने सेंट स्टीफन कॉलेज बनाम दिल्ली विश्वविद्यालय<sup>8</sup> के मामले में एडी ने कम लोगों की राय पर भरोसा किया।
- प. प्रत्येक कानून की व्याख्या शाब्दिक रूप से होनी चाहिए। उत्पाद विवरण को शब्दशः पढ़ने से यह स्पष्ट है कि “हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर असेंबली किट” पीयूसी के दायरे में शामिल है। “असेंबली किट” इसके बारे में “स्पेयर बॉडी असेंबली” “पूर्णतः असेंबलड रॉक ब्रेकर के समानार्थी नहीं है।
- फ. यह वक्तव्य कि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में असेंबली / उप असेंबली संबंधी आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं, गलत है। याचिका का अनुबंध 18 आयात पृथक्करण की पद्धति बताता है जिसमें पूर्णतः असेंबलड कलपुर्जों अर्थात् “असेंबली / उप असेंबली” शामिल हैं।
- ब. प्राधिकारी उत्पाद के दायरे का विस्तार करने के लिए कानून के अंतर्गत प्रतिबंधित नहीं है।
- भ. मानक प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका किसी व्यापार सूचना या परिपत्र से अधिक महत्वपूर्ण नहीं हो सकती और उसे किसी विवाद या मुकदमे में प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
- म. असेंबली और उप असेंबली हमेशा विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा रही थीं। सरकारी राजपत्र में प्रकाशित जांच शुरुआत अधिसूचना में हाइड्रोलिक स्पेयर बॉडी और हाइड्रोलिक असेंबली किट शामिल थीं। इसलिए पक्षकारों को स्पष्ट संकेत दिया गया था कि सरकारी राजपत्र में जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रकाशन के स्तर पर पीयूसी के दायरे में क्या शामिल नहीं है।
- य. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.5 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए जांच शुरुआत के दौरान केवल निर्यातक देश को अधिसूचित करना अपेक्षित है। जांच शुरुआत अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा शामिल है। इसलिए निर्यातक डब्ल्यूटीओ सदस्य का यह दायित्व है कि वह हितबद्ध पक्षकारों को सूचित करे।
- कक. जांच के निर्यातक – उत्पादकों को सूचित करने का बड़ा दायित्व केवल जांच की प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होता है।
- खख. कोरिया गणराज्य में विस्तृत और मौखिक अनुरोध किए हैं – जो यह दर्शाते हैं कि वे पीयूसी की परिभाषा से सुपरिचित हैं और 16 जून, 2023 को यह स्पष्ट किया गया है।

## ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

8. व्यापार, उद्योग और ऊर्जा मंत्रालय, कोरिया सरकार के व्यापार विधिक प्रभाग ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किया था:
- क. दिनांक 30 सितंबर, 2022 की जांच शुरुआत अधिसूचना में पीयूसी के दायरे को अलॉय स्टील चीसेल / टूल और पूर्णतः असेंबलड स्थिति हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के रूप परिभाषित किया गया है। तथापि जांच की शुरुआत के 9 महीने बाद डीजीटीआर ने पीयूसी के दायरे को बढ़ाया है।
- ख. घरेलू उद्योग ने केवल रॉक ब्रेकर और पूर्णतमः असेंबलड रूप में चीसेल के लिए पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के साक्ष्य दिए हैं। डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.2 में यह उल्लेख है कि पाटनरोधी जांच केवल तभी शुरू की जा सकती है यदि प्रथमदृष्ट्या जांच पाटन और क्षति का समर्थन करते हैं। पाटन और घरेलू उद्योग को 7 घटकों के आयात के कारण क्षति की संबंध में कोई प्रथमदृष्ट्या जांच नहीं है।

<sup>8</sup> (1992) एक एससीसी 558



- ग. रिकार्ड में यह दर्शाने के लिए कोई सूचना नहीं है कि वर्तमान घरेलू उद्योग इन 7 घटकों के घरेलू उत्पादन के प्रमुख हिस्से का उत्पादन करता है।
- घ. व्यापार उपचार जांच के लिए डीजीटीआर द्वारा प्रकाशित मानक प्रचालन प्रक्रिया मैनुअल में यह बताया गया है कि पीयूसी को जांच के दौरान नहीं बढ़ाया जा सकता है और पीसीएन पद्धति को जांच की शुरुआत के 60 दिनों के भीतर अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।
- ड. यदि कोई साक्ष्य है कि कोरिया से आयातित 7 घटक पाटित और क्षतिकारी हैं तो ऐसी सूचना हितबद्ध पक्षकारों ने नहीं दी है जो डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.1.3 और 6.4 का घोर उल्लंघन है।
- च. चीसेल के लिए पीसीएन केवल व्यास पर आधारित है। तथापि, समान व्यास के चीसेल की अलग-अलग लंबाई हो सकती है जिससे कीमत में अंतर होता है। कीमत में अंतर भार के अंतर के कारण हो सकता है।
- छ. डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में अधिदेशित है कि उत्पाद अंतरों के लिए प्रत्येक मामले में आवश्यक अनुमतियां दी जाएं ताकि कीमत तुलनीयता का ध्यान रखा जा सके। यह ध्यान दिलाया गया है कि यदि पीसीएन मापदंडों को परिभाषित किया जाए तो डीजीटीआर पर ऐसे मापदंडों को शामिल करने का दायित्व है कि जो बिल्कुल सटीक तुलना के लिए आवश्यक हैं।
9. डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, निंगबो यिनझाउ गेट मशीनरी लिमिटेड, सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. विचाराधीन उत्पाद के दायरे को जांच की शुरुआत के पश्चात् बढ़ाया नहीं जा सकता है। जांच शुरुआत अधिसूचना में पीयूसी के दायरे को दो भागों में विभाजित किया गया था: अलाय स्टील चीसेल / टूल और पूर्णतः संयोजित स्थिति हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर।
- ख. पीयूसी की परिभाषा के दूसरे पैराग्राफ के ब्यौरे में नामों की केवल एक अधूरी सूची है जिनके अंतर्गत संबद्ध वस्तुओं का भारत में आयात किया जाता है।
- ग. अपने आवेदन में भी घरेलू उद्योग ने केवल दो प्रकार के पीयूसी का उल्लेख किया है – अर्थात् हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल (जिसे टूल के रूप में भी जाना जाता है)। 7 प्रकार के कलपुर्जों और घटकों का याचिका के भाग के रूप में कोई उल्लेख नहीं है।
- घ. प्राधिकारी ने केवल 16 जून, 2023 की अपनी अधिसूचना के जरिए 7 प्रकार के भागों और घटकों की शुरुआत की है। घरेलू उद्योग ने स्वयं पीयूसी के लिए एक आवेदन दायर किया है जो उक्त परिभाषा तक सीमित है और भागों तथा घटकों को शामिल नहीं करता है।
- ड. याचिका में आर्थिक मापदंडों संबंधी समस्त सूचना केवल अलॉय स्टील चीसेल / टूल और पूर्णतः असेंबलड स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर से संबंधित है और इसमें कोई असेंबली / उप असेंबली शामिल नहीं है।
- च. प्राधिकारी ने अपनी जांच शुरुआत अधिसूचना में याचिका में दी गई सूचना के आधार पर पीयूसी को परिभाषित किया है। तथापि उसके बाद प्राधिकारी ने दिनांक 16 जून 2023 की अधिसूचना द्वारा पीयूसी के दायरे का विस्तार किया है।
- छ. जांच की शुरुआत के बाद पीयूसी के दायरे को बढ़ाने का प्राधिकारी का कार्य व्यापार उपचार जांचों के लिए प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 3.5 और 3.13.4 का उल्लंघन है जो बताता है कि पीयूसी के दायरे को जांच की प्रक्रिया के दौरान बदला नहीं जा सकता है। पीयूसी के दायरे में किसी परिवर्तन को जांच शुरुआत अधिसूचना की तारीख से 3 महीने के भीतर अंतिम रूप दिया जाना चाहिए।
- ज. औद्योगिक लेजर मशीन के मामले में जांच शुरुआत अधिसूचना में यथा परिभाषित पीयूसी के दायरे में एसकेडी और सीकेडी रूप शामिल थे – जिसका अर्थ है कि भागों और घटकों को स्पष्ट रूप से स्वयं जांच शुरुआत में ही पीयूसी के दायरे के भीतर शामिल किया गया है।
- झ. यदि प्राधिकारी पीयूसी के दायरे में असेंबली और उप असेंबली को शामिल करना जारी रखते हैं तो क्षति का अलग विश्लेषण किया जाना चाहिए।

10. हुंडई एवरडिगम कॉर्प, और डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. प्राधिकारी द्वारा पीयूसी के दायरे को बढ़ाना न्यायोचित नहीं है।
  - ख. जांच शुरुआत अधिसूचना का पैरा 3 पीयूसी को “अलॉय स्टील चीसेल / टूल तथा पूर्णतः असेंबलड स्थिति हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर” के रूप में परिभाषित करता है।
  - ग. निम्नलिखित वाक्य में दी गई विवरण की पूर्ण सूची उस विवरण को बाहर करने के उद्देश्य से दी गई है जिसके अंतर्गत पीयूसी को आम तौर पर भारत में आयात किया जाता है और इसका उद्देश्यक पीयूसी के दायरे को स्पष्ट/उसका विस्तार करना नहीं है।
  - घ. अधूरी सूची में केवल ऐसे नामों का उल्लेख है जिन्हें प्रविष्टि बिल में दर्ज किया जाता है – तथापि पीयूसी के दायरे में किसी भी विवरण को स्पष्ट या विस्तारित नहीं किया गया है।
  - ङ. पीयूसी के दायरे के अनावश्यक विस्तार से उत्पाद के दायरे में गैर आनुपातिक वृद्धि हो गई है जो उचित और वस्तुनिष्ठ तुलना की जरूरत के लक्ष्य को समाप्त कर देती है।
  - च. उत्पाद दायरे का विस्तार उत्पाद की परिभाषा के मूल आशय से बाहर है।
  - छ. मूल परिभाषा में स्पष्ट रूप से पूर्णतः असेंबलड अलॉय स्टील चीसेल और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पीयूसी के वर्तमान विस्तारित दायरे में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के विभिन्न घटक अपस्ट्रीम इनपुट शामिल हैं।
  - ज. नव सम्मिलित घटक अलग और पृथक उत्पाद है और इसलिए उन्हें पूर्णतः असेंबलड पीयूसी की समान वस्तु नहीं माना जा सकता। इसे जांच शुरुआत अधिसूचना में ही स्पष्ट रूप से स्वीकार करना चाहिए था।
  - झ. उत्पाद दायरे के वर्तमान विस्तार से घटकों की अधूरी सूची को शामिल किया गया है जो आरंभ में परिभाषित पीयूसी से उनकी संगतता को स्पष्ट रूप से बताए बिना किया गया है।
  - ञ. उदाहरण के लिए यदि कारों के संबंध में पाटनरोधी जांच होती है तो पीयूसी में एसयूवी, एमयूवी और चार पहियां कारें शामिल होंगी, परंतु पीयूसी में सीट कवर, टायर, स्टेयरिंग व्हील आदि शामिल नहीं होंगे।
  - ट. जांच शुरुआत के बाद उत्पाद के दायरे में विस्तार कानूनी रूप से सही नहीं है। शुरुआत में परिभाषित पीयूसी को बार-बार नहीं बदला जा सकता है।
  - ठ. याचिकाकर्ता ने इस बारे में पर्याप्त साक्ष्य नहीं दिया है कि एडी नियमावली के नियम 25(2)(क) के अनुसार प्रवंचना हुई है।
  - ड. पाटनरोधी जांच को राजपत्र में प्रकाशित और संबद्ध देशों की सरकारों, निर्यातकों और आयातकों आदि को अधिसूचित किया जाता है। इस अधिसूचना का प्रयोजन सभी पक्षों को आवश्यक सूचना देना है ताकि वे अपनी भागीदारी का निर्णय ले सकें।
  - ढ. प्राधिकारी पीयूसी के दायरे को कम कर सकते हैं किंतु उसे बढ़ा नहीं सकते हैं।
  - ण. व्यापार उपचार जांच की प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 3.13.4 में स्वयं यह स्पष्ट है कि पीयूसी का दायरा जांच शुरुआत के स्तर पर भी निश्चित हो जाता है।
  - त. यदि यह मान भी लिया जाए कि प्राधिकारी के पास जांच शुरुआत के बाद उत्पाद के दायरे को बढ़ाने की शक्ति है तो जांच शुरुआत अधिसूचना में पीयूसी को “पूर्णतः असेंबलड स्थिति” के रूप में बताया गया है।
  - थ. निर्यातकों/आयातकों के पास इस स्तर पर माननीय प्राधिकारी के समक्ष संबद्ध जांच में अपने हित दर्ज कराने और भागीदारी करने का कोई कारण नहीं होगा।

- द. जांच के 9 महीने बाद प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे को अचानक बढ़ा दिया। इस प्रकार अनेक हितबद्ध पक्षकार जो उत्पादों से शामिल होने से प्रभावित हो सकते हैं, के पास पीयूसी के दायरे में इस अचानक वृद्धि की कोई जानकारी नहीं है।
- ध. पीसीएन अधिसूचना एक राजपत्र दस्तावेज नहीं थी। बल्कि जांच शुरूआत अधिसूचना से अलग एक कार्यालय ज्ञापन थी।
- न. पीसीएन अधिसूचना को कूटनीतिक माध्यम से भी नहीं भेजा जाता है, जैसा कि राजपत्र अधिसूचना के मामले में होता है।
- प. असेंबली और उप असेंबली के जांच शुरूआत के स्तर पर पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं किया गया था।
- फ. ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार असेंबली शब्द का अर्थ किसी चीज जैसे वाहन या फर्नीचर के हिस्से को एक साथ रखने की प्रक्रिया है। उप असेंबली का अर्थ एक असेंबल की गई यूनिट है जिसे तैयार उत्पाद की अन्य इकाइयों में जोड़ा जाना है।
- ब. असेंबली और उप असेंबली अनेक उत्पादों को एक साथ रखने की प्रक्रिया के लिए प्रयुक्त शब्द हैं ताकि उन्हें तैयार उत्पाद में शामिल किया जा सके और इस प्रकार अलग घटक, असेंबली या उप असेंबली पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर नहीं है।
- भ. याचिकाकर्ता द्वारा बतायी गई सभी पूर्ववर्ती जांचों जिनमें सीकेडी और एसकेडी को जांच शुरूआत में ही पीयूसी में शामिल किया गया था। कोई भी पूर्व निर्णय ऐसा मामला नहीं है जिसमें जांच की शुरूआत के बाद पीयूसी के दायरे को बढ़ाया गया हो।
- म. किसी निष्कर्ष आधार के बिना संभावित प्रवंचना के संबंध में घरेलू उद्योग की केवल आशंका कानूनी दायित्व की अनदेखी करने का आधार नहीं हो सकती है – जो यह है कि जांच शुरूआत के बाद पीयूसी को बदला नहीं जा सकता है।
- य. याचिकाकर्ता ने प्रवंचनारोधी जांच के लिए आवेदन नहीं किया है और इसलिए वह किसी उल्लंघन की पूर्व धारणा नहीं बना सकता और पूर्व उपचार करने का अनुरोध नहीं करता है।
- कक. प्रवंचना होने के बाद घरेलू उद्योग के पास नए आवेदन के साथ प्राधिकारी के पास जाने की स्वतंत्रता होगी।
- खख. प्राधिकारी भागों और घटकों को पीयूसी के दायरे में शामिल करके एकतरफा राहत जारी नहीं कर सकते हैं।
11. हंसुंग स्पेशल मशीनरी कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं<sup>9</sup>:
- क. पीयूसी के दायरे में रॉक ब्रेकर और चीसेल शामिल हैं – तथापि चीसेल की इकाई लागत पूरे रॉक ब्रेकर की तुलना में काफी कम है।
- ख. रॉक ब्रेकर की कीमत रेंज यूएसडी 10,000 ~ यूएसडी 20,000 तक है जबकि चीसेल की केवल कीमत यूएसडी 30 ~ यूएसडी 400 के बीच है।
- ग. हंसुंग केवल चीसेल का उत्पादक है और एडी नियमावली 1995 के नियम 2(ख) के अनुसार जांच में घरेलू उद्योग के रूप में पात्र बनने के लिए याचिकाकर्ता की सक्षमता निर्धारित करने को छोड़कर पीयूसी के दायरे के लिए विशेष रूप से आपत्ति नहीं करता है।
- घ. हंसुंग चीसेल का उत्पादन करता है जो समान बाहरी व्यास होने के बावजूद लंबाई में अलग-अलग होती हैं। लंबाई में इस अंतर से कारण उत्पाद की प्रति इकाई कीमत में काफी भिन्नता होती है। चाहें तभी अन्य कारक जैसे बाहरी व्यास और उपभोक्ता समान रहें।

<sup>9</sup> हंसुंग स्पेशल मशीनरी लि० द्वारा मौखिक सुनवाई के बाद दायर लिखित अनुरोध दिनांक 2 अगस्त 2024

12. फाइन इक्विमेंट और फिन ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं।
- दिनांक 16 जून 2023 के पत्र द्वारा स्पष्ट किया गया पीयूसी का दायरा व्यापार उपचार जांच और डीजीटीआर द्वारा जारी मैनुअल के प्रावधानों का उल्लंघन है।
  - मानक प्रचालन प्रक्रिया मैनुअल के पैरा 3.5 और 3.13.4 में उल्लिखित है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान पीयूसी को बढ़ाया नहीं जा सकता है।
  - पीयूसी का विस्तार प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है क्योंकि उत्पादक और विनिर्माता के घटकों का निर्माण करते हैं।
  - डोजको द्वारा प्रस्तुत आवेदन में रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली संबंधी सूचना नहीं है।
13. यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं<sup>10</sup>:
- जांच शुरूआत अधिसूचना में परिभाषित पीयूसी डोजको द्वारा उसके आवेदन में परिभाषित पीयूसी के दायरे के अनुसार था।
  - किसी आवेदन को दायर करने के लिए प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली में आवेदक के लिए कथित पाटित वस्तु का विस्तृत विवरण देना अपेक्षित है।
  - डोजको के आवेदन में पीयूसी के केवल दो सामान्य प्रयुक्त नामों का उल्लेख है – अर्थात् हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल।
  - डोजको के आवेदन में पहले यह परिभाषित की हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर कैसे कार्य करता है और उसके बाद उसने चीसेल के कार्य को स्पष्ट किया गया है। रॉक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली का ऐसा कोई अलग उल्लेख नहीं है जिसकी पहचान की जा सके।
  - पीसीएन अधिसूचना जांच शुरूआत अधिसूचना की गलत व्याख्या है और सुमेलीकृत निर्माण के सिद्धांत का त्रुटिपूर्ण प्रयोग है।
  - सुमेलीकृत सिद्धांत का निर्माण ऐसे मामलों पर लागू होता जहां दो या उससे अधिक कानूनों या समान कानूनों के भागों के बीच विरोध हो और उसकी व्याख्या सुमेलीकृत रूप में करनी होती है ताकि एक भाग दूसरे भाग के उद्देश्य को विफल न करे।
  - यह सिद्धांत केवल वहां लागू होता है जहां दो प्रावधानों के बीच स्पष्ट विरोध हो, जैसा कि *सेंट स्टीफंस कॉलेज बनाम दिल्ली विश्वविद्यालय, (1992) 1 एससीसी 558* के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय ने माना था।
  - सभी परिस्थितियों में प्रावधानों को व्याख्या के स्वर्णिम नियम के जरिए पढ़ा जाना चाहिए अर्थात् साधारण, प्राकृतिक और व्याकरण संबंधी अर्थ सुमेलीकृत सिद्धांत के निर्माण को दो प्रावधानों के बीच भेद या विरोध बनाने के लिए उत्पादन के रूप में प्रयोग नहीं करना चाहिए। बल्कि केवल उनके समाधान के लिए प्रयोग करना चाहिए।
  - पीयूसी की परिभाषा के साथ उल्लिखित आयात विवरण को केवल पीयूसी की परिभाषा के पहले वाक्य में प्रवृत्त पीयूसी की परिभाषा के आलोक में पढ़ा जाना चाहिए।
  - जांच शुरूआत अधिसूचना में उल्लिखित किसी आयात वर्णन में प्राधिकारी द्वारा उनके पीयूसी / पीसीएन पत्र में अभिज्ञात 7 असेंबली / उप असेंबली का वर्णन नहीं है।
  - किसी उत्पाद के विवरण का प्रयोग पीयूसी के दायरे के भीतर उसके भागों को शामिल करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

<sup>10</sup> यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड द्वारा मौखिक सुनवाई के बाद दायर लिखित अनुरोध दिनांक 2 अगस्त 2024

- ठ. प्राधिकारी ने पिस्टन को पीयूसी के दायरे में शामिल किया है। तथापि, काल्पनिक रूप से भी यह व्याख्या नहीं की जा सकती कि पूर्णतः असेंबलड स्थिति में किसी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर को केवल पिस्टन के रूप में वर्णित किया जा सकता है।
- ड. यहां तक कि आवेदक ने भी आवेदन में कहीं भी यह नहीं बताया है कि पूर्णतः असेंबलड स्थिति में किसी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर को असेंबली/उप असेंबली के विवरण में भी आयातित किया जाता है।
- ढ. जांच शुरूआत अधिसूचना के दो भागों के बीच कोई विरोध नहीं है जिससे सुमेलीकृत निर्माण आवश्यक हो सकता है।
- ण. प्राधिकारी उत्पाद के दायरे को बढ़ाने और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की साथ असेंबली/उप असेंबली को शामिल करने के लिए " हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर असेंबली किट" वाक्य की व्याख्या नहीं कर सकते हैं। इस वाक्य को केवल ऐसी स्थिति बताने के लिए समझा जाना चाहिए। जहां किसी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की सभी असेंबली/उप असेंबली को एक किट के रूप में एक खेत में एक साथ आयातित किया गया हो और निकासी के समय सीमा शुल्क को एक किट के रूप में प्रस्तुत किया गया हो।
- त. पीयूसी के दायरे की पहचान करना पाटनरोधी जांच के लिए मुख्य आरंभिक बिंदु होता है। जांच के अन्य सभी पहलू जिसमें घरेलू उद्योग की स्थिति, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध शामिल हैं, पीयूसी के दायरे को परिभाषित करने के लिए उचित ढंग से व्यवस्थित होने चाहिए।
- थ. यदि पीयूसी के दायरे में घरेलू उद्योग द्वारा नहीं उत्पादित उत्पाद शामिल होते हैं तो इससे आयात मात्राओं का गलत निर्धारण हो सकता है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति न हो सकती हो।
- द. उत्पाद/विचाराधीन उत्पाद या वस्तु/जांच के अधीन वस्तु शब्द को अधिनियम और नियमावली में परिभाषित किया गया है। नियम 2(घ) में समान वस्तु को "जांच के अधीन वस्तु के समान या सभी प्रकार से समरूप किसी वस्तु ....." के रूप में परिभाषित किया गया है। तथापि इस परिभाषा में "जांच के अधीन वस्तु" शब्दों का अर्थ परिभाषित नहीं किया गया है। यह ज्ञात करने के लिए कि जांच के अधीन वस्तु क्या है, आयात आंकड़े/संख्याएं एक मात्र स्रोत हैं।
- ध. आवेदक ने तीन श्रेणियों – रॉक ब्रेकर, चीसेल और रॉक ब्रेकर के भाग के लिए आयात पृथक्करण पद्धति उपलब्ध करायी है। पूरी दुनिया में आवेदक ने केवल उत्पाद के दायरे में चीसेल और पूर्णतः असेंबलड स्थिति हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर को चुना है।
- न. पीयूसी के भाग अर्थात् आवेदक द्वारा आरबी भागों के रूप में अभिज्ञात भागों को पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं किया गया है।
- प. डोजको द्वारा दायर आवेदन में रॉक ब्रेकर की असेंबली / उप असेंबली का कोई उल्लेख नहीं है।
- फ. आवेदक ने असेंबली/उप असेंबली के आयातों के संबंध में पाटन या वास्तविक क्षति का कोई आरोप नहीं लगाया है। पाटन के किसी प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के बिना प्राधिकारी पीयूसी का दायरा नहीं बढ़ा सकते थे।
- ब. अद्यतन आवेदन में भी असेंबली/उप असेंबली के आयातों के संबंध में किसी क्षति का दावा नहीं किया गया है।
- भ. पीयूसी के दायरे को पीओआई के दौरान आवेदक द्वारा विनिर्मित और वाणिज्यिक रूप से बेचे गए उत्पादों तक सीमित किया जाना चाहिए।
- म. डीजीटीआर की प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 3.10 में उल्लेख है कि पीयूसी में ऐसी मदें शामिल हो सकती हैं जो आवेदक द्वारा विनिर्मित हों और वाणिज्यिक रूप से बेची गई हों।
- य. ऑक्सो अल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकरण, 2001 (130) ईएलटी 58 के मामले में माननीय सेस्टेट ने माना था कि यदि उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं है तो उनके आयात से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है और इसलिए ऐसे उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखना चाहिए।

- कक. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लिमिटेड बनाम भारत संघ के मामले में माननीय सेस्टेट ने माना था कि किसी वास्तविक क्षति के मामले में पाटनरोधी कानून में जांच अवधि के आंकड़ों पर विचार करना अपेक्षित है और इस अवधि में ही घरेलू उद्योग को पीयूसी का उत्पादन और वाणिज्यिक रूप से बिक्री करनी चाहिए।
- खख. असेंबली/उप असेंबली को शामिल करना एडी नियमावली के नियम 6(4) का उल्लंघन है जिसमें अधिदेशित है कि जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति सभी संबद्ध देशों की सरकारों को भेजी जानी चाहिए।
- गग. नियम 6(4) पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 12.1 से उत्पन्न है जिसमें उल्लेख है कि प्रत्येक जांचकर्ता प्राधिकारी को सार्वजनिक सूचना के जरिए किसी जांच की शुरुआत के बारे में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित करना चाहिए। इसमें यह भी उल्लेख है कि ऐसे नोटिस में जांच में शामिल उत्पाद के ब्यौरे होने चाहिए।
- घघ. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों की सरकारों को केवल सार्वजनिक नोटित अर्थात् जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना भेजी है। रॉक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली का निर्यात करने वाले निर्यातकों को यह नहीं सूचित किया गया है कि इन मदों को उत्पाद के दायरे में शामिल किया गया है। अतः उनके पास जांच में भागीदारी का कोई अवसर नहीं है।
- डड. सभी पूर्ववर्ती जांचों में जहां उत्पाद के दायरे में एक ही जांच में इनपुट और आउटपुट दोनों शामिल थे, वहां ऐसे उत्पाद को शामिल करने के आवेदन तथा जांच शुरुआत अधिसूचना में स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था।
- चच. मलेशिया, चीन जन. गण., चीनी ताइपेई और यूएसए से सोलर सेल से संबंधित पाटनरोधी जांच में पीयूसी के दायरे को इनपुट तथा आउटपुट दोनों को शामिल करने के लिए स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया था।
- छछ. चीन से स्टेनलेस स्टील, सीमलेस ट्यूब और पाइपों से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने हॉट रोलड और कोल्ड रोलड दोनों पाइपों को उत्पाद के दायरे में शामिल किया था।
- जज. चीन जन. गण. से औद्योगिक लेजर मशीनों से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने औद्योगिक लेजर मशीनों के पूर्णतः असेंबलड सीकेडी और एसकेडी रूपों को उत्पाद के दायरे में शामिल किया था।
- झझ. याचिकाकर्ता ने केवल अपने लिखित अनुरोध में यह तर्क दिया है कि 7 असेंबली/उप असेंबली उत्पाद के दायरे में शामिल है। यह बात न तो डोजको द्वारा दायर आवेदन और न ही उसके पीयूसी / पीसीएन अनुरोधों में बतायी गई है।
- ञञ. पीयूसी के आयात विवरण की अधूरी सूची का प्रयोग असेंबली/उप असेंबली को शामिल करने के लिए वर्तमान मामले में पीयूसी के दायरे में विस्तार करने के लिए नहीं किया जा सकता है।
- टट. 7 असेंबली/उप असेंबली को पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का केवल वर्णन नहीं माना जा सकता है और इसलिए पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता है।
- ठठ. प्रवंचना की आशंका आवेदक द्वारा दायर आवेदन में उल्लिखित नहीं है। यदि आवेदक की यह राय थी कि असेंबली / उप असेंबली को शामिल नहीं करने से प्रवंचना हो सकती है तो ऐसी आशंका को आवेदन में ही शामिल करना चाहिए था।
- डड. हुआवेई टेक्नोलॉजीज के मामले में आवेदक द्वारा दायर आवेदन में उत्पाद के हिस्सों को स्पष्ट रूप से प्रस्तावित पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया था। दायर आवेदन के आधार पर प्राधिकारी ने भागों और घटकों सहित पीयूसी के दायरे को परिभाषित किया था।
- ढढ. वर्तमान जांच में न तो आवेदन और न ही जांच शुरुआत अधिसूचना में असेंबली/उप असेंबली को पीयूसी के दायरे में शामिल करने का उल्लेख किया गया है।

- ण. घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी की पूर्व प्रक्रिया पर किया गया भरोसा त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि सभी उल्लिखित पूर्ववर्ती मामलों में प्राधिकारी ने आरंभिक स्तर पर ही भागों, घटकों आदि को पीयूसी के दायरे में शामिल किया था।
- तत. प्राधिकारी पीयूसी के दायरे में हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की 7 असेंबली/उप असेंबली को शामिल करने के लिए "हाइड्रोलिक राक ब्रेकर असेंबली किट" शब्दों की व्याख्या नहीं कर सकते हैं।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

14. जांच शुरुआत अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद को "अलॉय स्टील चीसेल/टूल और पूर्णतः असेंबलड स्थिति में हाइड्रोलिक राक ब्रेकर" के रूप में परिभाषित किया गया था। पीयूसी ने दो अलग-अलग श्रेणियां शामिल हैं: (क) हाइड्रोलिक राक ब्रेकर और (ख) चीसेल।
15. हाइड्रोलिक राक ब्रेकर अलॉय स्टील से निर्मित एक इंजिनियर्ड उत्पाद है। यह एक्टेवेटर, मिनी एक्टेवेटर, बैक हो लोडर/स्किड स्पीयर लोडर आदि पर लगने वाला एक अटैचमेंट टूल है। यह एक्टेवेटर से हाइड्रोलिक प्रणाली द्वारा ऊर्जा लेता है। सिलेंडर ब्रेकर का दिल होता है जिसमें पिस्टन रेसीप्रोकेशन के लिए एक हाइड्रोलिक सर्किट होता है। हाइड्रोलिक ऑयल दबाव को पिस्टन पर डाला जाता है जो टूल/चीसेल को हट करता है और इसके बाद पिस्टन की गतिज ऊर्जा हैमरिंग ऊर्जा में परिवर्तित होती है। यह प्रभाव दबाव बनाता है जो चीसेल/टूल से होते हुए राक पर जाता है। दबाव के ट्रेवलिंग रिफ्लेक्शन से चट्टान टूट जाती है।
16. चीसेल (जिसे टूल के रूप में भी जाना जाता है) हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की बॉडी के निचले हिस्से में लगी होती है। चीसेल उस सतह के संपर्क में आती है जिसे प्रभाव से तोड़ना होता है। चीसेल को राक ब्रेकर से अलग भी बेचा जाता है। सामान्यतः कुछ घंटों के प्रयोग के बाद चीसेल घिस जाती है और उसे बदलना पड़ता है। प्रयोग के प्रकार और अपेक्षित प्रभाव के बल के प्रकार के आधार पर चीसेल धार विभिन्न आकारों की हो सकती है जैसे ब्लंट, वैज, मोइल आदि। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने चीसेल को पीयूसी के दायरे में शामिल करने पर आपत्ति नहीं जतायी है। परंतु प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए पीसीएन संबंधी कतिपय मुद्दे उठाए हैं जिन पर नीचे चर्चा की गई है।
17. हाइड्रोलिक राक ब्रेकर के संबंध में जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे और उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की थी।
18. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह स्पष्ट करने का अनुरोध किया कि क्या हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की असेंबली, उप असेंबली और घटकों को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया है। प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे और अपनाए जाने वाले पीसीएन पर विशेष रूप से चर्चा करने के लिए एक मौखिक सुनवाई आयोजित की और पक्षकारों को लिखित अनुरोध करने की अनुमति दी। दिनांक 16 जून 2023 की अधिसूचना द्वारा प्राधिकारी ने स्पष्ट किया कि 5 असेंबली और उप असेंबली को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया है।
19. प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे के संबंध में विचारार्थ निम्नलिखित मुद्दों की पहचान की है:
  - क. क्या पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया है ?
  - ख. क्या पीयूसी में केवल उन उत्पादों को शामिल करना चाहिए जिन्हें घरेलू उद्योग उत्पादित कर रहा है ?
  - ग. क्या पूर्णतः असेंबलड की हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली को शामिल करने की कानून के अंतर्गत अनुमति है ?

#### ग.3.1 क्या पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक राक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया है ?

20. जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की और पक्षकारों को ऐसी पीसीएन का प्रस्ताव करने की अनुमति दी जिसे प्राधिकारी द्वारा अपनाया जाना चाहिए। अनेक हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से यह स्पष्ट करने को कहा कि हाइड्रोलिक राक ब्रेकर के

भाग और घटक तथा पीयूसी के गैर असेंबल रूप पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं है। डोजको ने यह कहते हुए इन दावों पर आपत्ति की कि असेंबली और उप असेंबली को पीयूसी के दायरे के भीतर शामिल किया गया है और भागों और घटकों को बाहर रखने से शुल्क की प्रवंचना में वृद्धि होगी।

21. डोजको ने गंभीर चिंता जतायी गई आयातों की काफी मात्रा ऐसी असेंबली और उप असेंबली के रूप में है जिन्हें आसानी से जोड़कर हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर बनाया जा सकता है। डोजको ने यह भी दावा किया कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर में घटकों, असेंबली और उप असेंबली को जोड़ना एक सरल प्रक्रिया है जिसमें कोई खास वाणिज्यिक खर्च या तकनीकी विशेषज्ञता शामिल नहीं होती है। डोजको ने बताया कि चूंकि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर बड़ा सामान है। इसलिए पाटनरोधी शुल्क (यदि लगाया गया) से बचने के लिए उसे गैर असेंबल या उप असेंबल रूप में आयातित किया जा सकता है।
22. डोजको हुआवेई टेक्नोलॉजीज<sup>11</sup> और मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स<sup>12</sup> मामलों में यह तर्क देने के लिए माननीय सेस्टेट के निर्णय पर भरोसा करता है कि प्राधिकारी पीयूसी के दायरे में भागों और घटकों को तब भी शामिल कर सकते हैं – जबकि घरेलू उद्योग उनका विनिर्माण नहीं करता हो – ताकि शुल्क की प्रवंचना से बचा जा सके। डोजको यह भी बताता है कि अनेक पूर्ववर्ती जांचों में जैसे इंडस्ट्रीयल लेजर मशीन<sup>13</sup>, ग्लास फाइबर<sup>14</sup>, एसडीएच उपकरण<sup>15</sup> में प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित करने के लिए पीयूसी को व्यापक रूप से परिभाषित किया था कि शुल्क का उद्देश्य प्रभावी रहे। डोजको ने यह बताया कि विश्व भर जांचकर्ता प्राधिकारियों की यह मानक प्रक्रिया है कि पीयूसी के हिस्सों और घटकों को दायरे में शामिल किया जाए। डोजको ने ट्रेलर के एक्सेल<sup>16</sup> से संबंधित पाटनरोधी जांच को नोट करने का प्राधिकारी से अनुरोध किया है जिसमें पाटनरोधी शुल्क लगने के बाद सीमा शुल्क आयुक्त ने कलपुर्जों के आयातों में असामान्य वृद्धि नोटिस की थी जिससे प्रवंचनारोधी जांच आवश्यक हो गई। डोजको ने बताया कि आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि रॉक ब्रेकर की विभिन्न असेंबली/उप असेंबली का निरंतर व्यापार प्रवाह है। डोजको ने यह भी तर्क दिया कि ईसी – साल्मन (नार्वे)<sup>17</sup> और ईयू – इस्पात रक्षोपाय<sup>18</sup> में डब्ल्यूटीओ पैनल ने यह देखा है कि जो अलग श्रेणी के उत्पादों को एक जांच में शामिल किया जा सकता है।
23. यह निर्विवाद है कि किसी दी गई जांच के लिए परिभाषित विचाराधीन उत्पाद में अनेक विभिन्न उत्पाद हो सकते हैं जो एक दूसरे के उत्पादों से एक समान नहीं हो सकते हैं – दूसरे शब्दों में पीयूसी के भीतर विभिन्न श्रेणी के उत्पादों का आंतरिक रूप से समरूप होना आवश्यक नहीं है। ईसी – साल्मन (नार्वे)<sup>19</sup> डब्ल्यूटीओ पैनल ने यह देखा है कि प्राधिकारी के लिए इस प्रकार से पीयूसी को परिभाषित करना आवश्यक है कि पीयूसी के भीतर सभी श्रेणी के उत्पाद एक दूसरे के समान हों। अनेक पूर्ववर्ती जांचों में व्यापक श्रेणी के उत्पादों को शामिल करने के लिए पीयूसी को परिभाषित करने की प्राधिकारी की प्रक्रिया भी रही है – जो एक दूसरे के समान न हों<sup>20</sup>। माननीय सेस्टेट ने भी यह माना है कि तैयार उत्पाद के भाग और घटक को पीयूसी के दायरे में शामिल करने की अनुमति है<sup>21</sup>

<sup>11</sup> हुआवेई टेक्नोलॉजीज और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य अपील संख्या एडी /13/2012(सेस्टेट)

<sup>12</sup> मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी अपील संख्या एडी/7/2010 – सीयू (डीडी)

<sup>13</sup> अंतिम जांच परिणाम फाइल सं. 06/07/2022 – डीजीटीआर, चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित कटिंग, मार्किंग या वेल्डिंग के लिए प्रयुक्त औद्योगिक लेजर मशीनों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

<sup>14</sup> अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/28/2009 – डीजीएडी, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्लास फाइबर और उसकी वस्तुओं के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

<sup>15</sup> अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/2/2009 – डीजीएडी, चीन जन. गण. और इजराइल के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सिंक्रोनस डिजिटल हायरारकी ट्रांसमिशन उपकरण (एसडीएच उपकरण) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी शुल्क जांच।

<sup>16</sup> अंतिम जांच परिणाम फाइल सं. 4/11/2010-डीजीटीआर, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ट्रेलर के एक्सेल के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की कथित प्रवंचना से संबंधित प्रवंचनारोधी जांच।

<sup>17</sup> पैनल रिपोर्ट, यूरोपीय समुदाय – नार्वे से फार्म साल्मन संबंधी पाटनरोधी उपाय, डब्ल्यूटी/डीएस337/आर, 15 जनवरी, 2008 को स्वीकृत।

<sup>18</sup> पैनल रिपोर्ट, यूरोपीय संघ – कतिपय इस्पात उत्पादों पर रक्षोपाय, डब्ल्यूटी/डीएस595/आर और एडीडी1, 31 मई, 2022 को स्वीकृत।

<sup>19</sup> पैनल रिपोर्ट, ईसी – साल्मन (नार्वे)

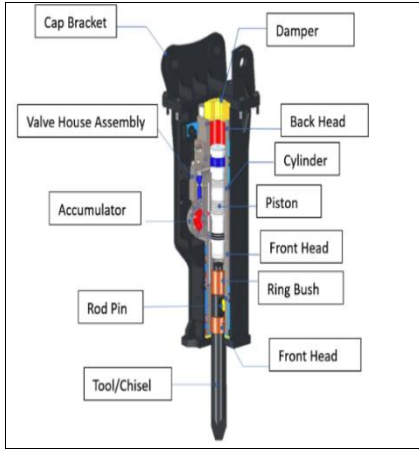
<sup>20</sup> नोट 22 देखें

<sup>21</sup> नोट 11 और 12 देखें

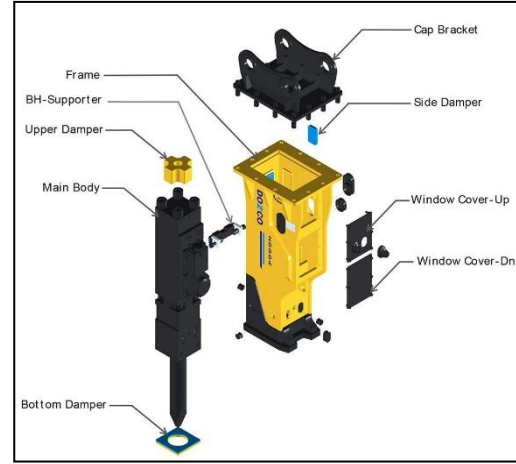


24. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने हिस्सों और घटकों सहित व्यापक रेंज की उत्पाद श्रेणियों को शामिल करने के लिए पीयूसी को व्यापक रूप से परिभाषित करने की प्राधिकारी की शक्तियों पर विवाद नहीं किया है, बल्कि उनकी शिकायत यह है कि जांच शुरूआत अधिसूचना में परिभाषित पीयूसी को दिनांक 16 जून 2023 की पीसीएन अधिसूचना द्वारा कथित रूप से बढ़ा दिया गया है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया कि चूंकि जांच शुरूआत अधिसूचना में पीयूसी को "पूर्णतः असेंबलड स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर" के रूप में परिभाषित किया है। इसलिए जांच केवल इस परिभाषा तक सीमित होनी चाहिए और पीयूसी में किसी विस्तार की अनुमति नहीं है। अन्य हितबद्ध पक्षकार बताते हैं कि सभी पूर्ववर्ती जांचें जिनमें हिस्से और घटक पीयूसी का भाग थे, ऐसे मामले थे जहां जांच शुरूआत अधिसूचना में स्वयं पीयूसी को हिस्सों और घटकों के रूप में परिभाषित किया था।
25. कोरिया गणराज्य ने यह तर्क दिया कि जांच को 7 असेंबली और उप असेंबली के संबंध में पाटन और क्षति के प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य के आधार पर शुरू नहीं किया गया था – जो पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.2 का उल्लंघन है। डेमो निंगबो सुसान, फील, एवरडिगम और डी और ए यह तर्क देने के लिए व्यापार उपचार जांच के लिए प्रचलान प्रक्रिया पुस्तिका पर भरोसा करते हैं कि जांच शुरूआत के स्तर पर एक बार परिभाषित विचाराधीन उत्पाद को बाद में बदला नहीं जा सकता है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने इसी प्रकार के अनुरोध किए हैं।
26. उत्पाद के दायरे के कथित विस्तार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावों के उत्तर में डोजको ने बताया कि पीयूसी के दायरे को 16 जून, 2023 की पीसीएन अधिसूचना के जरिए संशोधित किया गया। डोजको ने बताया है कि जांच शुरूआत अधिसूचना के पैरा 4 में उत्पाद विवरण की अधूरी सूची दी गई है जिसके अंतर्गत पीयूसी का भी आयात हुआ है। इस अधूरी सूची में "हाइड्रोलिक स्पेयर बाँड़ी और हाइड्रोलिक असेंबली किट" जैसी मदें दी गई हैं जो पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर नहीं है। डोजको ने बताया है कि उत्पाद परिभाषा की अधूरी सूची में इन शब्दों का प्रयोग दर्शाता है कि पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के हिस्से पीयूसी के दायरे में शामिल किए जाने के लिए लक्षित थे।
27. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि जांच शुरूआत अधिसूचना में उल्लिखित उत्पाद विवरण का प्रयोग पीयूसी के दायरे को बढ़ाने के लिए नहीं किया जा सकता है। उत्पाद विवरण की अधूरी सूची केवल उन नामों को बताती है जिन्हें बिल में इंट्री करते समय उल्लिखित किया जा सकता है। एडी ने तर्क दिया है कि अधूरी सूची में उल्लिखित "हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर असेंबली किट" जैसे शब्दों को हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की 7 असेंबली और उप असेंबली को शामिल करने के लिए नहीं समझा जा सकता है। एडी ने यह भी तर्क दिया है कि इस वाक्य को केवल उस स्थिति के रूप में समझा जाना चाहिए, जहां हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की सभी असेंबली और उप असेंबली को एक किट के रूप में एक साथ एक खेप में आयातित किया जाता है।
28. वर्तमान जांच में पीयूसी में अन्य बातों के साथ-साथ पूर्णतः असेंबलड स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर शामिल हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरूआत अधिसूचना के पैरा 3 में यथा उल्लिखित "पूर्णतः असेंबलड स्थिति में" शब्दों का संबंध उत्पाद की अनिवार्य विशेषता या प्रकृति से संबंधित नहीं है, बल्कि उस रूप से संबंधित है जिसमें उत्पाद को बेचा या आयातित किया जाता है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि जांच शुरूआत अधिसूचना में उल्लिखित विवरण में विभिन्न रूप दर्शाए गए हैं जिनमें हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का आयात किया जाता है। तथापि, जांच शुरूआत अधिसूचना से ऐसा लगता है कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के सभी हिस्से और घटक जांच के दायरे में शामिल हैं। उसके बाद घरेलू उद्योग सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों को पढ़ने पर यह दायरा 7 असेंबली और उप असेंबली तक सीमित हो गया जो बाद में कार्य क्षेत्र अधिसूचना में उल्लिखित थीं।
29. असेंबली किट, रॉड पिन्, बोल्ट के माध्यम से आदि जैसे उत्पादों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया था। दीक्षा अधिसूचना के पैराग्राफ 4 में उल्लिखित आइटम विवरणों की गैर-संपूर्ण सूची की समावेशी भाषा के कारण, कई छोटे हिस्सों को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया था, भले ही वे हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के मामूली हिस्से हों।

30. यह भी नोट किया गया है कि रॉक ब्रेकर पूंजीगत सामान है<sup>22</sup>, जिसमें अनेक प्रकार के हिस्से, घटक, असेंबली और उप असेंबली शामिल हैं। निम्नांकित चित्र हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के क्रॉस सेक्शन और आंतरिक संरचना को दर्शाता है।



हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का 3डी मॉडल



हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का क्रॉस सेक्शन



31. उक्त चित्र हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के प्रमुख घटकों को दर्शाता है। इन घटकों से आगे अनेक छोटे हिस्से बनते हैं। ये सभी छोटे हिस्से अलग-अलग उत्पादित होते हैं और चित्र में दिखाए गए ऊपर उल्लिखित बड़े हिस्से में जोड़े जाते हैं। बड़े हिस्सों को पूर्णतः असेंबलड स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के रूप में जोड़ा जाता है।
32. 3घरेलू उद्योग की चिंताओं और विरोधी तर्कों दोनों को ध्यान में रखते हुए जांचकर्ता दल ने घरेलू उद्योग के संयंत्र का मौके पर सत्यापन किया। देखने से एक बिल्कुल सीधी असेंबली प्रक्रिया का पता चला इसमें तकनीकी जटिलता या कोई खास लागत नहीं थी। असेंबली/उप असेंबली को मूल मैन्युअल लेवल के प्रयोग से पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और एक हैवी वेट लिफ्टिंग मशीन में तुरंत परिवर्तित कर दिया गया। इससे कर प्रवंचना का स्पष्ट और आसन्न जोखिम दिखाई देता है। इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा प्रवंचना का खतरा केवल निराधार कथन नहीं है, बल्कि एक बिल्कुल आसन्न संभावना है। अतः अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के अनुसार पीयूसी के दायरे से असेंबली/उप असेंबली को बाहर रखना उचित नहीं समझा गया था।

<sup>22</sup> एफटीपी 2015-20 के अंतर्गत "पूंजीगत सामान" को निम्नानुसार परिभाषित है:

"पूंजीगत सामान से तात्पर्य कोई संयंत्र, मशीनरी, उपकरण या सहायक सामान है जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के विनिर्माण या उत्पादन या बदनलने, आधुनिकीकरण, तकनीकी उन्नयन या विस्तार के लिए अपेक्षित सेवाओं सहित सेवाएं देने के लिए अपेक्षित हों। इसमें पैकेजिंग मशीनरी और उपकरण, रिफ्रिजरेशन उपकरण, विद्युत उत्पादन सेट, मशीन टूल, परीक्षण के लिए उपकरण और साधन, अनुसंधान और विकास, गुणवत्त प्रदूषण नियंत्रण शामिल हैं। पूंजीगत सामान, विनिर्माण, खनन, कृषि, जल कृषि, पशु पालन, पुष्प कृषि, बागवानी, मछली पालन, मुर्गी पालन, रेशम कीट पालन और अंगूर की खेती में प्रयोग के लिए और सेवा क्षेत्र में प्रयोग के लिए हो सकता है।"

33. यह आवश्यक नहीं है कि पूंजीगत सामान को हमेशा पूर्णतः असेंबलड स्थिति में आयातित किया गया हो; ऐसा हो सकता है कि परिवहन में आसानी या अन्य संभार स्वतंत्र के प्रयोजनों के लिए पूंजीगत सामान को गैर असेंबलड रूप में आयात किया गया हो। इसे तुरंत असेंबल किया गया हो।
34. डीजी सिस्टम से प्राप्त आयात आंकड़ों की काफी अधिक मात्रा के विस्तृत विश्लेषण के बाद यह नोटिस किया गया था कि पीयूसी (अर्थात् हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर) के आयातों की काफी मात्रा हिस्सों के रूप में है जिसे आसानी से पीयूसी बनाने के लिए जोड़ा जा सकता है। दूसरे शब्दों में उत्पाद को गैर असेंबल रूप/स्थिति में आयात किया जा रहा है। यह देखा गया था कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की प्रकृति और आकार के कारण और चूंकि ये पूंजीगत सामान हैं। इसलिए हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर को गैर असेंबल रूप/स्थिति में आयात करना एक सामान्य प्रक्रिया थी। तथापि, इससे तैयार उत्पाद की अनिवार्य प्रकृति और विशेषता में बदलाव नहीं होता है। पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की गैर असेंबल रूप के बीच एक मात्र अंतर उस रूप का है जिसमें इनका आयात होता है। अन्य सभी मापदंडों में ये एक जैसे और समान हैं। “असेंबली/उप असेंबली” और “पूर्णतः असेंबल स्थिति” शब्द केवल विभिन्न रूपों से संबंधित हैं जिनमें रॉक ब्रेकर का आयात होता है। जैसा कि जांच शुरुआत अधिसूचना में उल्लिखित अनेक विवरणों के जरिए दर्शाया गया है। पूर्णतः असेंबल स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और असेंबली और उप असेंबली के रूप में आयातित हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के बीच कोई अंतर नहीं है।
35. इंटर कांटेनेटल ऑयल्स एंड फैट्स पीईटी लि० बनाम भारत संघ और अन्य<sup>23</sup> के मामले में माननीय सेस्टेट ने उत्पाद के गैर तैयार रूप को पीयूसी में शामिल करने की अनुमति दी थी। यद्यपि घरेलू उद्योग के पास गैर तैयार रूप के उत्पादन की क्षमता नहीं थी। उस मामले में घरेलू उद्योग ने केवल सी12 सी14 अल्कोहल के मिश्रित रूप का उत्पादन किया था और सी12 और सी14 अल्कोहल के प्योर कट्स का नहीं। सेस्टेट ने नोट किया कि प्योर ग्रेड सी12 और सी14 और उसका मिश्रण सी12-सी14 समान विनिर्माण प्रक्रिया से समान कच्ची सामग्री से निकलता है। घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया कि सी12 और सी14 को सरल प्रक्रिया द्वारा आपस में मिलाया जा सकता है। माननीय सेस्टेट ने नोट किया कि यदि सी 12 और सी14 के शुद्ध कट्स को बाहर रखा जाता है तो इससे शुल्क लगाने का उद्देश्य विफल हो जाएगा और इसलिए प्योर कट्स को पीयूसी के दायरे में शामिल किया।
36. इसी प्रकार वर्तमान जांच में इन उप असेंबली को और असेंबली को पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के रूप में असेंबलड किया जा सकता और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद से प्रतिस्थापित और बदला जा सकता है। इस प्रकार उप असेंबली और असेंबली पूर्णतः असेंबलड रॉक ब्रेकर से केवल उस रूप में अलग हैं जिसमें इसका आयात किया जाता है।
37. यह भी तर्क दिया गया कि यदि उन सभी भागों को पीयूसी के दायरे में शामिल किया जाए तो इससे ऐसी स्थिति बनेगी जहां उत्पाद का दायरा बहुत व्यापक हो जाएगा और जांच में वे आयातित उत्पाद भी शामिल होंगे जो घरेलू उद्योग का क्षति का कारण नहीं है।
38. हितबद्ध पक्षकारों ने बताया है कि 7 असेंबली और उप असेंबली पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के समान वस्तु नहीं हैं। प्राधिकारी उस सीमा तक सहमत हैं, जहां ये उत्पाद पूर्णतः असेंबलड रॉक ब्रेकर के अलग-अलग समान नहीं हैं। तथापि, यह नोट किया गया है कि इन असेंबली को एक साथ एकल सौदे / खेत में या अनेक खेतों में निर्यातित किया जा सकता है। जिन्हें समय पर अलग किया जा सकता है। परंतु इन्हें पूर्णतः असेंबलड रॉक ब्रेकर बनाने के लिए आयातित किया जा सकता है।
39. इस संबंध में प्राधिकारी चीन जन. गण. से औद्योगिक लेजर मशीनों संबंधी पाटनरोधी जांच के निम्नलिखित संसुक्ति को नोट करते हैं:

*“18. एसकेडी और सीकेडी के अर्थ के संबंध में प्राधिकारी मानते हैं कि यह भलिभांति ज्ञात शब्द है। एसकेडी का अर्थ लेजर मशीन होगा जो पूर्णतः असेंबल नहीं है परंतु नहीं फिट किए गए सभी अनिवार्य घटकों के साथ लेजर मशीन के रूप में खरीदी जाती है और मशीन प्रयोग के लिए तैयार नहीं होती है। इस प्रयोजनार्थ सीकेडी का अर्थ अपने अपूर्ण या गैर तैयार रूप में कोई वस्तु है और उसने पूर्ण वस्तु की अनिवार्य विशेषताएं हैं। इस प्रकार एकल*

<sup>23</sup> इंटर कांटेनेटल ऑयल्स एंड फैट्स पीईटी लि० बनाम भारत संघ और अन्य, पाटनरोधी अपील संख्या की 50228 2019

घटक एसकेडी। सीकेडी रूप में पीयूसी का आयात नहीं माना जाएगा। तथापि, यदि सभी घटकों का इस प्रकार सौदा किया जाता है कि उसमें केवल भारत में जोड़ने का कार्य अपेक्षित है तो ऐसे सौदे को सीकेडी स्थिति का सौदा माना जाएगा और वह चाहें एकल खेत में सौदा न भी किया जाए तो भी पीयूसी के दायरे के भीतर समझा जाएगा।”

40. इस प्रकार जब 7 असेंबली उप असेंबली का इस प्रकार से सौदा किया जाता है कि उसे भारत में केवल जोड़ना अपेक्षित हो तो ऐसे सौदे को हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की गैर असेंबल रूप/स्थिति का सौदा माना जाएगा। चाहें ऐसा सौदा एकल खेप / एकल सौदे में न हुआ हो या अनेक सौदों में हुआ हो।
41. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एवरडिगम और डी एंड ए ने चिंता जताई है कि असेंबली और उप असेंबली को शामिल करने से क्षति विश्लेषण खराब हो जाएगा क्योंकि छोटी मात्राओं में आयातित उच्च कीमत की घटक की तुलना कम कीमत वाले ऐसे घटकों से की जाएगी जिनका आयात अधिक मात्रा में हुआ है। यह स्पष्ट किया जाता है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को भारित औसत आधार (कीमत प्रति एमटी और न कि नग प्रति एमटी) में निर्धारित किया गया है और इसलिए ऐसे घटकों के प्रभाव से मार्जिन में गड़बड़ी नहीं होगी। तुलना प्रति नग आधार पर नहीं हो रही है। अलग-अलग असेंबली और उप असेंबली की कीमतों की तुलना अलग-अलग हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की कीमतों से नहीं की गई है। विभिन्न असेंबली और पूर्णतः असेंबलड हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की इकाइयों के बीच कीमत का अंतर कीमत तुलनीयता को प्रभावित नहीं कर सकता है, क्योंकि तुलना भारित औसत आधार पर की गई है। प्राधिकारी ने इस पद्धति के आधार पर अपना पाटन और क्षति विश्लेषण किया है।
42. उक्त के आधार पर प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि दिनांक 16 जून, 2023 की पीसीएन अधिसूचना से पीयूसी के दायरे का विस्तार नहीं हुआ है। महत्वपूर्ण यह है कि पीसीएन अधिसूचना जांच शुरूआत अधिसूचना में पीयूसी की दायरे की व्यापक परिभाषा की तुलना में दायरे को सीमित करती है। इस प्रकार पीयूसी का दायरा निम्नानुसार है:

“अलॉय स्टील चीसेल/टूल और पूर्णतः असेंबल स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर तथा रॉक ब्रेकर की निम्नलिखित उप असेंबली और असेंबली:

- क. हाइड्रोलिक सिलेंडर या रॉक ब्रेकर के लिए पिस्टन
- ख. फ्रंट हेड
- ग. बैक हेड
- घ. सिलेंडर
- ड. फ्रेम
- च. सिलेंडर बॉडी या हाइड्रोलिक यूनिट
- छ. ब्रैकेट

रॉक ब्रेकर के अन्य सभी हिस्से और घटक पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं हैं।

### ग.3.2 क्या पीयूसी में केवल वही उत्पाद शामिल होने चाहिए जिन्हें घरेलू उद्योग बेच रहा है

43. एडी ने अनुरोध किया कि ऑक्सो अल्कोहल एंड टेक्नोवा मामले में माननीय सेस्टेट ने माना है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पाद, जिनके आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा सकते हैं, को पीयूसी के दायरे से बाहर रखना चाहिए।
44. डोजको ने हुआवेई टेक्नोलॉजीज और मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स में माननीय सेस्टेट के निर्णयों पर यह तर्क देने पर भरोसा किया है कि माननीय सेस्टेट ने हिस्सों और घटकों को शामिल करने की अनुमति दी है जिन्हें घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं किया जाता है, क्योंकि उन्हें पीयूसी के दायरे में शामिल करने से शुल्क लगाने का प्रयोजन विफल हो जाएगा और शुल्कों की प्रवंचना हो सकती है। डी एंड ए और एवरडिगम ने अनुरोध किया कि प्रवंचना का कोई दावा केवल आरोप और संयोग पर आधारित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे एक एडी नियमावली के नियम 25(2)(क) के अनुसार साक्ष्य के जरिए साबित करना चाहिए। एडी ने बताया किया प्रवंचना की आशंका आवेदन में उल्लिखित नहीं है बल्कि उसके बाद का विचार है।

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह निर्विवाद है कि घरेलू उद्योग केवल पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की बिक्री करता है और असेंबली, उप असेंबली और घटकों की अलग से बिक्री नहीं करता है। तथापि, घरेलू उद्योग असेंबली, उप असेंबली और घटकों का उत्पादन करता है और उनका प्रयोग पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के उत्पादन में करता है। इंटर कांटेनेंटल<sup>24</sup>, हुआवेई टेक्नोलॉजीज<sup>25</sup> और मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स<sup>26</sup> के मामलों में माननीय सेस्टेट ने निर्णय दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए उत्पाद के हिस्सों और घटकों को पीयूसी के दायरे में शामिल करने की अनुमति है कि शुल्क लगाने का प्रयोजन प्रभावी हो, चाहे घरेलू उद्योग उस वस्तु का उत्पादन और बिक्री नहीं करता हो। हुआवेई टेक्नोलॉजीज के मामले में माननीय सेस्टेट ने माना था कि यद्यपि हिस्सों को केवल आबद्ध खपत के लिए उत्पादित किया जाता है, परंतु पीयूसी में उन्हें शामिल करना न्यायोचित है ताकि कर प्रवंचना का निवारण हो या उससे बचा जा सके। माननीय सेस्टेट ने निम्नानुसार संसुक्ति की:

*“29. हमारे विचार से प्राधिकारी के लिए पीयूसी के दायरे में ऐसे भाग और घटकों को शामिल करने की अनुमति है जिन्हें यदि शामिल नहीं किया गया तो शुल्क निष्प्रभावी हो जाएगा। शुल्क लगाने के लिए उत्पाद की कवरेज ऐसी होनी चाहिए कि शुल्क लगाने का उद्देश्य और आशय प्राप्त हो सके। पाटनरोधी शुल्क पाटन के बुरे प्रभावों से घरेलू उत्पादकों को बचाने के लिए लगाया जाता है यदि एसडीएच प्रयोग के लिए भागों और घटकों को बाहर रखा जाता है तो आयातक असंयोजित रूप में विभिन्न खेपों में मदों को केवल ले आएंगे और भारत में उन्हें असेंबल करेंगे और शुल्क को विफल कर देंगे। वास्तव में भागों और घटकों को शामिल करना इस प्रकार से पीयूसी को प्रभावित करने की वैश्विक प्रक्रिया से संगत है। ताकि निर्यातकों द्वारा शुल्क के निवारण या प्रवंचना से बचा जा सके जैसा कि यूएसआईटीसी के निर्णय से स्पष्ट है।”*

46. वर्तमान मामले में डोजको पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के उत्पादन के लिए असेंबली और उप असेंबली का विनिर्माण करता है। जैसी पहले ऊपर चर्चा की गई है। घरेलू उद्योग के मौके पर सत्यापन के दौरान जांचकर्ता दल ने देखा था कि असेंबली और उप असेंबली को पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के लिए असेंबल करने की प्रक्रिया में कोई तकनीकी जटिलता या खास वित्तीय लागत नहीं है। आयात आंकड़ों से यह भी देखा गया है कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली का भारी मात्रा में आयात हो रहा है।
47. डी एंड ए और एवरडिगम ने अनुरोध किया कि प्रवंचना को एडी नियमावली के नियम 25(2) के अनुसार साबित करना चाहिए यद्यपि यह सही है कि एडी नियमावली का नियम 25(2) प्रवंचना के लिए मापदंड निर्धारित करता है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 25(2) केवल प्रवंचना के बाद ही उपचार देता है। परंतु प्रवंचना के निवारण से संबंधित नहीं है। माननीय सेस्टेट ने इंटर कांटेनेंटल<sup>27</sup> और हुआवेई टेक्नोलॉजीज<sup>28</sup> मामले में माना था कि प्राधिकारी के पास पीयूसी को परिभाषित करके प्रवंचना के विरुद्ध निवारक कार्रवाई करने की शक्ति है ताकि भाग और घटकों को शामिल किया जा सके। अतः एडी नियमावली के नियम 25(2) के संबंध में डी एंड ए और एवरडिगम के तर्क निराधार हैं।
48. वर्तमान मामले के तथ्य इंटर कांटेनेंटल और हुआवेई टेक्नोलॉजीज मामले में सेस्टेट के निर्णय में बिल्कुल उपयुक्त हैं। अतः हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली को पीयूसी के दायरे से बाहर रखना आवश्यक नहीं है। एक मात्र तर्क जो रह जाता है यह है कि इंटर कांटेनेंटल और हुआवेई टेक्नोलॉजीज में प्राधिकारी ने भागों और घटकों का पीयूसी की परिभाषा में विशिष्ट रूप से उल्लेख किया था। तथापि यह तर्क उचित नहीं है – प्राधिकारी ने पहले ही स्पष्ट किया है कि वर्तमान जांच में पीयूसी का कोई विस्तार नहीं हुआ है।
49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि टेक्नोवा और ऑक्सो अल्कोहल ने दिए गए निर्णयों पर एडी का भरोसा निराधार है। टेक्नोवा एक ऐसा मामला था जिसने उत्पाद की विभिन्न अनेक किस्मों (लीथोग्रेड अल्मोनियम, कलर कोटेड अल्मोनियम आदि) को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया था। यह प्रश्न कि क्या किसी उत्पाद की असेंबली और उप असेंबली को पीयूसी में शामिल किया जा सकता है। टेक्नोवा के मामले में सेस्टेट द्वारा विचारित नहीं था।

<sup>24</sup> इंटर कांटेनेंटल ऑयल्स एंड फैट्स पीईटी लि० बनाम भारत संघ और अन्य, पाटनरोधी अपील संख्या 2019 की 50228

<sup>25</sup> हुआवेई टेक्नोलॉजीज और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य अपील संख्या एडी/13/2012 (सेस्टेट)

<sup>26</sup> मैरिनो पैनल प्रोडक्ट्स बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी अपील संख्या एडी /7/2010 – सीयू (डीबी)

<sup>27</sup> इंटर कांटेनेंटल ऑयल्स एंड फैट्स पीईटी लि० बनाम भारत संघ और अन्य, पाटनरोधी अपील संख्या 2019 की 50228

<sup>28</sup> हुआवेई टेक्नोलॉजीज और अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य अपील संख्या एडी/13/2012 (सेस्टेट)

इसके अलावा, पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर को पहले भी घरेलू उद्योग द्वारा बेचा जा रहा है और इसलिए इसका कोई कारण नहीं है कि घरेलू उद्योग रॉक ब्रेकर्स के असेंबली और उप असेंबली तथा उसके द्वारा विनिर्मित चीसेल्स की बाजार में उपभोक्ताओं के मांगने पर आपूर्ति क्यों नहीं कर सकता है। आक्सो अल्कोहल के मामले माननीय सेस्टेट ने माना था कि यह दर्शाने का कोई साक्ष्य नहीं है कि सामान्य हेक्सानोल घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु की समान वस्तु है। वर्तमान मामला एडी द्वारा उल्लिखित मामले के वास्तविक पहलुओं से अलग है।

### ग.3.3 क्या पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली को शामिल करने की कानून के अंतर्गत अनुमति है ?

50. डेमो निंगबो, सुसान, फील और एडी ने अनुरोध किया कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन केवल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल को विनिर्दिष्ट करता है और 7 प्रकार के भागों और घटकों का उल्लेख नहीं करता है। यह भी उल्लेख किया गया कि आवेदन में आर्थिक मापदंडों संबंधी जानकारी चीसेल और पूर्णतः असेंबल स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर्स से संबंधित है और असेंबली तथा उप असेंबली से नहीं। इसके अलावा, पक्षकारों ने बताया है कि जांच शुरुआत के समय परिभाषित पीयूसी को व्यापार उपचार जांच के लिए प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका के पैरा 3.13.4 के अनुसार बदला नहीं जा सकता है।
51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रचालन प्रक्रिया पुस्तिका प्राधिकारी पर बाध्यकारी नहीं है<sup>29</sup>। इसके होते हुए भी प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने उस दायरे के आगे पीयूसी के दायरे का विस्तार नहीं किया है जैसा आवेदन और जांच शुरुआत अधिसूचना में दिया गया है। ऊपर स्पष्ट किए गए अनुरोध हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की उप असेंबली/असेंबली केवल वे रूप हैं जिनमें पीयूसी का भारत में आयात किया जा सकता है।
52. डी एंड ए, एवरडिगम और एडी ने तर्क दिया है कि जांच शुरुआत अधिसूचना भारत में राजपत्र में प्रकाशित और संबद्ध देशों की सरकारों, निर्यातकों, आयातकों आदि को अधिसूचित की गई थी। यह भी बताया गया था कि राजपत्र अधिसूचना का उद्देश्य सभी पक्षकारों को आवश्यक सूचना देना था ताकि वे अपनी भागीदारी का निर्णय लें सकें। यह बताया गया था कि पीसीएन अधिसूचना कोई राजपत्र दस्तावेज नहीं था, बल्कि एक कार्यालय ज्ञापन था जो जांच शुरुआत अधिसूचना से अलग था इसलिए पक्षकारों के पास जांच में भागीदारी करने या नहीं करने का निर्णय लेने के लिए पीसीएन अधिसूचना में पर्याप्त नोटिस नहीं था।
53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत संघ बनाम कुम्हो पेट्रो केमिकल्स<sup>30</sup> के मामले में उच्चतम न्यायालय पुष्टि की है कि एडी नियमावली के अंतर्गत जांच शुरुआत अधिसूचना को सरकारी राजपत्र में प्रकाशित करना अपेक्षित नहीं है। एडी नियमावली के नियम 6(1) में निर्धारित है कि जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रयोजनार्थ राजपत्र अधिसूचना के बजाय सार्वजनिक सूचना पर्याप्त होती दिनांक 16 जून 2023 का कार्य क्षेत्र अधिसूचना को भी एडी नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार सार्वजनिक सूचना के रूप में जारी किया गया था जिसे डीजीटीआर की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया था। सभी हितबद्ध पक्षकारों और दूतावासों को जांच से संबंधित अद्यतन जानकारी के लिए डीजीटीआर की वेबसाइट को नियमित रूप से देखने का निदेश दिया गया था। अतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी नहीं करने संबंधी अनुरोध न्यायसंगत नहीं है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने सभी अन्य जांचों में भी इसी प्रक्रिया का पालन किया है। यह कानून (उच्चतम न्यायालय द्वारा यथा पुष्टिकृत) स्वयं मानता है कि जांच शुरुआत के लिए सार्वजनिक सूचना (राजपत्र अधिसूचना के बजाय) पर्याप्त। खुद प्राधिकारी यह समझने में विफल हैं कि पीसीएन अधिसूचना की सार्वजनिक सूचना उसी तरीके से जारी करना या पर्याप्त नहीं है। यह भी नोट किया गया है कि कार्य क्षेत्र की अधिसूचना के संबंध में यही नीति पूर्व की सभी जांचों में अपनाई गई है।
54. यह नोट करना भी संगत है कि कोरिया गणराज्य ने दिनांक 16 जून, 2023 की कार्य क्षेत्र अधिसूचना के संबंध में मौखिक सुनवाई में विस्तृत अनुरोध किए और लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए अतः पक्षकारों का यह तर्क कि कार्य क्षेत्र अधिसूचना का प्रचार नहीं हुआ और सभी हितबद्ध पक्षकारों को पता नहीं चला, निराधार है।

### ग.3.4 विचारधीन उत्पाद और समान वस्तु

<sup>29</sup> दावात्याग, मानक प्रचालन प्रक्रिया नियम पुस्तिका

<sup>30</sup> (2017) 8 एससीसी 307

55. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित वस्तु और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण वितरण और विपणन और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग करते हैं और कर रहे हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु के संबद्ध वस्तु के समान वस्तु होने के संबंध में आवेदक के दावे पर प्रश्न नहीं उठाया है। अतः प्राधिकारी यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु एडी नियमावली के नियम 2(घ) के अनुसार संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान वस्तु है।

### ग.3.5 उत्पाद नियंत्रण संख्याओं से संबंधित मुद्दे

56. हंसुंग ने प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. अंतिम पीसीएन पद्धति से उचित तुलना नहीं होती है क्योंकि इसमें लंबाई को अलग रखा गया है और पीसीएन के बाहरी व्यास का व्यापक वर्गीकरण शामिल है।
  - ख. पीसीएन की इकाई कीमत निर्धारित करने में बाहरी व्यास और लंबाई महत्वपूर्ण मापदंड हैं।
  - ग. पीसीएन की इकाई कीमत पीसीएन की लंबाई के अनुसार अलग-अलग होगी। उदाहरण के लिए अधिक लंबी चीसेल की इकाई कीमत अधिक होगी, क्योंकि उसमें अलॉय इस्पात की अधिक मात्रा होगी।
  - घ. बाहरी व्यास को व्यापक रेंज के रूप में वर्गीकृत नहीं करना चाहिए, चूंकि उससे कीमतें विकृत हो जाएंगी और अनुचित कीमत तुलना होगी।
  - ड. प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पीसीएन पद्धति से उचित तुलना नहीं होती है और यह पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 का उल्लंघन है और *मोरक्को – एक्साइज बुक पर एडी उपाय (ट्यूनीशिया) [डीएस 578]* मामले में डब्ल्यूटीओ पैनल की संमति का उल्लंघन है।
57. डी एंड ए और एवरडिगम ने प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई उत्पाद नियंत्रण संख्या के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पीसीएन पद्धति में वस्तुनिष्ठता नहीं है। 7 घटकों के बीच कीमत में काफी अंतर मौजूद है।
  - ख. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 और एडी नियमावली के पैरा 6(i) निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना अधिदेशित करता है। पीसीएन पद्धति में उचित तुलना नहीं होती है।
  - ग. अर्जेंटीना – सेरेमिक टाइल्स<sup>31</sup> में डब्ल्यूटीओ पैनल ने यह संमति की थी कि उचित तुलना में पीयूसी की भौतिक विशेषताओं में अंतर पर विचार किया जाएगा।
  - घ. पीयूसी की भौतिक विशेषताओं, अंतिम प्रयोगों में जमीन आसमान का अंतर होगा, क्योंकि ये दोनों अलग घटक असेंबली और उप असेंबली हैं।
  - ड. पीयूसी के विस्तारित दायरे और सरल पीसीएन वर्गीकरण से उचित तुलना नहीं हो सकती है।
58. डोजको ने प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए पीसीएन वर्गीकरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. समान व्यास की चीसेल की लंबाई में कोई खास अंतर नहीं होता। ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी विशिष्ट व्यास के चीसेल की टेंसाइल मजबूती उसकी लंबाई के प्रति अनुपाती होती है।
  - ख. प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पीसीएन पद्धति यह सुनिश्चित करती है कि उचित तुलना की जाए।

<sup>31</sup> पैनल की रिपोर्ट, अर्जेंटीना – जर्मनी से कार्टून बोर्ड के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी उपाय और इटली के सेरेमिक टाइल्स के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी उपाय डब्ल्यूटीओ/डीएस189/आर

- ग. प्राधिकारी पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की किसी असेंबली / उप असेंबली की तुलना नहीं कर रहे हैं।
- घ. 7 विशिष्ट उप असेंबली के लिए एक अलग पीसीएन अधिसूचित किया गया है।
- ड. पीसीएन पद्धति को अधिसूचित करने का कोई उद्देश्य "उचित तुलना" सुनिश्चित करना है।

### ग.3.6 पीसीएन पद्धति के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच

59. आरंभ में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने पहले ही माना था कि संबद्ध देशों से आयातित वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित समान वस्तु है। अतः वर्तमान जांच में अनुचित तुलना का कोई प्रश्न नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं वर्तमान जांच के लिए अपनाई गई माप की इकाई एमटी है और नग या इकाइयां नहीं हैं। अतः जब प्राधिकारी पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए तुलना करते हैं तो निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना भारित औसत आधार (कीमत प्रति एमटी और न कि कीमत प्रति नग) पर होती है। यह तुलना प्रति नग/सेट/इकाई आधार पर नहीं हो रही है। अतः अलग असेंबली और उप असेंबली की कीमत की तुलना अलग हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की कीमत के लिए नहीं की गई है। विभिन्न असेंबली की इकाइयों और पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के बीच कीमत का अंतर कीमत तुलनीयता को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि तुलना भारित औसत आधार पर की गई है। इस प्रकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि पीसीएन अधिसूचना उचित तुलना नहीं करने देती, गलत है।
60. इन दावों के संबंध में चीसेल की लंबाई और व्यास पर विचार किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों के पास पीसीएन संबंधी चर्चा के दौरान जांचकर्ता दल को इस तथ्य से अवगत कराया गया कि कतिपय भार के हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर केवल एक नियम व्यास तक के चीसेल को लगा सकते हैं। उदाहरण के लिए 0-75 एमएम के व्यास वाले चीसेल 0-500 किलोग्राम के बीच की भार रेंज के हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर पर ही लगाए जा सकते हैं। इस प्रकार ऐसे चीसेल का व्यास जिसे रॉक ब्रेकर पर लगाया जा सके, का प्रयोग रॉक ब्रेकर के स्वयं के भार के पता लगाने के लिए किया जा सकता है। जहां तक चीसेल की लंबाई का संबंध है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मापदंड का प्रभाव चीसेल के भार में प्रदर्शित होगा क्योंकि अधिक लंबाई की चीसेल का भार भी अधिक होगा। अतः इस संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे निराधार हैं।

### घ. घरेलू उद्योग का दायरा और मापदंड

#### घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

61. डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, निंगबो यिनझाउ गेट मशीनरी लिमिटेड, सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
  - क. डोजको ने संबद्ध देशों से पीओआई के दौरान एचएस कोडों 8431 49 90 और 8431 49 30 के अंतर्गत पीयूसी का आयात किया है।
  - ख. डोजको ने संबद्ध देशों से [\*\*\* रूपए] मूल्य के हिस्सों और घटकों का आयात किया है। इसमें अलॉय स्टील/ चीसेल टूल और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की लगभग [\*\*\* रूपए] मूल्य की असेंबली और उप असेंबली शामिल हैं।
  - ग. डोजको एक विचाराधीन उत्पाद का एक आयातक है और इसलिए उसे एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है।
  - घ. विनिर्माण का अर्थ विशेष रूप से किसी कारखाना विनिर्माण में किसी चीन का निर्माण या संयोजन की प्रक्रिया है जिसमें भागों/घटकों को जोड़ा जाता है और विनिर्माता के रूप में अंतिम उत्पाद को असेंबल करने में विचार किया जाता है। याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करते समय पात्र घरेलू उत्पादकों के रूप में ऐसे विनिर्माताओं पर विचार किया है।



- ड. मौखिक सुनवाई के दौरान डोजको ने यह बताया है कि अलॉय स्टील चीसेल / टूल और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर्स के अन्य विनिर्माता ही हैं जो संबद्ध देशों से सभी या कुछ भागों और घटकों का आयात करते हैं और पीयूसी बनाने के लिए उन्हें भारत में बस जोड़ते हैं।
- च. यदि प्राधिकारी बड़े हुए पीयूसी के दायरे को जारी रखते हैं तो उन्हें घरेलू उद्योग की स्थिति की पुनः जांच और विश्लेषण करना चाहिए: (1) क्या आवेदक का पीओआई और क्षति अवधि के दौरान हिस्सों और घटकों का वाणिज्यिक उत्पादन रहा है (2) क्या आवेदक के पास भारतीय बाजार में उसके द्वारा विनिर्मित भागों और घटकों की बिक्रियां हैं (3) क्या भागों और घटकों की वाणिज्यिक मात्रा में बिक्रियां हैं (4) क्या घरेलू उद्योग को भागों और घटकों के आयात से क्षति हो रही है; (5) क्या घरेलू उद्योग दिनांक 16 जून, 2023 नोटिस में उल्लिखित 7 असेंबली/उप असेंबली का आयात कर रहा है।
- छ. एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार आयातकों को घरेलू उद्योग की परिभाषा से बाहर रखना चाहिए।
- ज. एक अन्य हितबद्ध पक्षकार ने आरोप लगाया कि डोजको ने संबद्ध देशों से कम से कम \*\*\* करोड़ भारतीय रुपये के मूल्य की असेंबली और उप असेंबली का आयात किया है और जांच अवधि के दौरान पीयूसी के रूप में समान एचएस कोड के अंतर्गत (84314930 एवं 84314990) के लगभग \*\*\* करोड़ रुपये की कुल खरीद की है।
- झ. याचिकाकर्ता ने ऐसे विनिर्माताओं को पात्र घरेलू उत्पादक नहीं माना है।
62. *हुंडई एवरडिगम कॉर्प, और डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड* ने घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. याचिकाकर्ता घटकों, असेंबली/उप असेंबली को आयात कर रहा है और स्थानीय रूप से कर रहा है तथा पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के विनिर्माण के लिए केवल उनको असेंबल (बदलाव/सूक्ष्म मशीनीकरण के साथ या उसके बिना) कर रहा है।
- ख. भारत में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (चीसेल के साथ या उसके बिना) के अनेक अन्य उत्पादक हैं। प्राधिकारी को ऐसे उत्पादकों की उत्पादन मात्राओं को शामिल करके घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करनी चाहिए।
- ग. आवेदक ने अपने आवेदन में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के अन्य उत्पादकों को शामिल नहीं किया है।
- घ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के अन्य उत्पादकों को पीयूसी के कथित पाटन के कारण कोई क्षति नहीं हो रही होगी।
- ड. याचिकाकर्ता का यह दावा कि वे कच्ची सामग्री में 80-90 प्रतिशत मूल्यवर्धन कर रहे हैं जो कोई अन्य विनिर्माता नहीं कर रहा है, वर्तमान याचिका में मौजूद नहीं है।
- च. 80-90 प्रतिशत के मूल्यवर्धन, मापदंड कभी भी एक मानक नहीं रहा है जिसे प्राधिकारी पूर्ववर्ती जांचों में अपनाया हो। यदि ऐसा होता तो काफी संख्या में पाटनरोधी निर्धारणों को कानून के अनुसार गलत माना जाता।
- छ. नियम 25(2)(क)(iii) के अंतर्गत प्रवचनारोधी जांच के प्रयोजनार्थ किसी निर्यातक के लिए 35 प्रतिशत का मूल्यवर्धन पर्याप्त माना जाता है।
- ज. घरेलू उद्योग की स्थिति को ऐसे अपस्ट्रीम उत्पाद – अर्थात् घटक असेंबली और उप असेंबली के लिए अलग से निर्धारित किया जाना चाहिए।
- झ. आवेदक ने उप असेंबली, असेंबली या घटकों की किसी आबद्ध को दर्ज नहीं किया है।
- ञ. आवेदक घटकों, असेंबली या उप असेंबली का विनिर्माण नहीं कर रहा है और इसलिए इन्हें अपस्ट्रीम उत्पादों के लिए घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है।

- ट. यदि आवेदक इन घटकों का निर्माण कर रहा है तो यह देखना चाहिए कि क्या उन्हें बाजार में वाणिज्यिक रूप से बेचा गया है या नहीं।
- ठ. डोजको ने विनिर्माण प्रक्रिया का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया है तो हितबद्ध पक्षकारों के लिए उन पर टिप्पणियां करना कठिन बना देता है।
- ड. अपने आवेदन के प्रपत्र iv(क) और प्रपत्र 6-1 में डोजको ने कच्ची सामग्री/घटकों की आवद्ध खपत शून्य बताई है जो दर्शाता है कि डोजको या तो आयात कर रहा है या अपने घटकों, असेंबली और उप असेंबली को स्थानीय रूप से ले रहा है और पूर्णतः असेंबल एचआरबी में किसी बदलाव के बिना केवल उन्हें असेंबल कर रहा है।
- ढ. एसओपी मैनुअल और आक्सों अल्कोहल और टेक्नोवा इमेजिंग के मामले में सेस्टेट के निर्णय के अनुसार आवेदक को घरेलू उद्योग बनने के लिए पीयूसी का निर्माण करना चाहिए।
- ण. यदि डोजको असेंबली या उप असेंबली घटकों का विनिर्माण नहीं करता है तो उसे इन अपस्ट्रीम उत्पादों का घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है। यदि डोजको उप असेंबली/असेंबली या घटकों का उत्पादन करता है तो प्रत्येक श्रेणी में स्थिति अलग-अलग निर्धारित करनी चाहिए।
- त. पेंसिलीन जी पोटैशियम से संबंधी पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने मध्यवर्ती और अंतिम उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति अलग-अलग निर्धारित की थी।
- थ. रबड़ केमिकल से संबंधित पाटनरोधी जांच में उत्पाद के विभिन्न वर्गों की आवेदक कंपनी उत्पादक के हिस्से की जांच करने के लिए अलग-अलग जांच की गई थी।
63. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी घरेलू स्थिति के संबंध में एडी ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. प्राधिकारी का उत्पाद के दायरे में शामिल प्रत्येक मद के लिए अलग स्थायी विश्लेषण करने का कानूनी दायित्व है।
- ख. यह ऐसा मामला नहीं है, जहां पीयूसी के केवल विभिन्न पीसीएन हैं। ऐसा परिदृश्य हो सकता है, जहां किसी अलग मद के लिए डोजको स्थिति संबंधी अपेक्षा को पूरा न करता हो।
- ग. डोजको रॉक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली का एक आयातक है और एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग बनने का पात्र है।
- घ. बाजार आसूचना से डोजको ने सीआईएफ [ \*\*\*] अमरीकी डॉलर मूल्य के कुल [ \*\*\*] नगों का आयात किया है।
- ड. डोजको द्वारा संबद्ध देश से असेंबली/उप असेंबली का आयात काफी अधिक है और उसे केवल अनुसंधान और विकास प्रयोजनों के लिए आयात नहीं माना जा सकता है।
- च. डोजको भारत में पीयूसी का एक मात्र उत्पादक नहीं है। भारत में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर कम से कम 18 अन्य उत्पादक हैं।
- छ. प्राधिकारी को यह निर्धारित करना चाहिए कि क्या ओवदक के पास कुल भारतीय उत्पादन का 25 प्रतिशत हिस्सा है और उसके बाद क्या डोजको और उसके समर्थकों का भारत में कुल घरेलू उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।
- ज. यह निर्धारित करने में मूल्यवर्धन या बैकवर्ड समेकन संगत नहीं है कि क्या पीयूसी के अन्य भारतीय विनिर्माता घरेलू उद्योग होने के पात्र हैं।
- झ. ईसी – साल्मन (नार्वे) ने माना था कि उत्पादकों का अर्थ कोई उद्यम है जो मानसिक या शारीरिक श्रम के जरिए किसी पीयूसी के प्रकार को अस्तित्व में लाता है।
- ञ. यहां तक कि वे उत्पादक जो रॉक ब्रेकर के कलपुर्जों का आयात करते हैं और भारत में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का विनिर्माण करते हैं, को घरेलू उद्योग का हिस्सा माना जाना चाहिए।

- ट. चीन जन. गण. से 80 माइक्रोन और उससे कम की अल्मोनियम फोइल संबंधी पाटनरोधी जांच में कच्ची सामग्री का आयातक करने वाले उत्पादकों को घरेलू उद्योग माना गया था।
64. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में फाइन और फिन ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. डोजको और अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा असेंबली और उप असेंबली / उप असेंबली के आयातों के संबंध में डोजको द्वारा कोई सूचना नहीं दी गई है।
  - ख. मौखिक सुनवाई के दौरान डोजको के वकील ने बताया कि वह उप असेंबली के आयात में शामिल हैं।
  - ग. फाइन और फिन पीयूसी के विनिर्माता हैं और डोजको का यह दावा झूठा है कि वह भारत में पीयूसी का एक मात्र उत्पादक हैं।
  - घ. दिल्ली क्लॉथ मिल्स<sup>32</sup> के मामले माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार कोई प्रक्रिया जिसके परिणामस्वरूप नाम, विशेषता या प्रयोग में परिवर्तन होता है, को विनिर्माण प्रक्रिया माना जाना चाहिए।
  - ड. फाइन और फिन विभिन्न कलपुर्जों और पीयूसी की असेंबली के आयात और घरेलू खरीद में शामिल हैं।
  - च. फाइन और फिन द्वारा विनिर्मित कच्ची सामग्री तैयार वस्तुओं के उत्पादन के रूप में अपना नाम विशेषता और प्रयोग में भारी परिवर्तन करती है। पूरी प्रक्रिया में 10 प्रतिशत से 40 प्रतिशत का मूल्यवर्धन होता है।
  - छ. भारत में अनेक अन्य उत्पादन समान या किसी प्रकार की विनिर्माण प्रक्रिया में शामिल हैं।
65. हंसुंग ने घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. प्राधिकारी को स्पष्ट रूप से निर्धारित करना चाहिए कि क्या असेंबली और उप असेंबली का कोई अन्य घरेलू उत्पादक है।
  - ख. डोजको दावा करता है कि जहां पीयूसी में 80 प्रतिशत के मूल्यवर्धन वाला एक मात्र उत्पादक है। जबकि अन्य कंपनियां रॉक ब्रेकर के हिस्सों का आयात करती हैं और भारत में असेंबल करती हैं।
  - ग. आयकर अधिनियम 1961, केंद्रीय जीएसटी अधिनियम 2017, कारखाना अधिनियम 1948 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में "विनिर्माण" को परिभाषित करते समय मूल्यवर्धन पर विचार नहीं किया जाता है।
  - घ. सीआईटी बनाम टाटा लोकोमोटिव एंड इंजीनियरिंग कंपनी<sup>33</sup>, के मामले में मुंबई उच्च न्यायालय ने यह माना था कि "विनिर्माण" में असेंबली भी शामिल है।
  - ड. भारत – कोरिया सीईपीए के अनुच्छेद 3.4 में उद्गम के नियम यह विनिर्दिष्ट करते हैं कि देश में पूर्णतः प्राप्त या उत्पादित नहीं की गई वस्तु को उद्देश्य के उद्गम माना जा सकता है।
  - च. याचिकाकर्ता का यह तर्क कि भारत में सभी अन्य कंपनियों संगत नहीं है क्योंकि वे केवल आयात और कलपुर्जों को असेंबल करती हैं, प्रसंगिक नहीं है क्योंकि वे स्वयं भारी मात्रा में असेंबली और उप असेंबली का आयात करते हैं।
  - छ. विनिर्माण की परिभाषा में उत्पाद के अनुसार असेंबली भी शामिल है और यह प्रत्येक मामले में अलग होगी।
  - ज. डोजको का यह तर्क कि असेंबली और उप असेंबली के लिए कोई अलग स्थिति विश्लेषण नहीं करना चाहिए, हास्यास्पद है क्योंकि ऐसी कोई जांच मनमानी है और कानून के अंतर्गत पूर्णतः अव्यवहार्य है।

<sup>32</sup> 1962(10) टीएमआई 1- एससी

<sup>33</sup> (1968) 68 आईटीआर 325 बॉम्

- झ. 14 कंपनियों से प्राप्त समर्थन पत्र को स्वीकार नहीं करना चाहिए क्योंकि उसमें 2018 की व्यापार सूचना संख्या 13 और 14 में यथा विहित सूचना नहीं दी गई है।

### घ.2 घरेलू उद्योग की ओर से किए गए अनुरोध

66. घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में आवेदक द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. याचिकाकर्ता भारत में पीयूसी और उसके कलपुर्जों का एक मात्र उत्पादक और इसलिए वह एडी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है।
- ख. ऐसी कंपनियां हो सकती हैं जो रॉक ब्रेकर हिस्सों का आयात करती हैं और भारत में उन्हें असेंबल करती हैं। तथापि ऐसी कंपनियों को वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ विनिर्माता नहीं माना जा सकता है।
- ग. चीन और इजराइल से सिंक्रोनस डिजिटल हायरारकी ट्रांसमिशन उपकरण से संबंधित एसएसआर जांच में प्राधिकारी ने असेंबली के भौगोलिक स्थान के आधार पर घरेलू उत्पादन परिभाषित नहीं किया है।
- घ. प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि उप असेंबली से किसी उत्पाद को केवल असेंबल करने वाला कोई आयातक घरेलू उत्पादक नहीं हो सकता है।
- ड. घरेलू उद्योग की स्थिति को समग्र रूप से पीयूसी के संदर्भ में निर्धारित किया जाना चाहिए और न कि अलग-अलग असेंबली और उप असेंबली के रूप में।
- च. उत्पादकों की परिभाषा को जीएसटी अधिनियम, कारखाना अधिनियम और आयकर अधिनियम जैसे अन्य कानूनों से ज्ञात नहीं किया जा सकता।
- छ. ईसी – साल्मन (नार्वे) में पैनल ने माना था कि किसी चीज को अस्तित्व में लाने वाले सभी उत्पादक घरेलू उत्पादक हैं।
- ज. चीन से एसडीएच ट्रांसमिशन उपकरण मामले में प्राधिकारी ने माना था कि उत्पादन के अर्थ को मामला दर मामला आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।
- झ. डोजको केवल अनुसंधान और के प्रयोजन हेतु असेंबली और उप असेंबली का आयात करता है। घरेलू उद्योग द्वारा हिस्सों और घटकों का कुल आयात भारत में पीयूसी के कुल आयात के दो प्रतिशत से कम है।
- ञ. घरेलू उद्योग के पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर अन्य विनिर्माता असेंबली और उप असेंबली का आयात कर रहे हैं और भारत में इसे केवल असेंबल कर रहे हैं।
- ट. घरेलू उत्पादकों की परिभाषा इतनी व्यापक नहीं हो सकती कि उसमें संबद्ध वस्तु के आयातक शामिल हो जाएं। ऐसी किसी व्याख्या से विशेष रूप से पूंजीगत समान वाली पाटनरोधी जांच में कानून में अंतर्निहित हास्यास्पदता हो जाएगी।
- ठ. फाइन और फिन रॉक ब्रेकर्स की विभिन्न असेंबली और उप असेंबली को असेंबल करने में शामिल हैं और उन्हें विनिर्माता नहीं माना जा सकता है।
- ड. पूंजीगत सामान की जांच में प्राधिकारी पूंजीगत सामान में लगने वाले प्रत्येक कलपुर्जे के लिए घरेलू उद्योग की अलग से जांच करने के किसी दायित्व के अधीन नहीं है। जैसा कि प्राधिकारी ने एसडीएच उपकरण से संबंधित पाटनरोधी जांच में बताया है।

### घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित दो मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए:

- क. क्या आवेदक स्थिति संबंधी परीक्षण को पूरा करता है ?
- ख. क्या आवेदक द्वारा किए गए आयातों के मद्देनजर आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है ?

#### घ.3.1 क्या आवेदक स्थिति संबंधी परीक्षण को पूरा करता है ?

68. एडी नियमावली 1995 के नियम 5(3)(क) में निम्नानुसार प्रावधान हैं:

“....(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी उप नियम (1) के अंतर्गत किए गए किसी आवेदन के अनुपालन में कोई जांच तब तक शुरू नहीं करेंगे जब तक कि -

(क) वह समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों द्वारा व्यक्त आवेदन के समर्थन या विरोध की संख्या के जांच के आधार पर यह निर्धारित करें कि आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है:

नीचे बशर्ते कि कोई जांच शुरू नहीं की जाएगी यदि आवेदन का स्पष्ट समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादक घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पादन के 25 प्रतिशत से कम हों और....

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजनार्थ आवेदन को घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया तभी माना जाएगा यदि वह ऐसे घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित हो जिनका समग्र उत्पादन घरेलू उद्योग के उस हिस्से, जो आवेदन का समर्थन या विरोध जैसा भी मामला हो, कर रहा हो, द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक बनता हो।”

69. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि डोजको भारत में पीयूसी का एक मात्र उत्पादक नहीं है और ऐसे अनेक लोग हैं जो भारत में असेंबली/उप असेंबली और घटकों को असेंबल करके उत्पाद का विनिर्माण कर रहे हैं। यदि उनके उत्पादन पर भी विचार किया जाए तो घरेलू उद्योग स्थिति संबंधी अपेक्षा को पूरा नहीं कर पाएगा।
70. डोजको ने बताया कि भारत में पीयूसी के अन्य कथित उत्पादक इस शब्द के सही अर्थ में उत्पादक नहीं हैं, बल्कि आयातक हैं जो भारत में वस्तु को केवल असेंबल करते और बेचते हैं। डोजको का दावा है कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का एक मात्र उत्पादक है जो [\*\*\*] प्रतिशत का मूल्यवर्धन करता है। जबकि सभी अन्य उत्पादक अपने उत्पादों में बहुत थोड़ा सा मूल्यवर्धन करते हैं क्योंकि वे कलपुर्जों का आयात करते हैं और उन्हें असेंबल करते हैं। डोजको अपने तर्क के समर्थन के लिए चीन से एसडीएच ट्रांसमिशन उपकरण में प्राधिकारी के जांच परिणाम पर भरोसा करता है।
71. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह बताते हुए डोजको के दावे का विरोध किया है कि उत्पाद का मूल्यवर्धन घरेलू उद्योग की स्थिति के निर्धारण में अनावश्यक है। उनके अनुसार विनिर्माण करना और उत्पादन करने का अर्थ असेंबल करना भी है। अतः कोई कंपनी जो असेंबल करती है, पीयूसी का विनिर्माता भी है।
72. प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों की चिंताओं को नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की परिभाषा में गहन निरीक्षण अपेक्षित है और यह देखा जाना चाहिए कि क्या पीयूसी के अन्य कथित उत्पादक नियम 2(ख) की अपेक्षाओं को पूरा करते हैं। तथापि, इन दावों के आलोक में यह इस बात का निर्धारण कि क्या डोजको नियम 2(ख) की अपेक्षाओं को पूरा करता है। केवल तभी किया जा सकता है यदि भारत में कुल घरेलू उत्पादन के संबंध में कोई सत्यापन योग्य जानकारी हो।
73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई विश्वसनीय अनुमान दिया है कि भारत में पीयूसी का कुल घरेलू उत्पादन कितना है। एडी, डी एंड ए, एवरडिम्मा, फाइन और फिन ने केवल पीयूसी के कुछ अन्य कथित उत्पादकों का उल्लेख किया है। तथापि, कोई अतिरिक्त सूचना नहीं दी है। तथापि, किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई सत्यापन योग्य आंकड़ा नहीं दिया है कि क्या इन कथित अन्य उत्पादकों के पास निर्माण सुविधाएं हैं जो उन्हें भारत में पीयूसी का उत्पादक बनाता हो या वे केवल संबद्ध वस्तु के व्यापारी और आयातक हैं जो भारत में वस्तु को असेंबल करते हैं और बाजार में पुनः बेच देते हैं। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी ऐसी कोई सूचना नहीं दी है कि क्या अन्य कथित उत्पादक भी आयातों में शामिल हैं और यदि हां तो कितनी मात्रा में। यदि यह मान भी लिया जाए कि पीयूसी के ये अन्य सभी कथित उत्पादक वास्तव में पीयूसी के उत्पादन में शामिल है तो प्राधिकारी के लिए इन कंपनियों के उत्पादन संबंधी सूचना लेना आवश्यक होगा। तथापि, किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने पीयूसी के इन अन्य कथित उत्पादकों के उत्पादन के संबंध में मूल सूचना भी नहीं दी है। इसके अलावा, पीयूसी का कोई कथित उत्पादक अपनी स्थिति के बारे में सूचना देने के लिए आगे नहीं आया है।
74. केवल कंपनियों की सूची देना और यह दावा करना कि वे पीयूसी का उत्पादन कर रहे हैं, अपर्याप्त है। घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रश्न उठाने वाले किसी पक्षकार को कम से कम मूल सूचना देनी चाहिए जो यदि पूरी न भी

हो तो प्राधिकारी के लिए तर्कसंगत अनुमान लगाने या मान्यता बनाने में सक्षम हो। अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए स्थिति संबंधी दावे केवल आरोप और संयोग है जो किसी भी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। ऐसी सूचना के अभाव में इन कानूनी मुद्दों पर कोई चर्चा केवल कागजी कार्रवाई रहती है।

75. फाइन और फिन ने मौखिक सुनवाई के बाद अपने लिखित अनुरोध में यह दावा किया है कि वे विभिन्न हिस्सों, घटकों, असेंबली और उप असेंबली को आयात असेंबल करते हैं और भारत में \*\*\* प्रतिशत से \*\*\* प्रतिशत के मूल्यवर्धन के साथ पीयूसी को बेचते हैं। अतः फाइन और फिन दावा करते हैं कि उन्हें पीयूसी का घरेलू उत्पादक माना जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि फाइन और फिन दोनों ने प्राधिकारी द्वारा जारी आयातक प्रश्नावली के लिए परिशिष्ट प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा, आर्थिक हित प्रश्नावली के अपने उत्तर में उन्होंने पीयूसी के आयातक होने का दावा किया है। अपनी स्थिति के बारे में यह स्वीकारोक्ति उन्हें घरेलू उत्पादक होने का दावा करने से वंचित करती है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने सूचना देने के लिए अन्य घरेलू उत्पादकों को एक प्रश्नावली परिचालित की थी। तथापि, अन्य कथित उत्पादकों या फिन और फाइन ने जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी द्वारा मांगी गई अन्य घरेलू उत्पादक संबंधी सूचना नहीं दी है।
76. इसके अलावा, फाइन और फिन ने केवल मौखिक सुनवाई के स्तर पर घरेलू उत्पादक के दर्जे का दावा किया है। यह दावा बाद का विचार है और एडी नियमावली 1995 के अंतर्गत यथा अपेक्षित संगत साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। अतः उक्त के मद्देनजर और फाइन तथा फिन के आयातक होने की स्वीकृति को देखते हुए प्राधिकारी फाइन और फिन को पीयूसी का उत्पादक नहीं मानने का प्रस्ताव करते हैं।
77. यह देखते हुए कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कुल घरेलू उत्पादन के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है। प्राधिकारी घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करने के लिए उपलब्ध तथ्य को लागू करने पर बाध्य हैं। चूंकि कि ऐसी कोई सत्यापन योग्य सूचना नहीं है कि अन्य कंपनियां पीयूसी के उत्पादन में शामिल हैं, इसलिए प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह मानने का प्रस्ताव करते हैं कि डोजको के पास भारत में पीयूसी के कुल घरेलू उत्पादन का 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है।

### घ.3.2 क्या आवेदक द्वारा किए गए आयातों के मद्देनजर आवेदक नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है ?

78. एडी नियमावली 1995 के नियम 2(ख) घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित करता है: -  

*“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” का अर्थ शेष उत्पादक समझा जा सकता है।”*
79. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने गंभीर दावा किया है कि डोजको ने संबद्ध देशों से पीयूसी का बड़ी मात्रा में आयात किया है। डोजको ने बताया कि उसके आयात भारत में कुल घरेलू मांग का केवल 2 प्रतिशत हैं और उसने केवल अनुसंधान और विकास प्रयोजनों के लिए पीयूसी का आयात किया है।
80. एडी नियमावली के नियम 2(ख) निर्धारित करता है कि ऐसी स्थिति जहां किसी घरेलू उत्पादक या उससे संबंधित पक्षकार ने संबंधित देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया हो, प्राधिकारी ऐसे किसी उत्पादक को पात्र घरेलू उत्पादक मान सकते हैं।
81. प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि एडी नियमावली 1995 की नियम 2(ख) के अंतर्गत किसी घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर किया जा सकता है यदि वह समृद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयातक हो या वह कथित पाटित वस्तु के किसी निर्यातक या आयातक से संबंधित हो। एडी नियमावली 1995 के नियम 2(ख) में “जा सकता है” शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि प्राधिकारी के पास घरेलू उत्पादकों को शामिल करने का भी

विशेषाधिकार है जो भारत में संबद्ध वस्तु के आयातक भी हों और घरेलू उद्योग के दायरे में हों या जो संबद्ध वस्तु के आयातकों या निर्यातकों से संबंधित हों।

82. गुजरात फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड<sup>34</sup> के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संसुक्ति की थी कि यह प्रश्न की कि क्या ऐसे घरेलू उत्पादक जिसने संबद्ध वस्तु का आयात किया है, को एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के दायरे से वंचित किया जाए, की जांच घरेलू उत्पादक द्वारा किए गए आयातों के संबंध में उसके कार्यकलापों की प्रकृति के आधार पर करनी चाहिए।
83. प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बतायी गई गंभीर चिंताओं को नोट करते हैं। मौखिक सुनवाई के दौरान डोजको ने बताया था कि उसने असेंबली और उप असेंबली की मामूली मात्रा का आयात किया है। फील, सुसान, डेमो और निंगबो ने संबद्ध देशों से पीओआई के दौरान एचएसएन [ 84314990 ] और [84314930] के अंतर्गत डोजको द्वारा किए गए आयात की सौदावार ब्यौरे दिए हैं एडी ने भी डोजको द्वारा किए गए पीयूसी और एनपीयूसी (गैर-पीयूसी) आयातों की मात्रा उपलब्ध करायी है। जांच दल ने डोजको को इस पर टिप्पणी करने का निर्देश दिया और डोजको से उन सौदों की पहचान करने के लिए कहा जो पीयूसी के आयात में शामिल हैं। निम्नांकित तालिका डोजको द्वारा किए गए आयातों का ब्यौरा दर्शाती है।
84. डोजको ने अपना उत्तर प्रस्तुत किया जिसमें उसने पीयूसी और एनपीयूसी से संबंधित सौदों की पहचान की है जांच दल ने आयात विवरण के संबंध में डोजको द्वारा प्रस्तुत उत्तर को सत्यापित किया। डोजको द्वारा प्रदत्त डीजी सिस्टम के आंकड़ों और आयात आंकड़ों के आधार यह नोट किया गया है कि डोजको समृद्ध देशों से [\*\*\*] एमटी संबद्ध वस्तु का आयात किया है।
85. डोजको ने दावा किया कि उसके द्वारा किए गए लगभग [\*\*\* प्रतिशत] आयात अनुसंधान और डिजाइन के लिए थे। यह भी दावा किया गया है कि उसे संबद्ध देशों से कम कीमत के आयातों से प्रतिस्पर्धा के कारण शेष मात्रा का आयात करने पर बाध्य होना पड़ा जिससे ऐसी असेंबली और उप असेंबली के उत्पादन की उसकी क्षमता प्रभावित हुई।
86. गुजरात फर्टिलाइजर एंड केमिकल लि० के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नोट किया कि पीयूसी के कुल उत्पादन के 15 प्रतिशत का आयात करने वाले किसी आवेदक को नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के अर्थ से वंचित नहीं किया गया था, क्योंकि आवेदक की अनिवार्य विशेषता में बदलाव नहीं हुआ था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डोजको ने (\*\*\* एमटी असेंबली और उप असेंबली का आयात किया था जो पीयूसी (रॉक ब्रेकर + चीसेल) के उसके कुल उत्पादन का (\*\*\* प्रतिशत) और उसकी कुल बिक्रियों (रॉक ब्रेकर + चीसेल) का (\*\*\* प्रतिशत) बनता है। डोजको ने पूर्ण: असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल का आयात नहीं किया है। डोजको द्वारा किया गया आयात (आर एंड डी के अलावा) भारत में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की कुल घरेलू मांग का केवल लगभग 1 प्रतिशत बनता है। आयात भारत में कुल घरेलू मांग के संबंध में मामूली हैं।
87. डोजको ने बताया कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु के आक्रामक पाटन के कारण उसे संबद्ध वस्तु का आयात करना पड़ा था। इसके अलावा, डोजको केवल असेंबली और उप असेंबली का आयात किया है। डोजको व्यापार के लिए इन असेंबली और उप असेंबली की पुनः बिक्री नहीं करता है, बल्कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के विनिर्माण के लिए उनका प्रयोग करता है। अतः डोजको को आयातित वस्तु का व्यापारी नहीं माना जा सकता है। इस प्रकार विनिर्माता के रूप में डोजको की अनिवार्य विशेषता नहीं बदली है। इस संबंध में यह नोट किया जाए कि एडी, डी एंड ए, एवरडिगम, हंसुंग, फाइन और फिन ने बताया है कि असेंबली, उप असेंबली और घटकों का आयात करने तथा उन्हें असेंबल करने वाली कंपनियों को भारत में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का विनिर्माता माना जाना चाहिए। तथापि, फाइन और फिन ने स्वीकार किया है कि वे पीयूसी के आयातक हैं और उन्होंने अन्य घरेलू उत्पादकों से संबंधित प्राधिकारी को संगत सूचना नहीं दी है। तदनुसार, उपर्युक्त कारणों से प्राधिकारी निम्नलिखित मानने का प्रस्ताव करते हैं:

<sup>34</sup> स्टेट आफ गुजरात फर्टिलाइजर एंड केमिकल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और अन्य, 2012 एससीसी आनलाइन सीएल 8071

- क. प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर डोजको का भारत में कुल घरेलू उत्पादन में कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा बनता है;
- ख. और डोजको नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा पूरी करता है।

### **ड. गोपनीयता**

#### **ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

88. डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, निंगबो यिनझाउ गेट मशीनरी लिमिटेड, सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. याचिका के अगोपनीय अंश से उसमें लगाए गए आरोपों को तर्कसंगत ढंग से नहीं समझा जा सकता है।
- ख. एडी नियमावली के नियम 7 का उद्देश्य किसी पाटनरोधी जांच में सभी हितबद्ध पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की पर्याप्त समझ प्रदान करना है।
- ग. याचिका व्यापार सूचना संख्या 1/2013 दिनांक 9 दिसंबर 2013 के साथ पठित एडी नियमावली के नियम 7 में निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करती है।
- घ. घरेलू उद्योग ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और लागत संबंधी सूचना, वार्षिक रिपोर्ट/ वित्तीय विवरणों के संबंध में अधूरी याचिका प्रस्तुत की है। यद्यपि यह एमसीए पोर्टल पर उपलब्ध है।
- ड. सभी पक्षकारों के बचाव को पूर्णतः प्रयोग नहीं किया जा सकता है क्योंकि याचिका में प्रदत्त काफी आंकड़ों को अगोपनीय रूपांतरण में उचित ढंग से सूचीबद्ध या प्रदान नहीं किया है।
89. एडी ने गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. आवेदन में एडी नियमावली और व्यापार सूचनाओं में यथा विहित आवश्यक जानकारी नहीं दी गई है।
- ख. आवेदक विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री के नाम, सामान्य मूल्य के देश वार अनुमान और एनआईपी गणना के संबंध में लिखित सूचना का अगोपनीय अंश देने में विफल रहा है।
- ग. एडी ने आवेदक सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों के साथ अपने ईक्यूआर का अगोपनीय अंश प्रस्तुत किया है।
90. एवरडिगम और डी एंड ए ने गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. स्टरलाइट इंडस्ट्रीज (इंडिया) लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में उच्चतम न्यायालय ने माना था कि गोपनीयता ऐसी चीज नहीं है जिसे स्वतः मान लिया जाए।
- ख. रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम डीए मामले में उच्चतम न्यायालय ने माना था कि डी ए पर यह मूल्यांकन करने का दायित्व है कि गोपनीयता का दावा न्यायोचित है अथवा नहीं।
- ग. डोजको ने आर एंड डी, खर्च, जुटाई गई निधियों, एनआईपी आदि से संबंधित आंकड़ों के बारे में अपने आवेदन में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। डोजको व्यापार संख्या 10/2018 का अनुपालन करने में विफल रहा है।
- घ. अत्यधिक गोपनीयता प्रतिवादियों को उचित ढंग से अपना बचाव करने का पर्याप्त अवसर नहीं देती है।
- ड. प्राधिकारी परिसंपत्तियों, वर्तमान देयताओं और मूल्यहास, आरओसीई तथा एनआईपी पर परिणामी प्रभाव पर आवंटन के आधार को गहनता से सत्यापित कर सकते हैं।

#### **ड.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

91. गोपनीयता के संबंध में डोजको ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं:



- क. एडी, वोल्वो, जेसीबी इंडिया और फाइन इक्विपमेंट्स ने अपने अनुरोधों का अगोपनीय अंश परिचालित नहीं किया है।
- ख. इस तथ्य के बावजूद कि माप की इकाई एमटी है, पक्षकारों ने अपनी जानकारी नग में दी है।
- ग. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों का अगोपनीय अंश व्यापार सूचना सं. 10/2018 के अनुसार अधूरा है।
- घ. प्राधिकारी ने डोजको द्वारा प्रस्तुत एनसीवी याचिका के लिए पहले ही कमी संबंधी सूचना जारी की है और डोजको ने विधिवत रूप से उसका अनुपालन किया है।

### ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

92. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटन-रोधी नियमावली के नियम 7-में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

**7. गोपनीय सूचना:** (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

93. हितबद्ध पक्षकार और घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों की गोपनीयता के दावों के पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने होने पर प्राधिकारी ने जहां आवश्यक हो, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसका प्रकटन नहीं किया है, जहां कहीं अपेक्षित हो, गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने सभी पक्षकारों से बार-बार उनके अनुरोधों के अगोपनीय अंश को ई-मेल के जरिए साझा करने का निर्देश दिया है।

94. डोजको ने रुझान संबंधी आंकड़ों को गलत ढंग से निर्धारित किया है। मौखिक सुनवाई के समय निर्देश दिए जाने पर इनमें सुधार किया गया था और डोजको ने सभी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को परिचालित किया था।

### च. विविध अनुरोध

#### च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

95. डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, निंगबो यिनझाउ गेट मशीनरी लिमिटेड, सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने विविध मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. मौखिक सुनवाई में आवेदक ने दावा किया कि उसे पूर्ववर्ती वर्ष 2020-21 छोड़कर संपूर्ण क्षति अवधि और पीओआई में भारी घाटा हो रहा है। अपने एनसीवी आवेदन में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचीबद्ध आंकड़े ऐसा नहीं दर्शाते हैं। इसके बजाय 2020-21 को छोड़कर सभी वर्षों में भारी लाभ दर्शाया गया है।

- ख. आवेदक ने सूचीबद्ध पद्धति में त्रुटि की है। इसलिए सभी मानदंडों में अलग-अलग आर्थिक परिदृश्य है। इसके मद्देनजर उत्पादक/निर्यातक को अगोपीय याचिका को सही करने का और त्रुटि सुधार का निर्देश दिया जाए।
- ग. प्राधिकारी को सही एनसीवी के परिचालन के बाद दूसरी मौखिक सुनवाई आयोजित करनी चाहिए।
- घ. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़े अप्रैल से जून 2021 की अवधि के लिए हैं जबकि पीओआई 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की है।
- ड. मौखिक सुनवाई के दौरान डोजको ने अनुरोध किया कि उन्होंने हिस्सों और घटकों का आयात आंकड़ों में शामिल किया है। हिस्सों और घटकों को कुल आयात आंकड़ों में शामिल करने से आयात मात्रा और आयात कीमतों में में गड़बड़ी हो गई है।
- च. हिस्सें और घटक कीमत में लगभग 30 से 40 प्रतिशत कम हैं और इसलिए ऐसा लगता है कि कम कीमतों पर मात्रा में वृद्धि हुई है।
- छ. घरेलू उद्योग ने आयात आंकड़ों को नगों से एमटी में बदलने की पद्धति का प्रकटन नहीं किया है।
- ज. घरेलू उद्योग ने कोई मनमाना आधार लागू किया है जिसके परिणामस्वरूप गलत कीमतों पर गलत और अत्यधिक आयात मात्राएं हो गई हैं।
- झ. निर्यातक उनके द्वारा बेचे गए हिस्सों और घटकों के भार के अनुसार आंकड़े नहीं रखते हैं।
- ञ. याचिकाकर्ता द्वारा उनके लिखित अनुरोध में प्रस्तुत समर्थन पत्र पर इस स्तर पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उसमें विहित प्रपत्र में सूचना नहीं दी गई है।
96. विविध मुद्दों के बारे में हंसुंग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- क. याचिकाकर्ता ने स्वयं पीसीएन पद्धति के अनुसार आंकड़ों की सूचना दी है। घरेलू उद्योग ने पीसीएन अधिसूचना के आलोक में अपने मूल आवेदन को संशोधित नहीं किया है।
- ख. प्राधिकारी को पीयूसी के इकाई कीमत आंकड़े पीयूसी की इकाई कीमत की तुलना के लिए प्रति नग के बजाव प्रति किलोग्राम के रूप में विचार करना चाहिए।
- ग. हंसुंग द्वारा घरेलू बाजार में बेची गई चीसेल की कीमत और निर्यात कीमत लंबाई में अंतर के कारण प्रति इकाई कीमत के मामले में काफी अलग-अलग है।
- घ. उचित तुलना के लिए पीयूसी की तुलना प्रति किलोग्राम इकाई कीमत के अनुसार होनी चाहिए।
- ड. याचिकाकर्ता ने पीसीएन पद्धति के अनुसार आंकड़े नहीं दिए हैं। याचिकाकर्ता ने अपने आंकड़े संशोधित किए हैं, परंतु असेंबली/उप असेंबली से संबंधित आंकड़े अलग से शामिल नहीं किए हैं।
- च. याचिकाकर्ता द्वारा प्रदत्त आंकड़े उचित तुलना के प्रयोजनार्थ अधूरे हैं।
- छ. याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए आयात आंकड़े अविश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त हैं।
97. फाइन और फिन ने निम्नलिखित विविध अनुरोध किए:
- क. पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयातकों द्वारा बेची गई वस्तु की लागत बढ़ जाएगी। ऐसी संभावना नहीं है कि उस लागत का वहन डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं द्वारा किया जाएगा।
- ख. आयातक लागत का वहन करेंगे और उनके समाप्त होने की संभावना है।
- ग. यदि डाउनस्ट्रीम उद्योग लागत में वृद्धि को चुकाता है तो उद्योग को अपनी सेवाओं की कीमत में वृद्धि करनी पड़ेगी जिससे अवसंरचना विकास की लागत काफी बढ़ जाएगी।
- घ. पीयूसी को मुख्य मशीनरी में एक एसेसरी/टूल के रूप में विशिष्ट कार्य करने के लिए लगाया जाता है। पीयूसी का कोई विकल्प नहीं है।
- ड. पीयूसी बहुत जल्दी पुराना हो जाता है। इन मर्दों को बदलने के लिए बार-बार आयातित किया जाता है। लागत में कोई वृद्धि अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए काफी नुकसानदायक है।

- च. टूल और हिस्सों को प्रत्येक विनिर्माता द्वारा उसके अपने रॉक ब्रेकर के डिज़ाइन में फिट होने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन और तैयार किया जाता है। एक विनिर्माता के टूल और हिस्से अन्य के साथ बदले नहीं जा सकते हैं।
- छ. चीसेल रॉक ब्रेकर के विनिर्देशन और डिज़ाइन के अनुसार निर्मित होती है और इसका भारी मात्रा में उत्पादन नहीं हो सका है।
- ज. विनिर्माताओं द्वारा प्रस्तुत बिक्री पश्चात् सहायता विनिर्माताओं के व्यवसाय का एक महत्वपूर्ण घटक है। इन वस्तुओं में जल्दी पुराना होने के कारण बिक्री पश्चात् सहायता की बार-बार जरूरत होती है। क्रेता को देश भर में कारगर सेवाएं प्रदान करने के लिए विनिर्माताओं की क्षमता के बारे में सोचना पड़ता है क्योंकि सेवाओं में किसी देरी / अनुपलब्धता से संपूर्ण उपकरण और मशीनरी बाधित हो सकती है।
- झ. कीमत खरीद के निर्णयों को प्रभावित करने वाला एक मात्र कारक नहीं है।

## च.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतीकरण

98. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधात्मक विविध निवेदन नहीं किए गए हैं।

## च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

99. आवेदक द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों की अविश्वसनीयता के संबंध में प्राधिकारी ने डीजी सिस्टम द्वारा प्रदत्त आयात आंकड़ों की जांच की है और आवेदक द्वारा प्रदत्त तीसरे पक्षकार की सूचना पर ध्यान नहीं दिया है। इसके अलावा, जब भी पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना में त्रुटि या कमियां होती हैं तो प्राधिकारी ने सभी पक्षकारों को उनमें सुधार करने या निर्देश दिया है और सभी अन्य पक्षकारों को अगोपनीय अंश परिचालित करने के लिए कहा है।
100. हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी अनुरोध किया है कि हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के विभिन्न हिस्सों और स्वयं रॉक ब्रेकर की कीमत में अंतर के कारण और अनुचित कीमत तुलना को भी इस संबंध में प्राधिकारी ने ऊपर पहले ही अनुचित कीमत तुलना संबंधी चिंताओं पर ध्यान दिया है। प्राधिकारी दोहराते हैं कि वर्तमान जांच में अपनाई गई माप की इकाई नग या इकाइयों के बजाय एमटी है। अतः जब प्राधिकारी पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए तुलना करते हैं तो निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य की तुलना भारित औसत आधार पर होती है (प्रति नग कीमत के बजाय प्रति एमटी कीमत)। प्रति इकाई आधार पर तुलना नहीं हो रही है। अतः अलग असेंबली और उप असेंबली की कीमतों की तुलना अलग-अलग हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर्स की कीमतों से नहीं की गई है। विभिन्न असेंबली और पूर्ण: असेंबल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की इकाइयों के बीच कीमत तुलना से कीमत तुलनीयता प्रभावित नहीं होती है। चूंकि यह तुलना भारित औसत आधार पर की गई है।

## छ. बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

### छ.1 बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) और सामान्य मूल्य

#### छ.1.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

101. एडी ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार और सामान्य मूल्य के बारे में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. प्राधिकारी को एडी करार के अनुच्छेद 2.4 और एडी नियमावली के अनुबंध - I के पैरा 6(i) के अनुसार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए उचित तुलना के सिद्धांत को अपनाना चाहिए।
- ख. रॉक ब्रेकर की असेंबली/उप असेंबली की लागत पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर से भिन्न है।
- ग. प्रत्येक असेंबली के लिए अलग मोल्लिंग, ताप उपचार और कच्ची सामग्री की जरूरत होती है। यह लागत पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर की लागत से भी अलग होगी क्योंकि एक असेंबल रॉक ब्रेकर को अनेक घटकों और असेंबली/उप असेंबली से बनाया जाता है जिनमें प्रत्येक का लागत ढांचा अलग होता है।
- घ. प्राधिकारी को रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली की तुलना पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर से अलग से करनी चाहिए।
- ड. एडी ने जांच में प्राधिकारी का पूरा सहयोग किया है और उसे इस जांच में सहयोगी माना चाहिए।

**छ.1.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

102. घरेलू उद्योग ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार और सामान्य मूल्य के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. डी एंड ए निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है। तथापि, अपनी संबंधित आयातक कंपनी ईपीआई आरओसी के लिए आयातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। इसलिए डी एंड ए के उत्तर को अस्वीकृत किया जाना चाहिए।
- ख. डेमो की भारत में संबंधित कंपनी डेमो इंजिनियरिंग इंडिया प्रा० लि० ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। अतः डेमो के उत्तर को अस्वीकृत करना चाहिए।
- ग. पक्षकारों ने नग में पीसीएन की सूचना दी है जबकि स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि माप की इकाई एमटी है।
- घ. चीन के उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य की गणना एडी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के आधार पर की जानी चाहिए। क्योंकि चीन जन. गण. एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था है।
- ड. वस्तुओं के कतिपय निर्यातक / उत्पादक ने प्राधिकारी से सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी उन्हें असहयोगी मानना चाहिए और प्रश्नावली का उनका उत्तर अस्वीकृत करना चाहिए।

**छ.1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

103. धारा 9(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

104. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं जिनमें उन्हें प्राधिकारी द्वारा विहित ढंग और तरीके से सूचना देने की सलाह दी गई थी। निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर देकर जांच में सहयोग किया है:

- क. डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड
- ख. निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड
- ग. सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड
- घ. फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड
- ड. यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड
- च. हंसुंग स्पेशल मशीनरी कंपनी लिमिटेड

छ. हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन

ज. डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड

105. संबद्ध देशों से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है।

#### छ.1.3.1 चीन जन. गण. से उत्पादकों/निर्यातकों का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

106. डब्ल्यू टी ओ में चीन के एक्सेशन प्रोटोकोल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार व्यवस्था है:

"जी ए टी टी 1994 का अनुच्छेद-VI, टैरिफ और व्यापार पर सामान्य करार, 1994 ("पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद-VI का कार्यान्वयन संबंधी करार और एससीएम करार किसी डब्ल्यू टी ओ सदस्य में चीन के मूल के आयातों में शामिल कार्यवाही में निम्नलिखित के संगत लागू होगा:

(क) जीएटीटी, 1994 के अनुच्छेद-VI और पाटनरोधी करार के अंतर्गत कीमत तुलनीयता के निर्धारण में आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे या उस पद्धति को उपयोग करेंगे जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने में आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती हैं तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

(ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग के लिए लागू नहीं हैं।

(ख) एससीएम समझौते के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राज्य हायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखा जाए कि चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों के उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को समायोजित करना चाहिए।

(ग) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी प्रक्रिया समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को सन्सिडी तथा प्रतिसंतुलनकारी उपायों संबंधी समिति को अधिसूचित करेगा।

(घ) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत चीन के एक बार बाजार अर्थव्यवस्था सिद्ध हो जाने पर, उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) के प्रावधान समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में एक्सेशन की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान एक्सेशन की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त हो जाएंगे। इसके अलावा, आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए लागू नहीं होंगे।"

107. चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार केवल अनुच्छेद 15(क)(ii) के कारण नहीं है, बल्कि अनुच्छेद 15 के शेष पाठ की वजह से है। अर्थात् उक्त पैरा (क), गेट 1994 के अनुच्छेद vi<sup>35</sup> में दिए गए व्यापक नियम और डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 2.2.1.1। गेट अनुच्छेद vi और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1. के साथ पठित चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 से उभरते हुए वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय कार्य ढांचे के अनुसार चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था मानने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15 (क) (ii) समाप्त हो गया है। तथापि, डब्ल्यूटीओ ने चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 (क) (i) के साथ पठित पाटनरोधी करार का अनुच्छेद 2.2.1.1 यह दर्शाता है कि चीन जन. गण. से उत्पादकों/निर्यातकों को यह साबित करना अपेक्षित है कि चीन जन. गण. में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति मौजूद है। इसके अलावा एडी नियमावली के अनुच्छेद 1 का पैरा 8 निर्धारित करता है कि गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में मानने जाने के लिए निर्धारित या माना गया कोई देश गैर बाजार अर्थव्यवस्था मान लिया जाता है। ऐसे देश से निर्यातक एडी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8(3) में अपेक्षित सूचना/साक्ष्य देकर इस धारणा का खंडन कर सकते हैं जो प्राधिकारी द्वारा जारी पूरक प्रश्नावली के उत्तर के रूप में होगी। अतः उत्पादकों और निर्यातकों पर यह साबित करने का दायित्व है कि बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं संबद्ध देश में मौजूद हैं।
108. प्राधिकारी की चीन जन. गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था मानने की सतत प्रक्रिया है। यह नोट किया जाता है कि चूंकि चीन जन. गण. से प्रतिवादी उत्पादकों /निर्यातकों ने इस धारणा का पर प्रश्न उठाने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार/पूरक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है कि चीन जन. गण. में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां मौजूद हैं, इसलिए सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध I पैरा 7 के अनुसार किया जाना अपेक्षित है जिसका पाठ निम्नानुसार है:
- “7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”*
109. यह नोट किया गया है कि एडी नियमावली के अनुबंध I का पैरा 7 गैर बाजार अर्थव्यवस्थाओं के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन की तीन पद्धतियां निर्धारित करता है: (क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत यह परिकलित मूल्य के आधार पर; (ख) ऐसे तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत; और (ग) किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एडी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के प्रावधान के अंतर्गत सामान्य मूल्य को पहले किसी प्रतिनिधि देश ने कीमत या परिकलित मूल्य के आधार पर निर्धारित करना चाहिए या ऐसे देश से भारत सहित अन्य देशों को निर्यात कीमत के अनुसार निर्धारित करना चाहिए। तथापि, जब ऐसा आधार संभव नहीं हो, केवल तभी प्राधिकारी भारत में प्रदत्त या देय कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित कर सकते हैं<sup>36</sup>।

<sup>35</sup> अनुबंध I से गेट अनुच्छेद है, के लिए दूसरा एड नोट देखें जिसका पाठ निम्नानुसार है:

2. यह मान्यता दी जाती है कि किसी ऐसे देश से आयात के मामले में जहां पर उसके व्यापार में पूर्ण या काफी अधिक एकाधिकार हो और जहां घरेलू कीमतें सरकार द्वारा तय की जाती हों, पैरा 1 के प्रयोजनार्थ कीमत तुलनीयता के निर्धारण में विशेष कठिनाई आ सकती है और ऐसे मामलों में आयातक संविदागत पक्षकारों के लिए इस संभावना पर विचार करना आवश्यक हो जाता है कि ऐसे किसी देश में घरेलू कीमतों से कड़ी तुलना हमेशा उचित नहीं हो सकती है।

<sup>36</sup> सेनयांग मत्सुसित एस बैट्री कंपनी लि० बनाम एक्साइड इंडस्ट्री लि० 2005 3 एससीसी 39 पैरा 7

110. यह नोट किया जाए कि पहली और दूसरी पद्धति के आधार पर सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए पक्षकारों ने कोई सूचना/साक्ष्य नहीं दिया है। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे में उत्पादित संबद्ध वस्तु की कीमत या परिकलित मूल्य के संबंध में कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा, वह एचएस कोड जिसके अंतर्गत पीयूसी का आयात हो रहा है। अन्य उत्पादों को भी शामिल करता है जो पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं हैं। अतः तीसरे देश से अन्य देशों को संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत ज्ञात करना संभव नहीं है, क्योंकि पीयूसी के आयात वाले संगत एचएस कोड के लिए निर्यात आंकड़ों में अन्य उत्पाद भी शामिल हैं जो पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं हैं। प्राधिकारी के पास उक्त दो पद्धतियों से सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई सार्वजनिक आंकड़े भी उपलब्ध नहीं हैं। उक्त सूचना/साक्ष्य के अभाव में प्राधिकारी के लिए पहली या दूसरी पद्धति से सामान्य मूल्य निर्धारित करना संभव नहीं है। अतः प्राधिकारी ने तीसरी पद्धति अर्थात् भारत में वास्तव में प्रदत्त या देय कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर चीन से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य परिकलित करने का निर्णय लिया है। प्राधिकारी ने भारत में प्रदत्त या देय कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है।

### छ.1.3.2 निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### - सामान्य मूल्य

111. निंगबो के लिए सामान्य मूल्य की गणना ऊपर पैराग्राफ 96 में बताए गए सिद्धांतों के आधार पर की गई है।

#### - निर्यात कीमत

112. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि निंगबो चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक और निर्यातक है। निंगबो ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है और भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को \*\*\* एमटी चीसेल का सीधे निर्यात किया है। निंगबो ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने निंगबो द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और निंगबो के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार निंगबो के लिए कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

### छ.1.3.3 यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### - सामान्य मूल्य

113. एडी के लिए सामान्य मूल्य उक्त पैरा 96 में उल्लिखित सिद्धांतों के आधार पर परिकलित किया गया है।

#### - निर्यात कीमत

114. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि एडी चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक और निर्यातक है। एडी ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है और भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को \*\*\* एमटी चीसेल का सीधे निर्यात किया है। एडी ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने एडी द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और एडी के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार एडी के लिए कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**छ.1.3.4 चीन जन. गण. से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत****- सामान्य मूल्य**

115. चीन जनगण से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य की गणना उपर्युक्त अनुच्छेदों में स्पष्ट सिद्धांतों के आधार पर की गई है।

**- निर्यात कीमत**

116. प्राधिकरण ने चीन जन गण से सहयोगी उत्पादकों के आंकड़ों के आधार पर आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करने के बाद चीन जनगण से असहयोग उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। इस प्रकार निर्धारित निर्यात मूल्य नीचे उल्लिखित पाटन मार्जिन तालिका में बताया गया है।

**छ.1.3.5 कोरिया गणराज्य से उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत****छ.1.3.6 डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत****- सामान्य मूल्य**

117. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि डेमो संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। डेमो ने \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदों 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, डेमो ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**- निर्यात कीमत**

118. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि डेमो कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक और निर्यातक है। डेमो ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है। डेमो ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने डेमो द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और डेमो के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार डेमो के लिए कारखानाद्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**छ.1.3.7 सूसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत****- सामान्य मूल्य**

119. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि सूसान संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को



भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। उसने अपने घरेलू बाजार में \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और \*\*\* एमटी चीसेल की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदें 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, सूसान ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

- निर्यात कीमत

120. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि सूसान कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक और निर्यातक है। सूसान ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है और भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को \*\*\* एमटी चीसेल का सीधे निर्यात किया है। सूसान ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने सूसान द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और सूसान के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार सूसान के लिए कारखानाद्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**छ.1.3.8 फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत**

- सामान्य मूल्य

121. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि फील कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। उसने अपने घरेलू बाजार में \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदें 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, फील ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

- निर्यात कीमत

122. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि फील कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक और निर्यातक है। फील ने भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है। फील ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है।

प्राधिकारी ने फील द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और फील के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार फील के लिए कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

### छ.1.3.9 हांसुंग स्पेशल मशीनरी कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### - सामान्य मूल्य

123. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांसुंग चीसेल का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। इसने अपने घरेलू बाजार में \*\*\* एमटी चीसेल की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदें 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, हांसुंग ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

#### - निर्यात कीमत

124. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांसुंग कोरिया गणराज्य से चीसेल का एक उत्पादक और निर्यातक है। हांसुंग ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी चीसेले का सीधे निर्यात किया है। हांसुंग ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन तथा पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत, पैकेजिंग लागत, ब्रोकेज शुल्क, बैंक प्रभार, लोडिंग व्यय और ऋण निर्यात बीमा के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने हांसुंग द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और हांसुंग के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार हांसुंग के लिए कारखानाद्वारा स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

### छ.1.3.10 हुंडई एवरडिगम कॉर्प का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### - सामान्य मूल्य

125. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि एवरडिगम हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। इसने अपने घरेलू बाजार में \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदें 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, एवरडिगम ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल

लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

- निर्यात कीमत

126. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि एवरडिगम कोरिया गणराज्य से चीसेल का एक उत्पादक और निर्यातक है। एवरडिगम ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का सीधे निर्यात किया है। एवरडिगम ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत, पैकेजिंग लागत, ब्रोकेज शुल्क, बैंक प्रभार, लोडिंग व्यय और ऋण निर्यात बीमा के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने एवरडिगम द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और एवरडिगम के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार एवरडिगम के लिए कारखानाद्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**छ.1.3.11 डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत**

- सामान्य मूल्य

127. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सत्यापित सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी एंड ए हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल का एक उत्पादक है। उसने जांच अवधि के दौरान असंबंधित उपभोक्ताओं को भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। उत्पादक घरेलू बाजार में सीधे असंबंधित उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है। इसने अपने घरेलू बाजार में \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की बिक्री की है। घरेलू बिक्री भारत में निर्यातों की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण किया है, जहां संबद्ध वस्तु के लिए लाभप्रद सौदें 80 प्रतिशत से अधिक पाए गए हैं, वहां घरेलू बिक्री के सभी सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है और लाभप्रद सौदों के 80 प्रतिशत से कम होने पर केवल लाभप्रद घरेलू बिक्रियों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार किया जा रहा है। तथापि, डी एंड ए ने व्यापार की सामान्य प्रक्रिया परीक्षण को पास नहीं किया है और इसलिए केवल लाभप्रद सौदों पर विचार किया गया है। उत्पादक द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों को वैध पाया गया था और इसलिए अनुमति दी गई थी। निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

- निर्यात कीमत

128. निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और पूरक प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी एंड ए कोरिया गणराज्य से चीसेल का एक उत्पादक और निर्यातक है। डी एंड ए ने पीओआई के दौरान भारत में अपने असंबंधित उपभोक्ता को सीधे \*\*\* एमटी हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (असेंबली और उप असेंबली सहित) का सीधे निर्यात किया है। डी एंड ए ने अपेक्षित ढंग और तरीके से संगत सूचना प्रस्तुत की है और समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतरदेशीय परिवहन, पत्तन और अन्य संबंधित व्यय, ऋण लागत, पैकेजिंग लागत, ब्रोकेज शुल्क, बैंक प्रभार, लोडिंग व्यय और ऋण निर्यात बीमा के लिए समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने डी एंड ए द्वारा प्रस्तुत सूचना का डेस्क सत्यापन किया है और डी एंड ए के दावों की जांच की है और तदनुसार दावों की अनुमति दी है। तदनुसार डी एंड ए के लिए कारखानाद्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत को आवश्यक समायोजनों की अनुमति देने के बाद निर्धारित किया गया है और वह नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

**छ.1.3.12 कोरिया गणराज्य से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों का सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत**

- सामान्य मूल्य

129. अतः प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य से सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर उसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय तथा तर्कसंगत लाभ के लिए समायोजित करने के बाद सामान्य मूल्य का परिकलन किया है। कोरिया गणराज्य से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए इस प्रकार निर्धारित परिकलित सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

- निर्यात कीमत

130. प्राधिकारी ने डीजी सिस्टम के आंकड़ों के अनुसार पीओआई के लिए आयातों की मात्रा और मूल्य पर विचार करने के बाद कोरिया गणराज्य से असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। समुद्री भाड़ा, अंतर्देशीय भाड़ा, बीमा, संभलाई प्रभार, कमीशन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन किए गए हैं। इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत नीचे उल्लिखित पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

**ज. पाटन और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

131. संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

पाटन मार्जिन तालिका- हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर						
क्र. सं.	उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज
कोरिया गणराज्य						
1.	डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
2.	सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	न्यूनतम
3.	फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
4.	हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	10-20
5.	डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	न्यूनतम
6.	कोई उत्पादक	***	***	***	***	50-60
चीन जन. गण.						
1.	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
2.	यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	130-140
3.	कोई उत्पादक	***	***	***	***	170-180

पाटन मार्जिन तालिका-चीसेल						
क्र. सं.	उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज
कोरिया गणराज्य						
1.	सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	न्यूनतम
2.	हेनसंग स्पेशल मशीनरी कं. लि.	***	***	***	***	10-20
3.	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	10-20

पाटन मार्जिन तालिका—चीसेल						
क्र. सं.	उत्पादक	सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	निबल निर्यात कीमत (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज
चीन जन.गण.						
1.	निंगबो यीनझोऊ गेट मशीनरी लि.	***	***	***	***	10-20
2.	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	20-30

### झ. क्षति आकलन की पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

#### झ.1 सामान्य विविध अनुरोध

##### झ.1.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

132. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. जांच शुरूआत अधिसूचना को अक्षरशः पढ़ने से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाता है कि असेंबली / उप असेंबली को वर्तमान जांच के दायरे में शामिल किया गया था। अनुबंध 8 के पैरा (ii) में स्पष्ट उल्लेख है कि आयात आंकड़ों को रॉक ब्रेकर, रॉक ब्रेकर असेंबली / उप असेंबली और हिस्सों पर विचार करते हुए अलग-अलग किया गया है। इस प्रकार असेंबली और उप असेंबली को आयात आंकड़ों और घरेलू उद्योग के मापदंडों में जांच की शुरूआत से ही शामिल किया गया है<sup>37</sup>।
- ख. कतिपय हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी से प्रत्येक उप असेंबली और उप असेंबली के लिए अलग क्षति विश्लेषण करने का अनुरोध किया है। यह स्थिति प्राधिकारी की पूर्व प्रक्रिया<sup>38</sup> से समर्थित नहीं है। रॉक ब्रेकर की असेंबली / उप असेंबली अलग उत्पाद नहीं बल्कि उत्पाद का एक अलग रूप है। यह अनुरोध किया गया है कि जांच शुरूआत अधिसूचना में असेंबली / उप असेंबली को शामिल करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि निर्यातक, उत्पादक, व्यापार प्रवृत्ति में बदलाव न करें और शुल्क लगाने पर उनसे न बचे। अतः उप असेंबली और असेंबली के लिए अलग क्षति विश्लेषण आवश्यक नहीं है<sup>39</sup>।
- ग. इसके अलावा, रॉक ब्रेकर और चीसेल के लिए क्षति का विश्लेषण पहले ही अलग से किया गया है<sup>40</sup>।
- घ. आवेदक ने पाटन, क्षति और पाटित आयातों तथा आवेदक को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध सिद्ध करने के लिए रिकार्ड में पर्याप्त साक्ष्य दिए हैं। आवेदक प्राधिकारी से रिकार्ड के तथ्यों और साक्ष्यों की वस्तुनिष्ठ जांच करने और शुल्क लागू करने की सिफारिश करने का अनुरोध करता है<sup>41</sup>।

<sup>37</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 54

<sup>38</sup> चीन जन. गण. और इजराइल के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सिंक्रोनस डिजिटल हायरारकी ट्रांसेमिशन उपकरण के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा; चीन जन. गण., श्रीलंका और वियतनाम के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कंपैक्ट फ्लोरेसेंट लैंपों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच; चीन जन. गण., चीनी ताइपे और यूएसए से पवन चालित विद्युत जनरेटर के लिए कास्टिंग, चाहें मशीन वाली हो या नहीं, अपरिष्कृत, तैयार या उप असेंबलड रूप में या एक उप असेंबली के भाग के रूप में या पवन चालित विद्युत जनरेटर के लिए किसी उपकरण / घटक के भाग के रूप में; सौर सेल चाहें मॉड्यूल में आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से असेंबल हों अथवा नहीं, के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच (जैसा डोजको द्वारा उसके लिखित अनुरोध में बताया गया)।

<sup>39</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 58

<sup>40</sup> डोजको के खंडन अनुरोधों का पैरा 47

<sup>41</sup> डोजको के खंडन अनुरोधों का पैरा 46

- ड. यदि कतिपय मापदंडों में गिरावट नहीं प्रदर्शित होती है तब भी वह इस निष्कर्ष का एक मात्र आधार नहीं हो सकता है कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है<sup>42</sup>। इस बात को रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में माननीय सेस्टेट ने भी माना है। क्षति का आकलन करते समय प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग के सभी मापदंडों का विश्लेषण और आकलन करना अपेक्षित है और केवल एक मापदंड को अलग नहीं करना चाहिए<sup>43</sup>।

### झ. 1.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

133. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक की आयात आंकड़ा पृथक्करण पद्धति<sup>44</sup> के अनुसार रॉक ब्रेकर हिस्सों को उत्पाद दायरे में शामिल नहीं किया गया था। अतः आवेदक का यह दावा असेंबली / उप असेंबली को उत्पाद दायरे में शामिल किया गया है, निराधार है<sup>45</sup>।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आयात आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं<sup>46</sup>। संबद्ध वस्तु का नग/संख्या में आयात किया जाता है। तथापि, घरेलू उद्योग ने आंकड़े एमटी में बताए हैं। घरेलू उद्योग ने यह भी नहीं बताया है कि आयात सौदों का कम से कम 50 प्रतिशत भारत में है जैसा आंकड़ों के परिकलन की माप की इकाई में परिभाषित है<sup>47</sup>।
- ग. घरेलू उद्योग ने नग/संख्या को एमटी में बदलने के लिए प्रयुक्त पद्धति को परिभाषित नहीं किया है। गैर परिभाषित परिवर्तन पद्धति के प्रयोग से आयात आंकड़े बढ़ सकते हैं और आयात कीमत में खराबी हो सकती है। प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात आंकड़ों का प्रयोग नहीं करना चाहिए<sup>48</sup>।
- घ. प्राधिकारी को हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर, चीसेल, असेंबली और उप असेंबली के लिए अलग-अलग क्षति विश्लेषण करना चाहिए। घरेलू उद्योग ने अंतिम उत्पाद अर्थात् हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर और चीसेल के स्तर पर के आंकड़ों को ही शेयर किया है और इसलिए उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में वस्तुनिष्ठता नहीं है<sup>49</sup>।
- ड. पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर अपनी असेंबली और उप असेंबली की तुलना अंतिम उपयोग और कीमत की दृष्टि से अलग उत्पाद है। असेंबली और उप असेंबली को अलग से विनिर्मित किया जाता है और उसके बाद हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर बनाने में प्रयोग किया जाता है और इसलिए प्राधिकारी को असेंबली और उप

<sup>42</sup> डोजको के खंडन अनुरोधों का पैरा 57

<sup>43</sup> डोजको के खंडन अनुरोधों का पैरा 58

<sup>44</sup> डोजको के आवेदन का अनुबंध 8: "पद्धति नीचे उद्धरित है:

आयात आंकड़ों को अलग करने के लिए निम्नलिखित पद्धति प्रयोग होती है:

- याचिकर्ता ने उपशीर्ष 843 14930 और 84314990 के लिए एचएस कोड वर्गीकरण में की गई प्रत्येक लाइन मद के विवरण की जांच द्वारा पीयूसी के आयात आंकड़े मांगे हैं।
- पीयूसी को उसके नाम और उसके विवरण अर्थात् रॉक ब्रेकर, रॉक ब्रेकर हिस्से और चीसेल के आधार पर अभिज्ञात किया गया है।
- उत्पाद विवरण जैसे हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर जेएसबी एस50, एललस हाइड्रोलिक ब्रेकर और ब्रेकर एचएम पर रॉक ब्रेकर के रूप 380 में विचार किया गया है।
- उत्पाद विवरण जैसे माउंटिंग पेन, थोरो बोल्ट असेंबली, कॉलर बुश या हाइड्रोलिक ब्रेकर कलपुर्जों के रूप में परिभाषित उत्पाद पर रॉक ब्रेकर और हिस्सों (आरबी पाटर्स) के रूप में विचार किया गया है।
- सभी आयात सौदों कि.ग्रा., एमटी, नगों संख्याओं में हैं। सभी मदों को उपकरण के मानक भार की साझी इकाइयों जैसे कि.ग्रा. और एमटी के आधार पर परिवर्तित किया गया है।

<sup>45</sup> एडी के लिखित अनुरोध का पैरा 59

<sup>46</sup> डेमो के लिखित अनुरोधों का पैरा 10; निंगबों के लिखित अनुरोधों का पैरा 40

<sup>47</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 11; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 10; निंगबों के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14

<sup>48</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 10; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14; सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14; फील के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 9, निंगबों के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14; निंगबों के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 9

<sup>49</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 25; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 25

- असेंबली के लिए पृथक पाटन और क्षति जांच करनी चाहिए<sup>50</sup>। प्राधिकारी के लिए पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में दी गई उचित तुलना के सिद्धांत का पालन करना अपेक्षित है जो क्षति मार्जिन की गणना पर समान रूप से लागू होती है<sup>51</sup>।
- च. असेंबली/उप असेंबली पीयूसी का हिस्सा नहीं है और इसलिए क्षति जांच अलॉय स्टील चीसेल और रॉक ब्रेकर तक सीमित रहनी चाहिए<sup>52</sup>।
- छ. आवेदक को अपने आवेदन में असेंबली/उप असेंबली के आयातों से संबंधित जानकारी देनी चाहिए। इस प्रकार एडी इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता है कि क्या आवेदक को जांच के अंतिम स्तर पर उत्पाद दायरे में वृद्धि के कारण क्षति हो रही है<sup>53</sup>। डोजको ने पीयूसी के बड़े हुए दायरे पर विचार करते हुए मौखिक सुनवाई के स्तर तक अद्यतन आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है<sup>54</sup>।
- ज. ईसी – नार्वे<sup>55</sup> में पैनल ने यह देखा है कि एक पीयूसी में अनेक उत्पादों का समूह बनाने से पूरी जांच पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है जिससे आंकड़ों का संग्रहण और मूल्यांकन काफी जटिल हो जाता है। अतः प्राधिकारी से रबड़ केमिकल<sup>56</sup> और पेंसिलीन जी – पोटैशियम<sup>57</sup> में उनकी पूर्ववर्ती प्रक्रिया के पालन का और असेंबली और उप असेंबली की अलग-अलग<sup>58</sup> क्षति जांच करने का अनुरोध किया जाता है।
- झ. आवेदक ने संबद्ध देशों से काफी मात्रा में पीयूसी (असेंबली, उप असेंबली) और रॉक ब्रेकर के अन्य हिस्सों (पीयूसी में शामिल नहीं) का आयात किया है। इस प्रकार क्षति अधिक हुई हो, स्व-कारित है<sup>59</sup>।
- ञ. पीयूसी का कोई विकल्प नहीं है<sup>60</sup>।
- ट. इसके अलावा, पीयूसी का प्रयोग चट्टान तोड़ने के लिए होता है और इसलिए ये मदें काफी जल्दी पुरानी होती हैं। इन मदों को लगातार बदलना पड़ता है और इसलिए लागत में किसी वृद्धि से अंतिम प्रयोक्ता बुरी तरह प्रभावित होंगे<sup>61</sup>।
- ठ. प्रत्येक विनिर्माता विशिष्ट रूप से पीयूसी में प्रयुक्त टूल्स<sup>62</sup> और हिस्सों को विशिष्ट रूप से डिजाइन करता है। प्रत्येक आपूर्तिकर्ता या विनिर्माता के पास अपने डिजाइन और विनिर्देशन होते हैं, जो अन्य उत्पादकों द्वारा डिजाइन किए गए रॉक ब्रेकर में फिट हो सकते हैं या नहीं हो सकते हैं। अन्य विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित हिस्सों के प्रयोग के लिए विनिर्माताओं को बाध्य करने से मूल उपकरण में नुकसान हो जाएगा और ओईएम विनिर्माताओं द्वारा प्रस्तावित वारंटियां निष्प्रभावी और बेकार हो सकती हैं<sup>63</sup>।

<sup>50</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 2; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 24-25; एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 64- 65

<sup>51</sup> एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 63

<sup>52</sup> एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 62

<sup>53</sup> एडी के लिखित अनुरोध के पैरा 83-83

<sup>54</sup> एडी के लिखित अनुरोध के पैरा 83

<sup>55</sup> पैनल रिपोर्ट यूरोपीय समुदाय – नार्वे से फार्म साल्मन संबंधी पाटनरोधी उपाय

<sup>56</sup> चीन से रबड़ केमिकल अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीबीआई और टीएमटी तथा चीन और कोरिया गणराज्य से पीएक्स 13 (6पीपीडी) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

<sup>57</sup> चीन जन. गण. और मैक्सिको के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पेंसिलीन जी पोटैशियम और चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 6 – एपीए के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

<sup>58</sup> एवरडिगम खंडन अनुरोध का पृष्ठ 25; डी एंड ए खंडन अनुरोध का पृष्ठ 25;

<sup>59</sup> एडी के अनुरोधों का पैरा 46-47; एडी के खंडन अनुरोध का पैरा 60- 61

<sup>60</sup> फिन और फाइन के लिखित अनुरोध का पैरा ई.3

<sup>61</sup> फिन और फाइन के लिखित अनुरोध का पैरा ई.3

<sup>62</sup> यहां पर टूल शब्द को चीसेल के लिए बाजार शब्दावली के पर्यायवाची मानने के क्रम में नहीं पड़ना चाहिए।

<sup>63</sup> फिन और फाइन के लिखित अनुरोध का पैरा ई.4

- ड. इसके अलावा, प्रत्येक चीसेल रॉक ब्रेकर के विनिर्देशन और डिजाइन के अनुसार बनायी जाती है और इसलिए बड़े पैमाने पर उत्पादित नहीं हो सकती है। प्रत्येक चीसेल को रॉक ब्रेकर के विनिर्देशन के अनुसार अनुकूल बनाया जाता है। इसका अर्थ है कि चीसेल के साथ रॉक ब्रेकर की अनुरूपता एक प्रमुख विचार बिंदु है, जो खरीद के निर्णय को प्रभावित करता है<sup>64</sup>।
- ढ. संबद्ध वस्तु की बिक्री के बाद प्रदत्त बिक्री पश्चात् सहायता भी एक प्रमुख कारक जो किसी अंतिम प्रयोक्ता के खरीद निर्णय को प्रभावित करता है। उत्पाद की गुणवत्ता विश्वसनीयता और विनिर्देशन अन्य महत्वपूर्ण बातें हैं जो पीयूसी की खरीद का मार्गदर्शन करती हैं<sup>65</sup>।
- ण. मौखिक सुनवाई के दौरान डोजको ने माना था कि उसने सूची के संबंध में गलत जानकारी दी थी जिससे क्षति संबंधी टिप्पणी करने की एडी की क्षमता प्रभावित हुई थी<sup>66</sup>।
- त. आवेदक को कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण कोई वास्तविक क्षति नहीं हुई है<sup>67</sup>। वास्तविक क्षति का कथित दावा किसी सकारात्मक साक्ष्य पर आधारित नहीं है<sup>68</sup>।
- थ. उत्पादक / निर्यातक उनके द्वारा बेचे गए हिस्सों और घटकों के भार के अनुसार आंकड़े नहीं रखते हैं और इसलिए माप की निर्धारित इकाई में सूचना नहीं दी जा सकती है<sup>69</sup>।
- द. प्राधिकारी को आवेदक द्वारा प्रदर्शन - 3 के रूप में प्रस्तुत समर्थन पत्र पर विचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह व्यापार सूचना संख्या 13/2018 दिनांक 27 सितंबर, 2018 और व्यापार सूचना संख्या 14/2018 दिनांक 01 अक्टूबर, 2018 के उल्लंघन में हैं जिनमें किसी समर्थक के लिए जांच पूर्व स्तर पर प्राधिकारी द्वारा विहित प्रपत्र में उत्तर देना अपेक्षित है<sup>70</sup>।

### झ. 1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

134. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने अनुरोधों के हिस्से के रूप में निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं:

1. क्या असेंबली और उप असेंबली को पीयूसी के दायरे और परिणामस्वरूप आयात आंकड़ों में शामिल किया गया था ?
2. क्या इकाई के रूप में नग/संख्या में बताए गए आयात सौदे एमटी में उचित ढंग से परिवर्तित किए गए थे ?
3. क्या असेंबली और उप असेंबली के लिए क्षति संबंधी जांच अलग-अलग की गई है ?
4. क्या आवेदक को स्व-कारित क्षति हो रही है ?

#### झ. 1.3.1 असेंबली/उप असेंबली पीयूसी के दायरे का हिस्सा है

135. एडी ने बताया है कि आवेदन में डोजको द्वारा यथा उल्लिखित आयात पद्धति में यह स्पष्ट नहीं था कि रॉक ब्रेकर हिस्सों को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया है। यह नोट किया गया है कि रॉक ब्रेकर में अनेक असेंबली, उप असेंबली और अनेक छोटे जोड़ घटक शामिल होते हैं जो पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर बनाने के लिए असेंबली और उप असेंबली को साथ जोड़ते हैं। इस जांच का उद्देश्य केवल उन असेंबली और उप असेंबली को शामिल करना है जिन्हें पीयूसी का हिस्सा माना गया है। जैसा कि जांच शुरूआत अधिसूचना तथा कार्यक्षेत्र अधिसूचना के जरिए प्रदत्त मार्गदर्शन से स्पष्ट था। कार्यक्षेत्र अधिसूचना के जरिए ऐसी असेंबली / उप असेंबली के दायरे को कार्यक्षेत्र

<sup>64</sup> फिन और फाइन के लिखित अनुरोध का पैरा ई.6

<sup>65</sup> फिन और फाइन के लिखित अनुरोध के पैरा ई.7 – ई.8

<sup>66</sup> एडी के लिखित अनुरोध का पैरा 84

<sup>67</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पैरा 24

<sup>68</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पैरा 35

<sup>69</sup> फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 14

<sup>70</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 11; फील के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 11



अधिसूचना में उल्लिखित 7 असेंबली तक सीमित किया गया था। आवेदक ने अपनी कार्यप्रणाली में केवल यह कहा है कि रॉक ब्रेकर भागों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा गया था। यह नोट किया जाता है कि इन भागों को जांच शुरूआत अधिसूचना के साथ-साथ बाद की कार्यक्षेत्र अधिसूचना के माध्यम से पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं किया गया है। इस प्रकार असेंबली और उप असेंबली को जांच के दायरे में जांच की शुरूआत से ही कार्यक्षेत्र अधिसूचना<sup>71</sup> में उल्लिखित सीमा तक शामिल किया गया है।

### झ. 1.3.2 नग / संख्या में सूचित मात्राओं का एमटी में परिवर्तन पीसीएस / एनओएस

136. डेमो, फील, सूसान और निंगबो ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों का विरोध किया है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि आवेदक को यह स्पष्ट करना चाहिए कि ऐसे सौदों जिनमें पीसीएस ये नग<sup>72</sup>, और यूएनटीएस<sup>73</sup>, को भार के रूप में कैसे बदला गया है। यह स्पष्ट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की मात्रा और मूल्य का डीजी सिस्टम के आंकड़ों और भागीदार निर्यातकों द्वारा एमटी में प्रदत्त निर्यात आंकड़ों के आधार पर पता लगाया गया है। ऐसे सौदों के संबंध में जिनमें मात्रा एमटी में उल्लिखित नहीं थी, जांच दल ने भागीदार उत्पादकों को उनकी सूचना में किसी कमी और/या विसंगति को स्पष्ट करने या उनमें सुधार करने के लिए पूरक प्रश्नावलियां जारी की थी। पूरक प्रश्नावली के लिए पक्षकारों के उत्तरों पर संबद्ध वस्तु की अंतिम मात्रा ज्ञात करने के लिए विचार किया गया है।

### झ. 1.3.3 असेंबली/उप असेंबली के लिए अलग क्षति जांच

137. एडी ने तर्क दिया है कि आवेदन में असेंबली और उप असेंबली के निर्यातों से संबंधित जानकारी नहीं दी गई थी। एडी ने आगे टिप्पणी की है कि इस सूचना के अभाव में वह यह टिप्पणी नहीं कर सका है कि क्या आवेदक को उत्पाद के दायरे को बढ़ाने की वजह से क्षति हुई है। इसके अलावा, एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि असेंबली और उप असेंबली के अलग-अलग अंतिम प्रयोग हैं और उन्हें अलग-अलग उत्पादित किया जाता है; इसलिए प्राधिकारी को असेंबली और उप असेंबली के लिए अलग-अलग जांच करनी चाहिए। एडी ने प्राधिकारी से पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर और चीसेल की क्षति जांच को सीमित करने का अनुरोध किया है। इसके विपरीत डोजको ने यह तर्क देने के लिए प्राधिकारी की पूर्व प्रक्रिया पर भरोसा किया है कि असेंबली और उप असेंबली की अलग-अलग जांच आवश्यक नहीं है। डोजको ने यह भी बताया है कि असेंबली और उप असेंबली केवल एक रूप हैं जिनमें रॉक ब्रेकर का आयात होता है।
138. जैसा ऊपर खंड ग और पूर्वोक्त पैराओं में पहले बताया गया है। आवेदन तथा जांच शुरूआत अधिसूचना में यह बिल्कुल स्पष्ट किया गया कि असेंबली/उप असेंबली पीयूसी का हिस्सा हैं। डोजको रॉक ब्रेकर की सभी असेंबली और उप असेंबली का उत्पादन करता है। कार्यक्षेत्र अधिसूचना के जरिए भी मार्गदर्शन दिया गया था। इस प्रकार एडी का अनुरोध असाक्ष्यांकित है।
139. यह भी नोट किया गया है कि रॉक ब्रेकर असेंबली और उप असेंबली को असेंबली के लिए प्राथमिक रूप से ऐसी स्थिति में आयातित किया जाता है और पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर के रूप में बेचा जाता है। ऐसी असेंबली और उप असेंबली का कोई अन्य स्वतंत्र प्रयोग नहीं है और किसी भी भागीदार निर्यातक ने यह दावा नहीं किया है। अतः ऐसी वस्तु का अंतिम प्रयोग और न केवल देश में आने वाले ऐसे आयातों का यह रूप बाजार में महत्व रखता है।
140. इसके अलावा, रॉक ब्रेकर की असेंबली प्रक्रिया में न्यूनतम सेट-अप की जरूरत होती है। आवेदक के कारखाने के दौरे के दौरान जांच दल ने आवेदक से रॉक ब्रेकर को बनाने और अलग करने की प्रक्रिया दर्शाने के लिए कहा था। कम भार के ब्रेकरों को न्यूनतम जनशक्ति से असेंबल किया जा सकता है। अधिक भार के रॉक ब्रेकर के मामले में असेंबल हिस्सों को सही स्थिति में लगाने के लिए केवल एक लिफ्टिंग मशीन की आवश्यकता होती है और शेष प्रक्रिया कर्मचारियों द्वारा की जाती है।
141. यह नोट किया गया है कि डोजको प्राथमिक रूप से ऐसे प्रयोक्ताओं की मांग पूरी करता है जो पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर के लिए अनुरोध करते हैं। तथापि, यह निष्कर्ष निकालना विवेकपूर्ण नहीं होगा कि विशिष्ट अनुरोध पर

<sup>71</sup> अधिसूचना, विचाराधीन उत्पाद का दायरा और उत्पाद नियंत्रण संख्या, दिनांक 16 जून 2023।

<sup>72</sup> नग (पीसीएस), इकाई (यूएनटीएस)

<sup>73</sup> तदैव

डोजको अन्य उपभोक्ताओं को आपूर्ति करने में सक्षम नहीं होगा जो उप असेंबल रूप में रॉक ब्रेकर के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

142. डी एंड ए तथा एवरडिगम ने यह दलील देने के लिए ईसी – साल्मन (नार्वे) पर भरोसा किया है कि असेंबली और उप असेंबली के संबंध में क्षति का अलग-अलग आकलन किया जाए। पैनल की संमति थी कि:

*“7.58 अनिवार्यतः नार्वे का तर्क नीतिगत मुद्दे को उठाता है, जो दर्शाता है कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर सीमा के अभाव के कारण जांचकर्ता प्राधिकारी द्वारा वृष्टिपूर्ण पाटन निर्धारण हो सकते हैं। नार्वे का तर्क है कि यदि किसी एक जांच में समान नहीं होने वाले उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद माना जाता है तो पाटन के निर्धारण से यह पता नहीं चल सकता है कि क्या कुछ या उन सभी उत्पादों का पाटन हुआ है। नार्वे जांच में आगे एक उदाहरण देता है जिसमें पार और साइकिल को एक विचाराधीन उत्पाद माना जाता है। हम नार्वे के अतिकारी उदाहरण से सहमत नहीं हैं। एक विचाराधीन उत्पाद में उत्पादों के समूह से पूरी जांच प्रभावित हो जाएगी और जितना बड़ा यह समूह होगा उतने ही गंभीर इसके परिणाम हो सकते हैं जिससे संगत सूचना का संग्रहण और मूल्यांकन करने और एडी करार के अनुरूप निर्धारण करने का जांच प्राधिकारी का कार्य जटिल हो जाएगा। इस प्रकार हमें ऐसा लगता है कि अधिक व्यापक विचाराधीन उत्पाद के आधार पर पाटन के वृष्टिपूर्ण निर्धारण की संभावना सुदूर है। यह संभावना हमें एडी करार के उन दायित्वों के पठन पर सहमत करने के लिए निश्चित रूप से पर्याप्त नहीं है जिसके लिए हमें करार के पाठ में कोई आधार नहीं मिलता है।*

*7.59 इसके अलावा, नार्वे की स्थिति से विचाराधीन उत्पाद को अलग करने और परिणामस्वरूप समान उत्पाद को अलग करने और अंततः घरेलू उद्योग को अलग करने की आवश्यकता की विचित्र स्थिति उत्पन्न हो जाएगी जिससे एडी करार से संगत पाटनरोधी शुल्क लागू करने की संभावना शून्य हो जाएगी। हमें अनुच्छेद 2.6 में ऐसी कोई बात नहीं दिखती है जो चर्चा के अनुसार समान उत्पाद को परिभाषित करती है, जो इस विचार का समर्थन करेगी। इस संबंध में, यह उल्लेखनीय है कि यद्यपि एडी करार घरेलू रूप से उत्पादित (या विदेशी) सामान और जांच का विषय होने वाले आयातित उत्पादों के बीच तुलना की आवश्यकता होती है। विचाराधीन उत्पाद की कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। हमारे विचार से केवल तथ्य कि एडी करार में समान उत्पाद की परिभाषा है, यह दर्शाता है कि सदस्य जब भी आवश्यक हो शब्दों की सावधानीपूर्वक और सटीक रूप से परिभाषा बताने में सक्षम हैं। विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा का अभाव यह दर्शाता है कि इस संबंध में कोई प्रयास नहीं किया गया था। हमारे विचार में यह विचार इस निष्कर्ष का समर्थन करता है कि अनुच्छेद 2.6 से विचाराधीन उत्पाद के अपरिभाषित रूप से समान उत्पाद की परिभाषा को लागू करना हास्यास्पद होगा। हमें दायित्वों के अनुच्छेद 2.1 और 2.6 के पाठ में ऐसा कोई आधार नहीं दिखता है जो विचाराधीन उत्पाद के संबंध में जांच प्राधिकारी पर नार्वे के संबंध में अनुरोध करता हो<sup>74</sup> (इस पर जोर दिया गया)।”*

143. प्राधिकारी डी एंड ए द्वारा भेजी गई एक चुनिंदा व्याख्या से असहमत हैं, क्योंकि इससे विचाराधीन उत्पाद का अनावश्यक बिखराव होगा। यह नोट किया जाता है कि ईसी – साल्मन (नार्वे) मामले में डब्ल्यूटीओ पैनल ऐसे बिखराव से बचना चाहता था जिसे डी एंड ए और एवरडिगम द्वारा प्रस्तावित किया गया है। यह देखते हुए कि असेंबली/उप असेंबली को पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर बनाने के लिए आयातित किया जाता है और ये पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर के समान बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, यह नोट किया जाता है कि ऐसे बिखराव की आवश्यकता नहीं है।

### **झ. 1.3.4 स्व-कारित क्षति**

144. एडी ने दलील दी है कि आवेदक ने संबद्ध देशों से रॉक ब्रेकर और रॉक ब्रेकर के अन्य हिस्सों का भारी मात्रा में आयात किया है और इसलिए आवेदक को क्षति स्व-कारित है। एडी ने आवेदक द्वारा किए गए कथित आयातों की मात्रा और मूल्य भी दर्शाए हैं। जांच दल ने डीजी सिस्टम के आंकड़ों और आवेदक के रिकार्डों के प्रयोग से इस दावे का सत्यापन किया है। यह नोट किया गया है कि आवेदक ने संबद्ध देशों से पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर का आयात नहीं किया है। तथापि, आवेदक ने रॉक ब्रेकर के अन्य हिस्सों का आयात किया है जो पीयूसी के दायरे में शामिल

<sup>74</sup> पैरा 7.58-7.59, पैनल की रिपोर्ट, ईसी – नार्वे डब्ल्यूटीओ/डीएस337/आर

नहीं हैं। यह मात्रा लगभग [\*\*\*] एमटी है। वर्तमान जांच के दायरे में शामिल असेंबली / उप असेंबली और जिन्हें आवेदक द्वारा आयात किया गया है, [\*\*\*] एमटी हैं। ये कुल मांग का लगभग एक प्रतिशत हैं। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि लगभग [\*\*\*] एमटी का आर एंड डी के लिए आयात किया गया है, शेष मात्राओं की आवश्यकता कम कीमत की सस्ती असेंबली/उप असेंबली के प्रतिस्पर्धा के कारण पड़ी जिसकी वजह से उनका आयात करना पड़ा।

145. यह नोट किया गया है कि केवल आयात का कार्य स्व-कारित क्षति नहीं माना जा सकता है जैसा कि घरेलू उद्योग की स्थिति से संबंधित खंड में पूर्वोक्त पैराओं में बताया गया है। ऐसे आयातों की मात्रा और मूल्य संबद्ध वस्तु की मांग तथा आवेदक की उत्पादन तथा बिक्री की तुलना में बहुत कम है। अतः प्राधिकारी यह नहीं मानने का प्रस्ताव करते हैं कि आवेदक को स्व-कारित क्षति हो रही है।

### झ.1.3.5 अन्य मुद्दे

146. डोजको ने माना है कि आवेदन के अगोपनीय अंश में सूचीकरण गलत ढंग से किया गया था। डोजको ने जिसके बाद खंडन अनुरोध से पहले आवेदन को संशोधित किया और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उसके लिखित अनुरोध के साथ परिचालित किया जिसके मद्देनजर प्राधिकारी क्षति संबंधी टिप्पणी में असमर्थता संबंधी एडी की चिंताओं से असहमत हैं।
147. डेमो और फील ने प्राधिकारी से आवेदक द्वारा प्रस्तुत समर्थन पत्रों पर विचार नहीं करने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार संबद्ध वस्तु का एम मात्र घरेलू उत्पादक है और इसलिए उसका कुल पात्र घरेलू उत्पादन में 100 प्रतिशत हिस्सा बनता है। प्राधिकारी ने आवेदक की स्थिति सिद्ध करने या क्षति की जांच के लिए समर्थन पत्रों पर विचार नहीं किया है।

## झ.2 संचयी विश्लेषण

### झ.2.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

148. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. प्राधिकारी को क्षति का संचयी आकलन करना चाहिए, क्योंकि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.3 की सभी अपेक्षाएं पूरी हो गई हैं<sup>75</sup>। प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा तथा पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से अधिक है। प्रतिस्पर्धा की स्थिति की मौजूदगी के संबंध में डोजको चीन – स्टेनलेस स्टील पर एडी (जापान)<sup>76</sup> में डब्ल्यूटीओ पैनल की रिपोर्ट पर भरोसा किया है जिसमें पैनल ने किसी विशिष्ट देश से वस्तु की मात्रा में वृद्धि पर घरेलू उद्योग के साथ ऐसी वस्तु की प्रतिस्पर्धी होने के साक्ष्य के रूप में विचार किया था<sup>77</sup>।
- ख. पाटनरोधी करार में ऐसा कुछ नहीं है जो संचयन की शर्तों के पूरा होने पर गैर संचयन का संकेत करता हो<sup>78</sup>। कतिपय हितबद्ध पक्षकारों ने आयातों के क्षतिकारी प्रभाव के निर्धारण के लिए केवल कोरिया से आयातों पर ध्यान केंद्रित किया है। कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के प्रभाव को ऐसे अलग करना प्राधिकारी को गुमराह करने का प्रयास है<sup>79</sup>। ईसी – कॉस्ट आयरन ट्यूब<sup>80</sup> में जैसा डब्ल्यूटीओ पैनल ने बताया कि देश विशिष्ट विश्लेषण संचयी आकलन की पूर्वापेक्षा नहीं है<sup>81</sup>। इस बात को एकलिक फाइबर विनिर्माता बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में माननीय सेस्टेट ने माना है।

<sup>75</sup> डोजको के लिखित अनुरोध के पैरा 42,44; डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 49-50, 62

<sup>76</sup> पैनल की रिपोर्ट, चीन – जापान से स्टेनलेस स्टील उत्पादों पर पाटनरोधी उपाय, डब्ल्यूटीएस601डीए//आर

<sup>77</sup> तदेव पैरा 7. पर 91

<sup>78</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 48; डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 54

<sup>79</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 51

<sup>80</sup> पैनल की रिपोर्ट, यूरोपीय समुदाय – ब्राजील से मैलेबल कॉस्ट आयरन ट्यूब या पाइप फिटिंग पर पाटनरोधी शुल्क, डब्ल्यूटी/डीएस219/आर

<sup>81</sup> पैनल ने निम्नानुसार संमुक्ति की:

- ग. वर्तमान जांच में चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से आयातों की मात्रा में अचानक वृद्धि हुई है। इस प्रकार पाटित संबद्ध वस्तु और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती हैं<sup>82</sup>।

### झ.2.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

149. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु (रॉक ब्रेकर और चीसेल) की कीमतें अलग-अलग हैं। चीन जन. गण. तथा कोरिया गणराज्य के आयातों के पहुंच मूल्य में अंतर काफी अधिक है। यद्यपि चीन जन. गण. से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है और पहुंच मूल्य में गिरावट आई है। तथापि, कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा में गिरावट आई है और पहुंच मूल्य चीन जन. गण. से लगभग तीन गुना है<sup>83</sup>। इस प्रकार प्रतिस्पर्धा अनिवार्य रूप से चीन जन. गण. के आयातों और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के बीच मौजूद है<sup>84</sup> और इसलिए क्षति के लिए कोरिया गणराज्य के आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है<sup>85</sup>।

### झ.2.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

150. पाटनरोधी नियमावली 1995 के अनुबंध- II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:- क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत (या अधिक) है या जहां अलग-अलग देशों से आयात 3 प्रतिशत से कम हैं वहां समग्र रूप से आयात समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक है, और ख) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है।

151. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध के रूप में निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं।

#### झ.2.3.1 क्या कोरिया गणराज्य और चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में अंतर के मद्देनजर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति मौजूद है ?

152. डी एंड ए तथा एवरडिगम ने तर्क दिया है कि कोरिया गणराज्य व चीन जन. गण. से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। डी एंड ए तथा एवरडिगम ने तर्क दिया है कि दोनों संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के

“7.233 अनुच्छेद 3.3 में विभिन्न स्रोतों से किसी उत्पाद के पाटित आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन का प्रावधान है और ऐसा करने के लिए पूरा किए जाने वाले मापदंडों की स्पष्ट रूप से पहचान की गई है। इस प्रावधान के अंतर्गत जांचकर्ता प्राधिकारी संचयी आकलन की कार्यवाही तभी कर सकते हैं यदि: (1) प्रत्येक देश से पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक हो; (2) प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा नगण्य नहीं हो और (3) आयातित उत्पादों और आयातित उत्पादों तथा समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में आयातों का संचयी मूल्यांकन करना उचित हो।

7.234.....हम असहमत हैं। अनुच्छेद 3.3 में वास्तव में आयातों की मात्रा की ओर ध्यान देने की स्थिति दी गई है। प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा के संबंध में अनुच्छेद 3.3 में दी गई अनिवार्य स्थिति यह है कि ऐसे आयातों की मात्रा नगण्य नहीं होनी चाहिए। इस प्रकार जांचकर्ता प्राधिकारी ऐसे आयातों को एकत्रित नहीं करेंगे जिन्हें अलग-अलग नगण्य मात्रा के रूप में पाया जाता है (और वास्तव में जांच समापन से संबंधित अनुच्छेद 5.8 के प्रावधान पहले लागू होंगे)। यह बात अनुच्छेद 3.3 के पाठ में मात्रा का एक मात्र स्पष्ट उल्लेख है। हमें अनुच्छेद 3.3 में मात्रा से संबंधित कोई अन्य स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलता है और हम संधि के पाठ के प्रावधानों को नहीं पढ़ते हैं, क्योंकि वे मौजूद नहीं हैं। विशेष रूप से इस प्रावधान के पाठ में ऐसी कोई अतिरिक्त अपेक्षा नहीं है कि प्राधिकारी इस बात पर भी विचार करेंगे कि क्या संचयी आकलन की ओर बढ़ने से पहले देश वार आयात में भारी वृद्धि हुई है। वास्तव में ऐसी किसी अपेक्षा से संचयी विश्लेषण की मूल अवधारणा का महत्व कम हो जाएगा। अतः हम मानते हैं कि अनुच्छेद 3.3 में प्रावधान के पाठ से निकलने वाली आयात मात्रा के आकलन से संबंधित कोई अन्य अतिरिक्त अनिवार्य दायित्व नहीं है।

7.235.....हम अपने विचार के लिए संदर्भी समर्थन पाते हैं कि ब्राजील के तर्क के विपरीत अलग-अलग देशों की मात्रा और कीमत का अनुच्छेद 3.2 का विश्लेषण अनुच्छेद 3 के अन्य प्रावधानों में संचयन के लिए पूर्व शर्त के रूप में आवश्यक नहीं है और यह कि संचयन के बाद जिन प्रभावों को संचयी माना गया था उनमें अनुच्छेद 3.2 में दी गई मात्रा और कीमत प्रभाव शामिल हैं।

<sup>82</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 42

<sup>83</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 44; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20

<sup>84</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20

<sup>85</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 23

बीच कीमत में भारी अंतर है। उन्होंने यह भी बताया है कि यद्यपि चीन जन. गण. से संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि कोरिया गणराज्य से मात्रा में गिरावट आई है। इसी प्रकार उन्होंने तर्क दिया है कि चीन जन. गण. से पहुंच मूल्य में गिरावट आई है जबकि कोरिया गणराज्य के लिए इसमें वृद्धि हुई है। डोजको ने बताया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों की मात्रा न्यूनतम स्तर से अधिक है और दोनों संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह भी बताया गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा में वृद्धि हुई है और इसलिए पाटित वस्तुएं और घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुएं एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करती हैं। डोजको ने ईसी – आयरन कॉस्ट ट्यूब<sup>86</sup> पर यह तर्क देने के लिए भरोसा किया है कि संचयी विश्लेषण के लिए देश विशिष्ट विश्लेषण करना एक पूर्वापेक्षा नहीं है।

153. यह नोट किया गया है कि डी एंड ए और एवरडिगम ने यह दावा नहीं किया है कि कोरिया गणराज्य से आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु से प्रतिस्पर्धा नहीं करती है।

154. यह नोट किया गया है कि चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु के समान वस्तु है उनके समान अंतिम प्रयोग हैं और समान कच्ची सामग्री के प्रयोग से समान उत्पादन प्रक्रिया द्वारा उनका उत्पादन होता है और उन्हें समान उपभोक्ता समूहों द्वारा खरीदा गया है। डी एंड ए और एवरडिगम ने प्राथमिक रूप से यह तर्क देने के लिए दोनों देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा और कीमत में परिवर्तन की दलील दी है कि दोनों संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं करती है। यदि डी एंड ए और एवरडिगम के तर्क को आयातों की वास्तविक मात्रा पर विचार किए बिना सीधे-सीधे यह माने लिया जाए तो यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की मात्रा और कीमत में वृद्धि और गिरावट यह सिद्ध करती है कि दोनों देशों से संबद्ध वस्तु बाजार में प्रतिस्पर्धा करती हैं। यदि कोरिया गणराज्य और चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती तो कोरिया गणराज्य के आयात अपने स्तरों को बनाए रखने में और खपत में वृद्धि में अपने हिस्से में वृद्धि करने में सक्षम होते और चीन जन. गण. से आयातों में वृद्धि से प्रभावित नहीं होते।

155. इसके अलावा, ईसी – कॉस्ट आयरन ट्यूब में डब्ल्यूटीओ पैनल ने संसुक्ति की है:

7.234 विशेष रूप से इस प्रावधान के पाठ में ऐसी कोई अतिरिक्त अपेक्षा नहीं है कि प्राधिकारी इस बात पर भी विचार करेंगे कि क्या संचयी आकलन की ओर बढ़ने से पहले देश वार आयात में भारी वृद्धि हुई है। वास्तव में ऐसी किसी अपेक्षा से संचयी विश्लेषण की मूल अवधारणा का महत्व कम हो जाएगा। अतः हम मानते हैं कि अनुच्छेद 3.3 में प्रावधान के पाठ से निकलने वाली आयात मात्रा के आकलन से संबंधित कोई अन्य अतिरिक्त अनिवार्य दायित्व नहीं हैं।

7.235.....हम अपने विचार के लिए संदर्भी समर्थन पाते हैं कि ब्राजील के तर्क के विपरीत अलग-अलग देशों की मात्रा और कीमत का अनुच्छेद 3.2 का विश्लेषण अनुच्छेद 3 के अन्य प्रावधानों में संचयन के लिए पूर्व शर्त के रूप में आवश्यक नहीं है और यह कि संचयन के बाद जिन प्रभावों को संचयी माना गया था उनमें अनुच्छेद 3.2 में दी गई मात्रा और कीमत प्रभाव शामिल हैं<sup>87</sup>। जोर दिया गया है।

156. उक्त के मद्देनजर प्राधिकारी डी एंड ए और एवरडिगम के तर्कों से असहमत हैं। तदनुसार, प्राधिकारी चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से आयातों के संचयी आकलन का प्रस्ताव करते हैं।

#### अ. खंड : रॉक ब्रेकर

##### अ.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

##### अ.1.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

157. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

<sup>86</sup> पैनल की रिपोर्ट, यूरोपीय समुदाय – ब्राजील से मैलेबल कॉस्ट आयरन ट्यूब या पाइप फिटिंग पर पाटनरोधी शुल्क, डब्ल्यूटीडीएस219//आर

<sup>87</sup> पैरा 7.234-235 पैनल की रिपोर्ट, यूरोपीय समुदाय – ब्राजील से मैलेबल कॉस्ट आयरन ट्यूब या पाइप फिटिंग पर पाटनरोधी शुल्क, डब्ल्यूटीडीएस219//आर

- क. संबद्ध देशों से रॉक ब्रेकर के आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। यद्यपि चीन से आयात में आधार वर्ष की तुलना में 802 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि कोरिया से आयात पर्याप्त स्तर पर बने रहे हैं<sup>88</sup>।
- ख. अन्य देशों का हिस्सा काफी कम रहा है<sup>89</sup>।

### अ.1.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

158. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. पाटित आयातों में सापेक्ष और समग्र वृद्धि संबंधी जांच तब नहीं की जा सकती यदि आयातों के लिए अपनाई गई माप की इकाई एमटी में है<sup>90</sup>।
- ख. आयातों में वृद्धि के लिए आवेदक भी जिम्मेदार है जिसने पीयूसी का भारी मात्रा में आयात किया है<sup>91</sup>।
- ग. आवेदक ने आरोप लगाया है कि उसके निष्पादन में संबद्ध आयातों (रॉक ब्रेकर) की बढ़ी हुई मात्रा के साथ गिरावट आई है। तथापि आवेदन में प्रदत्त सूचना के अनुसार कोरिया गणराज्य से संबद्ध आयातों की मात्रा में 15 प्रतिशत की कमी आयी है। कोरिया गणराज्य से आयातों की मात्रा में समग्र और सापेक्ष रूप से काफी गिरावट आई है<sup>92</sup>। इस प्रकार कोरिया गणराज्य से आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है<sup>93</sup>।
- घ. कोरिया से आयातों के हिस्से में पीयूसी के कुल भारतीय उत्पादन, कुल भारतीय मांग तथा कुल आयातों की दृष्टि से गिरावट आई है<sup>94</sup>। कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु की आयात मात्राओं के हिस्से में आधार वर्ष के तुलना में पीयूसी के कुल आयातों के 65 प्रतिशत तक गिरावट आई है<sup>95</sup>।
- ड. चीन जन. गण. से आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है<sup>96</sup> जो आधार वर्ष तुलना में लगभग 9 गुना है और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति चीन जन. गण. से आयातों के परिणामस्वरूप हो सकती है<sup>97</sup>।
- च. आवेदक के लिखित अनुरोध के पैरा 47 में आवेदक ने अन्य घरेलू उत्पादकों की विक्रियां प्रस्तुत की हैं। यह पूरी जांच में आवेदक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के विपरीत है जिसमें उसने बताया है कि कोई अन्य भारतीय उत्पादक नहीं है और इस तथ्य का अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विरोध किया है। अतः आवेदन को अस्वीकृत करना चाहिए और जांच को समाप्त करना चाहिए<sup>98</sup>। क्योंकि आवेदक ने इस तथ्य को छिपाया और प्राधिकारी को गुमराह किया है<sup>99</sup>।

### अ.1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

159. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है जैसा ऊपर उल्लिखित है। जांच दल ने डीजी सिस्टम के आंकड़ों और भागीदार उत्पादकों द्वारा प्रदत्त निर्यात सूचना के आधार पर अंतिम मात्राओं को ज्ञात किया है।

<sup>88</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 45

<sup>89</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 44

<sup>90</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 10; फील के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 10; निंगबों के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 10

<sup>91</sup> एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 48

<sup>92</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 25; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 25

<sup>93</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15

<sup>94</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 27; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 27

<sup>95</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 29; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20

<sup>96</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 25; एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20

<sup>97</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15

<sup>98</sup> एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 51

<sup>99</sup> एडी के खंडन अनुरोधों का पैरा 51

160. मांग में पीयूसी की आपूर्ति के विभिन्न स्रोतों का वितरण निम्नानुसार है:

तालिका 1: मात्रात्मक मापदंड (पूर्णतः असेंबल्ड)							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	घरेलू बिक्रियां - आवेदक	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	172	115	
2	घरेलू बिक्रियां - अन्य उत्पादक	एमटी	-	-	-	-	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	
3	संबद्ध देश -आयात	एमटी	2,279	5,124	3,181	5,862	***100
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	225	140	257	
4	संबद्ध देश - गैर-पाटित आयात	एमटी	निर्धारित नहीं				***101
5	अन्य देश - आयात	एमटी	43	27	105	95	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	62	243	220	
6	कुल आयात	एमटी	2,322	5,150	3,286	5,957	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	222	142	257	
7	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	197	147	231	
निम्न के संबंध में संबद्ध आयात							
8	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***	***102
	रेंज	%	350-400	1050-1100	350-400	850-900	600-700
9	कुल मांग	%	***	***	***	***	***103
	रेंज	%	80-90	90-100	70-80	90-100	60-70

<sup>100</sup> गोपनीय क्योंकि न्यूनतम मार्जिन की सीमा वाला केवल एक उत्पादक है। इस आंकड़े का खुलासा करने से निर्यातक की निर्यात मात्रा का प्रकटन हो जाएगा।

<sup>101</sup> तदेव

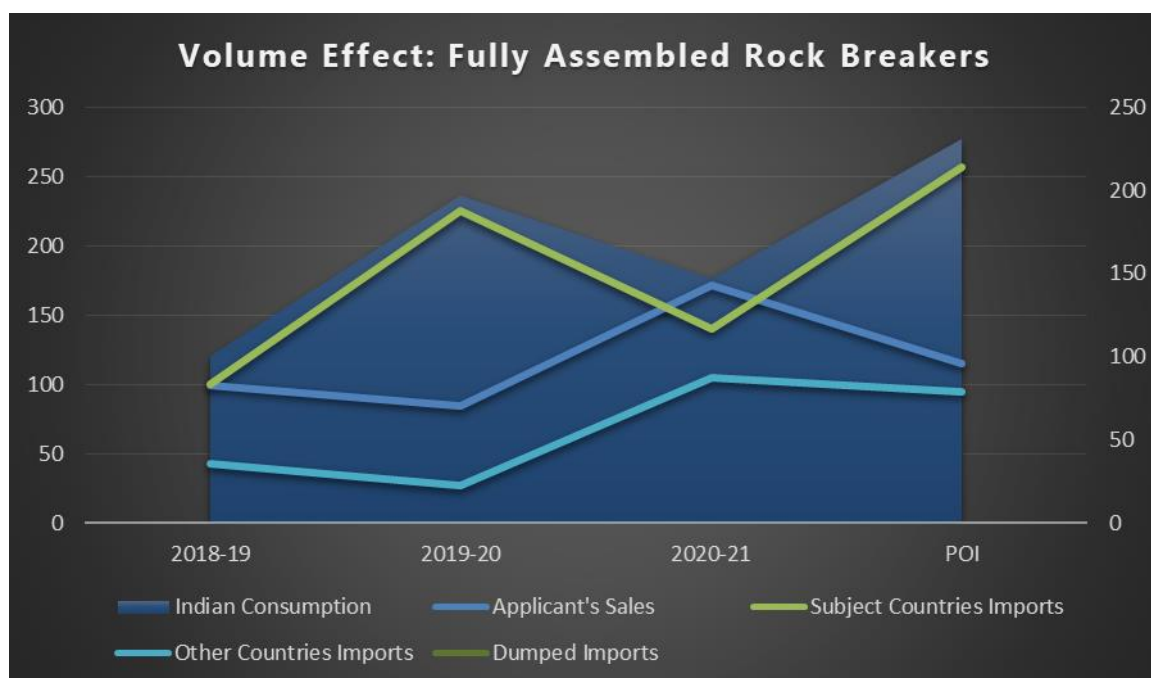
<sup>102</sup> तदेव

<sup>103</sup> तदेव

तालिका 1: मात्रात्मक मापदंड (पूर्णतः असेंबल्ड)

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
10	कुल आयात	%	98%	99%	97%	98%	***104

161. उक्त से यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों (पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर) में आधार वर्ष में 2,279 एमटी से पीओआई में 5,862 एमटी की वृद्धि हुई है। अर्थात् 3,583 एमटी की वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु की मांग में भी 2020-21 को छोड़कर, जब मांग 2019-20 के स्तरों की तुलना में घट गई थी, पीओआई समेत संपूर्ण मांग में वृद्धि हुई है। तथापि वह आधार वर्ष के स्तर से अधिक रही है। इस अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयात में लगभग 1,943 एमटी की भारी गिरावट आई है जबकि घरेलू उद्योग की बिक्रिया दोगुनी हो गई है। इस प्रकार आवेदक की बिक्री में वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट आई है। तथापि पाटित आयातों की मात्रा में पीओआई के दौरान भारी वृद्धि हुई है। 5,862 एमटी से \*\*\*105 एमटी को पाटित पाया गया है। इस अवधि दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में मांग में \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद \*\*\* प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके अलावा, पाटित आयातों की मात्रा में \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई है (मांग में वृद्धि)। इस प्रकार संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने न केवल मांग में संपूर्ण वृद्धि पर कब्जा कर लिया है, बल्कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों को भी प्रतिकूलतः प्रभावित किया है।



162. संबद्ध देशों से पाटित आयातों में सापेक्ष वृद्धि के संबंध में यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में भारतीय उत्पादन की दृष्टि से संबंध देश से पाटित आयातों में लगभग \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संबंध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात पीओआई में भारतीय उत्पादन की दृष्टि से \*\*\* प्रतिशत रहे हैं और भारत में कुल आयातों का \*\*\* प्रतिशत बनते हैं। भारतीय मांग के संबंध में संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के संबंध में संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के हिस्से में आधार वर्ष में 80 प्रतिशत से पीओआई में 98 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल

104 तदेव

105 अंतर-पार्टी गोपनीयता बनाए रखने के लिए आंकड़े को गोपनीय रखा गया।



मांग में ऐसे आयातों के हिस्से में 2020-21 में गिरावट आई थी। पीओआई ने संबद्ध देशों से 98 प्रतिशत आयातों में से लगभग \*\*\* प्रतिशत मात्रा पाटित आयातों की है। इस प्रकार आयातों में समग्र और सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है।

163. निम्नांकित तालिका असेंबली और उप असेंबली के साथ पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर की मात्रा को दर्शाती है।

तालिका 2 : मात्रात्मक मापदंड - पूर्णतः असेंबल और असेंबली/उप असेंबली							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-20	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	घरेलू बिक्रियां - आवेदक	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	172	115	
2	घरेलू बिक्रियां - अन्य उत्पादक	एमटी	—	—	—	—	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	
3	संबद्ध देश -आयात	एमटी	2617	5968	4048	9670	***106
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	222	141	259	
4	संबद्ध देश - गैर-पाटित आयात	एमटी	निर्धारित नहीं				***107
5	अन्य देश - आयात	एमटी	61	177	190	191	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	289	311	312	
6	कुल आयात	एमटी	2,679	6,144	4,238	9,861	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	219	143	258	
7	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	195	148	232	
निम्न के संबंध में संबद्ध आयात							
8	भारतीय उत्पादन	%	438	1267	457	1419	***108
	रेंज	%	350-400	1050-1100	350-400	1250-1300	1200-1250
9	कुल मांग	%	82	91	79	92	***109
	रेंज	%	80-90	90-100	70-80	90-100	70-80
10	कुल आयात	%	98	97	96	98	***110

164. जैसा ऊपर उल्लिखित है मात्रा और कीमत प्रभाव को रॉक ब्रेकर के लिए दो स्तरों पर लिया गया है - पहले पूर्णतः असेंबल स्तर पर और दूसरा पूर्णतः असेंबल तथा असेंबली और उप असेंबली स्तर पर हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि

<sup>106</sup> गोपनीय क्योंकि न्यूनतम मार्जिन की सीमा वाला केवल एक उत्पादक है। इस आंकड़े का खुलासा करने से निर्यातक की निर्यात मात्रा का प्रकटन हो जाएगा।

<sup>107</sup> तदेव

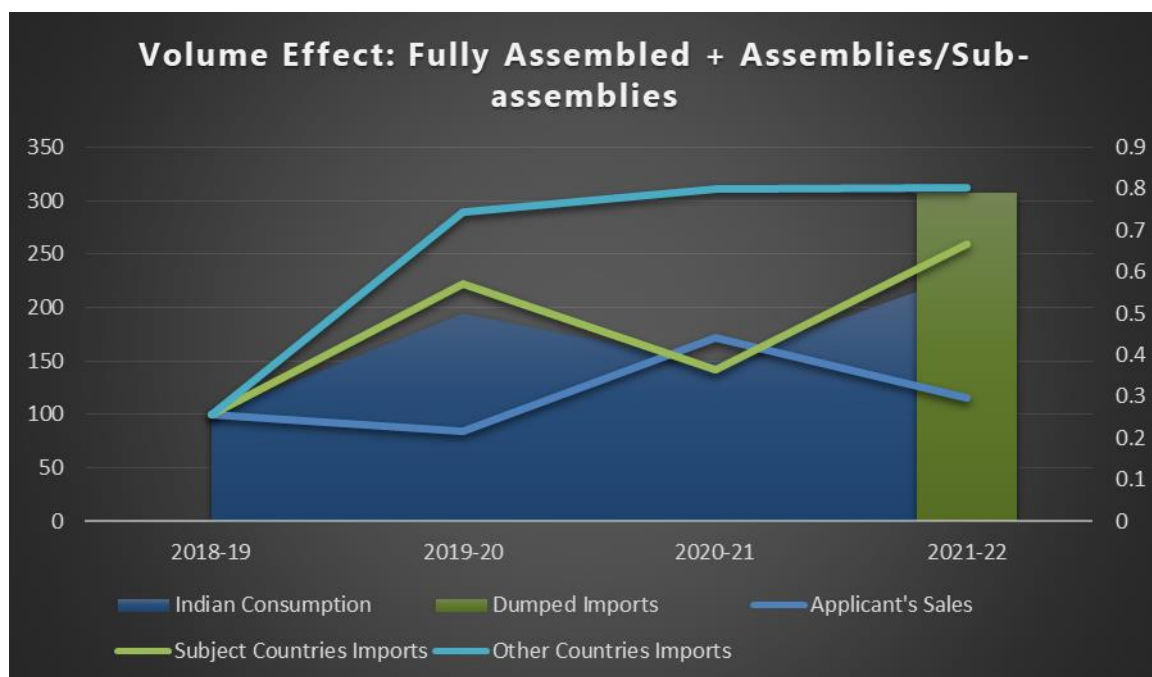
<sup>108</sup> तदेव

<sup>109</sup> तदेव

<sup>110</sup> तदेव

असेंबली और उप असेंबली एक ही बाजार में पूर्णतः असेंबल ब्रेकर के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति का पता लगाने के लिए दोनों स्तरों पर विश्लेषण किया है।

165. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से आयातों में आधार वर्ष में 2617 एमटी में पीओआई में 9270 एमटी की वृद्धि हुई है। जबकि आवेदक की बिक्रियों में केवल \*\*\* एमटी की वृद्धि हुई है। 9670 एमटी में से \*\*\* पाटित है। इस अवधि के दौरान मांग में \*\*\* एमटी की वृद्धि हुई है। मांग में पूर्णतः असेंबल ब्रेकर के मामले में भी यही प्रकृति रही है। 2019-20 में शुरुआत में वृद्धि के बाद 2020-21 में इसमें गिरावट आई और उसके बाद पीओआई में आगे और वृद्धि हुई। 2019-20 में मांग में भारी वृद्धि के बावजूद आवेदक की बिक्रियों में गिरावट आई थी जबकि संबद्ध देशों से कम कीमत की आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि हुई थी। तथापि, आगामी वर्ष में संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में गिरावट के साथ आवेदक अपनी बिक्रियों में भारी वृद्धि कर पाया है। फिर भी पीओआई में कम कीमत से आयातों के आने के कारण आवेदक की बिक्रियों में पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में भारी गिरावट आई है।



166. जहां तक संबंधित आयातों में सापेक्ष वृद्धि का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में भारतीय उत्पादन के संबंध में संबंधित देशों से आयात में लगभग 981% की वृद्धि हुई है। इस तरह के आयात में 2019-20 की तुलना में भारतीय उत्पादन के संबंध में लगभग 152% और 2020-21 की तुलना में लगभग 962% की वृद्धि हुई है। पीओआई में कुल भारतीय मांग का \*\*\* विषय देशों से आयात किया जाता है। विषय देशों से आयात भी 2020-21 और 2019-20 की तुलना में बढ़ा है। इस प्रकार, आयात में निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, 98% अधीन आयातों में से \*\*\* पाटित मूल्यों पर प्रविष्ट पाए गए हैं।
167. एवरडिगम, सूसन, डेमो और फील ने तर्क दिया है कि कोरिया आरपी से आयात की पूर्ण मात्रा में निरपेक्ष और सापेक्ष रूप से गिरावट आई है। एवरडिगम ने यह भी तर्क दिया है कि चीन पीआर से आयात की मात्रा आधार वर्ष की तुलना में 9 गुना बढ़ गई है, और इसलिए, क्षति चीन पीआर के कारण है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, पीओआई में कोरिया आरपी और चीन पीआर से पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकरों के आयात में आधार वर्ष की तुलना में क्रमशः 196% और 126% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, 2020-21 की तुलना में, पीओआई में चीन पीआर और कोरिया आरपी से आयात पीओआई में क्रमशः 193% और 25% बढ़ गया है।
168. इसी प्रकार यदि असेंबली और उप असेंबली की मात्रा को शामिल किया जाए तो नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में आधार वर्ष की तुलना में चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से 432 प्रतिशत और 56 प्रतिशत तथा 2019-20 की तुलना में 117 प्रतिशत और 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस प्रकार चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से पाटित आयातों की मात्रा में क्षति अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है। हालांकि इसका

अनुपात अलग है। इस प्रकार संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र और सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है। इस कारण से प्राधिकारी इस तर्क से असहमत हैं कि क्षति केवल चीन जन. गण. के कारण हुई है।

169. उक्त के होते हुए भी यदि प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि संचयन की शर्त पूरी हुई है तो यह नोट किया गया है कि अलग-अलग संबद्ध देशों की आयातों की मात्रा में वृद्धि और गिरावट से क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं होता है, क्योंकि पाटित आयातों के प्रभाव की जांच का दायित्व संबद्ध देशों के स्तर पर है और अलग-अलग संबद्ध देशों का नहीं है।

170. एडी ने टिप्पणी की है कि आवेदक ने लिखित अनुरोध में पीयूसी के अन्य घरेलू उत्पादक की मौजूदगी को माना है। प्राधिकारी ने आवेदक के लिखित अनुरोध को पढ़ा है और यह नोट किया जाता है कि अनुरोध के गोपनीय अंश में अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्रियां शून्य बतायी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डोजको ने अपने संशोधित आवेदन में गलती की है। इसके मद्देनजर एडी की चिंताओं का निवारण होता है।

## ब.2 घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

### ब.2.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

171. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. रॉक ब्रेकर के आयात कुल भारतीय उत्पादन का 3 गुना है। रॉक ब्रेकर की मांग में निरंतर वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू बाजार पर पूरी तरह से कम कीमत के आयातों का कब्जा है<sup>111</sup>।
- ख. आवेदक के बाजार हिस्से में आधार वर्ष से रॉक ब्रेकर की मांग में 31 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद पीओआई के दौरान गिरावट आई है। बाजार हिस्से में गिरावट कम कीमत के आयातों की मात्रा में वृद्धि के कारण हुई है<sup>112</sup>।

### ब.2.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

172. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि आधार वर्ष की तुलना में मांग में 31 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद उसके बाजार हिस्से में गिरावट आई है। कोरिया से आयातों की मात्रा में भी आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में गिरावट आई है। जबकि चीन से आयातों में 9 गुना वृद्धि हुई है<sup>113</sup>। इस प्रकार बाजार हिस्से का नुकसान कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण नहीं हो सकता है<sup>114</sup>।

### ब.2.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

173. निम्नलिखित तालिका में कुल भारतीय मांग में पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर के लिए घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा दर्शाती है।

तालिका 3 : बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबल							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां -	%	***	***	***	***	
	रेंज		10-20	0-10	20-30	0-10	

<sup>111</sup> डोजको के लिखित अनुरोधों का पैरा 47

<sup>112</sup> डोजको के लिखित अनुरोधों का पैरा 48

<sup>113</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 21

<sup>114</sup> तदेव

तालिका 3 : बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबलड							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	80	92	76	89	***115
3	संबद्ध देश-गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***116
4	अन्य देश		2	0	3	1	
5	कुल मांग	%	100	100	100	100	

174. यह ध्यान दिया जाता है कि 2020-21 को छोड़कर, पीओआई सहित क्षति की अवधि में मांग में आवेदक की हिस्सेदारी में लगातार गिरावट आई है, जिसमें विषय देशों से विषय वस्तुओं के आयात में गिरावट आई थी। अन्य देशों से विषय वस्तुओं की बाजार हिस्सेदारी 0-3% की सीमा में रही है। घरेलू उद्योग की हिस्सेदारी आधार वर्ष में \*\*\*% से घटकर पीओआई में \*\*\*% हो गई है। 2019-20 और 2020-21 की तुलना में, पीओआई में आवेदक की हिस्सेदारी में क्रमशः \*\*\*% की वृद्धि और \*\*\*% की गिरावट आई है। 2020-21 के दौरान आवेदक की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई जब संबंधित देशों से आयात 2019-20 की तुलना में \*\*\*% गिर गया। यह भी नोट किया गया है कि अन्य देशों से आयात के हिस्से ने भी इसी तरह की प्रवृत्ति का पालन किया है।

175. 2019-20 की तुलना में, पीओआई में मांग में 17% की वृद्धि हुई। हालांकि, विषय आयात की मात्रा में 14% की वृद्धि हुई है, जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री में 36% की वृद्धि हुई है। फिर भी, जबकि 2020-21 की तुलना में पीओआई में मांग में \*\*\*% की वृद्धि हुई थी, आयात में 84% की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में पीओआई में घरेलू बिक्री में गिरावट आई है। पीओआई में डंप किए गए आयात मांग में वृद्धि के \*\*\* गुना से थोड़ा अधिक हैं। इस प्रकार, संबंधित देशों से पाटित आयातों के कारण पीओआई में आवेदक की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आई है।

तालिका 4: बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबलड और असेंबली / उप असेंबली							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां -	%	***	***	***	***	
	रेंज		10-20	0-10	20-30	0-10	
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	82	91	79	92	***117
3	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***118

<sup>115</sup> गोपनीय क्योंकि न्यूनतम मार्जिन की सीमा वाला केवल एक उत्पादक है। इस आंकड़े का खुलासा करने से निर्यातक की निर्यात मात्रा का प्रकटन हो जाएगा।

<sup>116</sup> तदेव

<sup>117</sup> तदेव

<sup>118</sup> तदेव

तालिका 4: बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबल्ड और असेंबली / उप असेंबली

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
4	अन्य देश		2	3	4	2	
5	कुल मांग	%	100	100	100	100	

176. यह नोट किया गया है कि 2020-21, जिसमें संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में गिरावट आई थी, को छोड़कर पीओआई सहित क्षति अवधि में मांग में आवेदक के हिस्से में निरंतर गिरावट आई है। अन्य देशों से संबद्ध वस्तु का बाजार हिस्सा 2-4 प्रतिशत की रेंज में रहा है। घरेलू उद्योग के हिस्से में आधार वर्ष में \*\*\* प्रतिशत से पीओआई में \*\*\* प्रतिशत की गिरावट आई है। 2019-20 और 2020-21 की तुलना में आवेदक के हिस्से में पीओआई में क्रमशः \*\*\* प्रतिशत और \*\*\* प्रतिशत की गिरावट आई है। आवेदक के हिस्से में 2020-21 में वृद्धि हुई है। जबकि संबद्ध देशों से आयातों में 2019-20 के मुकाबले 12 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाए कि अन्य देशों के आयातों के हिस्सों में यही प्रवृत्ति रही है। इस प्रकार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों ने बाजार हिस्से को बुरी तरह प्रभावित किया है।
177. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि कोरिया गणराज्य से आयातों की मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में गिरावट आई है। यह नोट किया जाता है कि कोरिया गणराज्य से आयात आधार वर्ष और संपूर्ण क्षति अवधि के स्तर से अधिक हैं।

### ज.3 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

#### ज.3.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

178. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- क. आवेदक द्वारा कम लागत पर बिक्री के बावजूद कीमत कटौती लगातार सकारात्मक और काफी अधिक है<sup>119</sup>।
- ख. इसके अलावा, ऐसे आयातों के कारण आवेदक अपनी बिक्री कीमत में वृद्धि नहीं कर पाया है।<sup>120</sup>
- ग. डी एंड ए और एवरडिगम के तर्कों के विरुद्ध कोई व्यवसाय घाटे में बिक्री करने का निर्णय स्वैच्छिक रूप से नहीं लेगा। आवेदक को बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है क्योंकि पाटित आयातों ने कीमत से प्रतिस्पर्धा करने में आवेदक की सक्षमता को बुरी तरह बाधित किया है।<sup>121</sup>
- घ. एडी का यह दावा कि बिक्री लागत और बिक्री कीमत तालमेल से चली हैं और इसलिए घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है, गलत है। आवेदक अपने खर्चों को वसूल करने के लिए तर्कसंगत आय हेतु उचित कीमत पर बिक्री नहीं कर पा रहा है। आवेदक लागत पर बिक्री कर रहा है।<sup>122</sup>

#### ज.3.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

179. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. एनएसआर एक व्यवसाय कंपनी का स्वैच्छिक वाणिज्यिक निर्णय का परिणाम है। इस प्रकार कीमत कटौती की मौजूदगी अपने आप में क्षति का संकेत नहीं है।<sup>123</sup> क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त आंकड़े

<sup>119</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 53

<sup>120</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 48

<sup>121</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 55

<sup>122</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 55

उत्पादन और लाभप्रदता के अनुसार वृद्धि दर्शाते हैं और यह कि प्राधिकारी को पूर्ण रूप से जांच करनी चाहिए<sup>124</sup>।

- ख. 2020-21 और पीओआई के बीच आवेदक की बिक्री लागत में लगभग 56 प्रतिशत की असंगत वृद्धि हुई है। प्राधिकारी को इस अचानक वृद्धि के संबंध में आवेदक से स्पष्टीकरण मांगना चाहिए और जांच करनी चाहिए कि क्या आवंटन में कोई गलती हुई है<sup>125</sup>।
- ग. आवेदक अपनी बिक्री लागत के अनुसार बिक्री कीमत में वृद्धि कर पाया है। इसलिए इस वजह से कोई क्षति नहीं हुई है<sup>126</sup>।
- घ. कोरिया गणराज्य से आयातों के पहुंच मूल्य में आधार वर्ष की तुलना में 22 मूल बिंदुओं की वृद्धि हुई है। कोरिया गणराज्य से ऐसी उच्च पहुंच कीमत से संबद्ध आयातों की कम मात्रा पर आवेदक को क्षति के संबंध में विचार नहीं किया जा सकता है<sup>127</sup>।
- ड. आवेदक की बिक्री कीमत उसकी बिक्री लागत के अनुरूप रही है। अतः आयातों के पहुंच मूल्य को आवेदक की बिक्री कीमत पर कोई प्रभाव डालने वाला नहीं कहा जा सकता है<sup>128</sup>।

### अ.3.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

#### अ.3.3.1 कीमत में कटौती

180. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में यह विश्लेषण करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में भारी कीमत कटौती की गई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में कमी करना है या ऐसी कीमत वृद्धि को रोकना है जो सामान्य प्रक्रिया में बढ़ गई होती। इस बात की नीचे तालिका में जांच की गई है।

तालिका 5: कीमत कटौती (केवल पाटित आयात - पूर्णतः असेंबलड रॉक ब्रेकर्स)								
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	सीआईएफ	एलवी	एनएसआर	पीयू	पीयू	पीयू
		एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	%	रेंज
1	संबद्ध देश	4467	216580	228212	***	***	***	200-250

तालिका 6: कीमत कटौती (केवल पाटित आयात - पूर्णतः असेंबलड + उप असेंबल / असेंबल)								
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	सीआईएफ	एलवी	एनएसआर	पीयू	पीयू	पीयू
		एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	रु/एमटी	%	रेंज
1	संबद्ध देश	8265	159318	168199	***	***	***	200-250

181. यह नोट किया गया है कि कीमत कटौती संबद्ध वस्तु के लिए सकारात्मक और काफी अधिक है।

<sup>123</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 27; एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 22; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 27; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20

<sup>124</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ और 28 27; डी एंड ए के खंडन अनुरोधों का पृष्ठ 20

<sup>125</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ और 28 डी एंड ए के लिखित अनुरोधों का पृष्ठ 28

<sup>126</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ और 29 डी एंड ए के लिखित अनुरोधों का पृष्ठ 28

<sup>127</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ और 29 डी एंड ए के लिखित अनुरोधों का पृष्ठ 28

<sup>128</sup> एडी के लिखित अनुरोध का पैरा 87-88

182. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि कीमत कटौती की मौजूदगी घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी के निष्कर्ष का आधार नहीं होनी चाहिए। प्राधिकारी क्षति जांच में के संबंध में अपनी दायित्व से परिचित हैं। यह भी नोट किया जाता है कि कीमत कटौती की मौजूदगी को क्षति को सिद्ध करने के लिए एक सकारात्मक कारक है। तथापि, घरेलू उद्योग को क्षति की मौजूदगी संबंधी निष्कर्ष एक आंतरिक प्रक्रिया है जिसमें आयातों की कीमत प्रभाव सहित अनेक कारकों को मिलाकर विचार किया जाता है।

### ब.3.3.2 मूल्य दमन/मंदी

183. प्राधिकारी यह जांच करने के लिए कीमत ह्रास / न्यूनीकरण का आकलन करते हैं कि क्या आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें बढ़ाने से रोका है तथा क्या ऐसे आयातों में कीमतों में कटौती की है। निम्नलिखित तालिका कीमत ह्रास/न्यूनीकरण के आकलन के लिए उपयोगी मापदंडों को दर्शाती है।

तालिका 7: कीमत ह्रास/न्यूनीकरण – केवल पूर्णतः असेंबलड						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई (पाटित आयात)
1	विक्रियों की लागत	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	61	99
2	बिक्री कीमत (एनएसआर)	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	72	99
3	पहुंच मूल्य	रु/एमटी	344564	289578	459647	228212
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	133	66

184. यह नोट किया गया है कि आवेदक की बिक्री लागत 2020-21 जिसमें आवेदक की बिक्री लागत में भारी गिरावट आई थी, को छोड़कर लगभग समान रेंज में रही है। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि बिक्री लागत में इस अवधि के दौरान बिक्री में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्थिर लागत की भरपाई के कारण गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि पहुंच मूल्य में गिरावट के साथ 2019-20 में आवेदक की बिक्री कीमत में गिरावट आई है। आवेदक ने यह भी स्पष्ट किया है कि तथापि वह बिक्री लागत में कटौती के कारण 2020-21 में अपनी बिक्री कीमत को बनाए रखने में सक्षम रहा था। तथापि, 2020-21 में पहुंच मूल्य में सुधार के बावजूद आवेदक अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में असमर्थ था।
185. यद्यपि उसकी बिक्री लागत में काफी गिरावट आई थी। घरेलू उद्योग ने बताया है कि उसने कम कीमत के आयातों की कीमत का मुकाबला करने का प्रयास किया और इसलिए अपनी बिक्री कीमत को नहीं बढ़ा सका। आवेदक ने यह भी स्पष्ट किया कि तथापि वह बिक्री लागत में कटौती के कारण 2020-21 में अपनी बिक्री कीमत को बनाए रखने में सक्षम रहा था और परिणामस्वरूप अपना बाजार हिस्सा बढ़ाने में सक्षम रहा। तथापि, पीओआई में आवेदक की बिक्री लागत क्षति अवधि के पूर्ववर्ती वर्ष की रेंज में पुनः बढ़ गई थी। इसी के साथ पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई और वह आधार वर्ष के स्तर से कम हो गई।
186. एडी ने तर्क दिया है कि बिक्री मूल्य और बिक्री की लागत एक साथ चली गई है, और इसलिए, यह नहीं कहा जा सकता है कि संबंधित देशों से आयात ने आवेदक के बिक्री मूल्य को प्रभावित किया है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि एडी का दावा गलत है क्योंकि यह लागत पर बेच रहा है, और इसलिए, अपने खर्चों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। प्राधिकरण नोट करता है कि पिछले वर्ष की तुलना में, बिक्री मूल्य में बिक्री की लागत में 39 सूचकांक



अंकों की वृद्धि के विपरीत 27 सूचकांक अंकों की वृद्धि हुई है, जबकि उतरा मूल्य 67 सूचकांक अंकों से गिर गया है। इस प्रकार, भूमि मूल्य ने न केवल आवेदक की कीमतों को दबा दिया है, बल्कि उन्हें भी उदास कर दिया है।

तालिका 8: कीमत हास / न्यूनीकरण – पूर्णतः असेंबलड + असेंबली / उप असेंबली						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई (पाटित आयात)
1	बिक्रियों की लागत	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	61	99
2	बिक्री कीमत (एनएसआर)	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	72	99
3	पहुंच मूल्य	रु/एमटी	3,46,121,	2,81,965	4,24,399	1,68,199
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	82	123	49

187. यह नोट किया गया है कि आवेदक की बिक्री लागत 2020-21 जिसमें आवेदक की बिक्री लागत में भारी गिरावट आई थी, को छोड़कर लगभग समान रेंज में रही है। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि बिक्री लागत में इस अवधि के दौरान बिक्री में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्थिर लागत की भरपाई के कारण गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि पहुंच मूल्य में गिरावट के साथ 2019-20 में आवेदक की बिक्री कीमत में गिरावट आई है। तथापि, 2020-21 में पहुंच मूल्य में सुधार के बावजूद आवेदक अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने में असमर्थ था। यद्यपि उसकी बिक्री लागत में काफी गिरावट आई थी। घरेलू उद्योग ने बताया है कि अपने बाजार हिस्से में वृद्धि करने के लिए कम कीमत के आयातों की कीमत का मुकाबला करने का प्रयास किया और इसलिए अपनी बिक्री कीमत को नहीं बढ़ा सका। आवेदक ने यह भी स्पष्ट किया कि तथापि वह बिक्री लागत में कटौती के कारण 2020-21 में अपनी बिक्री कीमत को बनाए रखने में सक्षम रहा था। तथापि, पीओआई में आवेदक की बिक्री लागत क्षति अवधि के पूर्ववर्ती वर्ष की रेंज में पुनः बढ़ गई थी। इसी के साथ पहुंच मूल्य में भारी गिरावट आई और वह आधार वर्ष के स्तर से भी कम हो गई।

#### ब.4 उत्पादन क्षमता और क्षमता उपयोग एवं बिक्रियां

##### ब.4.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

188. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है<sup>129</sup>।
- ख. घरेलू उद्योग के उत्पादन में केवल \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई है<sup>130</sup>।

##### ब.4.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

189. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. यद्यपि आवेदक की क्षमता पीओआई सहित संपूर्ण क्षति अवधि में समान रही है, तथापि मांग में वृद्धि के साथ आवेदक के उत्पादन और क्षमता उपयोग में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है<sup>131</sup>। इस प्रकार घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है<sup>132</sup>।

<sup>129</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 50

<sup>130</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 50

<sup>131</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 26; एवरडिगम के लिखित अनुरोध पृष्ठ का 30; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 29-30

<sup>132</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16



- ख. आवेदक अपने उत्पादन में वृद्धि करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि उसने पीयूसी का भारत में उत्पादन करने के बजाय आयात करने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस प्रकार आयातों में इस प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं निभाई है<sup>133</sup>।

#### अ.4.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

190. निम्नांकित तालिका आवेदक के मात्रात्मक मापदंडों को दर्शाती है।

तालिका 9 : घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंड (रॉक ब्रेकर)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	क्षमता	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
2	उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	148	114
3	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	रेंज	%	30-40	20-30	40-50	30-40
4	घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	172	115

191. आवेदक की क्षमता पीओआई सहित पूरी क्षति अवधि में समान रही है। आवेदक के उत्पादन में 2020-21 के मुकाबले में भारी गिरावट आई है। यह नोट किया गया है कि इस अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में भारी गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाता है कि 2019-20 और पीओआई के बीच आवेदक के उत्पादन में 35 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। तथापि समान अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की मात्रा में 150 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। संबद्ध वस्तु की मांग में भी 2020-21 को छोड़कर लगातार वृद्धि हुई है।
192. एवरडिगम, सूसान, फील, डेमो और निंगबो ने तर्क दिया है कि आवेदक मांग में वृद्धि के साथ अपनी बिक्री और उत्पादन में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। तथापि, यह नोट किया गया है कि आवेदक पीओआई के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण मांग में वृद्धि के अनुपात में अपनी बिक्री और उत्पादन में वृद्धि नहीं कर पाया है। आवेदक के बाजार हिस्से में काफी गिरावट आई है जबकि आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। 2019-20 और पीओआई के बीच मांग में \*\*\* एमी की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के लगभग \*\*\* पर संबद्ध आयातों पर कब्जा कर लिया है और घरेलू उद्योग इस वृद्धि के केवल \*\*\* प्रतिशत का उपयोग कर पाया था। इस प्रकार मांग में लगभग संपूर्ण वृद्धि को संबद्ध देश के पाटित आयातों ने कब्जा लिया है।

#### अ.5 बाजार हिस्सा

##### अ.5.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

193. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. संबद्ध देशों से आयात में घरेलू बाजार में 79 प्रतिशत हिस्सा ले लिया है<sup>134</sup>। इस प्रकार आवेदक अपनी बिक्री मात्रा में वृद्धि नहीं कर पाया है<sup>135</sup>। बिक्री में वृद्धि मांग में वृद्धि के साथ नहीं हुई है<sup>136</sup>।

<sup>133</sup> लिखित अनुरोध का पैरा 54

<sup>134</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 50

<sup>135</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 50

<sup>136</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 55(ग)

**अ.5.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

194. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. मांग में वृद्धि के साथ आवेदक के बिक्री में वृद्धि हुई है<sup>137</sup>। आवेदक की बिक्री में आधार वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है और इसलिए आवेदक को कोई क्षति नहीं हुई है<sup>138</sup>।
- ख. कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान भारी गिरावट आई है। अतः ऐसे आयात घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित नहीं कर सकते हैं<sup>139</sup>। इसके अलावा घरेलू उद्योग के निष्पादन में पीओआई सहित संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान सुधार हुआ है<sup>140</sup>।

**अ.5.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

195. निम्नांकित तालिका घरेलू उद्योग और संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से को दर्शाती है।

तालिका 10: बाजार हिस्सा पूर्णतः असेंबलड							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***	
	रेंज		10-20	0-10	20-30	0-10	
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	80	92	76	89	***141
3	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***142
4	अन्य देश	%	2	0	2	1	
5	कुल मांग	%	100	100	100	100	
6	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	197	147	231	

तालिका 11: बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबलड + असेंबली / उप असेंबली							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***	
	रेंज		10-20	0-10	20-30	0-10	
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	82	91	79	92	***143
3	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***144
4	अन्य देश	%	2	0	3	1	

<sup>137</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15

<sup>138</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18

<sup>139</sup> एवरडिग्न के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 26

<sup>140</sup> एवरडिग्न के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 26

<sup>141</sup> अंतर-पार्टी गोपनीयता बनाए रखने के लिए आंकड़े को गोपनीय रखा गया।

<sup>142</sup> तदेव

<sup>143</sup> तदेव

<sup>144</sup> तदेव

तालिका 11: बाजार हिस्सा - पूर्णतः असेंबल + असेंबली / उप असेंबली							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
5	कुल मांग	%	100%	100%	100%	100%	
6	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	206	160	327	

196. आधार वर्ष की तुलना में आवेदक की बिक्रियों में समग्र संख्या में पीओआई में 15 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान मांग में 132 (केवल पूर्णतः असेंबल) और 226 (पूर्णतः असेंबल और उप असेंबली) सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। तथापि आधार वर्ष की तुलना में बिक्री और मांग की समग्र मात्रा में वृद्धि के बावजूद आवेदक के बाजार हिस्से में 9-10 प्रतिशत गिरावट आई है। इस अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों में समग्र रूप से \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2020-21 की तुलना में यह ऐसी अवधि है जिसमें आवेदक की बिक्री समग्र संख्या तथा बाजार हिस्से में उच्चतम स्तर पर पहुंची है, आवेदक के बाजार हिस्से में \*\*\* प्रतिशत की गिरावट आई जबकि संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई।
197. यह भी नोट किया गया है कि चार वर्ष की अवधि के मुकाबले मांग में वृद्धि होने पर भी संबद्ध देशों से आयातों की वृद्धि आवेदक की बिक्री की तुलना में काफी अधिक थी। पूर्णतः असेंबल स्तर पर यद्यपि मांग में 2020-21 और पीओआई के बीच \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई, परंतु पाटित आयातों में 83 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2019-20 की तुलना में मांग में \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि पाटित आयात में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस प्रकार दोनों मामलों में पाटित आयातों में मांग से ज्यादा वृद्धि हुई है।
198. यदि असेंबली/उप-असेंबली सहित रॉक ब्रेकरों की पूरी मात्रा पर विचार किया जाता है, तो यह ध्यान दिया जाता है कि 2020-21 और पीओआई की अवधि के बीच, संबंधित देशों से डंप किए गए आयात की मात्रा में 139% की वृद्धि हुई जबकि मांग में \*\*\*% की वृद्धि हुई। हालांकि, इस दौरान आवेदक की बिक्री में \*\*\* फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, 2019-20 और पीओआई के बीच, मांग में \*\*\*% की वृद्धि हुई है जबकि आयात में 62% की वृद्धि हुई है। \*\*\*% अधीन आयातों को पाटित मूल्यों पर भारत के वाणिज्य में प्रवेश करते हुए पाया गया है। इस प्रकार, आवेदक मांग में वृद्धि से लाभ नहीं उठा पाया है, जबकि डंप किए गए आयात की मात्रा मांग में वृद्धि से अधिक है।

## अ.6 घरेलू उद्योग के वित्तीय मापदंड

### अ.6.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

199. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक ऐसी कीमतों पर अपने उत्पाद को बेच रहा है जो पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण उसकी बिक्री लागत से कम है।
- ख. आवेदक अपनी बिक्रियों पर लाभकारी कीमत अर्जित नहीं कर पाया है और इसलिए घाटा उठा रहा है।

### अ.6.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

200. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. लाभप्रदता मापदंडों संबंधी सूचना में गड़बड़ी है क्योंकि आवेदक ने घरेलू और निर्यात बिक्री संचयी आंकड़े उपलब्ध कराए हैं<sup>145</sup>। ऐस गलत आंकड़ों पर आधारित क्षति संबंधी कोई निष्कर्ष वस्तुनिष्ठ जांच नहीं होगा<sup>146</sup>।
- ख. आवेदक की लाभप्रदता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान तेजी से वृद्धि हुई है<sup>147</sup>।
- ग. सूचकरण में त्रुटि के कारण आवेदक द्वारा प्रस्तुत संशोधित सूचना के अनुसार यह नोट किया जा सकता है कि आवेदक आधार वर्ष से घाटा उठाने वाली कंपनी रहा है और उसे इस अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का कोई पाटन नहीं होने पर भी पूरी क्षति अवधि के दौरान घाटा उठाना पड़ा है। इस प्रकार आयातों के अलावा, ऐसे अन्य कारक हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है<sup>148</sup>।
- घ. आवेदक द्वारा प्रस्तुत संशोधित आंकड़े आरओसीआई आंकड़े को सकारात्मक दर्शाते हैं जबकि लाभप्रदता के शेष आंकड़े ऋणात्मक हैं। पराधिकारी को घरेलू उद्योग के लाभप्रदता मानदंडों की सत्यता की जांच करनी चाहिए<sup>149</sup>।
- ड. स्थिर परिसंपत्ति/मूल्यहास में गिरावट के बावजूद औसत नियोजित पूंजी में वृद्धि और स्थापित क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं होने को स्पष्ट नहीं किया जा सकता<sup>150</sup>।
- च. यह अनुरोध है कि कार्यशील पूंजी और मालसूची में सीधा संबंध होता है। तथापि आवेदक की कार्यशील पूंजी में असामान्य रुझान है जबकि औसत मालसूची में यही प्रवृत्ति नहीं रही है। आवेदक द्वारा प्रदत्त आंकड़े मनगढ़ंत और गलत प्रतीत होते हैं<sup>151</sup>।
- छ. नियोजित पूंजी के प्रतिशत रूप में पीबीआईटी में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में रॉक ब्रेकर के लिए तेजी से वृद्धि हुई है जो सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है<sup>152</sup>।

### अ.6.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

201. निम्नांकित तालिका आवेदक के वित्तीय मानदंडों को दर्शाती है।

तालिका 12: लाभप्रदता मापदंड (रॉक ब्रेकर्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	विक्रियों की लागत	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	61	99
2	विक्री कीमत	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	72	98
3	लाभ/हानि	रु/एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(106)	(21)	(104)
4	पीबीआईटी	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(106)	(26)	(143)

<sup>145</sup> एवरडिगम, डी एंड ए द्वारा यथा उल्लिखित डीआई की याचिका का पृष्ठ और 90 87

<sup>146</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 30; डी एंड ए लिखित अनुरोध का पृष्ठ 30

<sup>147</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16

<sup>148</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 11-12; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 12

<sup>149</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 21; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 22

<sup>150</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19

<sup>151</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19

<sup>152</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20

तालिका 12: लाभप्रदता मापदंड (रॉक ब्रेकर्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
5	नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(102)	(19)	(143)
6	आरओसीई	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	रेंज	(100)	(157)	(32)	(155)

202. यह नोट किया जाता है कि आवेदक की बिक्री लागत वर्ष 2021-22 जब आवेदक की बिक्री लागत में भारी गिरावट आई थी, को छोड़कर पीओआई सहित पूरी क्षति अवधि में समान रेंज में रही है। आवेदक ने बताया है कि ऐसा बिक्री में वृद्धि की वजह से स्थिर लागत की भरपाई के कारण हुआ था। तथापि बिक्री लागत पीओआई के दौरान 2020-21 के पूर्व के स्तर पर पुनः बढ़ गई। आवेदक आधार वर्ष से अपनी बिक्री लागत से काफी कम कीमत पर अपना उत्पाद बेच रहा है। आवेदक ने बताया है कि कम कीमत के आयातों की मौजूदगी के कारण घरेलू उद्योग अपनी बिक्री लागत को भी वसूली करने में सक्षम नहीं है। आवेदक को आधार वर्ष से घाटा हो रहा है। तथापि पीओआई में ये घाटे और बढ़ गए हैं।
203. आवेदक को 2019-20 में भी भारी घाटा हुआ है। यह नोट किया गया है कि इस अवधि के दौरान संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य न्यूनतम था। यद्यपि पीओआई में 2019-20 की तुलना में पहुंच मूल्य में सुधार हुआ, परंतु यह अब भी आवेदक की बिक्री लागत से काफी कम है। आवेदक का पीवीआईटी और नकद लाभ भी लाभ के समान ही रहा है।
204. एवरडिगम और डीए ने दावा किया है कि आवेदक ने घरेलू बिक्री के भीतर अपनी निर्यात बिक्री के आंकड़ों को शामिल किया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि जांच दल ने आवेदक के घरेलू प्रदर्शन से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है। इसके अलावा, निर्यात बिक्री कुल बिक्री के [\*\*\*] से कम है।
205. यह नोट किया गया है कि 2020-21 में सुधार के बाद पीओआई सहित क्षति अवधि के दौरान आवेदक के आरओसीई में गिरावट आई है। सूसान और फील ने तर्क दिया है कि आवेदक की कार्यशील पूंजी और मालसूची में समान रुझान नहीं रहा है। यद्यपि इन दोनों में सह संबंध हैं। अतः सूसान ने आरोप लगाया है कि आवेदक ने अपने आंकड़ों की गलत सूचना दी है। यह नोट किया गया है कि मालसूची का स्तर उन अनेक कारकों में से केवल एक है जिनसे कार्यशील पूंजी सीधे संबंधित है। अतः यह आवश्यक नहीं है कि कार्यशील पूंजी और मालसूची में समान रुझान रहे।
206. सूसान और फील ने यह भी तर्क दिया है कि स्थिर परिसंपत्ति और मूल्यहास में बिना किसी परिवर्तन के नियोजित पूंजी में परिवर्तन अनुचित है। यह नोट किया जाता है कि नियोजित पूंजी में आवेदक के संबंधित पक्षकार द्वारा स्थिर परिसंपत्ति की बिक्री के कारण नियोजित पूंजी में बदलाव हुआ है।

## अ.7 वेतन, मजदूरी और कर्मचारियों की संख्या

### अ.7.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

207. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. वित्त वर्ष 2020-21 से कर्मचारियों की संख्या समान बनी रही है। तथापि वेतन और मजदूरी में 44 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग की बढ़ती हुई प्रचालन लागत का पता चलता है।

- ख. यह अनुरोध किया गया है कि पीयूसी एक जटिल इंजीनियर उत्पाद है और उसमें तकनीकी कौशल वाले कर्मचारियों की आवश्यकता है जिन्हें उच्चतर पारिश्रमिक देना आवश्यक होता है<sup>153</sup>।

### अ.7.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

208. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. कर्मचारियों के वेतन और मजदूरी में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि के साथ वृद्धि हुई है और इसलिए कोई क्षति नहीं हुई है<sup>154</sup>।
- ख. आवेदक के प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता में वृद्धि हुई है<sup>155</sup>।

### अ.7.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

209. आवेदक के मजदूरी, रोजगार और उत्पादकता के संबंधित आंकड़े नीचे तालिका में दर्शाए गए हैं:

तालिका 13: रोजगार (रॉक ब्रेकर्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	117	145
2	कर्मचारियों की संख्या		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	127	132
3	उत्पादकता/दिन		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	148	114
4	उत्पादकता/कर्मचारी		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	79	116	86
5	मजदूरी/कर्मचारी		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	92	110

210. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि में कर्मचारियों की मजदूरी में वृद्धि हुई है और पीओआई में यह उच्चतम स्तर पर रही है। कर्मचारियों की संख्या में क्षति अवधि के दौरान भी वृद्धि हुई है। आवेदक ने बताया कि पीयूसी एक जटिल इंजीनियरिंग उत्पाद है और इसलिए उन्होंने कुशल कर्मियों को नियुक्त किया है जो उच्चतर पारिश्रमिक मानते हैं। यह भी नोट किया गया है कि 2020-21 के दौरान उत्पादन में वृद्धि के साथ कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि प्रति दिन उत्पादकता में वृद्धि हुई जबकि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में मामूली गिरावट दर्ज हुई।
211. सूसान और फील ने तर्क दिया है कि आवेदक को क्षति नहीं हो रही है क्योंकि वह अपनी मजदूरी और अपने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। यह नोट किया गया है कि केवल मजदूरी में वृद्धि और कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि क्षति की गैर मौजूदगी संबंधी निष्कर्ष का आधार नहीं हो सकता है।

<sup>153</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 51

<sup>154</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16; फील लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; निंगबो लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17

<sup>155</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; फील लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19

**अ.8 मालसूची****अ.8.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

212. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं।

**अ.8.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

213. अन्य हितबद्ध पक्षकारों निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. कार्यशील पूंजी और औसत मालसूची के रुझान में एक जैसी प्रवृत्ति नहीं है। यद्यपि ये दोनों आपस में संबंधित हैं<sup>156</sup>।

**अ.8.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

214. निम्नांकित तालिका में आवेदक के मालसूची संबंधी आंकड़े दर्शाए गए हैं।

तालिका 14: मालसूची (रॉक ब्रेकर)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	112	140

215. यह नोट किया गया है कि आवेदक की मालसूची में 2020-21, जब उसने पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट दर्ज हुई थी परंतु आधार वर्ष के स्तर से अधिक रही थी, को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। मालसूची ने पीओआई के दौरान अपना उच्चतम स्तर प्राप्त किया। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि सीमित उत्पादन करने और बिक्री लागत से कम पर बिक्री करने के बावजूद वह अपनी बिक्रियों में मामूली वृद्धि करने में भी सक्षम नहीं रहा है क्योंकि बाजार में कम कीमत के पाटित आयात मौजूद हैं।

**अ.9 वृद्धि****अ.9.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

216. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

**अ.9.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

217. अन्य हितबद्ध पक्षकारों कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

**अ.9.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

218. निम्नांकित तालिका में आवेदक की मालसूची की आंकड़े दर्शाए गए हैं।

तालिका 15 : वृद्धि (रॉक ब्रेकर्स)						
क्र.सं.	विवरण		2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई आधार वर्ष की तुलना
1	उत्पादन	%	***	***	***	***
2	घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***

<sup>156</sup> सूसान के खंडन अनुरोध का पृष्ठ; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ

तालिका 15 : वृद्धि (रॉक ब्रेकर्स)						
3	लाभ/हानि	%	***	***	***	***
4	आरओसीई	%	***	***	***	***
5	मालसूची	%	***	***	***	***
6	बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***

219. उक्त के अनुसार यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष की तुलना में बिक्री और उत्पादन में वृद्धि दर्शायी है जबकि उसके निष्पादन में अन्य मापदंडों के संबंध में गिरावट आई है। यह भी नोट किया गया है कि पीओआई में घरेलू उद्योग के निष्पादन में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में भारी गिरावट आई है। 2019-20 की तुलना में 2020-21 में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है। यह नोट किया गया है कि इस अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में गिरावट आई है जबकि पहुंच मूल्य में सुधार हुआ है। तथापि पीओआई के दौरान पाटित आयातों में परिणामी वृद्धि और पहुंच मूल्य में गिरावट के साथ घरेलू उद्योग के मापदंड बुरी तरह प्रभावित हुए थे।

#### अ.10 पाटन मार्जिन की मात्रा

##### अ.10.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

220. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए हैं।

##### अ.10.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

221. अन्य हितबद्ध पक्षकारों कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

##### अ.10.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

222. जैसा ऊपर नोट किया गया है कि डी एंड ए को छोड़कर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है और काफी अधिक है। यह भी नोट किया गया है कि कोरिया गणराज्य और चीन जन. गण. से सहयोगी उत्पादक का पाटन मार्जिन भी रॉक ब्रेकर के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी अधिक (डी एंड ए को छोड़कर) है।

#### अ.11 पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

##### अ.11.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

223. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए हैं।

##### अ.11.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

224. अन्य हितबद्ध पक्षकारों कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

##### अ.11.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

225. आवेदक ने बताया है संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण उसे बिक्री लागत से कम पर बिक्री करनी पड़ी और इसलिए उसे घाटा हो रहा है जिससे आगे विस्तार विविधीकरण के लिए पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता प्रभावित हुई है।

226. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को हुए लगातार घाटे के कारण पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। तथापि पीओआई में संबद्ध वस्तु के लिए मांग में वृद्धि के बावजूद आवेदक का निष्पादन काफी खराब रहा है और इस प्रकार पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता कम हो गई है।



**ट. खंड : चीसेल्स****ट.1 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव****ट.1.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**

227. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. चीसेल के आयातों की मात्रा में समग्र तथा सापेक्ष रूप से वृद्धि हुई है।

**ट.1.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

228. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तु के आयातों में कुल भारतीय उत्पादन तथा कुल भारतीय मांग और आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान पीयूसी के कुल आयातों के संबंध में गिरावट आई है<sup>157</sup>।

ख. चीसेल के आयात भारतीय मांग में वृद्धि के अनुरोध रहे हैं। इसी अवधि के दौरान आवेदक अपने उत्पादन में काफी सुधार करने में सक्षम रहा है। इस प्रकार कोई मात्रात्मक क्षति नहीं हुई<sup>158</sup>।

ग. कोरिया गणराज्य से चीसेल के आयातों की मात्रा संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट के कारण आधी रह गई है<sup>159</sup>। घरेलू उद्योग के विक्रियों में भी गिरावट आई है। जबकि चीन जन. गण. से चीसेल के आयातों की मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में काफी सुधार हुआ है<sup>160</sup>।

**ट.1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

229. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन या खपत की दृष्टि से भारी वृद्धि हुई है जैसा ऊपर उल्लिखित है। जांच दल ने डीजी सिस्टम के आंकड़ों और भागीदार उत्पादकों द्वारा प्रदत्त निर्यात सूचना के आधार पर अंतिम मात्राओं को ज्ञात किया है।

230. यह भी नोट किया गया है कि चीसेल को या तो अलग वस्तु के रूप में बेचा जाता है या उसे रॉक ब्रेकर के साथ बेचा जा सकता है। चीसेल की भारी मात्रा का आयात रॉक ब्रेकर के साथ हो सकता है। नीचे जांचे गए मात्रात्मक मापदंड चीसेल के ऐसे आयातों को दर्शाते हैं जिन्हें अलग वस्तु की तरह बेचा गया है और रॉक ब्रेकर के साथ नहीं बेचा गया है, क्योंकि भारत को निर्यातित चीसेल की पूरी मात्रा को अलग करना संभव नहीं था।

231. मांग में पीयूसी की आपूर्ति के विभिन्न स्रोतों का वितरण निम्नानुसार है:

तालिका 16: मात्रात्मक मापदंड (चीसेल्स)							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	घरेलू विक्रियां – आवेदक	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	88	76	
2	घरेलू विक्रियां – अन्य उत्पादक	एमटी	-	-	-	-	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	-	-	-	
3	संबद्ध देश – आयात	एमटी	2,705	6,707	4,727	7,185	***161
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	248	175	266	
4	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	एमटी	निर्धारित नहीं				***162
5	अन्य देश – आयात	एमटी	19	47	51	36	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	247	266	186	
6	कुल आयात	एमटी	2,724	6,754	4,778	7,220	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	248	175	265	

<sup>157</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पैरा 34; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पैरा 34

<sup>158</sup> एडी के लिखित अनुरोध का पैरा 50

<sup>159</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पैरा 33; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पैरा 33

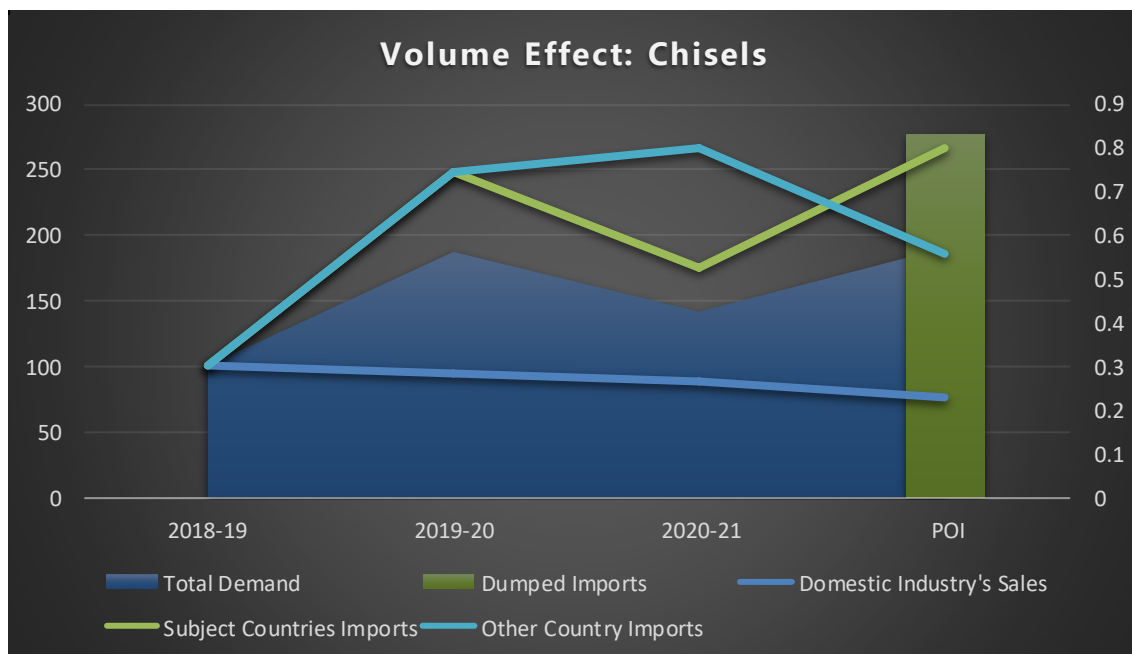
<sup>160</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 33 16; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15; हांसुंग के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 30

<sup>161</sup> नोट देखें 142

<sup>162</sup> संख्या को गोपनीय रखा गया है, क्योंकि वह एकल निर्यातक से संबंधित है।

तालिका 16: मात्रात्मक मापदंड (चीसेल्स)							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
7	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	187	141	190	
निम्न के संबंध में संबद्ध आयात							
8	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***	***163
	रेंज	%	100-150	350-400	250-300	450-500	450-500
9	कुल मांग	%	***	***	***	***	***164
	रेंज	%	60-70	70-80	70-80	80-90	80-90
10	कुल आयात	%	99	99	99	100	***165

232. तालिका 16 से पता चलता है कि विषय देशों से आयात आधार वर्ष में 2705 मीट्रिक टन से बढ़कर पीओआई में 7185<sup>166</sup> मीट्रिक टन हो गया है, अर्थात् आधार वर्ष की तुलना में 4469<sup>167</sup> मीट्रिक टन की वृद्धि। गैर-डंप आयात मात्रा \*\*\*<sup>168</sup> मीट्रिक टन है। वर्ष 2020-21 को छोड़कर पीओआई के माध्यम से विषय वस्तुओं की मांग भी बढ़ी है, जिसमें मांग में गिरावट आई है। हालांकि, मांग आधार वर्ष के स्तर से काफी ऊपर रही। वर्ष 2020-21 के दौरान संबंधित देशों से आयात की मात्रा में वर्ष 2019-20 की तुलना में लगभग 2000 मीट्रिक टन की उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह ध्यान दिया जाता है कि मात्रा में गिरावट के बावजूद, आवेदक छेनी की बिक्री बढ़ाने में सक्षम नहीं था।



233. इसके अलावा, पीओआई में संबंधित वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ, पिछले वर्ष की तुलना में डंप किए गए आयात की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है। हालांकि, इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में \*\*\* की

<sup>163</sup> संख्या को गोपनीय रखा गया है, क्योंकि वह एकल निर्यातक से संबंधित है।

<sup>164</sup> तदेव

<sup>165</sup> तदेव

<sup>166</sup> कुल आयात से इन आंकड़ों की गोपनीय कटौती से एकल निर्यातक की मात्रा का पता चल जाएगा।

<sup>167</sup> तदेव

<sup>168</sup> तदेव

गिरावट आई है। इस प्रकार, संबंधित देशों से पाटित आयातों ने न केवल मांग में संपूर्ण वृद्धि को प्राप्त किया है बल्कि घरेलू उद्योग के हिस्से पर भी कब्जा कर लिया है। एडी ने तर्क दिया है कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा संबद्ध वस्तु की मांग के अनुरूप रही है और यह कि घरेलू उद्योग तदनुसार अपने निष्पादन में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्रियों में मांग में वृद्धि के बावजूद पीओआई में गिरावट आई है। इस प्रकार संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने न केवल मांग में पूरी वृद्धि को हड़प लिया है बल्कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर भी कब्जा किया है।

234. एडी ने तर्क दिया है कि विषय देशों से आयात की मात्रा विषय वस्तुओं की मांग के अनुरूप हो गई है और घरेलू उद्योग तदनुसार अपना उत्पादन बढ़ाने में सक्षम है। यह ध्यान दिया जाता है कि मांग में वृद्धि के बावजूद पीओआई में घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई है। इस प्रकार, संबंधित देशों से पाटित आयातों ने न केवल मांग में संपूर्ण वृद्धि को शामिल कर लिया है बल्कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर भी कब्जा कर लिया है।
235. जहां तक संबंधित देशों से डंप किए गए आयात में सापेक्ष वृद्धि का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में, भारतीय उत्पादन के संबंध में संबंधित देशों से डंप किए गए आयात में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में लगभग 342% और 2020-21 की तुलना में 211% की वृद्धि हुई है और पीओआई में भारत में आयात की मात्रा का लगभग 100% हिस्सा है। मांग में विषय देशों से विषय आयातों का हिस्सा भी पीओआई में आधार वर्ष में \*\*\* से बढ़कर \*\*\* हो गया है, जिसमें से \*\*\*% डंप किया गया है। डंप किए गए आयात का हिस्सा कुल मांग का \*\*\* है और 2019-20 के स्तर से ऊपर है। इसके अलावा, 2019-20 और 2020-21 की तुलना में, मांग के संबंध में पीओआई में आयात की हिस्सेदारी में क्रमशः \*\*\* और \*\*\* की वृद्धि हुई है। डंप किए गए आयात पीओआई में कुल मांग का \*\*\* है और 2019-20 की तुलना में \*\*\* की वृद्धि हुई है। हालांकि, 2020-21 के संबंध में, उनमें \*\*\* की वृद्धि हुई है।
236. सूसान, हासुंग, फील, डीए और एवरडिगम ने तर्क दिया है कि कोरिया आरपी से छेनी की मात्रा में गिरावट आई है, और आवेदक को क्षति चीन पीआर के आयात की मात्रा में वृद्धि के कारण है। उपरोक्त आयात आंकड़ों के आधार पर, यह ध्यान दिया जाता है कि कोरिया से छेनी के आयात की मात्रा आधार वर्ष के साथ-साथ पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढ़ गई है। यह भी ध्यान दिया जाता है कि चीन पीआर से आयात अपने 2019-20 के स्तर पर बना हुआ है, कोरिया पीआर से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। अतः प्राधिकरण इस तर्क से असहमत है कि घरेलू उद्योग को क्षति केवल चीन जनगण से आयात के कारण है।

## ट.2 घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

### ट.2.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

237. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. आवेदक के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में भारी गिरावट आई है जबकि अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। कम क्षमता उपयोग पर प्रचानल के बावजूद आवेदक पाटित आयातों के कारण घरेलू बाजार हिस्से को हासिल करने में असमर्थ रहा है<sup>169</sup>।

### ट.2.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

238. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. घरेलू उद्योग के चीसेल के बाजार हिस्से में गिरावट पूर्णतः असेंबल हाइड्रोलिम रॉक ब्रेकर की घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण हुई है जिसमें चीसेल की आबद्ध खपत होती है<sup>170</sup>।

### ट.2.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

<sup>169</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 49

<sup>170</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 20; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 21

239. निम्नांकित तालिका भारत में चीसेल की आपूर्ति के विभिन्न स्रोतों का बाजार हिस्सा दर्शाती होती है।

तालिका 17: बाजार हिस्सा (चीसेल्स)							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां -	%	***	***	***	***	
	रेंज		40-50	10-20	20-30	10-20	
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	60	79	74	84	***171
3	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***172
4	अन्य देश		0	1	1	0	
5	कुल मांग	%	100	100	100	100	

240. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि के सभी तीन वर्षों के मुकाबले पीओआई में आवेदक के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इसी के साथ संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा में पूर्ववर्ती वर्ष के स्तरों की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है। गैर संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा 0 से 1 प्रतिशत के बीच रहा है। चीसेल के लिए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में \*\*\* प्रतिशत की गिरावट आई है। इसी अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2020-21 के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2019-20 के मुकाबले वृद्धि हुई है। इस अवधि में भी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में गिरावट आई है। तथापि, मांग में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में लगभग \*\*\* प्रतिशत की वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आई है। इसके अलावा, पीओआई की मांग लगभग 2019-20 के स्तरों पर रही है। तथापि 2019-20 की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्रियों में गिरावट आई।

241. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि चीसेल की बिक्री में गिरावट आई है क्योंकि आवेदक ने रॉक ब्रेकर के साथ लगे चीसेल को बेचने का विकल्प चुना है। जांच दल ने इस आरोप की पूछताछ की है और यह नोट किया गया है कि जहां आवेदक रॉक ब्रेकर के साथ चीसेल बेचता है, वहां चीसेल के सौदों को अलग से दर्ज किया जाता है और उसे रॉक ब्रेकर के सौदों में शामिल नहीं किया जाता है। अतः प्राधिकारी एवरडिगम और डी एंड ए के अनुरोध से सहमत नहीं हैं।

### ट.3 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

#### ट.3.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

242. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. दोनों देशों से कीमत कटौती विशेष रूप से चीन के मामले में सकारात्मक और काफी अधिक <sup>173</sup> है।

#### ट.3.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

<sup>171</sup> नोट देखें। 143

<sup>172</sup> तदेव

<sup>173</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 49

243. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. लागत और बिक्री कीमत में बदलाव अपने आप में कोरिया गणराज्य से पीयूसी के आयातों के कारण कीमत ह्रास और न्यूनीकरण नहीं दर्शाता है<sup>174</sup>।
- ख. कोरिया से आयातों के पहुंच मूल्य का घरेलू उद्योग का बिक्री कीमत से कोई सह संबंध नहीं है। आवेदक पर कोरिया गणराज्य से उच्च कीमत के आयातों की कम कम मात्रा के कारण अपनी कीमतें घटाने या बढ़ाने का दबाव नहीं पड़ा है<sup>175</sup>।
- ग. प्राधिकारी को 2020-21 और पीओआई के बीच चीसेल के बिक्री लागत में लगभग 34 प्रतिशत की असंगत वृद्धि के संबंध में स्पष्टीकरण मांगना चाहिए<sup>176</sup>।

### ट.3.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

#### ट.3.3.1 कीमत कटौती

तालिका 18: कीमत कटौती – चीसेल्स (केवल पाटित आयात)								
क्र.सं.	विवरण	मात्रा	सीआईएफ	एलवी	एनएसआर	पीयू	पीयू	पीयू
		एमटी	रु./एमटी	रु./एमटी	रु./एमटी	रु./एमटी	%	रेंज
1	संबद्ध देश	***	79,887	87,705	***	***	***	70-80

244. चीसेल के लिए कीमत कटौती सकारात्मक और काफी अधिक है।

245. डी एंड ए और एवरडिगम ने तर्क दिया है कि कोरिया गणराज्य से चीसेल की कीमत कटौती ऋणात्मक है। यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा पाटन के विभिन्न स्रोतों से आयातों के संग्रहण से संबंधित निर्णय पर पहुंचने पर प्रत्येक संबद्ध देश के लिए अलग से कीमत कटौती का निर्धारण करने की जरूरत नहीं होगी, के बजाय पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.4 और एडी नियमावली के अनुबंध-II के अंतर्गत दायित्व न्यूनतम मापदंड और प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पूरा करने के अधीन स्रोत पर विचार किए बिना पाटित आयातों का कीमत प्रभाव का आकलन करना है।

246. डी एंड ए और एवरडिगम ने तर्क दिया है कि एनएसआर की स्थापना एक स्वैच्छिक वाणिज्यिक निर्णय है। अतः केवल कीमत कटौती क्षति की मौजूदगी को नहीं दर्शा सकती है। पैरा 165 में उल्लिखित कारणों से उक्त खंड रॉक ब्रेकर के लिए प्राधिकारी डी एंड ए तथा एवरडिगम से सहमत हैं कि कीमत क्षति अपने आप में क्षति का निर्णायक साक्ष्य नहीं हो सकती है।

247. डी एंड ए और एवरडिगम के अनुरोध को मानते हुए प्राधिकारी डी एंड ए और एवरडिगम से सहमत हैं। एनएसआर निर्धारित करना वास्तव में एक स्वैच्छिक वाणिज्यिक निर्णय है जिसे विभिन्न सक्रिय कारकों पर विचार करके प्रत्येक कंपनी को लेना होता है। लंबी अवधि तक बिक्री लागत से कम पर बिक्री करना किसी व्यावसायिक कंपनी के लिए तब तक वाणिज्यिक दृष्टि से विवेकपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक उसे बाजार हिस्से आदि के रूप में अपने प्रतिस्पर्धियों से बढ़त न लेनी हो। तथापि, वर्तमान जांच में ऐसा मामला नहीं है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य निरंतर बिक्री लागत और बिक्री कीमत से कम रहा है।

248. इस प्रकार पाटित आयातों की कम कीमत की बराबरी के लिए अपने बिक्री और प्रयासों में घाटा उठाने के बावजूद आवेदक अपने बाजार हिस्से में वृद्धि करने में असमर्थ रहा है।

<sup>174</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35

<sup>175</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35

<sup>176</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35

### ट.3.3.2 कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

249. प्राधिकारी यह जांच करने के लिए कीमत ह्रास / न्यूनीकरण का आकलन करते हैं कि क्या आयातों से घरेलू उद्योग को कीमत वृद्धि करने पर रोक लगी है और क्या ऐसे आयातों के कारण कीमत में कटौती हुई है। निम्नलिखित तालिका में कीमत ह्रास / न्यूनीकरण के आकलन में उपयोग मापदंड दर्शाए गए हैं।

तालिका 19: कीमत ह्रास/न्यूनीकरण (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	बिक्रियों की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	90	127
2	बिक्री कीमत एनएसआर	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	100	113
3	पहुंच मूल्य	रु./एमटी	86308	73680	91200	87705
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	106	102

250. यह नोट किया गया है कि संपूर्ण क्षति अवधि में आवेदक की बिक्री लागत में अंतर रहा है। यह भी नोट किया गया है कि आवेदक का एनएसआर निरंतर पहुंच मूल्य से कम रहा है। पहुंच मूल्य पूर्ववर्ती वर्ष के मुकाबले पीओआई में कम हुआ है। पहुंच मूल्य निरंतर बिक्री लागत से काफी कम बना रहा है। आवेदक ने स्पष्ट किया है कि उनकी बिक्री लागत बिक्री में वृद्धि के परिणामस्वरूप स्थिर लागत की भरपाई के कारण 2020-21 में घट गई थी।
251. जबकि बिक्री की लागत में 27<sup>177</sup> अंकों की वृद्धि हुई, बिक्री मूल्य में केवल 13 सूचकांक अंकों की वृद्धि हुई, जबकि आधार वर्ष की तुलना में मूल्य में केवल 2 अंकों की वृद्धि हुई। 2020-21 में लैंड वैल्यू में महत्वपूर्ण सुधार और बिक्री की लागत में गिरावट के बावजूद, आवेदक अपने विक्रय मूल्य में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था। आवेदक ने बताया है कि उसने डंप किए गए आयात की कीमतों का मिलान करने और अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने का प्रयास किया है। जैसा कि तालिका 17 से देखा जा सकता है, आवेदक 2020-21 के दौरान अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रहा। हालांकि, पीओआई में, आवेदक उद्योग ने अपने नुकसान को कम करने के लिए इसकी कीमत में थोड़ी वृद्धि की है। फिर भी, इससे बिक्री में गिरावट आई है और आवेदक की बाजार हिस्सेदारी में कमी आई है।
252. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि लागत और बिक्री कीमत में परिवर्तन अपने आप में कीमत ह्रास/न्यूनीकरण नहीं दर्शाता है जैसा ऊपर बताया गया है। प्राधिकारी कीमत ह्रास/न्यूनीकरण की जांच के लिए अनेक मापदंडों की तुलना करते हैं। पूर्वोक्त मापदंडों पर एक साथ विचार किया जाता है और प्राधिकारी यह सिद्ध करने के लिए कारणात्मक नीति को अपनाते हैं कि क्या आयातों से आवेदक की कीमतों में ह्रास/न्यूनीकरण हो रहा है।
253. आगे यह नोट किया गया है कि 2020-21 और पीओआई के बीच, बिक्री की लागत में 27 इंडेक्स पॉइंट्स की वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान उतरा मूल्य भी 2 सूचकांक अंक वृद्धि हुई और पीओआई सहित पूरे क्षति अवधि में अपने दूसरे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। आवेदक इसकी कीमतों में 13 सूचकांक अंकों की वृद्धि करने में भी सक्षम था। हालांकि, बिक्री मूल्य में वृद्धि बिक्री की लागत में वृद्धि से बहुत कम थी। यह देखा गया है कि इस अवधि के दौरान

<sup>177</sup> आधार वर्ष की तुलना में

संबंधित देशों से आयात घरेलू कीमतों में \*\*\* तक की कमी कर रहे थे। इस प्रकार, आवेदक इसके विक्रय मूल्य में वृद्धि नहीं कर सका। इस प्रकार, संबंधित देशों से आयातों ने आवेदक की कीमतों को दबाया/घटाया।

254. एवरडिगम और डीए ने यह भी तर्क दिया है कि कोरिया आरपी से छेनी का आयात मात्रा में कम है और कीमत में अधिक है। विषय देशों से आयातों के संचय के संबंध में ऊपर उल्लिखित कारणों के लिए, यह नोट किया जाता है कि पाटित किए गए आयातों के प्रभाव को संपूर्ण माना जाना चाहिए न कि देश-वार और इसलिए, प्राधिकरण एवरडिगम और डीए से सहमत नहीं है।

#### ट.4 उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्रियां

##### ट.4.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

255. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. आवेदक के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है<sup>178</sup>।

ख. आवेदक के उत्पादन में गिरावट आई है<sup>179</sup>।

##### ट.4.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

256. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. पूरी क्षति अवधि के दौरान क्षमता एक समान बनी रही है। उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट<sup>180</sup> चीसेल की मांग में गिरावट के कारण हुई है<sup>181</sup> और इस गिरावट के लिए संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है<sup>182</sup>।

##### ट.4.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

257. निम्नांकित तालिका आवेदक के मात्रात्मक मापदंडों को दर्शाती है।

तालिका 20: घरेलू उद्योग के मात्रात्मक मापदंड (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	क्षमता	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
2	उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	92	80
3	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
	रेंज	%	30-40	30-40	30-40	20-30
4	घरेलू बिक्रियां	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	88	76

<sup>178</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 50

<sup>179</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 50

<sup>180</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 32

<sup>181</sup> सुसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; सुसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17;

<sup>182</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; सुसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17;

258. यह नोट किया गया है कि आवेदक की क्षमता पीओआई सहित पूरी क्षति अवधि में स्थिर रही है। तथापि उत्पादन में पीओआई सहित क्षति अवधि के दौरान धीरे-धीरे गिरावट आई है। हांसुंग, सूसान और डेमो ने तर्क दिया है कि आवेदक के उत्पादन में गिरावट मांग में गिरावट का परिणाम है। तथापि जैसा ऊपर निर्धारित है। संबद्ध वस्तु की मांग में 2020-21 को छोड़कर इन वर्षों में वृद्धि हुई है। तथापि आवेदक की बिक्रियों में 2019-20 की तुलना में 18 सूचकांक बिंदुओं की गिरावट आई है। इसी के साथ संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। उत्पादन में गिरावट के साथ आवेदक की क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई है और पीओआई में यह न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। क्षति अवधि में आवेदक की बिक्री में भी गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों की मात्रा में निरंतर वृद्धि हुई है। इस प्रकार पाटित आयातों में आवेदक के मात्रात्मक मापदंडों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

## ट.5 घरेलू उद्योग का बाजार हिस्से पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

### ट.5.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

259. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चीसेल का आयात कुल भारतीय उत्पादन का तीन गुना है। चीसेल के लिए मांग में लगातार वृद्धि हुई है। तथापि घरेलू बाजार पर पूरी तरह कम कीमत के आयातों पर कब्जा हो गया है<sup>183</sup>।
- ख. आवेदक के बाजार हिस्से में पीओआई के दौरान गिरावट आई है। यद्यपि रॉक ब्रेकर की मांग में आधार वर्ष से 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट कम कीमत के आयातों की मात्रा में वृद्धि के कारण हुई है<sup>184</sup>।

### ट.5.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

260. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. चीसेल की बिक्रियों में गिरावट के लिए संबद्ध वस्तु की मांग में गिरावट<sup>185</sup> के कारण हुई है और संबद्ध देशों से आयातों के कारण नहीं<sup>186</sup>।
- ख. चीसेल की बिक्री मात्रा और बिक्री मूल्य में गिरावट आई है। यद्यपि रॉक ब्रेकर की बिक्री में वृद्धि हुई है। रॉक ब्रेकर और चीसेल के निष्पादन में अंतर बिक्री प्रितस्थापन का स्पष्ट मामला दर्शाता है जिसमें उपभोक्ता अलग से चीसेल खरीदने (अपस्ट्रीम उत्पाद) के बजाय चीसेल सहित पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर (डाउनस्ट्रीम उत्पाद) खरीदना पसंद करते हैं<sup>187</sup>। इस प्रकार चीसेल की बिक्री में स्वतंत्र गिरावट को आवेदक के लिए क्षतिकारी नहीं माना जा सकता है<sup>188</sup>।

### ट.5.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

261. निम्नांकित तालिका कुल भारतीय मांग में घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों के बाजार हिस्से को दर्शाती है।

तालिका 21: बाजार हिस्सा (चीसेल्स)							
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
1	आवेदक की घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***	
	रेंज		40-50	10-20	20-30	10-20	

<sup>183</sup> डोजको लिखित अनुरोध का पैरा 47

<sup>184</sup> डोजको लिखित अनुरोध का पैरा 48

<sup>185</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 37

<sup>186</sup> डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; निंगबों के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 15

<sup>187</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 37

<sup>188</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 35; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 37



तालिका 21: बाजार हिस्सा (चीसेल्स)

क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई (पाटित आयात)
2	संबद्ध देश – पाटित आयात	%	60%	80%	74%	84%	***189
3	संबद्ध देश – गैर-पाटित आयात	%	निर्धारित नहीं				***190
4	अन्य देश		0%	1%	1%	0%	
5	कुल मांग	%	100	100	100	100	
6	कुल मांग	एमटी	***	***	***	***	-
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	187	141	190	

262. आधार वर्ष की तुलना में, आवेदक की बिक्री पीओआई में 24 इंडेक्स पॉइंट तक कम हो गई है, जबकि इसने \*\*\* की मार्केट शेयर खो दी है। इसी अवधि के दौरान, मांग आधार वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। 2020-21 में गिरावट को छोड़कर आयात की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है, फिर भी, यह आधार वर्ष के स्तर से ऊपर बना हुआ है। पीओआई के दौरान मांग में मजबूत पलटाव देखने के बावजूद, आवेदक अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम नहीं था। यह आगे ध्यान दिया जाता है कि मांग लगभग 2019-20 के स्तर पर है, हालांकि, आवेदक की बिक्री में गिरावट आई है जबकि कुल मांग में डंप किए गए आयात की हिस्सेदारी में \*\*\* की गिरावट आई है। इस प्रकार, डंप किए गए आयातों ने आवेदक को अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने से रोक दिया है।
263. हांसुंग ने तर्क दिया है कि चीसेल की मांग में गिरावट आई है और इसलिए आवेदक घाटा उठा रहा है। यह नोट किया गया है कि चीसेल की मांग पीओआई में अपने उच्चतम स्तर पर है और इसलिए हांसुंग का अनुरोध व्यवहार्य नहीं है।
264. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि चीसेल की आवेदक बिक्रियां कम हुई हैं क्योंकि उसने प्राथमिक रूप से रॉक ब्रेकर के साथ चीसेल की बिक्री करना शुरू किया है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक अपने बिक्री रजिस्टर में चीसेल की बिक्री को अलग से रिकार्ड करता है जबकि उसे रॉक ब्रेकर के साथ बेचा जाता है। अतः प्राधिकारी एवरडिगम और डी एंड ए के अनुरोध से सहमत नहीं हैं।

## ट.6 घरेलू उद्योग के वित्तीय मापदंड

### ट.6.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

265. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक को पाटित आयातों के कारण भारी घाटा उठाना पड़ रहा है।
- आवेदक को पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण बिक्री लागत से कम स्तर पर बिक्री करनी पड़ रही है और इसलिए उस पर्याप्त आय नहीं मिल रही है।

### ट.6.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

266. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक द्वारा प्रदत्त लाभप्रदता के आंकड़े गलत हैं क्योंकि आवेदक के पास संचयी<sup>191</sup> सूचना घरेलू तथा निर्यात बिक्रियों के बारे में है<sup>192</sup>।

<sup>189</sup> गोपनीय कुल आयात से इन आंकड़ों को घटाने पर एकल निर्यातक की मात्रा पता चल जाएगी।

<sup>190</sup> तदेव

<sup>191</sup> एवरडिगम द्वारा यथा उल्लिखित पृष्ठ और 90 87

<sup>192</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 37; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 37-38

- ख. आवेदक की लाभप्रदता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान तेजी से वृद्धि हुई है<sup>193</sup>
- ग. यह बताया गया है कि कार्यशील पूंजी और मालसूची में सीधा संबंध होता है। तथापि आवेदक की कार्यशील पूंजी और सामान्य रुझान दिखाती है जबकि औसत मालसूची में समान रुझान रहा है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आंकड़े मनगढ़ंत और गलत प्रतीत होते हैं<sup>194</sup>।
- घ. नियोजित पूंजी के प्रतिशत के रूप में पीबीआईटी में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में चीसेल्स के लिए पर्याप्त<sup>195</sup> और तेजी से वृद्धि हुई है जो सिद्ध करता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है<sup>196</sup>।
- ड. आवेदक द्वारा प्रस्तुत संशोधित आंकड़े आरओसीई आंकड़े को सकारात्मक दर्शाते हैं जबकि लाभप्रदता के शेष आंकड़े ऋणात्मक हैं। पराधिकारी को घरेलू उद्योग के लाभप्रदता मानदों की सत्यता की जांच करनी चाहिए<sup>197</sup>।

### ट.6.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

267. निम्नलिखित तालिका आवेदक के वित्तीय मापदंडों को दर्शाती है।

तालिका 22: लाभप्रदता मापदंड (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	बिक्रियों की लागत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	90	127
2	बिक्री कीमत	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	100	113
3	लाभ/हानि	रु./एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(230)	(44)	(200)
4	पीबीआईटी	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	318	31	246
5	नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(374)	(22)	(293)
6	आरओसीई	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(413)	(59)	(371)

<sup>193</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 16; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; लिखित अनुरोध का पैरा 34; एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 38

<sup>194</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19;

<sup>195</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 37

<sup>196</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 20; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19;

<sup>197</sup> एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 21

268. यह नोट किया गया है कि आवेदक की बिक्री लागत में 2020-21 जब बिक्री लागत में गिरावट आई थी, को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। आवेदक की बिक्री कीमत में आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में 13 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। तथापि बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप नहीं है। आवेदक संबद्ध वस्तु को उसकी बिक्री लागत से काफी कम कीमत पर बेच रहा है।
269. आवेदक पूरी क्षति अवधि में घाटा उठा रहा है और पीओआई में यह घाटा अपने दूसरे सर्वोच्च स्तर पर है। आवेदक को 2019-20 में सर्वाधिक घाटा हुआ है। यह नोट किया गया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य इस अवधि के दौरान अपने न्यूनतम स्तर पर था। पीबीआईटी और नकद लाभ में भी लाभ जैसा ही रुझान था।
270. आरओसीई में क्षति अवधि के मुकाबले पीओआई में भारी गिरावट आई है। आवेदक पर्याप्त आय प्राप्त करने में असमर्थ है।

## ट.7 मजदूरी, रोजगार और उत्पादकता

### ट.7.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

271. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. कर्मचारियों की संख्या में वित्त वर्ष 2019-20 से स्थिर बनी रही है। वेतन और मजदूरी में काफी महंगाई के बावजूद केवल 6 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। प्रति कर्मचारी उत्पादकता में क्षमता उपयोग में गिरावट के कारण कमी आई है<sup>198</sup>।

### ट.7.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

272. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. वेतन और मजदूरी में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि के साथ वृद्धि हुई है<sup>199</sup>।
- ख. चीसेल के उत्पादन में नियोजित कर्मचारियों की संख्या में मध्यवर्ती वर्ष के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि वेतन का रुझान अनियमित है<sup>200</sup>। प्राधिकारी को जांच करनी चाहिए कि क्या आवेदन में प्रदत्त आंकड़े सही हैं।
- ग. आवेदक की उत्पादकता में वृद्धि हुई है<sup>201</sup>।
- घ. आवेदक की प्रति कर्मचारी प्रति दिन उत्पादकता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान वृद्धि हुई है<sup>202</sup>।

### ट.7.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

273. निम्नांकित तालिका में वेतन, मजदूरी और रोजगार से संबंधित घरेलू उद्योग के रुझान दिए गए हैं।

तालिका 23: रोजगार (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	83	108

<sup>198</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 52

<sup>199</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 35

<sup>200</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18;

<sup>201</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 36

<sup>202</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18

तालिका 23: रोजगार (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
2	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	127	132
3	उत्पादकता/दिन		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	92	80
4	उत्पादकता/कर्मचारी		***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	72	60
5	मजदूरी/कर्मचारी	रु./संख्या	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	113	65	82

274. मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में 8 सूचकांक बिंदुओं और 2020-21 के मुकाबले 25 सूचकांक बिंदुओं की वृद्धि हुई है। कुल मजदूरी 2019-20 में काफी बढी थी, परंतु उसके बाद कम हुई है। यह भी नोट किया गया है कि मजदूरी/कर्मचारी आधार वर्ष के स्तर से काफी कम रहे हैं। तथापि, मजदूरी / कर्मचारी 2020-21 के संबंध में वृद्धि हुई है। आवेदक ने स्पष्ट किया गया है कि कोविड-19 के कारण घरेलू उद्योग ने लागत कटौती उपाय अपनाए थे।
275. कर्मचारियों की संख्या में आधार वर्ष में और उसके बाद के वर्ष में स्थिर रहने के बाद इन वर्षों में वृद्धि हुई है। तथापि उसके बाद कर्मचारियों में वृद्धि हुई है।
276. प्रति दिन उत्पादकता समान रेंज में रही है और इसमें मामूली गिरावट आई है। इस प्रकार उत्पादकता / कर्मचारी में क्षति अवधि में भारी गिरावट आई है और पीओआई में यह न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। यह नोट किया जाता है कि उत्पादकता मापदंडों में गिरावट प्राथमिक रूप से उत्पादन में गिरावट के कारण हुई है।

## ट.8 मालसूची

### ट.8.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

277. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. आवेदक की मालसूची में पीओआई में वृद्धि हुई है<sup>203</sup>।

### ट.8.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

278. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

क. कार्यशील पूंजी और मालसूची में समान रुझान नहीं रहा है। यद्यपि ये दोनों सीधे संबंधित हैं<sup>204</sup>।

### ट.8.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

279. निम्नांकित तालिका घरेलू उद्योग के मालसूची के स्तर को दर्शाती है।

<sup>203</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 52

<sup>204</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 17; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 19; निंगबो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 18

तालिका 24: मालसूची (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2018-19	2019-20	2020-21	पीओआई
1	औसत मालसूची	एमटी	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	126	123

280. यह नोट किया गया है कि मालसूची में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है परंतु पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई में मामूली गिरावट आई है। फिर भी वह आधार वर्ष और उसके बाद के वर्ष में काफी अधिक रही है। यह नोट किया गया है कि इन वर्षों में उत्पादन में भारी गिरावट के बावजूद आवेदक की मालसूची का बढ़ना जारी है।

## ट.9 वृद्धि

### ट.9.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

281. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

### ट.9.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

282. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं।

### ट.9.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

283. निम्नांकित तालिका घरेलू उद्योग की वृद्धि दर्शाती है।

तालिका 25: वृद्धि (चीसेल्स)						
क्र.सं.	विवरण	यूओएम	2019-20	2020-21	पीओआई	पीओआई आधार वर्ष की तुलना
1	उत्पादन	%	***	***	***	***
2	घरेलू बिक्रियां	%	***	***	***	***
3	लाभ/हानि	%	***	***	***	***
4	आरओसीई	%	***	***	***	***
5	मालसूची	%	***	***	***	***
6	बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***

284. उक्त से यह नोट किया जाता है कि मालसूची को छोड़कर आवेदक के सभी मापदंडों में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है। मालसूची को छोड़कर सभी मापदंड आधार वर्ष की तुलना में गिरावट का रुझान दर्शा रहे हैं। घरेलू उद्योग के मापदंड में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 2020-21 के दौरान सुधार हुआ है। यह नोट किया गया है कि इस अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की आयात मात्रा में गिरावट आई थी और पहुंच मूल्य में भी वृद्धि हुई थी। तथापि आयातों की पाटित मात्रा में वृद्धि के साथ घरेलू उद्योग के निष्पादन में और अधिक गिरावट आई है।

## ट.10 पाटन मार्जिन की मात्रा

285. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, संबंधित देशों से विषय वस्तुओं का डंपिंग मार्जिन न्यूनतम सीमा से ऊपर है और महत्वपूर्ण है। यह भी नोट किया जाता है कि कोरिया आरपी (सूसन को छोड़कर) से सहयोगी उत्पादकों का डंपिंग मार्जिन डी मिनिमिस सीमा से ऊपर है और महत्वपूर्ण है।

### ट.11 पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

286. आवेदक ने बताया है संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण उसे बिक्री लागत से कम पर बिक्री करनी पड़ी और इसलिए उसे घाटा हो रहा है जिससे आगे विस्तार विविधीकरण के लिए पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता प्रभावित हुई है।
287. यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को हुए लगातार घाटे के कारण पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता बुरी तरह प्रभावित हुई है। तथापि पीओआई में संबद्ध वस्तु के लिए मांग में वृद्धि के बावजूद आवेदक का निष्पादन काफी खराब रहा है और इस प्रकार पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता कम हो गई है।

### ठ कारणात्मक संबंध का आकलन

#### ठ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

288. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. पूरी क्षति अवधि में स्थापित क्षमता स्थिर बनी रही है। आवेदक की बिक्रियों और उत्पादन संबंधी आंकड़ों में केवल मामूली वृद्धि हुई है जो मांग में वृद्धि के आनुपातिक नहीं है। पाटित आयातों का रॉक ब्रेकर तथा चीसेल दोनों के बाजार में अधिकांश हिस्सा है। लाभप्रदता मापदंडों पर ऐसे पाटित आयातों के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है<sup>205</sup>।
- ख. पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के कारण क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और मात्रात्मक मापदंडों में आवेदक की वृद्धि<sup>206</sup> उप ईष्टतम रही है<sup>207</sup>।
- ग. घरेलू उद्योग कीमतें कम कीमत के आयातों द्वारा न्यूनीकृत नहीं हैं।
- घ. संबद्ध वस्तु की मांग अधिक रही है। कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं नहीं हैं। उत्पाद के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त प्रौद्योगिकी समान रही है। पीयूसी की खपत में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है<sup>208</sup>।
- ड. कोविड-19 के कारण किए गए शट-डाउन से आवेदक के निष्पादन मापदंडों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है<sup>209</sup>।

#### ठ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

289. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक द्वारा उठायी गई कोई क्षति कोरिया गणराज्य से संबद्ध आयातों के इतर कारकों की वजह से हुई है। प्राधिकारी को पाटनरोधी संबंधी डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 3.5 और एडी नियमावली 1995 के अनुबंध II के अंतर्गत दायित्वों के अनुसार या कारकों जांच करनी चाहिए ताकि आवेदक को क्षति के कारण का पता लगाया जा सके<sup>210</sup>। यही मानक यूएस – हॉट रोलड स्टीम में अपीलीय निकाय द्वारा सही माना गया था<sup>211</sup> और यूएस – नार्वेजियन साल्मन<sup>212</sup> में गेट पैनल ने मांगा था। तदनुसार प्राधिकारी को पाटित आयातों से क्षतिकारी प्रभाव से अन्य ज्ञात कारकों के क्षतिकारी प्रभावों को अलग करना

<sup>205</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 56; डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 60

<sup>206</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 60;

<sup>207</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 56;

<sup>208</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पैरा 57; डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 60;

<sup>209</sup> तदेव

<sup>210</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 21; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 21;

<sup>211</sup> अपीलीय निकाय की रिपोर्ट, संयुक्त राज्य –जापान से कतिपय हॉट रोलड स्टील उत्पादों संबंधी पाटनरोधी उपाय, 23 अगस्त, 2001 को स्वीकृत।

<sup>212</sup> पाटनरोधी प्रथाओं संबंधी समिति द्वारा स्वीकृत पैनल की रिपोर्ट, संयुक्त राज्य - नार्वे से ताजी और प्रशीतित अटलांटिक साल्मन के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना [एडीपी/87(27 अप्रैल, 1984 को स्वीकृत)]।

- चाहिए<sup>213</sup>। यदि प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि कोरिया गणराज्य से आयात से इतर कारक हैं तो प्राधिकारी को अपनी ओर से जांच समाप्त करनी चाहिए<sup>214</sup>।
- ख. घरेलू उद्योग चीसेल (अपस्ट्रीम उत्पाद) तथा रॉक ब्रेकर (डाउनस्ट्रीम उत्पाद) का उत्पादन करता है। आवेदकों द्वारा बेची गई चीसेल के बिक्री मूल्य और मात्रा में गिरावट आई है जबकि रॉक ब्रेकर के लिए वृद्धि हुई है। यह स्पष्ट रूप से बिक्री प्रतिस्थापन दर्शाता है जिसमें आवेदक डाउनस्ट्रीम उत्पाद अर्थात् रॉक ब्रेकर की बिक्री और मूल्य और वृद्धि पर अधिक केंद्रित है। चीसेल की बिक्री में गिरावट आई है, क्योंकि रॉक ब्रेकर का पूर्ण और पूर्णतः असेंबल सेट में बेचा जा रहा है<sup>215</sup>।
- ग. आवेदक ने अपने आवेदन में बताया है कि भारत सरकार ने कतिपय परियोजनाओं के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों को मूल सीमा शुल्क से छूट दी है। यह छूट अनेक मुद्दे उठाती है अर्थात् क्या संबद्ध वस्तु के लिए मांग – आपूर्ति में अंतर, आपूर्ति पक्ष के मुद्दे, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीयूसी की गुणवत्ता और उपकरण की सक्षमता संबंधी मुद्दे मौजूद हैं<sup>216</sup>।
- घ. आवेदक अनेक अन्य कारकों जैसे बाजार में मंदी की स्थिति, कंपनी के उत्पाद की कम मांग, महामारी का प्रभाव तथा आवेदक की आंतरिक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है जिनका आवेदक के कार्य निष्पादन में गिरावट में महत्वपूर्ण भूमिका रही है<sup>217</sup>।
- ड. चूंकि आवेदक पूरी क्षति अवधि में एक घाटे वाली कंपनी रहा है इसलिए प्राधिकारी को अन्य कारकों की जांच करनी चाहिए जैसे कि आवेदक के उत्पाद की कम मांग, बिक्री पश्चात् सेवा और गारंटी तथा वारंटी सेवाएं<sup>218</sup>।
- च. कोविड-19 महामारी और परिणामी लॉकडाउन एक व्यापक तौर पर ज्ञात कारक है जो पाटित आयातों और आवेदक को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का अभाव दर्शाता है। वैश्विक लॉकडाउन से घरेलू<sup>219</sup> तथा निर्यात<sup>220</sup> बाजार हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर<sup>221</sup> के बाजार में व्यवधान हुआ।
- छ. महामारी के बावजूद आवेदक सभी संगत आर्थिक मापदंड में वृद्धि देखी गई है<sup>222</sup>।
- ज. अन्य भारतीय विनिर्माताओं को जांच में नोटिस में नहीं लाया गया है। ऐसे उत्पादकों ने अपने आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं जो दर्शाता है कि उन्हें कोई क्षति नहीं हुई है<sup>223</sup>। अतः आवेदक को कोई क्षति उनकी खुद की अक्षमताओं या तीसरे पक्षकारों की वजह से हुई है।

<sup>213</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पैरा 23; डेमो के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 23

<sup>214</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 39

<sup>215</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 42; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 42; एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 23; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 22;

<sup>216</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 43; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 43; एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 23; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 23

<sup>217</sup> सूसान के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 23; डेमो के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 13; फील के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 12

<sup>218</sup> हांसुंग के लिखित अनुरोध का पैरा 11

<sup>219</sup> <https://www.prnewswire.com/news-releases/hydraulic-hammer-market-to-reach-3-4-billion-globally-by-2031-at-5-6-cagr-allied-market-research-301655879.html>) एवरडिगम के लिखित अनुरोध के बाद टिप्पणी 17 में यथा उल्लिखित (

<sup>220</sup> <https://www.marketwatch.com/press-release/mobile-hydraulic-rock-breaker-market-2022-key-product-segments-application-analysis-and-industry-growth-forecast-by-2028-2022-09-29> (एवरडिगम के अनुरोध में – बाद टिप्पणी 18 में यथा उल्लिखित)

<sup>221</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 40; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 40; एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 22; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 24

<sup>222</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 44

<sup>223</sup> एवरडिगम के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 43; डी एंड ए के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 43; एवरडिगम के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 23; डी एंड ए के खंडन अनुरोध का पृष्ठ 24

### ठ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

290. एडी नियमावली 1995 के अनुबंध II के पैरा (v) में प्राधिकारी के लिए यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हो रही है। इसी के साथ प्राधिकारी के लिए पाटित आयातों से इतर ऐसे कारकों की जांच करना अपेक्षित है जिनसे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता हो ताकि ऐसे अन्य कारकों की वजह से हुई क्षति के लिए संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों को जिम्मेदार न ठहराया जाए। इस संबंध में संगत कारकों ने पाटित कीमत पर नहीं बेची गई संबद्ध वस्तु की मात्रा, मांग में संकुचन या खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं, प्रौद्योगिकी में परिवर्तन, घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। पूर्वोक्त कारकों की नीचे जांच की गई है।

#### ठ.3.1 पाटित आयातों पर नहीं बेची गई संबद्ध वस्तु की मात्रा

291. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा को भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश करता हुआ पाया गया है। पाटन मार्जिन की मात्रा भारत में रॉक ब्रेकर का निर्यात करने वाले सभी उत्पादकों के लिए डी एंड ए को छोड़कर न्यूनतम सीमा से अधिक है। पाटन मार्जिन की मात्रा भारत में चीसेल का निर्यात करने वाले सभी सहयोगी उत्पादकों, सूसान को छोड़कर, के लिए न्यूनतम सीमा से अधिक है। इसके अलावा, गैर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की मात्रा संबद्ध वस्तु के आयातों की कुल मात्रा का एक बड़ा प्रतिशत है और संबद्ध देशों से पाटित आयातों से उच्चतर कीमतों पर है।

#### ठ.3.2 मांग में संकुचन

292. यह नोट किया गया है कि संबद्ध वस्तु की मांग में 2020-21 में मामूली गिरावट के बाद क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। मांग पीओआई में अपने उच्चतम स्तर पर रही है।
293. सूसान, डेमो, फील और हांसुंग ने तर्क दिया है कि आवेदक ने मंदीवादी बाजार दशाओं का समाधान नहीं किया गया है और यह कि आवेदक के उत्पाद की मांग कम है। प्राधिकारी इस अनुरोध से असहमत हैं जैसा ऊपर बताया गया है संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हुई है और पीओआई में उच्चतम स्तर पर रही है। सभी सहयोगी निर्यातकों से आयातों की मात्रा में पीओआई में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के लिए प्रतिस्पर्धा की स्थितियां और आवेदक की स्थितियां समान नहीं हैं। अतः यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदक को पाटित आयातों से इतर कारकों की वजह से कम मांग का सामना करना पड़ा है।

#### ठ.3.3 खपत की प्रवृत्ति में परिवर्तन

294. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसा कोई तर्क या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जो खपत की प्रवृत्ति की परिवर्तन को सिद्ध करता हो जिससे घरेलू उद्योग निष्पादन प्रभावित हो सकता हो।

#### ठ.3.4 व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

295. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा का कोई तर्क या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है घरेलू उद्योग के निष्पादन प्रभावित हो सकता हो।

#### ठ.3.5 प्रौद्योगिकी में विकास

296. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने पीयूसी के विनिर्माण में प्रौद्योगिकी के ऐसे किसी विकास का कोई साक्ष्य नहीं दिया है जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता हो। जांचकर्ता दल ने पाया है कि चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य से सहयोगी उत्पादकों की उत्पादन प्रक्रिया आवेदक के प्रक्रिया के सामन है। तथापि यह नोट किया गया है कि कोरिया गणराज्य से कुछ उत्पादक अधिकांश असेंबली और उप असेंबली को अनेक मामलों में विनिर्माण प्रक्रिया के लिए आउटसोर्स करते हैं।



**ठ.3.6 घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन**

297. पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में आवेदक के निर्यातों में गिरावट आई है। तथापि यह नोट किया गया है कि आवेदक की निर्यात बिक्रियों का उसकी कुल बिक्रियों में हमेशा से काफी कम प्रतिशत (5 प्रतिशत से कम) रहा है। इस प्रकार आवेदक के निर्यात निष्पादन में आवेदक के घरेलू बिक्री निष्पादन को प्रभावित नहीं किया है।

**ठ.3.7 घरेलू उद्योग के अन्य उत्पादों का निष्पादन**

298. यह नोट किया गया है कि आवेदक वर्तमान जांच में यथा परिभाषित केवल पीयूसी का उत्पादन करता है। वर्तमान जांच में ऐसे उत्पादों से संबंधित आंकड़ों का प्रयोग नहीं किया गया है। अतः यह नहीं कहा जा सकता कि अन्य उत्पादों से संबंधित आवेदक के निष्पादन से आवेदक द्वारा विनिर्मित समान वस्तु का उत्पादन और बिक्री प्रभावित हुई है।

**ठ.3.8 घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

299. यह नोट किया गया है कि चीसेल के लिए आवेदक की उत्पादकता पीओआई सहित क्षति अवधि के दौरान समान रेंज में रही है। रॉक ब्रेकर के मामले में भी आवेदक की उत्पादकता एक समान रही है। अतः आवेदक की उत्पादकता को घरेलू उद्योग के निष्पादन को प्रभावित करने वाला कारक नहीं माना जा सकता है।

**ठ.3.9 बिक्री प्रतिस्थापन**

300. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि चीसेल में आवेदक के निष्पादन में पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर (चीसेल सहित) की बिक्री पर ध्यान के कारण गिरावट आई है जैसा ऊपर उल्लिखित है आवेदक बिक्री रजिस्टर में अलग से चीसेल की बिक्री रिकार्ड करता है चाहे उसे रॉक ब्रेकर के साथ बेचा जाए। अतः प्राधिकारी एवरडिगम और डी एंड ए के अनुरोध से सहमत नहीं हैं।

**ठ.3.10. कुछ परियोजनाओं के लिए मूल सीमा शुल्क में छूट**

301. एवरडिगम और डी एंड ए ने तर्क दिया है कि कतिपय परियोजनाओं के लिए पीयूसी पर मूल सीमा शुल्क से छूट पीयूसी के मांग – आपूर्ति मुद्दों और गुणवत्ता की मौजूदगी संबंधित अनेक प्रश्न उठाती है। यह नोट किया गया है कि किसी भी सहयोगी उत्पादक ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं बताया है जो सिद्ध करता हो आवेदक का उत्पाद घटिया गुणवत्ता का है या ऐसा कोई साक्ष्य नहीं दर्शाया है कि आवेदक प्रभावी बिक्री पश्चात सेवा नहीं देता है।

302. यह भी नोट किया गया है कि मांग – आपूर्ति में अंतर या कुछ परियोजनाओं के लिए मूल सीमा शुल्क में छूट परियोजनाओं के लिए मूल सीमा शुल्क में छूट में मौजूदगी में संबद्ध वस्तु का पाटन आवश्यक नहीं है। अतः प्राधिकारी आवेदक के अनुरोध से सहमत नहीं हैं।

**ठ.3.11 कोविड-19 का प्रभाव**

303. यह नोट किया गया है कि पीओआई में मांग दोनों संबद्ध वस्तुओं के लिए कोविड पूर्व स्तर पर पहुंच गई है। इसलिए ऐसा नहीं माना जा सकता है कि कोविड-19 ने बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

**ठ.3.12 कारणात्मक संबंध सिद्ध करने वाले कारक**

304. ऊपर उल्लिखित कारकों की जांच के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग को अन्य कारकों की वजह से पीओआई में क्षति नहीं हुई है। इसके अलावा निम्नलिखित कारक दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

क. रॉक ब्रेकर और चीसेल के लिए संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु और उत्पादन और खपत की दृष्टि से क्षति अवधि की तुलना में पीओआई में वृद्धि हुई है। कम कीमत के पाटित संबद्ध वस्तु की मात्रा में इस वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में भारी मात्रा में समान वस्तु की बिक्री नहीं कर पाया है और न ही उसकी खपत में वृद्धि से लाभ प्राप्त कर सका है।

ख. रॉक ब्रेकर तथा चीसेल के लिए आवेदक की क्षमता काफी अल्प प्रयुक्त हैं।

- ग. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के कम कीमत के आयातों के कारण आवेदक अपने द्वारा विनिर्मित समान वस्तु को उसकी बिक्री कीमत से कम पर बेच रहा है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को घाटे में बिक्री के लिए बाध्य होना पड़ा है।
- घ. कम कीमत के संबद्ध आयातों से आवेदक द्वारा विनिर्मित समान वस्तु की कीमतों में कमी आई है।
- ङ. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत पर पाटित आयातों की प्रतिकूल प्रभाव की वजह से भारी घाटा हुआ है, नकद लाभ में गिरावट आई है और नियोजित पूंजी पर आय में भारी कमी हुई है।
- च. घरेलू उद्योग की वृद्धि अनेक आर्थिक मापदंडों के संबंध में बुरी तरह प्रभावित हुई है।
- छ. पीओआई में संबद्ध वस्तु की वृद्धिशील मांग पर लगभग पूरी तरह संबद्ध देशों से आयातों ने कब्जा कर लिया है जिससे आवेदक भारतीय मांग में वृद्धि का लाभ नहीं ले सका है।

### ड क्षति मार्जिन

#### ड.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

305. घरेलू उद्योग द्वारा कोई विरोधी अनुरोध नहीं किए गए हैं:

#### ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

306. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. एडी ने अनुरोध किया गया है कि रॉक ब्रेकर की असेंबली और उप असेंबली की लागत संचरना और विनिर्माण प्रक्रिया पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर से भिन्न है, उचित तुलना सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकारी को पूर्णतम: असेंबल रॉक ब्रेकर से पृथक रूप से उप असेंबली की तुलना करना चाहिए<sup>224</sup>।

#### ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

307. प्राधिकारी ने यथा संशोधित एडी नियमावली 1995 के अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की है। विचाराधीन उत्पाद की एनआईपी को घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त उत्पादन लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों को अपनाकर निर्धारित किया गया है। क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कच्ची सामग्री के सर्वोत्तम उपयोग पर क्षति अवधि में विचार किया गया है। सुविधाओं के संबंध में भी यही व्यवहार किया गया है। क्षति अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया गया है कि उत्पादन लागत पर कोई असाधारण या गैर आवर्ती व्यय को प्रभारित न किया जाए। विचाराधीन उत्पाद के लिए औसत नियोजित पूंजी (अर्थात् औसत निवल स्थिर परिसंपत्ति जमा औसत कार्यशील पूंजी) पर नियमावली 1995 के अनुबंध-III में यथा विहित क्षतिरहित कीमत ज्ञात करने के लिए एक तर्कसंगत आय (कर पूर्व 22 प्रतिशत की दर से) के कर पूर्व लाभ की अनुमति दी गई थी।
308. चीन जन. गण. के लिए पहुंच मूल्य को (7.5) प्रतिशत के मूल सीमा शुल्क और अन्य लागू प्रभारों तथा संबद्ध वस्तु के सीआईएफ मूल्य पर उप कर को जोड़कर निर्धारित किया गया है। कोरिया गणराज्य के लिए पहुंच मूल्य संबद्ध वस्तु का सीआईएफ मूल्य है।
309. एडी ने तर्क दिया है कि असेंबली और उप असेंबली की लागत संरचना पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर से अलग है जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है असेंबली और उप असेंबल पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर के प्रकार के अलावा कुछ भी नहीं हैं। यह भी नोट किया गया है कि असेंबली और उप असेंबल समान बाजार में पूर्णतः असेंबल रॉक ब्रेकर से प्रतिस्पर्धा करते हैं। अतः असेंबली और उप असेंबली के लिए क्षति मार्जिन की अलग गणना अनावश्यक है।
310. क्षति मार्जिन की गणना संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु की क्षतिरहित कीमत के बीच अंतर के रूप में की गई है और नीचे तालिका में उल्लिखित है।

<sup>224</sup> एडी के लिखित अनुरोध के पैरा 89-90

**ढ क्षति मार्जिन का निर्धारण**

311. विषय देशों से विषय वस्तुओं के उतरा मूल्य और घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित इस तरह के लेख के गैर-हानिकारक को ध्यान में रखते हुए, डंपिंग मार्जिन निम्नानुसार हैं:

क्षति मार्जिन तालिका : रॉक ब्रेकर						
क्र. सं.	उत्पादक	क्षतिरहित कीमत (यूएसडी/एमटी)	पहुंच मूल्य (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन रेंज
कोरिया गणराज्य						
1.	सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	ऋणात्मक
2.	डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
3.	फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
4.	हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन	***	***	***	***	20-30
5	डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कं. लि.	***	***	***	***	ऋणात्मक
6	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	50-60
चीन जन. गण.						
1.	यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	130-140
2.	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
3.	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	160-170

क्षति मार्जिन तालिका: चीजल						
क्र. सं.	उत्पादक	क्षतिरहित कीमत (यूएसडी/एमटी)	पहुंच मूल्य (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन रेंज
कोरिया गणराज्य						
1.	सुसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	ऋणात्मक
2.	हासुंग स्पेशल मशीनरी कं., लि.	***	***	***	***	ऋणात्मक

क्षति मार्जिन तालिका: चीजल						
क्र. सं.	उत्पादक	क्षतिरहित कीमत (यूएसडी/एमटी)	पहुंच मूल्य (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन रेंज
3	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	10-20
चीन जन.गण.						
1.	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	***	***	***	***	0-10
2.	अन्य उत्पादक	***	***	***	***	30-40

### ण. प्रकटीकरण विश्लेषण के बाद

312. प्राधिकरण ने 20 मार्च 2024 [00:42 बजे] को सभी इच्छुक पार्टियों को केंद्र सरकार को अंतिम सिफारिशें करने के लिए विचाराधीन सभी आवश्यक तथ्यों वाला प्रकटीकरण विवरण परिचालित किया। इच्छुक पार्टियों को 24 मार्च 2024 [22:00 बजे] तक प्रकटीकरण बयान पर अपनी टिप्पणी दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियों में इच्छुक पार्टियों में से किसी ने भी प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियों को प्रस्तुत करने के लिए दिए गए समय के बारे में चिंता नहीं जताई है या अतिरिक्त समय का अनुरोध नहीं किया है। प्राधिकरण ने इन अंतिम निष्कर्षों में इच्छुक पार्टियों द्वारा की गई सभी प्रकटीकरण टिप्पणियों की संगत सीमा तक जांच की है। कोई भी सबमिशन जो केवल पिछले सबमिशन का पुनरुत्पादन था और जिसकी प्राधिकरण द्वारा पर्याप्त रूप से जांच की गई थी, संक्षिप्तता के लिए दोहराया नहीं गया है।

### ण.1 आरई: विचाराधीन उत्पाद

313. डोज्को ने प्रस्तुत किया कि प्राधिकरण ने पीयूसी के दायरे को सही ढंग से परिभाषित किया है। डोज्को ने कहा कि अन्य क्षेत्राधिकार भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्टीकरण प्रदान करते हैं, जो मूल रूप से परिभाषित नहीं की गई वस्तुओं की एक विस्तृत सूची दे सकता है। भारत से निर्यात की जाने वाली ब्रास रॉड पर उचित मूल्य से कम जांच <sup>225</sup>के तहत यूएसडीओसी ने पीयूसी के दायरे में संशोधन कर इसमें विभिन्न उत्पादों को शामिल किया था। डोज्को ने अंतिम दायरे के फैसले "भारत से निर्यात किए गए पेपर शॉपिंग बैग" का उल्लेख किया, <sup>226</sup> जहां यूएसडीओसी ने नोट किया कि पीयूसी के दायरे का निर्धारण करते समय उसके पास महत्वपूर्ण विवेक है, और इसे याचिकाकर्ता को स्पष्ट करने और उन उत्पादों की पहचान करने के लिए पर्याप्त सम्मान प्रदान करना चाहिए जिनके लिए वह राहत चाहता है या नहीं चाहता है।

<sup>225</sup> वाणिज्य विभाग द्वारा जारी प्रारंभिक गुंजाइश निर्धारण का पृष्ठ 7 देखें, ब्राजील, भारत, इजराइल, मैक्सिको, कोरिया गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका से पीतल की छड़ की कम-से-उचित मूल्य जांच और भारत, इजराइल और कोरिया गणराज्य से पीतल की छड़ की काउंटरवेलिंग झूठी जांच, (ए-533-916) दिनांक 25 सितंबर, 2023; यह सभी देखें, मित्सुबिशी इलेक्ट्रिक कॉर्प बनाम संयुक्त राज्य अमेरिका, 898 F.2d 1577, 1583 (Fed. Cir. 1990) (मित्सुबिशी); 96-249 (1979) 45 पर व्यापार समझौते अधिनियम पर सीनेट रिपोर्ट भी देखें (यह बताते हुए कि "घरेलू याचिकाकर्ताओं और कानून के प्रशासकों के पास सब्सिडी और चोट जांच दोनों के प्रयोजनों के लिए उत्पादों के सबसे उपयुक्त समूह की पहचान करने के लिए उचित विवेक है")।

<sup>226</sup> कंबोडिया, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, कोलंबिया, भारत, मलेशिया, पुर्तगाल, ताइवान, तुर्की गणराज्य और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम से कुछ पेपर शॉपिंग बैग के कम-से-उचित मूल्य और काउंटरवेलिंग झूठी जांच का पृष्ठ 8 देखें: अंतिम गुंजाइश निर्णय जापान, दिनांक 11 मार्च, 2024 (C-533-917)।

314. डोज़को ने तर्क दिया है कि वर्तमान जांच में, प्राधिकरण ने केवल पीयूसी के दायरे के बारे में स्पष्टीकरण प्रदान किया है, जो शुरू से ही जांच का हिस्सा था। यह यूएसडीओसी अभ्यास के समान भी है जिसमें विषय पंक्ति केवल दीक्षा अधिसूचना में बाद में दिए गए विस्तृत स्पष्टीकरण का एक संक्षिप्त विवरण है।<sup>227</sup> तदनुसार, डोज़को ने प्राधिकरण से पीयूसी के दायरे की पुष्टि करने का अनुरोध किया जैसा कि प्रकटीकरण विवरण में प्रस्तावित किया गया है।<sup>228</sup>
315. प्राधिकरण नोट करता है कि स्कोप अधिसूचना के माध्यम से केवल पीयूसी के दायरे को स्पष्ट किया गया था। पीयूसी का दायरा वही रहा जो दीक्षा अधिसूचना में परिभाषित किया गया है।
316. एडी ने प्रस्तुत किया कि 16 जून 2023 की पीसीएन अधिसूचना में प्राधिकरण द्वारा पहचानी गई सात उप-विधानसभाओं को व्यक्तिगत रूप से हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के "रूप" के रूप में पहचाना नहीं जा सकता है। एडी ने आगे प्रस्तुत किया कि प्राधिकरण द्वारा परिभाषित पीयूसी आवेदन में उल्लिखित से अधिक है। यह प्रस्तुत किया गया था कि डोज़को ने अपने आवेदन में, परिधि की आशंका का कोई संदर्भ नहीं दिया है। एडी प्रस्तुत करता है कि वर्तमान मामले में, न तो आवेदन और न ही दीक्षा अधिसूचना में सात विधानसभाओं / उप-विधानसभाओं के बारे में कुछ भी उल्लेख नहीं है। इसलिए, *हुआवेई, मेरिनो पैनल प्रोडक्ट्स* और *इंटरकांटेनेंटल* में सीईएसटीएटी का निर्णय वर्तमान मामले पर लागू नहीं होता है। यह प्रस्तुत किया गया था कि पूंजीगत वस्तुओं से संबंधित सभी जांचों में, पीयूसी ने केवल उत्पाद के सीकेडी और एसकेडी रूपों का संदर्भ दिया, लेकिन व्यक्तिगत भागों या असेंबली का संदर्भ नहीं दिया।
317. एडी ने आगे तर्क दिया है कि पीयूसी के दायरे में रॉक ब्रेकर्स की सात असेंबली/उप-असेंबली को शामिल करना डोज़को द्वारा अपने आवेदन में कभी भी इरादा नहीं था। डोज़को ने दावा किया कि इसके आयात में भारतीय मांग का \*\*\* से भी कम हिस्सा है - हालांकि, यह दावा डोज़को ने अपने आवेदन में जो उल्लेख किया है, उसके विपरीत है, जिसमें उसने 'पीओआई के दौरान कम मूल्य वाले 'विचाराधीन उत्पाद के कुछ हिस्सों' को आयात करने का दावा किया था। डोज़को ने जानबूझकर प्राधिकरण के समक्ष एक गलत बयान दिया कि उसने 'विचाराधीन उत्पाद आयात नहीं किया और केवल तभी इसके आयात का खुलासा किया जब अन्य इच्छुक पार्टियां डोज़को के आयात के बारे में डेटा और सबूत लाएं।
318. प्राधिकरण नोट करता है कि एडी के उपरोक्त विवाद अपने लिखित और प्रत्युत्तर प्रस्तुतियाँ में जो कहा गया है, उसकी पुनरावृत्ति हैं। इन तर्कों को उपरोक्त प्रासंगिक अनुभागों में उचित रूप से संबोधित किया गया है।
319. एवरडिगम और डी एंड ए ने फिर से दोहराया है कि आवेदक केवल अपने आवेदन में पूरी तरह से इकट्ठे हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर को शामिल करने का इरादा रखता है, और 16 जून 2023 की पीसीएन अधिसूचना दीक्षा अधिसूचना में परिभाषित मूल पीयूसी का विस्तार है। आगे यह प्रस्तुत किया गया था कि प्रकटीकरण विवरण में उद्धृत कोई भी जांच ऐसी उदाहरण नहीं है जहां पीयूसी के दायरे को व्यापक बनाया गया हो। एवरडिगम और डी एंड ए ने आगे प्रस्तुत किया कि चूंकि पीसीएन अधिसूचना दिनांक 16 जून 2023 एक राजपत्रित दस्तावेज नहीं थी, इसलिए पार्टियों को इसके बारे में पर्याप्त रूप से सूचित नहीं किया गया होगा। नए जोड़े गए उत्पादों के निर्माता जो पहले जांच में दिलचस्पी नहीं रखते थे, उन्हें पर्याप्त रूप से सूचित नहीं किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि मैनुअल ऑफ ऑपरेटिंग प्रैक्टिस के अनुसार, पीयूसी का दायरा दीक्षा के चरण में ही स्थिर है और उसके बाद इसे संशोधित नहीं किया जा सकता है।
320. प्राधिकरण नोट करता है कि एवरडिगम और डी एंड ए के ये तर्क उन तर्कों की पुनरावृत्ति हैं जो उन्होंने पहले किए थे, जिन्हें इस अंतिम निष्कर्ष के प्रासंगिक खंड में उचित रूप से निपटाया गया है।

<sup>227</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोज़को की टिप्पणियों का पैरा 15<sup>228</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोज़को की टिप्पणियों का पैरा 16।

321. एडी ने अतिरिक्त रूप से प्रस्तुत किया कि पीयूसी में शामिल प्रत्येक व्यक्तिगत वस्तु के संबंध में अलग-अलग डोज़को की स्थिति का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।
322. प्राधिकरण नोट करता है कि एडी का तर्क निराधार है। पीयूसी को "मिश्र धातु इस्पात छेनी/उपकरण और पूरी तरह से इकट्ठे स्थिति में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर" के रूप में परिभाषित किया गया है - इस प्रकार परिभाषित पीयूसी के आधार पर खड़े होने का मूल्यांकन किया गया है। जैसा कि प्राधिकरण की सतत प्रथा है, घरेलू उद्योग की स्थिति का मूल्यांकन समग्र रूप से पीयूसी के संबंध में किया जाना अपेक्षित है न कि पीयूसी की प्रत्येक सभा/उप-सभा के लिए।
323. एडी, एवरडिगम और डी एंड ए ने प्रस्तुत किया कि स्पेयर पार्ट्स के रूप में या पहले से आयातित रॉक ब्रेकर के कुछ हिस्सों के प्रतिस्थापन के लिए आयातित रॉक ब्रेकर को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि रॉक ब्रेकर के हिस्से कंपनी और मॉडल-विशिष्ट हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि रॉक ब्रेकर के कुछ हिस्सों के आयाम और विनिर्देश किसी विशेष ब्रांड के लिए अद्वितीय और विशिष्ट हैं। एक उपयोगकर्ता आयातित रॉक ब्रेकर के कुछ हिस्सों को डोज़को द्वारा निर्मित लोगों के साथ प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है। यह भी प्रस्तुत किया गया था कि यदि प्राधिकरण का इरादा हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर (यानी, चाहे पूरी तरह से इकट्ठे या असंबद्ध) के आयात के सभी 'रूपों' के आयात को कवर करना था, तो प्राधिकरण को प्रतिस्थापन भागों के आयात के बहिष्कार पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि उन्हें हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के 'रूपों' के आयात के रूप में नहीं माना जा सकता है। एवरडिगम और डी एंड ए ने चीन पीआर, कोरिया आरपी, ईयू, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका से स्टेनलेस स्टील के सीआर फ्लैट उत्पादों से संबंधित परिवंचना विरोधी जांच का उल्लेख किया, जहां अंतिम उपयोग के आधार पर बहिष्करण प्रदान किया गया था:
- पीयूआई जिसे एक आयातक द्वारा बिना लिटिंग के उसी रूप में अंतिम उपयोग के लिए आयात किया जाता है (11 दिसंबर, 2015 को कस्टम अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) में उल्लिखित सहिष्णुता की सीमा को छोड़कर) 11 दिसंबर को कस्टम अधिसूचना संख्या 61/2015-सीमा शुल्क (एडीडी) के अनुसार लागू विज्ञापन शुल्क के भुगतान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, 2015."*
324. रॉक ब्रेकरों के प्रतिस्थापन के लिए उपयोग किए जाने वाले स्पेयर पार्ट्स या पार्ट्स के आयात के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि यह निर्धारित करने का कोई विश्वसनीय तरीका नहीं है कि माल को प्रतिस्थापन के लिए आयात किया जा रहा है या नहीं। यदि छूट दी जाती है, तो पार्टियां गलत घोषणा कर सकती हैं या गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकती हैं आयात शुल्क से बचने के लिए प्रतिस्थापन हैं। यदि छूट प्रदान की जाती है तो इसके दुरुपयोग की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। इसलिए, प्राधिकरण ने एवरडिगम, डी एंड ए और यांती एडी द्वारा अनुरोधित इस छूट को नहीं देने का निर्णय लिया है।
325. एवरडिगम और डी एंड ए ने प्रस्तुत किया कि पूरी तरह से इकट्ठे हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की असेंबली प्रक्रिया में तकनीकी और कुशल कारीगरी शामिल है, जो अंतिम उत्पाद में पर्याप्त मूल्य जोड़ती है। 40% से अधिक का मूल्य संवर्धन है।
326. प्राधिकरण नोट करता है कि उसने पहले ही उपरोक्त प्रासंगिक अनुभागों में आसन्न परिधि की संभावना के बारे में सभी तर्कों को संबोधित किया है। एवरडिगम और डी एंड ए ने हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की असेंबली प्रक्रिया से जुड़े रूपांतरण लागत और खर्चों के किसी भी ठोस अनुमान की पेशकश नहीं की है। इसके अलावा, जैसा कि पहले ही ऊपर बताया गया है, एलडी सीईएसटीएटी ने माना है कि माल के पीयूसी भागों के दायरे में शामिल करना इस प्राधिकरण के दायरे में है, जो यदि शामिल नहीं किया जाता है, तो लेवी के उद्देश्य को विफल कर देगा।<sup>229</sup>

<sup>229</sup> (v) भारत संघ और अन्य के मामले में मैसर्स इंटरकांटेनेंटल ऑयल्स एंड फैट्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम भारत संघ और अन्य, एंटी-डॉपिंग अपील नं. 2019 का 50228; (v) नामित प्राधिकारी और अन्य, अपील सं 2005 एडी/13/2012 (सीईएसटीएटी)।

327. एवरडिगम और डी एंड ए ने प्रस्तुत किया कि पीयूसी एक पूंजी वस्तु है, जो टुकड़ों में बेची जाती है और कोरिया आरपी और दुनिया भर में इसके वजन के संदर्भ में नहीं; इस प्रकार, वजन के मामले में कोई डेटा आमतौर पर कोरियाई निर्माताओं द्वारा नहीं रखा जाता है। एवरडिगम और डी एंड ए ने यह भी तर्क दिया कि वजन के संदर्भ में रिकॉर्ड किए गए डेटा की अनुपस्थिति में, टुकड़ों में दर्ज डेटा को एमटी में निष्पक्ष रूप से परिवर्तित करने के लिए एक बेंचमार्क प्रदान किया जाना चाहिए था। एवरडिगम और डी एंड ए ने आगे प्रस्तुत किया कि "[ए] जांच के दौरान कई बिंदुओं पर, एक मानक रूपांतरण पद्धति का यह अनुरोध आधिकारिक तौर पर प्रतिवादी द्वारा किया गया था। हालांकि, इस तरह के प्रयासों का कोई जवाब नहीं मिला। यह प्रस्तुत किया गया था कि एवरडिगम और डी एंड ए ने उत्पाद विकास के समय मापा मानक मॉडल के वजन का उपयोग करके वजन के संदर्भ में लागत को परिवर्तित करने का प्रयास किया था और इस डेटा को इस तरह के डेटा की निष्पक्षता से सहमत हुए बिना विरोध के तहत दायर किया गया था। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि मानक मॉडल पर ग्राहकों से अनुकूलन अनुरोध हो सकते हैं, जैसे स्नेहक इंजेक्शन, डिजाइन और भागों की सामग्री में परिवर्तन, आदि, जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद के वास्तविक वजन में परिवर्तन होगा, उत्पाद के वजन की तुलना में उत्पाद विकास के समय।
328. प्राधिकरण नोट करता है कि सामान्य बयान कि पीयूसी "टुकड़ों में बेचा जाता है और कोरिया आरपी और दुनिया भर में इसके वजन के संदर्भ में नहीं" उचित नहीं लगता है। डीजी सिस्टम्स से प्राप्त आयात आंकड़ों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कोरिया आरपी से लेनदेन सहित आयात लेनदेन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा केजी में सूचित किया गया था। इस प्रकार, यह दावा कि पीयूसी केवल टुकड़ों और इकाइयों में बेचा जाता है, उचित नहीं है।
329. यह ध्यान दिया जाता है कि न तो एवरडिगम और न ही डी एंड ए ने रिकॉर्ड पर कोई सबूत प्रस्तुत किया है कि स्नेहक इंजेक्शन और डिजाइन में बदलाव जैसे मामूली संशोधनों से वजन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हुआ है। रिमोट वेरिफिकेशन के दौरान भी इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। हालांकि, दोनों निर्यातकों में से कोई भी अपने दावों को साबित करने में सक्षम नहीं था कि उनके द्वारा निर्यात किए गए उत्पादों का वजन मानक मॉडल के वजन से भिन्न था।
330. यह भी ध्यान दिया जाता है कि एवरडिगम और डी एंड ए ने परिशिष्ट 3 ए के साथ-साथ परिशिष्ट 4 ए में वजन की घोषणा में भी गलत दृष्टिकोण अपनाया था। एवरडिगम और डी एंड ए द्वारा रिपोर्ट किए गए वजन उनकी वेबसाइट पर मॉडल के लिए रिपोर्ट किए गए वजन की तुलना में व्यापक भिन्नता पर पाए गए। जांच दल ने बाद में एवरडिगम और डी एंड ए को इसे संशोधित करने के लिए कहा, और संशोधित प्रस्तुतियाँ रिकॉर्ड पर ली गईं।
331. इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण नोट करता है कि 19 नवंबर, 2022 को "D&A हेवी इंडस्ट्रीज की ओर से पीसीएन पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने" में, D&A ने विशेष रूप से प्राधिकरण से पीसीएन के पैरामीटर के रूप में वजन पर विचार करने का अनुरोध किया:
- हमारा विनम्र निवेदन है कि वर्तमान जांच के उद्देश्य से पीसीएन प्रणाली तैयार करने में एक विशेषता के रूप में वजन और व्यास को शामिल न करना पीयूसी के विभिन्न प्रकारों/रूपों के बीच उचित तुलना करने की आवश्यकता को विफल करेगा। तदनुसार, डी एंड ए विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता है कि पीसीएन पद्धति को अंतिम रूप देते समय ब्रेकर्स को 'भारी' और 'अन्य (= गैर-भारी ब्रेकर)' के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए, जो उनके वजन और व्यास को पैरामीटर के रूप में आधार बनाते हैं।*
332. डी एंड ए द्वारा उठाए गए तर्कों को इसके प्रारंभिक प्रस्तुतीकरणों के मद्देनजर सराहना करना मुश्किल है जिसमें उसने प्राधिकरण से अन्य बातों के साथ-साथ उत्पाद के वजन के आधार पर पीसीएन प्रणाली तैयार करने का अनुरोध किया था और उसके बाद दावा किया है कि यह वजन के रूप में डेटा नहीं रखता है। यह स्पष्ट नहीं है कि कोई इच्छुक पक्ष पीसीएन तैयार करने के लिए कोई पैरामीटर कैसे सुझा सकता है, जब उसके आंतरिक रिकॉर्ड में

पीयूसी को उसके द्वारा सुझाए गए पैरामीटर पर वर्गीकृत करने का कोई आधार नहीं है। पीसीएन पद्धति का सुझाव देने में इस तरह के एक आकस्मिक दृष्टिकोण की सराहना नहीं की जाती है, और इच्छुक पार्टियों को इस तरह के अप्रकाशित सुझाव देने से बचना चाहिए।

333. प्रारंभिक सबमिशन में स्पष्ट विरोधाभास को देखते हुए, उसके बाद दिए गए बयान, प्रतिक्रिया में प्रदान की गई जानकारी, (जिसे डी एंड ए और एवरडिगम ने स्वयं स्वीकार किया कि यह पूरी तरह से सटीक नहीं था), दीक्षा अधिसूचना की धारा एन के तहत उचित ठोस उपाय करने के लिए संभावित आधार थे। हालांकि, डी एंड ए और एवरडिगम की चिंताओं को उचित सम्मान देते हुए, प्राधिकरण ने उन्हें वजन से संबंधित संशोधित जानकारी प्रस्तुत करने की अनुमति देना उचित समझा, भले ही प्रारंभिक प्रतिक्रिया ने डी एंड ए और एवरडिगम द्वारा निर्यात किए गए विभिन्न रॉक ब्रेकरों के वजन की सही पहचान नहीं की। उपरोक्त के मद्देनजर, प्राधिकरण डी एंड ए और एवरडिगम द्वारा उठाए गए तर्कों को निराधार और आत्म-विरोधाभासी के रूप में खारिज कर देता है।
334. प्राधिकरण आगे नोट करता है कि एमटी ऊपर उल्लिखित कारणों के लिए तत्काल जांच में माप की सबसे उपयुक्त इकाई थी। प्राधिकरण को प्रकटीकरण के बाद के विश्लेषण में इसे फिर से दोहराने का कोई कारण नहीं दिखता है।

## ण.2 आरई: प्रकटीकरण विवरण में गोपनीय जानकारी

335. एडी ने प्रस्तुत किया कि प्राधिकरण ने भूमि मूल्य, सीआईएफ आयात मूल्य, और चीन से गैर-सहयोगी उत्पादकों की पाटन मार्जिन रेंज पर अतिरिक्त गोपनीयता का दावा किया है। यह प्रस्तुत किया गया था कि नियम 7 और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकरण<sup>230</sup> और भारत संघ बनाम मेघमणि ऑर्गेनिक्स लिमिटेड और अन्य में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के अनुसार<sup>231</sup> गोपनीयता पार्टियों का विशेषाधिकार है और प्राधिकरण को कार्यवाही में गोपनीयता का दावा करने का कोई अधिकार नहीं है।
336. प्राधिकरण नोट करता है कि सीआईएफ आयात मूल्य, उतरा मूल्य, और चीन से गैर-सहयोगी उत्पादकों की पाटन मार्जिन रेंज अनजाने में प्रकटीकरण बयान में उल्लेख नहीं किया गया था। इस निष्कर्ष में इसे ठीक कर दिया गया है। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि इस जानकारी के गैर-प्रकटीकरण ने विशेष रूप से एडी को पूर्वाग्रहित नहीं किया है; जांच दल ने एडी (लैंडेड वैल्यू, सीआईएफ प्राइस, आदि) से संबंधित सभी जानकारी तुरंत एडी को ही बता दी थी।

## ण.3 आरई: घरेलू उद्योग और स्थिति का दायरा

337. डी एंड ए और एवरडिगम ने प्रस्तुत किया कि उन्होंने प्राधिकरण को पीयूसी निर्माताओं की एक सूची प्रदान की थी, जिसमें दिखाया गया था कि डोजको भारत में पीयूसी का एकमात्र उत्पादक नहीं है। तथापि, प्राधिकरण ने इसकी जांच नहीं की है।<sup>232</sup>
338. यह ध्यान दिया जाता है कि डी एंड ए और एवरडिगम ने केवल अपनी वेबसाइटों के साथ संस्थाओं की एक सूची प्रदान की थी। इस सूची ने इन संस्थाओं के उत्पादन या क्षमता के बारे में कोई सबूत नहीं दिया, न ही इनमें से किसी भी संस्था ने वर्तमान जांच में भाग लिया। यहां तक कि इन कंपनियों की वेबसाइट पर भी यह नहीं बताया गया है कि पीयूसी का निर्माण कंपनियों ने किया है या आयात किया गया है। इस प्रकार, इसके विपरीत कोई सबूत नहीं था कि डोजको विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक था। तदनुसार, प्राधिकरण ने उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग की स्थिति का निर्धारण किया है।

<sup>230</sup> (202) ईएलटी 23 (एससी)।

<sup>231</sup> 2016 (340) ईएलटी 449 (एससी)।

<sup>232</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य के लिए डी एंड ए की टिप्पणियों का पैरा 7; प्रकटीकरण वक्तव्य के लिए एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 7।



339. प्राधिकरण आगे नोट करता है कि डी एंड ए और एवरडिगम जांच टीम को इन कथित घरेलू उत्पादकों की प्राथमिक संपर्क जानकारी प्रदान करने में भी विफल रहे। यह ध्यान दिया जाता है कि जहां एक इच्छुक पार्टी एक तथ्य के अस्तित्व पर विवाद करती है, उसी को स्थापित करने के लिए सबूत का बोझ ऐसी इच्छुक पार्टी पर रहता है। प्राधिकरण को किसी इच्छुक पक्ष द्वारा साक्ष्य के हर निराधार निशान या तथ्यों के मात्र कथन का पीछा करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में, प्राधिकरण ने पाया कि डी एंड ए और एवरडिगम सबूत के बोझ का निर्वहन करने में विफल रहे हैं। प्राधिकरण पीयूसी के एकमात्र निर्माता के रूप में डोजको की स्थिति की पुष्टि करता है।
340. डोजको ने तर्क दिया है कि प्राधिकरण उन उपयोगकर्ता उद्योगों के नाम दर्ज करने में विफल रहा है जिन्होंने घरेलू उद्योग का समर्थन किया है।<sup>233</sup> यह तर्क दिया गया है कि इसे संज्ञान में लिया जाना चाहिए क्योंकि उपयोगकर्ता उद्योग ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि भारतीय उद्योग डंप किए गए आयात के कारण प्रतिस्पर्धी मूल्य पर विषय वस्तुओं का निर्माण करने में सक्षम नहीं है।<sup>234</sup>
341. इस संबंध में, प्राधिकरण याद करता है कि समर्थकों द्वारा प्रदान की गई जानकारी का उपयोग घरेलू उद्योग की स्थिति निर्धारित करने के लिए किया जाता है। वर्तमान मामले में, किसी अन्य घरेलू उत्पादक की ओर से कोई समर्थन पत्र दायर नहीं किया गया है। 24 प्रयोक्ता उद्योगों ने आयातों के प्रभाव के संबंध में कोई मात्रात्मक सूचना नहीं दी है। उपयोगकर्ता उद्योगों द्वारा दायर समर्थन के पत्र उद्योग की स्थिति तय करने के लिए सारहीन हैं। समर्थन के इन पत्रों से यह भी स्पष्ट नहीं है कि उपयोगकर्ता उद्योग ने विरोधाभासी हितों के बावजूद एंटी-पाटन लगाने का समर्थन क्यों किया है। अतः प्राधिकरण ने प्रयोक्ता उद्योग द्वारा व्यक्त समर्थन पर विचार नहीं किया है। फिर भी, यह तथ्य कि उपयोगकर्ता उद्योग ने घरेलू उद्योग के लिए समर्थन दिया है, भारतीय उद्योग के मुद्दों के खंड में दर्ज किया गया है।
342. डी एंड ए और एवरडिगम ने आगे तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की स्थिति अलग-अलग बाजार हिस्सेदारी और वाणिज्यिक बिक्री असेंबली/उप-असेंबली को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग असेंबली/उप-असेंबली में से प्रत्येक होनी चाहिए।<sup>235</sup> यह ध्यान दिया जाता है कि असेंबली और सब-असेंबली को रॉक ब्रेकर में इकट्ठा करने और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के रूप में बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए देश में आयात किया जाता है। असेंबली/उप-असेंबली केवल रूप में भिन्न होती हैं और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं। इसलिए, प्रत्येक असेंबली/उप-असेंबली के संबंध में अलग-अलग स्थिति निर्धारित करने से पीयूसी का अनावश्यक विखंडन होगा। इसके अतिरिक्त, जैसा कि ऊपर कहा गया है, घरेलू उद्योग असेंबली/उप-असेंबलियों का विनिर्माण करता है। डोजको केवल उन्हें पूरी तरह से इकट्ठे स्थिति में बेचता है। यह निष्कर्ष निकालना अविवेकपूर्ण होगा कि विशिष्ट अनुरोध पर, डोजको असेंबली/उप-असेंबली की आपूर्ति नहीं कर सका क्योंकि पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर इन असेंबली/उप-असेंबली के संग्रह के अलावा और कुछ नहीं हैं।
343. डोजको ने यह भी समझाया है कि आर एंड डी उद्देश्यों के अलावा<sup>236</sup> आयात "डीआई द्वारा विशेष जाली और मशीनी भागों के लिए तत्काल आवश्यकताओं के कारण किया गया था जो भारत में इन विशेष जाली और मशीनी भागों के लिए आपूर्ति की कमी के कारण भारत से प्राप्त नहीं किए जा सकते थे। विशेष रूप से, पीयूसी के इन आयातों का उपयोग डीआई द्वारा उत्पादों की आगे की विनिर्माण गतिविधियों (जैसे हीट ट्रीटमेंट, शॉट

<sup>233</sup> प्रकटीकरण के लिए डोजको की टिप्पणियों का पैरा II.2-4।

<sup>234</sup> परिचय।

<sup>235</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य के लिए डी एंड ए की टिप्पणियों का पैरा 7; प्रकटीकरण वक्तव्य के लिए एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 7।

<sup>236</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोजको की टिप्पणियों का पैरा 20।

ब्लास्टिंग और रॉक ब्रेकर में संयोजन) में किया गया था और घरेलू बाजार में ग्राहकों को फिर से नहीं बेचा गया था। इन आयातों की मात्रा पीओआई के दौरान डीआई द्वारा पीयूसी के कुल उत्पादन का नगण्य है।<sup>237</sup>

344. एडी प्रस्तुत करता है कि डोजको एडी नियमों के नियम 2 (बी) की आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहता है, क्योंकि उसने पीयूसी आयात किया है। यह तर्क दिया गया है कि चट्टान तोड़ने वाले पूंजीगत वस्तुएं हैं और पीसीएस/एनओएस में बेची जाती हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि प्राधिकरण ने पूंजीगत वस्तुओं के पिछले मामलों में संख्या की इकाइयों में खड़े और क्षतिका विश्लेषण किया है<sup>238</sup>, न कि मीट्रिक टन में, प्राधिकरण को वर्तमान मामले में एक ही दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। भारत में कुल मांग के साथ मीट्रिक टन में इस तरह के आयात के वजन की तुलना करके डोजको द्वारा आयात का विश्लेषण करना और मीट्रिक टन में डोजको के कुल उत्पादन और बिक्री के परिणामस्वरूप एक विषम विश्लेषण होगा और डोजको द्वारा आयात को मुखौटा करने के लिए एक तंत्र होगा इस जांच में घरेलू उद्योग का दर्जा देने के लिए।

345. एडी ने आगे प्रस्तुत किया है कि डोजको ने रॉक ब्रेकर की निम्नलिखित मात्रा का आयात किया है:

भागों	कुल टुकड़े
पीछे का सिर	***
सिलिंडर	***
अगाडि सिरा	***
हाइड्रोलिक बॉडी/मेन बॉडी	***
पिस्टन	***
अन्य भाग	***

346. एडी ने आगे प्रस्तुत किया है कि डोजको के असेंबली/उप-असेंबली के आयात की तुलना केवल खड़े होने के निर्धारण के लिए डोजको के असेंबली/उप-असेंबली के उत्पादन के साथ की जानी चाहिए।<sup>239</sup> इसके अलावा, डोजको के आयात का मूल्यांकन भी डीओजेडको के उत्पादन और बिक्री के आलोक में किया जाना चाहिए। डोजको ने केवल पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर बेचे हैं। प्राधिकरण ने यह भी पाया है कि डोजको ने शैल तोड़ने वालों की असेंबली/उप-असेंबलीशन नहीं बेची है। इसलिए, प्राधिकरण को पीओआई के दौरान डीओजेडको द्वारा निर्मित और बेचे गए हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर की संख्या/टुकड़ों की जांच करनी चाहिए और पीओआई के दौरान डीओजेडको द्वारा आयातित असेंबली/उप-असेंबली की संख्या के साथ उनकी तुलना करनी चाहिए। केवल इससे पता चलेगा कि डोजको एडी नियमों के नियम 2 (b) के तहत घरेलू उद्योग के रूप में योग्य है या नहीं। एडी ने आगे कहा है कि प्राधिकरण केवल डीओजेडको द्वारा आयातित असेंबली/उप-असेंबलियों के वजन की तुलना इसके उत्पादन, बिक्री और मांग के वजन के साथ करके समाप्त नहीं कर सकता है।<sup>240</sup>

347. यह ध्यान दिया जाता है कि प्राधिकरण ने दीक्षा के चरण में अधिसूचित किया था कि वर्तमान जांच के लिए माप की इकाई एमटी है। आगे यह स्पष्ट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की स्थिति पीयूसी के लिए समग्र रूप से निर्धारित की गई है, यानी छेनी के साथ-साथ रॉक ब्रेकर की बिक्री और उत्पादन को ध्यान में रखते हुए। यह ध्यान दिया जाता है कि इन उत्पादों का उपयोग एक ही बाजार में किया जाता है और एक दूसरे के पूरक होते हैं,

<sup>237</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोजको की टिप्पणियों का पैरा 21।

<sup>238</sup> औद्योगिक लेजर मशीन और व्हील लोडर।

<sup>239</sup> प्रकटीकरण बयान पर एडी की टिप्पणियों का पैरा 39।

<sup>240</sup> प्रकटीकरण बयान पर एडी की टिप्पणियों का पैरा 41।

इसलिए, छेनी और रॉक ब्रेकर की बिक्री और उत्पादन लेकर डोजको की स्थिति निर्धारित की गई है। उपरोक्त के मद्देनजर, डोजको द्वारा किया गया आयात इसकी बिक्री और उत्पादन के 5% से कम का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, प्राधिकरण ने माना है कि डोजको एडी नियमों के नियम 2 (b) की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

348. यह आगे स्पष्ट किया जाता है कि माप की इकाई के रूप में टुकड़ों का उपयोग विषम विश्लेषण को जन्म देगा। रॉक ब्रेकर्स में कई असेंबली / यदि प्रत्येक असेंबली/सब-असेंबली को एकल इकाई माना जाता है और पूरी तरह से इकट्ठे किए गए रॉक ब्रेकरों को भी एकल इकाई माना जाता है, तो यह अनावश्यक रूप से आयात की मात्रा और मूल्य प्रभाव को विकृत करेगा। इस प्रकार, एक साधारण "टुकड़ा गिनती" इन असमानताओं को पकड़ने में विफल रहता है, संभावित रूप से आयात के समग्र वजन और आर्थिक प्रभाव को गलत तरीके से प्रस्तुत करता है। मीट्रिक टन आयातित रॉक ब्रेकर के संचयी वजन को मापने के लिए एक मानकीकृत इकाई प्रदान करते हैं, चाहे उनकी विधानसभा स्थिति कुछ भी हो। यह विभिन्न श्रेणियों (पूरी तरह से इकट्ठे बनाम असेंबली / उप-असेंबली) में आयात मात्रा के उद्देश्य और सटीक तुलना को सक्षम बनाता है। माप की इकाई के रूप में वजन का उपयोग माप की इकाई के रूप में टुकड़ों का उपयोग करने की तुलना में आयात के मूल्य के अधिक व्यापक वितरण के लिए प्रदान करता है। इस प्रकार, इस तरह की विकृति को रोकने के लिए, वजन का एक सामान्य कारक अपनाया गया था।
349. एडी का दावा है कि असेंबली/उप-असेंबली के लिए खड़े होने को अलग से निर्धारित किया जाना चाहिए, जो डोजको के असेंबली/उप-असेंबली के उत्पादन की तुलना करके भी अनुचित है। यह डोजको निर्माताओं का उल्लेख किया जाता है और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर बेचता है। असेंबली/उप-असेंबली को केवल इसलिए बाहर करना तर्कसंगत नहीं होगा क्योंकि डोजको ने ऐसी असेंबली/सब-असेंबली को बाजार में नहीं बेचा है। डोजको उप-असेंबलियों/असेंबलियों को पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर में बना रहा है और असेंबल कर रहा है, जिसे बाद में वह बाजार में बेचता है। इसलिए, असेंबली/सब-असेंबली को डोजको द्वारा भारतीय बाजार में बेचा जा रहा है, हालांकि पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के रूप में।
350. घरेलू उद्योग के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए डोजको के लिए असेंबली / उप-असेंबली के रूप में रॉक ब्रेकर्स की वाणिज्यिक बिक्री पर एडी का आग्रह इसलिए उचित नहीं है क्योंकि आयातित असेंबली / उप-असेंबली भी बाजार में बेचे जाने से पहले पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर में इकट्ठे हुए थे। यहां प्राधिकरण इंटरकांटीनेंटल में टिप्पणियों को याद करता है, जिसमें एलडी सीईएसटीएटी ने पीयूसी के कुछ हिस्सों को शामिल करने की अनुमति दी थी, भले ही उस मामले में घरेलू उद्योग के पास कर्तव्यों की परिधि को रोकने के लिए उसी का निर्माण करने की क्षमता भी नहीं थी। आगे यह नोट किया गया है कि विधानसभाओं और उप-विधानसभाओं के लिए खड़े होने का अलग निर्धारण अनुचित रूप से इस तरह के विश्लेषण को अवांछित रूप से दर्शाता है क्योंकि इससे पीयूसी का अनावश्यक विखंडन होगा।
351. एडी ने टेक्रोवा इमेजिंग सिस्टम में माननीय सीईएसटीएटी के फैसले पर निर्भरता रखी है<sup>241</sup>। जैसाकि प्रकटीकरण बयान और ऊपर दिए गए पूर्वगामी पैरा में कहा गया है, टेक्रोवा पर एडी की निर्भरता गलत है। वर्तमान जांच में, घरेलू उद्योग बाजार में विषय वस्तुओं को वाणिज्यिक मात्रा में बेच रहा है, हालांकि एक अलग रूप में।
352. एडी ने प्रस्तुत किया है कि डोजको के संचालन फाइन और फिन के समान हैं, दो कथित घरेलू उत्पादक, जिन्होंने जांच में भाग लिया है। एडी ने दावा किया है कि डोजको की तरह, फाइन और फिन भी असेंबलियों/उप-विधानसभाओं का आयात करते हैं और उन्हें पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर में इकट्ठा करते हैं।<sup>242</sup> प्राधिकरण नोट

<sup>241</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एडी की टिप्पणियों का पैरा 42।

<sup>242</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एडी की टिप्पणियों का पैरा 43।

करता है कि फाइन और एफवाईएन को केवल इसलिए पात्र घरेलू उत्पादकों के दायरे से बाहर नहीं रखा गया है क्योंकि उन्होंने पीयूसी का आयात किया है। बल्कि, फाइन और फिन के दावों का आकलन नहीं किया जा सका क्योंकि उन्होंने अन्य घरेलू उत्पादकों के लिए प्रतिक्रिया के बजाय केवल एक आयातक प्रभावली प्रतिक्रिया प्रस्तुत की है। इसलिए, प्राधिकरण पीयूसी के उत्पादकों के रूप में उनकी पात्रता निर्धारित करने की स्थिति में नहीं है और तदनुसार, पीयूसी के घरेलू उत्पादकों के रूप में नहीं माना गया है।

353. डोजको ने ईसी - सैल्मन में पैनल की रिपोर्ट पर यह तर्क देने के लिए भरोसा किया है कि फिन और फाइन पर्याप्त मूल्य संवर्धन नहीं करते हैं और इसलिए, उन्हें घरेलू उत्पादकों के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।<sup>243</sup>
354. ईसी में पैनल - सैल्मन निम्नानुसार नोट किया गया है:

"7.114. चुनाव आयोग के दावे को 'उत्पादन' शब्द के सामान्य अर्थ से जोड़ना मुश्किल है। क्रिया "उत्पादन करने के लिए" को परिभाषित किया गया है, अन्य बातों के साथ, "[बी] रिंग (एक चीज) अस्तित्व में" और "'मानसिक या शारीरिक श्रम (एक भौतिक वस्तु) द्वारा अस्तित्व में लाना"।<sup>244</sup>

355. डोजको ने तर्क दिया है कि "अस्तित्व में लाना" शब्द यह दर्शाता है कि एक निर्माता को कुछ अस्तित्व में लाने के लिए मान्यता दी जा सकती है, जब पर्याप्त मूल्यवर्धन की डिग्री हो। प्राधिकरण इतनी व्यापक व्याख्या से असहमत है। यह नोट किया गया है कि न तो एडी नियम और न ही एंटी-पाटन एग्रीमेंट किसी निर्माता को निर्माता के रूप में नामित करने के लिए मूल्य संवर्धन की किसी सीमा पर विचार करता है। इस तरह के परीक्षण की शुरुआत इच्छुक पार्टियों के अधिकारों को कम कर सकती है या उन दायित्वों को जोड़ सकती है जो वर्तमान में एडी नियमों या एंटी-पाटन समझौते के तहत मौजूद नहीं हैं। इसके अलावा, पर्याप्त परिवर्तन का परीक्षण उद्योग से उद्योग और केस-टू-केस आधार पर भिन्न होगा। हालांकि, इस तथ्य को देखते हुए कि एफवाईएन और फाइन को योग्य घरेलू उत्पादकों के रूप में नहीं माना गया है क्योंकि उन्होंने उचित जानकारी दर्ज नहीं की है, प्राधिकरण इस मुद्दे की आगे जांच करना आवश्यक नहीं समझता है।

#### ण.4 आरई: सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन

356. डोजको ने कहा है कि प्राधिकरण ने निर्यातकों के प्रति उदार दृष्टिकोण अपनाया है क्योंकि पीसीएन अधिसूचना काफी समय बीत जाने के बाद जारी की गई थी। डोजको के अनुसार, इस देरी ने अन्य इच्छुक पार्टियों को अपनी प्रतिक्रियाओं में हेरफेर करने के लिए महत्वपूर्ण समय दिया।<sup>245</sup>
357. यह ध्यान दिया जाता है कि एडी नियम ऐसी कोई सीमा प्रदान नहीं करता है जिसके परे पीसीएन अधिसूचना जारी की जा सकती है। पीसीएन को अधिसूचित करने की कवायद एक जटिल कार्य है जिसका पूरी जांच में भारी प्रभाव पड़ता है और कोई भी स्ट्रेटजैकट फॉर्मूला नहीं अपनाया जा सकता है जो सभी जांचों में समान रूप से लागू होता है। इसके अलावा, डोजको ने केवल डेटा के हेरफेर के बारे में एक संभावना व्यक्त की है और किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे को इंगित नहीं किया है कि इस तरह के डेटा में हेरफेर कैसे किया गया था। यह ध्यान दिया जाता है कि जांच दल को सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई जानकारी में ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिला है। जहां कहीं भी प्रतिक्रियाएं पर्याप्त नहीं पाई गईं, वहां कमियों को स्पष्ट करने के लिए सहयोगी निर्यातकों को बहु-अफीमिता पत्र जारी किए गए। इसी तरह, डोजको को अपने आवेदन में मुद्दों को समझाने के लिए कई अवसर दिए गए थे।

<sup>243</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोजको की टिप्पणियों के पैरा 23-24।

<sup>244</sup> पैनल रिपोर्ट, यूरोपीय समुदाय - नॉर्वे से खेती किए गए सैल्मन पर एंटी-डंपिंग उपाय, डब्ल्यूटी/डीएस337/आर, 15 जनवरी 2008 को अपनाया गया।

<sup>245</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोजको की टिप्पणियों का पैरा 5-6।

358. हनसुंग ने प्रस्तुत किया है कि प्राधिकरण ने हंसुंग के लिए एक सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित किया है। हालांकि, हंसुंग के लिए निर्धारित नकारात्मक क्षतिमार्जिन के प्रकाश में, और प्राधिकरण के कम शुल्क नियम के लगातार पालन, हंसुंग प्राधिकरण द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन पर कोई टिप्पणी दर्ज नहीं कर रहा है।<sup>246</sup>
359. डी एंड ए ने प्रस्तुत किया है कि वह प्राधिकरण द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन को स्वीकार करता है और अंतिम निष्कर्षों के लिए इसकी पुष्टि करने का अनुरोध करता है।<sup>247</sup> डोज्को ने प्राधिकरण से डी एंड ए की प्रश्नावली प्रतिक्रिया को अस्वीकार करने का अनुरोध किया है क्योंकि इसकी संबंधित पार्टी एपिरोक माइनिंग इंडिया ने आयातक प्रश्नावली प्रतिक्रिया दायर नहीं की है।<sup>248</sup>
360. प्राधिकरण नोट करता है कि डी एंड ए ने पीओआई के दौरान एपिरोक माइनिंग इंडिया को किसी भी विषय माल का निर्यात नहीं किया है। इस प्रकार, एपिरोक माइनिंग इंडिया पीओआई के दौरान या क्षतिकी अवधि के दौरान आयात श्रृंखला का हिस्सा नहीं रहा है। तदनुसार, प्राधिकरण का मानना है कि एपिरोक माइनिंग इंडिया द्वारा प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने या न करने से इस जांच पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।
361. एवरडिगम ने तर्क दिया है कि असेंबली/उप-असेंबली के लिए उत्पादन लागत ("सीओपी") का गैर-निर्धारण सीओपी के आधार पर निर्धारण की विश्वसनीयता को काफी कम करता है। इस प्रकार, पीसीएन श्रेणियों "एचआरबी-डी 1" और "एचआरबी-डी 3" के लिए निर्धारण अनुचित थे।<sup>249</sup> इसके अलावा, यदि उप-विधानसभाओं/विधानसभाओं से संबंधित जानकारी को गणना में शामिल किया जाता है, तो प्राधिकरण को एवरडिगम द्वारा दावा किए गए सीओपी का उपयोग करना चाहिए। यह स्पष्ट किया जाता है कि असेंबली/उप-असेंबली के लिए एवरडिगम का सीओपी एवरडिगम द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर निर्धारित किया गया है।
362. एवरडिगम ने पीसीएन श्रेणियों "एचआरसी" के लिए निर्धारित सीओपी का भी विरोध किया है। यह प्रस्तुत किया गया था कि हानि हानि को सीओपी निर्धारण में शामिल किया गया है। अप्रत्यक्ष बिक्री सामान्य और प्रशासनिक ओवरहेड्स के विपरीत, जिन्हें आमतौर पर डिवीजनल भेदभाव के बिना समग्र आधार पर प्रबंधित किया जाता है और आवंटन अनुपात का उपयोग करके पीयूसी को आवंटित किया जाता है, मूर्त और अमूर्त परिसंपत्तियों पर हानि हानि को लेखांकन मानकों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। हानि हानि का आकलन वर्ष में एक बार लेखांकन निपटान तिथि के आधार पर किया जाता है, प्रत्येक वर्ष के अंत में, परिसंपत्ति उपयोग क्षेत्र के व्यावसायिक प्रदर्शन पर विचार किया जाता है और वित्तीय विवरणों में परिलक्षित होता है। हानि घाटे को अग्रिम रूप से परिसंपत्तियों का उपयोग करके लाभ उत्पन्न करने की कम संभावना के कारण लेखांकन हानि के रूप में पहचाना जाता है। दूसरे शब्दों में, यह एक समायोजन है जो लेखांकन में भविष्य में होने वाले नुकसान को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में, ये वास्तव में अतीत में किए गए खर्च नहीं हैं, जिसमें जांच की अवधि भी शामिल है। अलग-अलग गणना की गई हानि हानि का आकलन परिसंपत्तियों का उपयोग करने वाले व्यावसायिक क्षेत्र के आधार पर भिन्न होता है। हमारे मामले में, अटैचमेंट डिवीजन ने लाभप्रदता दिखाई है, जिससे इस डिवीजन में हानि हानि की घटना को रोका जा सकता है। पूर्वगामी तर्कों के प्रकाश में, एवरडिगम प्राधिकरण से अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने का आग्रह करता है।<sup>250</sup>
363. एवरडिगम ने प्रस्तुत किया है कि इसका भूमि मूल्य और शुद्ध निर्यात मूल्य भी प्राधिकरण द्वारा स्वीकार किए जाने के बावजूद विचरण पर है कि एवरडिगम द्वारा दावा किए गए सभी समायोजन की अनुमति दी गई है। इसमें कहा

<sup>246</sup> प्रकटीकरण बयान पर हंसुंग की टिप्पणियों के पैरा 2-4।

<sup>247</sup> (ii) प्रकटन विवरण पर डी एंड ए की टिप्पणियों का पैरा 8।

<sup>248</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डीओजेडसीओ की टिप्पणियों का पैरा 37।

<sup>249</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 8।

<sup>250</sup> परिचय।

गया है कि हो सकता है कि जांच दल द्वारा कुछ व्यापारिक वस्तुओं को बाहर नहीं किया गया हो। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण से अपने निर्यात मूल्य निर्धारण पर पुनर्वचार करने का अनुरोध किया गया था।<sup>251</sup> इसमें यह भी कहा गया है कि सीओपी की गणना, सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य में व्यक्त चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, पाटन माजन का पुन आकलन किया जाना चाहिए।<sup>252</sup>

364. पीयूसी की लागत में शामिल परिसंपत्तियों पर क्षति हानि पर एवरडिगम की प्रस्तुतियों के संबंध में, भले ही यह पीयूसी के उत्पादन और बिक्री के लिए जिम्मेदार अनुलग्नक प्रभाग से असंबंधित है, यह ध्यान दिया जाता है कि डेस्क सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान, प्रतिवादी ने इसे कभी नहीं उठाया मुद्दा। यह मुद्दा विशेष रूप से प्रकटीकरण के बाद के चरण में ही प्राधिकरण के ध्यान में लाया गया था। यह भी ध्यान दिया जाता है कि सत्यापन के दौरान, एवरडिगम ने दावा किया कि वे उन संयंत्रों के लिए अलग परीक्षण शेष और वित्तीय विवरण बनाए नहीं रखते हैं जहां पीयूसी का निर्माण होता है। प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली प्रतिक्रिया की विस्तृत जांच पर, यह देखा गया है कि परिसंपत्तियों पर हानि हानि को अप्रत्यक्ष बिक्री और प्रशासनिक ओवरहेड्स के तहत समूहीकृत किया गया है, जबकि समान सामान्य खर्चों को भी उसी शीर्षक के तहत समूहीकृत किया गया है। एवरडिगम ने विस्तृत प्रश्नावली प्रतिक्रिया में या डेस्क सत्यापन के समय अप्रत्यक्ष बिक्री और प्रशासनिक ओवरहेड्स के तहत समूहीकृत प्रत्येक आइटम का समर्थन करने वाले साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण ने कुल अप्रत्यक्ष बिक्री और प्रशासनिक खर्चों पर विचार किया है, जिसमें प्रतिवादी द्वारा दावा किए गए कंपनी के लिए हानि हानि भी शामिल है और लागत के निर्धारण के लिए मानक स्वीकार्य सिद्धांतों के अनुसार पीयूसी और एनपीयूसी को उचित रूप से आवंटित किया गया है। उत्पादन का, जिस पर डेस्क सत्यापन के समय एवरडिगम ने सहमति व्यक्त की थी। इसलिए, प्रकटीकरण के बाद एक नया मुद्दा उठाना, जिस पर अब तक न तो चर्चा की गई थी और न ही सत्यापन किया गया था, उसे इतनी देर से प्राधिकरण द्वारा स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
365. एवरडिगम के निर्यात मूल्य के संबंध में, यह ध्यान दिया जाता है कि एवरडिगम द्वारा दावा किए गए सभी समायोजन उचित रूप से समायोजित किए गए हैं। निर्यात मूल्य में अंतर एवरडिगम द्वारा पहले प्रदान किए गए गलत वजन के कारण था। बाद में, एवरडाइम द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित भारांश के आधार पर अंतिम निष्कर्षों में निर्यात मूल्य में सुधार किया गया है। तदनुसार, एवरडिगम के लिए पाटन मार्जिन को उचित रूप से समायोजित किया गया है।
366. फील ने प्रस्तुत किया है कि वह प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकरण द्वारा निकाले गए निष्कर्षों से सहमत है और प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह प्रकटीकरण विवरण के चरण में निर्धारित पाटन/ क्षति माजन के आधार पर अंतिम निष्कर्ष जारी करे।<sup>253</sup> हालांकि यह ध्यान दिया जाता है कि फील के क्षतिमार्जिन को निर्धारित करने में एक गणना त्रुटि हुई। फील के लिए क्षतिमार्जिन की गणना करते समय, सीआईएफ आयात मूल्य में मूल सीमा शुल्क ("बीसीडी") राशि जोड़ी गई थी, भले ही कोरिया आरपी से आयात भारत-कोरिया सीईपीए के अनुसार बीसीडी के भुगतान से मुक्त हैं। चूंकि बीसीडी को सीआईएफ आयात मूल्य में जोड़ा गया था, इसलिए एक उच्च उतरा मूल्य पर पहुंचा गया था, जिसके परिणामस्वरूप नकारात्मक क्षतिमार्जिन था। तदनुसार, बीसीडी की राशि को छोड़कर फील के लिए भू-मूल्य को फिर से निर्धारित किया गया है। इन परिवर्तनों को एक सीमित गोपनीय प्रकटीकरण के माध्यम से सूचित किया गया है। फील के लिए क्षतिके मार्जिन को तदनुसार संशोधित किया गया है।

<sup>251</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 9।

<sup>252</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 10।

<sup>253</sup> प्रकटीकरण कथन पर फील की टिप्पणियों का पृष्ठ 2।

367. सूसन प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकरण द्वारा निकाले गए निष्कर्षों से सहमत हैं और प्राधिकरण से प्रकटीकरण विवरण के चरण में निर्धारित पाटन/ क्षति मार्जिन के आधार पर अंतिम निष्कर्ष जारी करने का अनुरोध करते हैं।<sup>254</sup>
368. डेमो ने प्रस्तुत किया है कि प्राधिकरण ने उत्पादन की उच्च लागत निर्धारित की है और डेमो द्वारा अपनी प्रश्नावली के जवाब में जो दावा किया गया था उससे सामान्य है। बाजार आसूचना के आधार पर डेमो की सूचना के अनुसार, डेमो का निर्यात मूल्य कोरिया आरपी के अन्य निर्यातकों के साथ तुलनीय है जिन्हें नकारात्मक क्षतिमाजन मिला है। एक फोर्टियोरी, डेमो की क्षतिमार्जिन भी नकारात्मक होना चाहिए क्योंकि कोरिया आरपी के अन्य सहयोगी निर्यातकों के लिए काम किया गया है।<sup>255</sup>
369. प्राधिकरण नोट करता है कि भूमि मूल्य का गोपनीय कार्य डेमो को प्रदान किया गया था। डेमो ने इसका विरोध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, केवल यह कहने के अलावा कि इसका क्षतिमार्जिन नकारात्मक होना चाहिए जैसा कि अन्य निर्यातकों के लिए निर्धारित किया गया है। हालांकि यह ध्यान दिया जाता है कि डेमो की क्षतिमार्जिन निर्धारित करने में गणना त्रुटि हुई। डेमो के लिए क्षतिमार्जिन की गणना करते समय, मूल सीमा शुल्क ("बीसीडी") राशि को सीआईएफ आयात मूल्य में जोड़ा गया था, भले ही कोरिया आरपी से आयात भारत-कोरिया सीडीपीए के अनुसार बीसीडी के भुगतान से मुक्त हैं। चूंकि बीसीडी को सीआईएफ आयात मूल्य में जोड़ा गया था, इसलिए एक उच्च उतरा मूल्य पर पहुंचा गया था, जिसके परिणामस्वरूप नकारात्मक क्षतिमार्जिन था। तदनुसार, बीसीडी की राशि को छोड़कर डेमो के लिए भू-मूल्य पुन निर्धारित किया गया है। इन परिवर्तनों के बारे में डेमो को सीमित गोपनीय प्रकटीकरण के माध्यम से सूचित कर दिया गया है। तदनुसार डीएएमओ के लिए क्षतिमार्जिन को संशोधित किया गया है।
370. आगे यह नोट किया गया है कि डोज़को ने तर्क दिया है कि भारत में डेमो की संबंधित पार्टी, डेमो इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है और इसलिए, इसकी प्रतिक्रिया को अस्वीकार कर दिया जाना चाहिए।<sup>256</sup> यह ध्यान दिया जाता है कि डेमो ने अपनी प्रश्नावली में भारत में अपनी संबंधित इकाई के अस्तित्व को स्वीकार किया था। बाद में कमी प्रश्नावली के माध्यम से डेमो की संबंधित इकाई के बारे में स्पष्टीकरण मांगे गए थे। यह नोट किया गया है कि डेमो ने जांच की अवधि के दौरान डेमो इंडिया को पीयूसी का निर्यात नहीं किया है और इसलिए डेमो इंडिया ने प्रश्नावली का जवाब दायर नहीं किया है। प्राधिकरण ने डीजी सिस्टम डेटा से भी इसकी पुष्टि की है। पीयूसी से संबंधित केवल एक लेनदेन है जिसे पीओआई के शुरू होने से पहले डेमो द्वारा निर्यात किया गया था, लेकिन जिसका प्रवेश बिल अप्रैल 2021 में दायर किया गया था यानी पीओआई के दौरान। उपर्युक्त कारणों से, प्राधिकरण का मानना है कि डीएएमओ की निर्यात श्रृंखला में कोई कमी नहीं थी और इसलिए, इसके जवाब को अस्वीकार नहीं किया गया है।
371. निंगबो ने प्रस्तुत किया है कि राँक ब्रेकर और छेनी के लिए क्षतिमार्जिन रेंज निर्यातकों की भाग लेने के साथ-साथ अवशिष्ट श्रेणी के लिए समान सीमा में है। यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकरण को सहयोगी निर्यातकों को अवशिष्ट श्रेणी की तुलना में कम मार्जिन प्रदान करना चाहिए।<sup>257</sup> एडी ने भी इसी तरह की चिंताओं को उठाया है।<sup>258</sup>
372. प्राधिकरण नोट करता है कि पाटन मार्जिन और क्षतिमार्जिन का निर्धारण एक गणितीय अभ्यास है जो भाग लेने वाले निर्यातकों द्वारा प्रदान किए गए आयात डेटा या प्राधिकरण के पास उपलब्ध आयात डेटा पर आधारित है।

<sup>254</sup> प्रकटीकरण बयान पर सूसन की टिप्पणियों का पृष्ठ 2।

<sup>255</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर DAEMO की टिप्पणियों का पृष्ठ 2।

<sup>256</sup> प्रकटीकरण पर डोज़को की टिप्पणियों का पैरा 38।

<sup>257</sup> प्रकटीकरण बयान पर Ningbo की टिप्पणियों का पृष्ठ 2।

<sup>258</sup> प्रकटीकरण बयान पर एडी की टिप्पणियों के पैरा 50-51।

यदि किसी विशेष निर्यातक द्वारा पाटन की सीमा बाकी निर्यातकों की तुलना में अधिक है, तो इस बात का कोई कारण नहीं है कि ऐसे विशेष निर्यातक को अधिक मार्जिन क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। यद्यपि, इस प्राधिकरण का इरादा असहयोग को पुरस्कृत नहीं करना है, लेकिन मार्जिन की गणना की वैज्ञानिक प्रकृति बहुत विवेक प्रदान नहीं करती है। फिर भी, वर्तमान जांच में, यह नोट किया गया है कि चीन पीआर के साथ-साथ कोरिया आरपी के सहयोग उत्पादकों के लिए शुल्क अवशिष्ट श्रेणी के मार्जिन से नीचे हैं।

373. डोज्को ने कहा है कि प्रकटीकरण विवरण में भारत में भुगतान की गई या देय कीमत के आधार को स्पष्ट नहीं किया गया है। डोज्को ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की उत्पादन की वास्तविक लागत पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जाना चाहिए न कि अनुमानित लागत। इस बात पर विचार करने का कोई आधार नहीं है कि विषय देश में उत्पादक सर्वोत्तम परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। यह दृष्टिकोण निर्यातकों के पक्ष में होगा। घरेलू उद्योग की उत्पादन की औसत लागत पर विचार किया जाना चाहिए। इसके अलावा और किसी भी मामले में, सबसे कम एनआईपी पर विचार कानूनी आधार के बिना है। बल्कि प्राधिकरण को उत्पादन की उच्चतम लागत अपनानी चाहिए।<sup>259</sup>
374. डोज्को ने यह भी प्रस्तुत किया है कि प्राधिकरण द्वारा चीन जनगण से निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन माजन की वर्तमान सीमा डीजीटीआर की सतत पद्धति के अनुरूप नहीं है। तदनुसार, डोज्को ने प्राधिकरण से चीन पीआर के निर्यातकों के लिए मार्जिन को फिर से निर्धारित करने का अनुरोध किया है।<sup>260</sup>
375. जहां तक चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य के निर्माण का संबंध है, यह कहा गया है कि चीन ने बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति का दावा नहीं किया है; प्राधिकरण के पास चीन पीआर के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्माण के लिए एडी नियमों के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 7 का सहारा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्राधिकरण ने एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में चीन पीआर का सामान्य मूल्य निर्धारित किया है, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए, समान उत्पाद के लिए 'वास्तव में भुगतान की गई या भारत में देय' कीमत को ध्यान में रखते हुए, विधिवत समायोजित किया गया है।

## ण.5 आरई: क्षतिविश्लेषण

376. एवरडिगम ने फिर से दोहराया है कि सिलेंडर, पिस्टन, फ्रंट हेड, बैक हेड, ब्रेकेट और फ्रेम अलग-अलग उत्पाद विशेषताओं, अंतिम उपयोग और कीमतों वाले अलग-अलग उत्पाद हैं। इसके लिए प्रत्येक असेंबली/सब-असेंबली के लिए एक अलग क्षति और पाटन विश्लेषण की आवश्यकता होती है। प्राधिकरण द्वारा वर्तमान विश्लेषण एडी नियमों के नियम 11 (2) और एंटी-पाटन समझौते के अनुच्छेद 3.1 के तहत निहित निष्पक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है।<sup>261</sup>
377. एवरडिगम के तर्क निराधार हैं। जैसा कि पूर्वगामी पैरा में कहा गया है, आयातित असेंबली/उप-असेंबलियों का पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकरों में इकट्ठा होने के अलावा कोई अन्य अंतिम उपयोग नहीं है। एवरडिगम ने इस परीक्षा के विपरीत कोई सबूत पेश नहीं किया है। असेंबली/उप-असेंबली व्यक्तिगत रूप से एक दूसरे के साथ या पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के संबंध में विशेषताओं में भिन्न हो सकती हैं। हालांकि, इन विधानसभाओं/उप-विधानसभाओं (यानी अंतिम उपयोग) में से प्रत्येक का भाग्य पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर बनना है। ऐसी असेंबली/सब-असेंबली का कोई अन्य मध्यवर्ती उपयोग नहीं है। इसके अलावा, इन असेंबली/उप-असेंबली का

<sup>259</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डीओजेडसीओ की टिप्पणियों का पैरा 34।

<sup>260</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोज्को की टिप्पणियों का पैरा 35-36।

<sup>261</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 12।



कोई स्वतंत्र उपयोग नहीं है यानी एक सिलेंडर का कोई स्वतंत्र कार्य नहीं होगा यदि यह हाइड्रोलिक इकाई का हिस्सा नहीं बनता है।

378. एवरडिगम ने आगे तर्क दिया है कि इनमें से प्रत्येक घटक अलग से निर्मित होता है और उनमें से प्रत्येक पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के लिए एक इनपुट सामग्री है।<sup>262</sup> यह ध्यान दिया जाता है कि रॉक ब्रेकर्स की निर्माण प्रक्रिया निर्माता से उत्पादक में भिन्न होती है। जबकि कुछ उत्पादक इसे खरोँच से बना सकते हैं यानी कच्चे स्टील को पिघलाना और फोर्ज करना, अन्य बस सोर्स असेंबली / उप-असेंबली का उपयोग कर सकते हैं और इसे एक साथ इकट्ठा कर सकते हैं। इस प्रकार, जिसे इनपुट सामग्री के रूप में माना जाना है, वह मामले से मामले में भिन्न होगा। हालांकि, अंततः, इस तथ्य के बावजूद कि उत्पादन में किस आधार इनपुट सामग्री का उपयोग किया जाता है, अंतिम उत्पाद रॉक ब्रेकर है। असेंबली/उप-असेंबली का कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। तदनुसार, प्राधिकरण ने क्षतिविक्षेपण में विधानसभाओं और उप-विधानसभाओं की मात्रा पर एक साथ विचार किया है।
379. एवरडिगम ने चीन से एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई, और टीएमटी और चीन और कोरिया आरपी से रबर केमिकल्स के आयात से संबंधित एंटी-पाटन जांच में इस प्राधिकरण की जांच पर भरोसा किया है ताकि प्रत्येक असेंबली और सब-असेंबली की अलग-अलग परीक्षा के लिए बहस की जा सके<sup>263</sup>। गर्मी उपचार और कच्चे माल। इसलिए, उनमें से प्रत्येक की अलग-अलग लागत संरचना है। तदनुसार, असेंबली/उप-विधानसभाओं के लिए क्षतिविक्षेपण और मार्जिन का अलग-अलग मूल्यांकन किया जाना चाहिए।<sup>264</sup>
380. उपरोक्त मामले पर एवरडिगम की निर्भरता गलत है। प्राधिकरण ने विभिन्न प्रकार के रबर रसायनों की जांच की थी, जो रासायनिक संरचना और अन्य भौतिक विशेषताओं में भिन्न थे। हालांकि, चूंकि उन रसायनों को उद्योग में मोटे तौर पर रबर रसायनों के रूप में वर्गीकृत किया गया था और तथ्य यह है कि आवेदक को सभी नामित रसायनों पर क्षतिलगी थी, प्राधिकरण ने एक ही जांच की। हालांकि, उत्पादन प्रक्रिया और रसायनों के गुणों में भिन्नता को देखते हुए, अलग खंड और क्षतिका मूल्यांकन किया गया था।
381. वर्तमान जांच के तथ्य रबर केमिकल्स<sup>265</sup> के लिए एंटीपोडल हैं। रबर केमिकल्स के विपरीत, असेंबली/सब-असेंबली और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर एक ही कच्चे माल से बने होते हैं। असेंबली/उप-असेंबली की भौतिक विशेषताओं में अंतर एक अस्थायी प्रकृति का है और ये अंतर केवल परिवहन की सुविधा के रूप में मौजूद हैं। असेंबली/उप-असेंबलियों का आयात/विनिर्माण पूर्णतः असेम्बल किए गए शैल अवतारों में परिवर्तित करने के लिए किया जाता है। परिवर्तन की इस प्रक्रिया में कोई धातुकर्म प्रक्रिया शामिल नहीं है जो पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर को नए रासायनिक गुणों को बदल या उधार दे सकती है। जैसे ही असेंबली/सब-असेंबली को पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर में इकट्ठा किया जाता है, असेंबली/सब-असेंबली के बीच रूप में भौतिक अंतर गायब हो जाते हैं।
382. यह आगे ध्यान दिया जाता है कि भले ही विधानसभाओं / उप-विधानसभाओं में व्यक्तिगत रूप से एक अलग लागत संरचना होती है, एडी इस तथ्य की अनदेखी कर रहा है कि ऐसी सभी लागत संरचनाएं, मोल्लिंग प्रक्रियाएं आदि एक इकट्ठे रॉक ब्रेकर का हिस्सा हैं। इस प्रकार, असेंबली/उप-असेंबली की सभी विशेषताओं को वास्तव में पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर में शामिल और प्रतिबिंबित किया जाता है। इसके अलावा, पुनरावृत्ति की लागत पर भी, यह बताया गया है कि असेंबली/सब-असेंबली और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर एक ही बाजार में

<sup>262</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 12।

<sup>263</sup> परिचय।

<sup>264</sup> प्रकटीकरण बयान पर एवरडिगम की टिप्पणियों के पैरा 44-45।

<sup>265</sup> अंतिम निष्कर्ष एफ. नं. 14/5/2007-डीजीएडी रबर रसायनों के आयात से संबंधित एंटीडंपिंग जांच। चीन से एमबीटी-, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी और चीन और कोरिया से पीएक्स-13(6पीपीडी आरपी दिनांक (1 अक्टूबर 2008)।

- प्रतिस्पर्धा करते हैं। तदनुसार, असेंबली/उप-असेंबली की क्षति का अलग से आकलन करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
383. एवरडिगम ने अनुरोध किया है कि प्राधिकरण को डंप किए गए आयात की मात्रा से सूसन, डी एंड ए और फील की मात्रा को बाहर रखना चाहिए।<sup>266</sup>
384. यह स्पष्ट किया जाता है कि सूसन और डी एंड ए की मात्रा को डंप किए गए आयातों की मात्रा से बाहर रखा गया है क्योंकि इन निर्यातकों के लिए पाटन माजन उनके द्वारा अपने उत्तरों में दायर की गई सूचना के आधार पर ऋणात्मक निर्धारित किया गया था। फील की मात्रा को बाहर नहीं किया गया है क्योंकि फील के लिए पाटन मार्जिन सकारात्मक है।
385. डी एंड ए ने प्रस्तुत किया है कि आथक पैरामीटरों के अनुक्रमित आंकड़े आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में सकारात्मक और बढ़ती प्रवृत्ति दर्शाते हैं। इससे यह स्थापित होता है कि कथित पाटन के कारण घरेलू उद्योग को कोई नुकसान नहीं हुआ है।<sup>267</sup>
386. यह ध्यान दिया जाता है कि डी एंड ए प्रभावी रूप से प्रासंगिक मापदंडों की एंड-टू-एंड तुलना के लिए बहस कर रहा है, क्षतिकी अवधि में प्रासंगिक हस्तक्षेप करने वाले रुझानों को ध्यान में रखे बिना। वही एक विकृत और विषम क्षतिविक्षेपण प्रस्तुत करेगा और इसलिए, प्राधिकरण डी एंड ए के प्रस्तुतीकरण से असहमत है।
387. डोजको ने कहा है कि प्राधिकरण ने क्षतिकी अवधि के लिए गैर-डंप किए गए आंकड़े प्रदान नहीं किए हैं।<sup>268</sup>
388. यह स्पष्ट किया जाता है कि पाटन मार्जिन केवल पीओआई के लिए निर्धारित किया जाता है। तदनुसार, गैर-पाटित आयातों की मात्रा को पीओआई से पहले की अवधि के लिए उपयुक्त तालिका में नहीं बताया जा सकता है।
389. डोजको ने प्राधिकरण से यह निर्णय लेने का अनुरोध किया है कि भारत में उत्पादन, खपत और मांग की तुलना में संबंधित देशों से आयात काफी अधिक रहा है। डीओजेडको ने आगे प्रस्तुत किया है कि आयात इसकी कीमतों को कम कर रहा है और इस तरह, इसे अपनी कीमतों में वृद्धि करने से रोका जा रहा है। घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में केवल मामूली वृद्धि हुई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की बिक्री में मांग में वृद्धि के अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है जो यह दर्शाता है कि निर्यातक उत्पादक अनुचित व्यापार पद्धतियों में लगे हुए हैं। घरेलू उद्योग अपनी क्षमता उपयोग में वृद्धि नहीं कर पाया है और यह पर्याप्त लाभ अर्जत कर रहा है। सभी लाभ मापदंडों में गिरावट आई है।<sup>269</sup>
390. प्राधिकरण नोट करता है कि डोजको ने क्षतिके मापदंडों के बारे में अपनी प्रस्तुतियाँ फिर से दोहराई हैं। इन सबमिशन को पहले ही ऊपर क्षतिपरीक्षा अनुभाग में संबोधित किया जा चुका है।
391. डोजको ने प्रस्तुत किया है कि डंप किए गए आयात के अलावा कोई अन्य कारक नहीं है जिससे आवेदक को नुकसान हुआ है।<sup>270</sup>
392. एवरडिगम ने तर्क दिया है कि अन्य भारतीय निर्माताओं को जांच शुरू करने के संबंध में सूचित नहीं किया गया है और उन्होंने डेटा प्रस्तुत नहीं किया है जो इंगित करता है कि वे क्षति से पीड़ित नहीं हो सकते हैं, जो स्पष्ट रूप से कारण लिंक में एक विराम स्थापित करता है।<sup>271</sup>

<sup>266</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 13।

<sup>267</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डी एंड ए की टिप्पणियों का पैरा 8-9; प्रकटीकरण बयान पर एवरडिगम की टिप्पणियों के पैरा 14-15।

<sup>268</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोजको की टिप्पणियों का पैरा 54।

<sup>269</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डीओजेडसीओ की टिप्पणियों का पैरा 55।

<sup>270</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डीओजेडसीओ की टिप्पणियों का पैरा 56।

<sup>271</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर एवरडिगम की टिप्पणियों का पैरा 16

393. यह स्पष्ट किया जाता है कि प्राधिकरण ने जांच शुरू करने के संबंध में एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी। हालांकि, कथित निर्माताओं में से किसी ने भी जांच में भाग नहीं लिया। इसलिए प्राधिकरण ने उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर अपनी जांच की है।

#### ण.6 आरई: गैर-हानिकारक मूल्य

394. डोज्को ने प्रस्तुत किया है कि प्राधिकरण ने आवेदक द्वारा पीओआई के लिए प्रस्तुत लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट के आधार पर एनआईपी की गणना की है जो उत्पादन की कुल लागत और कॉर्पोरेट केंद्रीकृत ओवरहेड्स को प्रमाणित करने वाले रिकॉर्ड पर विस्तृत प्रस्तुतियों की अवहेलना करता है। वर्तमान डेटा जिस पर एनआईपी की गणना की गई है, वह सूचना के एक अलग सेट यानी लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर आधारित है। तदनुसार, डोज्को प्राधिकरण से निम्नलिखित जानकारी के आधार पर एनआईपी की गणना करने का अनुरोध करता है:

विवरण	रॉक ब्रेकर	छेनी
	आईएनआर/एमटी	आईएनआर/एमटी
खपत किए गए कच्चे माल की इष्टतम लागत	***	***
प्राथमिक पैकिंग सामग्री की खपत की लागत	***	***
उपभोज्य स्टोर और पुर्जे	***	***
उपभोग की गई उपयोगिताओं की इष्टतम लागत	***	***
वेतन और मजदूरी	***	***
मूल्यहास और परिशोधन खर्च	***	***
अन्य विनिर्माण ओवरहेड्स*	***	***
अन्य प्रशासन ओवरहेड्स*	***	***
बेचना और वितरण ओवरहेड्स (स्वीकार्य)*	***	***
ओवरहेड्स बेचना (कमीशन, फ्रेट, छूट, निर्यात से संबंधित गैर-स्वीकार्य खर्च आदि)		
अन्य/विविध खर्च*		
अन्य आय*	***	***
वित्त लागत को छोड़कर बिक्री की कुल लागत	***	***
वित्त लागत की ओर वापसी (वास्तविक)	***	***
प्री-टैक्स प्रॉफिट की ओर रिटर्न (22% आरओसीई का बैलेंस)	***	***
गैर-हानिकारक मूल्य	***	***

395. डोज्को ने आगे प्रस्तुत किया है कि विकल्प में भी, यदि एनआईपी की गणना लागत ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर की जाती है, तो यह वर्तमान में घोषित एनआईपी की तुलना में अधिक एनआईपी भी देगा। डोज्को प्राधिकरण से कच्चे माल की लागत पर पुनर्विचार करने और इसे प्रति मीट्रिक टन निम्नलिखित संख्या तक बढ़ाने का अनुरोध करता है:

विवरण	लागत लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार राशि	हवाला
कच्चे माल की खपत की लागत	***	एक
सामग्रियों के भंडार में परिवर्तन	***	जन्म
कम: लेजर खाते के अनुसार स्क्रेप बिक्री	***	के आसपास
कच्चे माल की खपत की लागत (स्क्रेप बिक्री का शुद्ध)	***	डी = ए + बी + सी

विवरण	रॉक ब्रेकर	छेनी	एनपीयूसी	कुल
उत्पादन मूल्य अनुपात (D)	***	***	***	***
उत्पादन मात्रा (ई)	***	***	***	***
उत्पादन मूल्य (INR) के अनुपात में आवंटित सामग्री की लागत: $F=E \times D$	***	***	***	***
उत्पादन मूल्य के अनुपात में आवंटित सामग्री की लागत (आईएनआर/एमटी) जी = एफ/इ	***	***	***	***

396. एनआईपी की गणना की पद्धति के संबंध में डोज्को की असहमति के संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि आम तौर पर, प्राधिकरण आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और एडी नियमों के अनुलग्नक III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार भारत में विषय वस्तुओं को बनाने और बेचने के लिए उत्पादन की लागत और लागत के आधार पर एनआईपी निर्धारित करता है। हालांकि, इस मामले में, सत्यापन के दौरान, यह पाया गया कि आवेदन में दावा किए गए पीयूसी/एनपीयूसी का निर्माण करने वाली कंपनी के विनिर्माण प्रभाग की कुल लागत और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लागत ऑडिट रिपोर्ट के संक्षिप्त लागत विवरण के बीच पर्याप्त अंतर है। घरेलू उद्योग ने समझाया कि अंतर इस तथ्य के कारण था कि कंपनी की कुछ सामान्य लागतों को लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपनी रिपोर्ट में नहीं माना गया था। 2021-22 की लागत ऑडिट रिपोर्ट के पैरा 3(c) में यह देखा गया है कि कॉर्पोरेट कार्यालय के माध्यम से किए गए केंद्रीकृत खर्चों को प्रशासन के ओवरहेड्स से लिया जाता है, जिन्हें समान आधार पर लागत वस्तुओं/व्यक्तिगत उत्पादों के लिए आवंटित/विभाजित किया जाता है, जो विरोधाभासी प्रतीत होता है। इसलिए, प्राधिकरण ने 2021-22 की लागत ऑडिट रिपोर्ट के संक्षिप्त लागत विवरण में दी गई कुल लागत के अनुसार विनिर्माण प्रभाग के लिए कुल लागत की अनुमति देना उचित समझा, जिसे स्क्रेप वसूल मूल्य के साथ विधिवत समायोजित किया गया है, और तदनुसार, एनआईपी निर्धारित किया गया है।

397. डेमो, निंगबो और सूसन प्रस्तुत करते हैं कि प्राधिकरण को गैर-हानिकारक मूल्य (एनआईपी) निर्धारित करने के लिए नियोजित पूंजी ("आरओसीई") पर 22% रिटर्न की दर पर विचार नहीं करना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप अत्यधिक बढ़ी हुई गैर-हानिकारक कीमत हुई है, जो व्यावहारिक विचारों पर आधारित नहीं है।

- 22% आरओसीई को वर्ष 1987 में डिज़ाइन किया गया था जब व्याज़ दर और कॉर्पोरेट टैक्स जैसे सभी पैरामीटर प्रचलित दरों से अलग थे। इसके अलावा, ब्रिजस्टोन टायर मैनुफैक्चरिंग और अन्य के मामले में। नामित प्राधिकारी, एलडी सीईएसटीएटी ने देखा कि प्राधिकरण द्वारा अपनाई गई 22% आरओसीई की कीमत सही नहीं है।
398. प्राधिकरण नोट करता है कि 22% आरओसीई की दर अपनाना सभी एंटी-पाटन जांचों में प्राधिकरण का एक मानक अभ्यास रहा है। इसके अलावा, प्राधिकरण नोट करता है कि अन्य इच्छुक पार्टियों ने एलडी सीईएसटीएटी की टिप्पणियों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। ब्रिजस्टोन में, एलडी सीईएसटीएटी ने यह नहीं माना कि एनआईपी का निर्धारण करते समय 22% आरओसीई एक गलत विचार है। ब्रिजस्टोन में एलडी सेस्टेट की टिप्पणियां मूल्य अंडरसेलिंग का निर्धारण करते समय 22% आरओसीई के विचार के संबंध में थीं। ब्रिजस्टोन का निर्णय एडी नियमों के अनुलग्नक-III की शुरुआत से पहले जारी किया गया था। इसलिए, ब्रिजस्टोन के मामले पर अन्य इच्छुक पार्टियों की निर्भरता यह तर्क देने के लिए कि एनआईपी की गणना करते समय 22% आरओसीई अधिक है, निराधार है। यह भी नोट किया जाता है कि मेरिनो पैनल प्रोडक्ट्स के बाद के मामले में, सीखा सीस्टेट ने 22% आरओसीई देने के व्यापार उपचार महानिदेशालय के अभ्यास को बरकरार रखा है।
399. डेमो ने यथामूल्य आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है क्योंकि प्रदूषण नियंत्रण आयोग के भीतर कई ग्रेड हैं और पीयूसी के कार्यक्षेत्र में मूल्य में काफी अंतर है।<sup>272</sup>
400. प्राधिकरण डेमो के प्रस्तुतीकरण से सहमत है और यथामूल्य आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा।
401. परमाणु ऊर्जा और विद्युत विनियामक प्राधिकरण ने उल्लेख किया है कि चूंकि प्राधिकरण ने शैल तोड़ने वालों की असेंबली/उप-असेंबलियों के लिए पाटन और क्षति का अलग से निर्धारण नहीं किया है, इसलिए यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकरण शुल्क की दर स्पष्ट करे जो तब लागू होगी जब कोई उत्पादक भारत को असेंबली/उप-असेंबली निर्यात करता है।<sup>273</sup> एडी ने विधानसभाओं/उप-विधानसभाओं और पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकर के लिए एंटी-पाटन कर्तव्यों के एक अलग सेट के लिए भी तर्क दिया है। एडी ने यह भी तर्क दिया है कि विधानसभाओं/उप-विधानसभाओं को भी खराब भागों को बदलने के लिए स्पेयर पार्ट्स के रूप में आयात किया जाता है। इस प्रकार, असेंबली और उप-असेंबली एक अलग बाजार खंड को लक्षित करते हैं और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर से स्वतंत्र मांग रखते हैं।<sup>274</sup>
402. इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि चूंकि शैल ब्रेकरों की असेंबली/उप-असेंबली और कुछ नहीं बल्कि चट्टान तोड़ने वालों का एक भिन्न रूप है, इसलिए शैल तोड़ने वालों पर लागू शुल्क ऐसी असेंबली/उप-असेंबलियों पर लागू होंगे। इसके अलावा, प्राधिकरण ने मूल्यानुसार आधार पर शुल्कों की सिफारिश की है और इस प्रकार, तदनुसार, उत्पाद के मूल्य के आधार पर शुल्क लागू होंगे। तदनुसार, पूरी तरह से इकट्ठे रॉक ब्रेकरों के मामले में शुल्क अधिक होगा, क्योंकि इसका सीआईएफ मूल्य अधिक होगा और शुल्क असेंबली/उप-असेंबली के मामले में कम होगा, क्योंकि इसका सीआईएफ मूल्य कम होगा।
403. शुल्क तालिका में एकरूपता बनाए रखने और सीमाशुल्क प्राधिकारियों की सुविधा के लिए शुल्क तालिका में हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के साथ-साथ प्रत्येक प्रतिभागी निर्यातकों के लिए छेनी के लिए अनुशंसित शुल्क शामिल हैं।

<sup>272</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर DAEMO की टिप्पणियों का पृष्ठ 2।

<sup>273</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर DAEMO की टिप्पणियों का पृष्ठ 3; प्रकटीकरण बयान पर सूचन की टिप्पणियों का पृष्ठ 2-3।

<sup>274</sup> प्रकटीकरण बयान पर एडी की टिप्पणियों के पैरा 45-48।

## त. भारतीय उद्योग के हित

### त.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

404. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. फाइन और फिन द्वारा प्रयोक्ता उद्योग पर प्रतिकूल निःतार्थों के संबंध में प्रस्तुत तर्क किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। कोई भी प्रयोक्ता उद्योग इसे बताने के लिए सामने नहीं आया है। अनेक प्रतिपक्षी प्रयोक्ताओं ने पाटनरोधी शुल्क को लागू करने का समर्थन किया है<sup>275</sup>।
- ख. संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने पर आपत्ति नहीं की गई है। वास्तव में प्रयोक्ता उद्योग पाटनरोधी शुल्क लगाने के समर्थन में आगे आया है<sup>276</sup>। अनेक संरचना और निर्माण गतिविधियां पाइपलाइन में हैं<sup>277</sup>।
- ग. संबद्ध वस्तु पाटनरोधी शुल्क लगाने पर भारतीय बाजार में उचित कीमत पर प्रवेश करेगी। शुल्क लागू होने से सरकार के आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को बढ़ावा मिलेगा<sup>278</sup>।

### त.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

405. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक ने दावा किया है कि भारतीय उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लगाने से लाभ हुआ। आवेदक ने यह भी दावा किया है कि निर्माण और अवसंरचना गतिविधियों में मांग में वृद्धि को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है। एडी का अनुरोध है कि बड़ी हुई मांग को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क लगाना बिल्कल अनावश्यक है।
- ख. डोजको की उत्पादन क्षमता 1840 एमटी हाइड्रोलिम रॉक ब्रेकर और 5000 एमटी चीसेल तक सीमित है जबकि हाइड्रोलिम रॉक ब्रेकर की भारतीय मांग लगभग 22,000 एमटी है और चीसेल की मांग लगभग 12,000 एमटी है। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क लगाने से मांग – आपूर्ति के अंतर में वृद्धि होगी<sup>279</sup>।

### त.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 406. व्यापार उपचार उपायों का उद्देश्य संबद्ध वस्तु के अनुचित आयातों के विरुद्ध उचित शुल्क लागू करके घरेलू उत्पादकों को समान अवसर सुनिश्चित करके घरेलू बाजार में समान प्रतिस्पर्धी अवसर बहाल करना है। इसी के साथ प्राधिकारी इस तथ्य को जानते हैं कि ऐसे शुल्कों का प्रभाव केवल पीयूसी के घरेलू उत्पादकों तक सीमित नहीं है बल्कि पीयूसी के प्रयोक्ताओं तथा उपभोक्ताओं को भी प्रभावित करता है। इसके अलावा शुल्क लागू होने से देश के भीतर प्रतिस्पर्धा की समस्या हो सकती है।
- 407. यह नोट किया गया है कि अनेक अंतिम प्रयोक्ताओं ने जांच में भाग में लिया है जैसे जेसेबी इंडियन और वाल्वो सीई जो संबद्ध देशों में पीयूसी के सबसे बड़े आयातकों में से एक हैं। तथापि किसी ने भी आर्थिक हित प्रश्नावली प्रस्तुत नहीं की है और शुल्क लागू करने पर आपत्ति जताते हुए कोई कानूनी अनुरोध नहीं किया है।
- 408. इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण को 24 उपयोगकर्ता उद्योगों से पत्राचार प्राप्त हुआ है। इन उद्योगों का तर्क है कि घरेलू स्तर पर निर्मित पीयूसी की उपलब्धता महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें आसानी से सर्विस किया जा सकता है, और भागों या प्रतिस्थापन उचित मूल्य पर सुलभ हैं। वे दावा करते हैं कि चीन पीआर और कोरिया आरपी के उत्पादक भागों के लिए उच्च कीमतें लगाते हैं, जिससे उनके संचालन में बाधा उत्पन्न होती है।

<sup>275</sup> डोजको के खंडन अनुरोध का पैरा 66

<sup>276</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का प्रदर्श - 3

<sup>277</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 33

<sup>278</sup> डोजको के लिखित अनुरोध का पृष्ठ 34

<sup>279</sup> एडी के खंडन अनुरोध का पैरा 69-70

409. इन प्रयोक्ताओं द्वारा यह भी दावा किया गया है कि भारतीय विनिर्मित उत्पाद चीन जनगण और कोरिया आरपी से आयात की तुलना में गुणवत्ता में बेहतर हैं। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस दावे को प्रमाणित करने के लिए कोई तकनीकी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।
410. फाइन और फिन ने आर्थिक हित प्रश्नावली प्रस्तुत की है और 10 प्रतिशत के पाटनरोधी शुल्क की लागत 7-8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। तथापि यह अस्पष्ट है कि अंतिम प्रयोक्ता पर कितना प्रभाव पड़ेगा और क्या पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि में अंतिम प्रयोक्ता द्वारा पूरा किया जाएगा।
411. एडी ने प्रस्तुत किया कि खनन और निर्माण क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए, डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। एडी ने भारतीय मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता की सीमा को भी इंगित किया। एडी ने तर्क दिया है कि पीओआई में आधार वर्ष की तुलना में रॉक ब्रेकर्स की मांग में 227% की वृद्धि हुई है। रॉक ब्रेकरों के लिए डोज़को की क्षमता \*\*\* मीट्रिक टन तक सीमित है, जैसा कि उन्होंने मौखिक सुनवाई में स्वीकार किया है, जबकि भारतीय मांग लगभग पांच गुना है। पाटन रोधी शुल्क लगाने से केवल मांग-आपूर्ति का अंतर बढ़ेगा।<sup>280</sup>
412. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीओआई में मांग में वृद्धि के बाद में यह नोट किया जाता है कि केवल संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि ने न केवल घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से को बुरी तरह प्रभावित किया है बल्कि गैर संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा को भी प्रभावित किया है। उनका बाजार में हिस्सा पीओआई में कम होकर लगभग शून्य हो गया है। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की आयात पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के परिणामस्वरूप घट सकते हैं तथापि गैर संबद्ध देशों से आयात पाटित आयातों का स्थान ले लेंगे और इस प्रकार प्रतिकूल प्रभाव यदि कोई हो, को कम कर देंगे। यह प्रयोक्ता उद्योग के हित में है कि उनके पास भारतीय क्षेत्र के बीच संबद्ध वस्तु की आपूर्ति के स्रोत हों ताकि संबद्ध वस्तु की तुरंत और कम समय में डिलीवरी हो सके। यह प्रयोक्ता उद्योग के दीर्घकालिक हित में है कि वे आपूर्ति के अनेक स्रोत बनाए रखें।
413. जांच के अनिवार्य तथ्य जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी जुटाए गए और विश्लेषित किए गए थे तथा उनका हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन किया गया ताकि वे उनमें उल्लिखित तथ्यों पर टिप्पणियां कर सकें। प्राधिकारी जांच को समाप्त करेंगे और इस प्रकटन विवरण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां प्राप्त करने के बाद केंद्र सरकार को सिफारिशें करेंगे। यह स्पष्ट किया जाता है कि कोई नया तथ्य या कोई तथ्य जिसे इसके बाद प्राधिकारी के समक्ष लाया गया हो, पर अंतिम जांच परिणाम के लिए विचार किया जाएगा या केंद्र सरकार को सिफारिशें करने के लिए विचार किया जाएगा।
414. डोज़को ने तर्क दिया है कि कम कीमतों के आयात से एकमात्र भारतीय निर्माता के अस्तित्व को खतरा है। डीओजेडको ने आगे बताया है कि प्राधिकरण को इस तथ्य की अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि एकमात्र भारतीय निर्माता के बंद होने से अंतिम उपयोगकर्ता पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा, जिससे चक्रीय प्रभाव<sup>281</sup> होगा। यदि उपभोक्ता पूरी तरह से आयात पर निर्भर हो जाते हैं, तो उन्हें विदेशी उत्पादकों की बिक्री नीतियों का पालन करने के लिए मजबूर किया जाएगा जिसके परिणामस्वरूप उच्च विदेशी मुद्रा बहिर्वाह और इन्वेंट्री स्तर होगा। हालांकि, घरेलू उद्योग से खरीद के मामले में, उपयोगकर्ता कम इन्वेंट्री स्तर बनाए रख सकते हैं, जिससे उन्हें अंतिम ग्राहकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया जाता है। एक निष्पक्ष और प्रतिस्पर्धी भारतीय बाजार सुनिश्चित करने के लिए एक जीवंत घरेलू उद्योग की उपस्थिति आवश्यक है, जो इसकी अनुपस्थिति में पूरी तरह से विषय देशों द्वारा प्रभुत्व होगा।<sup>282</sup>
415. प्राधिकरण नोट करता है कि पीओआई में मांग में वृद्धि के साथ भी, केवल विषय देशों से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है। संबंधित देशों से आयातों में वृद्धि से न केवल घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है बल्कि इससे गैर-विषय देशों से आयात की मात्रा भी प्रभावित हुई है, जिनका बाजार में हिस्सा पीओआई में लगभग शून्य हो गया है। इसलिए, यह नोट किया जाता है कि यद्यपि प्रतिपाटन शुल्क लगाए जाने के

<sup>280</sup> प्रकटीकरण बयान पर एडी की टिप्पणी का पैरा 49।

<sup>281</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर डोज़को की टिप्पणी का पैरा 63.

<sup>282</sup> प्रकटीकरण वक्तव्य पर DOZCO की टिप्पणी का पैरा 62

परिणामस्वरूप विषयगत वस्तुओं के आयात में कमी आ सकती है, तथापि गैर-विषय देशों से आयात ऐसे पाटित आयातों का स्थान लेंगे और इस प्रकार, यदि कोई प्रतिकूल प्रभाव हो, तो कम हो जाएंगे। यह प्रयोक्ता उद्योग के हित में भी है कि वह विषयगत वस्तुओं की शीघ्र और अल्पकालिक सुपुर्दगी के लिए भारतीय क्षेत्र के भीतर विषयगत वस्तुओं की आपूर्ति के स्रोत रखे। आपूर्ति के कई स्रोतों को बनाए रखना उपयोगकर्ता उद्योग के दीर्घकालिक हित में भी है।

#### थ. निष्कर्ष

416. प्रस्तुत अनुरोधों, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों प्रदत्त साक्ष्यांकित सूचना और प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों को पूर्वोक्त पैराग्राफों में रिकार्ड और जांच करने के बाद और पाटन तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति के निर्धारण के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष निम्नलिखित है:

- i. संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु एडी नियमावली 1995 के नियम 2(घ) के अनुसार एक दूसरे के समान वस्तु हैं।
- ii. आवेदक के पास पात्र घरेलू उत्पादन का 100 प्रतिशत हिस्सा है। आवेदक द्वारा किए गए आयात पीयूसी की कुल मांग का \*\*\* प्रतिशत हैं। आवेदक एडी नियमावली 1995 के नियम 2(ख) में निर्धारित अपेक्षाओं को पूरा करता है और आवेदन एडी नियमावली 1995 के नियम 5(3) की स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है।
- iii. आवेदन में पाटनरोधी जांच की शुरुआत के लिए समस्त संगत सूचना दी गई है और एडी नियमावली 1995 के नियम 5(3) के अनुसार पाटन और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के निर्धारण के लिए वर्तमान जांच की शुरुआत को उचित ठहराने के लिए एडी नियमावली 1995 के नियम 5(2) के अनुसार आवश्यक साक्ष्य हैं।
- iv. गोपनीयता संबंधी दावों को जहां आवश्यक हो, स्वीकार किया गया है और यदि ऐसे गोपनीयता के दावों को अत्यधिक पाया गया है तो हितबद्ध पक्षकारों का उनका प्रकटन करने या एडी नियमावली 1995 के नियम 7 के अनुसार उनका उचित अगोपनीय सारांश प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।
- v. **पाटन मार्जिन:**
  - क. रॉक ब्रेकर: चीन पीआर के दो उत्पादकों अर्थात् यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कं, लिमिटेड, और निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड, और कोरिया आरपी के पांच निर्माताओं, अर्थात् सूसन हेवी इंडस्ट्रीज कं, लिमिटेड, डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन, और डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कं, लिमिटेड ने जांच में भाग लिया। ऐसे निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई जानकारी और निर्मित सामान्य मूल्य के आधार पर, यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कं, लिमिटेड, निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड, डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड, फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड और हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन के निर्यात के लिए डंपिंग मार्जिन सकारात्मक होने के लिए निर्धारित किया गया था।
  - ख. चीसेल: चीन पीआर के एक निर्माता अर्थात् निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड, और कोरिया आरपी के दो निर्माता, अर्थात् सूसन हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड, और हंसुंग स्पेशल मशीनरी कं, लिमिटेड ने जांच में भाग लिया। ऐसे निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और सामान्य मूल्य के आधार पर निंगबो और हंसुंग के निर्यातों के लिए डंपिंग माजन सकारात्मक निर्धारित किया गया है। हालांकि, सून के लिए डंपिंग मार्जिन नकारात्मक होने के लिए निर्धारित किया गया था।



- vi **मात्रात्मक प्रभाव:** आयातों के मात्रात्मक प्रभाव और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन मार्जिन को एडी नियमावली 1995 के अनुबंध II के पैरा (iii) के अंतर्गत यथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया था।
- vii. घरेलू उद्योग की स्थिति पर पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में एडी नियमावली 1995 के पैरा (ii) के अंतर्गत आकलन करने हेतु अपेक्षा के अनुसार यह पाया गया था कि ऐसे आयातों (रॉक ब्रेकर तथा चीसेल) में समग्र तथा भारत में पीयूसी के उत्पादन, खपत और मांग के संबंध में वृद्धि हुई है। यह भी पाया गया था कि मांग में वृद्धि को लगभग पूरी तरह ऐसे पाटित आयातों ने हड़प लिया।
- viii. **कीमत प्रभाव:** ऐसे पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में यह पाया गया था कि दोनों संबद्ध देशों से कीमत कटौती सकारात्मक थी। यह भी पाया गया था कि ऐसे पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रतिकूलता से प्रभावित किया है। संबद्ध आयातों (रॉक ब्रेकर तथा चीसेल) का पहुंच मूल्य पीओआई में अपने न्यूनतम स्तर पर पाया गया था।
- ix. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंडों पर ऐसे पाटन के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष ज्ञात किए गए थे:
- क. **उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्रियां और बाजार हिस्सा:** आवेदक की क्षमता रॉक ब्रेकर और चीसेल के लिए स्थिर बनी रही है। तथापि पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण अपनी क्षमताओं का पूरा उपयोग करने में असमर्थ था। रॉक ब्रेकर और चीसेल के उत्पादन और बिक्री में क्षति अवधि की तुलना में पीओआई में गिरावट आई है। मांग में भारी वृद्धि हुई थी जिसे अधिकांशतः पाटित आयातों ने हड़प लिया।
- ख. **बिक्रियों की लागत, बिक्री कीमत, लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर आय:** रॉक ब्रेकर और चीसेल के लिए आवेदक की प्रति इकाई बिक्री लागत वर्ष 2020-21 को छोड़कर लगभग स्थिर रही है। रॉक ब्रेकर और चीसेल के लिए आवेदक की बिक्री कीमत में भी पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में गिरावट आई है। परंतु तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि हुई है। तथापि आवेदक की बिक्री कीमत इकाई बिक्री लागत से कम पाई गई थी। इसके अलावा, रॉक ब्रेकर और चीसेल दोनों के लिए बिक्री कीमत में वृद्धि को बिक्री लागत में वृद्धि के अनुरूप पाया गया था। आवेदक के नकद लाभ, ब्याज और कर पूर्व लाभ तथा नियोजित पूंजी पर आय में आधार वर्ष की तुलना में भारी गिरावट आई है। पीओआई के दौरान मांग की बहाली के बाद भी आवेदक लाभ प्राप्त करने में असमर्थ था।
- ग. **मालसूची:** रॉक ब्रेकर और चीसेल दोनों के लिए आवेदक की मालसूची में पीओआई के दौरान वृद्धि देखी गई थी।
- घ. **कर्मचारियों की संख्या, उत्पादकता और मजदूरी:** आवेदक अपने कर्मचारियों की संख्या और उन्हें प्रदत्त मजदूरी में वृद्धि करने में सक्षम रहा है। इसके अलावा, दोनों उत्पादों के लिए आवेदक की उत्पादकता पाटित आयातों के परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट के कारण प्रभावित हुई है।
- ड. **वृद्धि:** उत्पादन, घरेलू बिक्री, लाभ, नियोजित पूंजी पर आय, मालसूची और बाजार हिस्से के अनुसार आवेदक की वृद्धि को रॉक ब्रेकर और चीसेल दोनों के लिए बुरी तरह प्रभावित पाया गया था।
- च. **पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता:** यह पाया गया था कि संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद आवेदक के निष्पादन में गिरावट आई जिससे पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता प्रभावित हुई।
- x. **क्षति मार्जिन:**

- क. **रॉक ब्रेकर:** एडी नियम, 1995 के अनुलग्नक - III के अनुसार निर्धारित गैर-हानिकारक मूल्य और एडी नियमों के नियम 17 (3) (बी) के तहत आवश्यक विषय देशों से विषय आयात के भूमि मूल्य की तुलना करने पर, चीन पीआर के उत्पादकों के लिए क्षति मार्जिन, अर्थात् यंताई और निंगबो और डेमो के लिए क्षति मार्जिन, कोरिया आरपी से फील और हुंडई पॉजिटिव पाए गए।
- ख. **चीसेल्स:** एडी नियम, 1995 के अनुबंध-III के अनुसार निर्धारित गैर-हानिकारक मूल्य और एडी नियमों के नियम 17 (3) (बी) के तहत अपेक्षित विषय देशों से विषय आयात के भू-मूल्य की तुलना करने पर, चीन पीआर से निंगबो के लिए क्षति मार्जिन सकारात्मक है और कोरिया आरपी के सभी उत्पादकों को क्षति मार्जिन नकारात्मक पाया गया।
- xi. **कारणात्मक संबंध:** यह पाया गया था कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है। और किसी अन्य ज्ञात कारक को क्षति का कारण नहीं पाया गया था। पीओआई के दौरान पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है जिसके कारण घरेलू उद्योग की मालसूची इकट्ठी हो गई है। भारतीय बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी से आवेदक को अपनी समान वस्तु को उसकी बिक्री लागत से कम कीमत पर बेचना पड़ा और इस प्रकार घाटा उठाना पड़ा और घरेलू उद्योग के लाभप्रदता मापदंड बुरी तरह प्रभावित हुए। इसके अलावा, पीओआई में संबद्ध वस्तु (रॉक ब्रेकर और चीसेल दोनों के लिए) के लिए वृद्धिशील मांग पर अधिकांशतः संबद्ध देशों से आयातों ने कब्ज कर लिया जिसके कारण आवेदक भारतीय खपत में वृद्धि का लाभ नहीं उठा सका।
- xii. **भारतीय उद्योग के मुद्दे:** किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई साक्ष्यांकित मात्रात्मक आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए हैं जिसके जरिए अंतिम प्रयोक्ता पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव का आकलन किया जा सके। यह नोट किया गया है कि यदि व्यवहार्य घरेलू उद्योग मौजूद हो तो पीयूसी के प्रयोक्ता के पास अनेक विकल्प होंगे।

#### द. सिफारिशें

417. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को सूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, अन्य घरेलू उत्पादकों, संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के उत्पादकों / निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति कारणात्मक संबंध के बारे में सूचना देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। एडी नियमावली 1995 के नियम 5(3) के अंतर्गत एडी नियमावली 1994 के नियम 17(1)(क) के अधीन यथा अपेक्षित पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में एडी नियमावली 1995 के नियम 6 के अनुसार जांच शुरू करने और संचालित करने के बाद तथा संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति साबित करने के बाद प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
418. विचाराधीन उत्पाद की प्रकृति और इसमें शामिल पीसीएन की बड़ी संख्या को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण का विचार है कि संबंधित माल के आयात मूल्य के सीआईएफ मूल्य के प्रतिशत के रूप में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करना उपयुक्त होगा। इसके अलावा, एडी नियमावली 1995 के नियम 17(1)(ख) में यथा वर्णित कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए पाटन मार्जिन या क्षति मार्जिन में से कमतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों पर नीचे शुल्क तालिका में के कॉलम (7) में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।
419. इसके अलावा, एडी नियम, 1995 के नियम 17 (1) (बी) में प्रतिपादित कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी करने की तारीख से पांच (5) वर्षों की अवधि के लिए डंपिंग के मार्जिन या क्षति के मार्जिन के बराबर निश्चित एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, नीचे शुल्क तालिका के कॉलम (7) में दर्शाई

गई सीआईएफ मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त राशि के बराबर निश्चित एंटी-डंपिंग शुल्क को संबंधित देशों से उत्पन्न या निर्यातित सभी विषय देशों से आयातों पर लगाने की सिफारिश की गई है।

**ध. शुल्क तालिका**

क्र.सं.	सीटीएच शीर्ष	सामानों का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क (मूल्य सीआईएफ का %)
कॉलम (1)	कॉलम (2)	कॉलम (3)	कॉलम (4)	कॉलम (5)	कॉलम (6)	कॉलम (7)
1.	84314930 और 84314990	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई देश	यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड	131.11%
2.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई भी देश	यंताई एडी प्रिसिजन मशीनरी कंपनी लिमिटेड	29.21%
3.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. भी सहित कोई देश	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	26.95%
4.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. भी सहित कोई देश	निंगबो यिनझोउ गेट मशीनरी लिमिटेड	4.55%
5.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. भी सहित कोई देश	उक्त क्रम संख्या 1 से 4 के अलावा कोई उत्पादक	162.50%
6.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	विषय देशों के अलावा कोई भी देश	चीन जन. गण.	कोई भी उत्पादक	162.50%
7.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई भी देश	उक्त क्रम संख्या 1 से 4 के अलावा कोई उत्पादक	29.21%
8.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	विषय देशों के अलावा कोई भी देश	चीन जन. गण.	कोई भी उत्पादक	29.21%
9.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई देश	सूसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	शून्य
10.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई देश	सूसान हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	शून्य
11.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई भी देश	डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	9.43%
12.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई भी देश	डेमो इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	12.47%
13.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई भी देश	डी एंड ए हेवी इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	शून्य
14.	-	अलॉय स्टील	कोरिया	कोरिया गणराज्य	डी एंड ए हेवी	12.47%

क्र.सं.	सीटीएच शीर्ष	सामानों का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क (मूल्य सीआईएफ का %)
कॉलम (1)	कॉलम (2)	कॉलम (3)	कॉलम (4)	कॉलम (5)	कॉलम (6)	कॉलम (7)
	वही-	चीसेल#2	गणराज्य	सहित भी कोई भी देश	इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड	
15.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई भी देश	हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन	11.91%
16.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई भी देश	हुंडई एवरडिगम कॉर्पोरेशन	12.47%
17.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	8.16%
18.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	फील इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड	12.47%
19.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित भी कोई देश	हांसुंग स्पेशल मशीनरी कं., लिमिटेड	52.77%
20.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	हांसुंग स्पेशल मशीनरी कं., लिमिटेड	शून्य
21.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	कोई भी निर्माता अन्य क्र.सं. ऊपर 9 से 20 तक	52.77%
22.	- वही-	हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर #1	विषयगत देशों के अलावा कोई भी देश	कोरिया गणराज्य	कोई भी उत्पादक	52.77%
23.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	कोई भी निर्माता अन्य क्र.सं. ऊपर 9 से 20 तक	12.47%
24.	- वही-	अलॉय स्टील चीसेल#2	विषयगत देशों के अलावा कोई भी देश	कोरिया गणराज्य	कोई भी उत्पादक	12.47%






#1

हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर्स के लिए:



- क. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर का उपयोग निर्माण और खनन उद्योग में छेनी के साथ विध्वंस और खनन गतिविधियों को करने के लिए किया जाता है। हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर आयात किए जाते हैं और पूरी तरह से इकट्ठे स्थिति के साथ-साथ अर्ध-खटखटाए गए (एसकेडी) स्थिति और सीकेडी (पूरी तरह से खटखटाए गए) स्थिति में बेचे जाते हैं, जिसमें विभिन्न असेंबली होती हैं। नीचे दी गई तालिका डी 1 में उल्लिखित

उप-विधानसभाओं को पूरी तरह से इकट्ठे हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर बनाने के लिए आयात किया जा सकता है।

- ख. पूरी तरह से असेंबली हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकरों के लिए उपरोक्त शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित शुल्क केवल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकरों और तालिका डी1 में उल्लिखित असेंबली/उप-असेंबली के आयात पर लागू होंगे।
- ग. जहां शैल तोड़ने वालों से छेनी का आयात किया जाता है, वहां छेनी पर लागू पाटनरोधी शुल्क ऐसी छेनी पर लागू होगा। हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क छेनी या इसके विपरीत लागू नहीं किया जाएगा।
- घ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर पर शुल्क केवल निम्नलिखित असेंबली / उप-असेंबली पर लागू होंगे और हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के अन्य भागों और घटकों पर नहीं:

तालिका डी 1	
पाटन रोधी शुल्क के दायरे में शामिल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकरों की असेंबली/सब-असेंबली	घटकों का चित्रात्मक प्रदर्शन <sup>283</sup>
क. फ्रंट हेड	
ख. बैक हेड	
ग. हाइड्रोलिक सिलेंडर या रॉक ब्रेकर के लिए पिस्टन	
घ. सिलेंडर बॉडी या हाइड्रोलिक यूनिट (हाइड्रोलिक बॉडी में फ्रंट हेड, बैक हेड, सिलेंडर और पिस्टन शामिल हैं)	
ड. ब्रैकेट	

<sup>283</sup> ये चित्र केवल प्रदर्शन के लिए हैं। वास्तविक असेंबली और उप असेंबली का रूप अलग हो सकता है।

तालिका डी 1	
पाटन रोधी शुल्क के दायरे में शामिल हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकरों की असेंबली/सब-असेंबली	घटकों का चित्रात्मक प्रदर्शन <sup>283</sup>
च. फ्रेम	
छ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के लिए सिलेंडर	

- ड. असेंबली/उप-असेंबली पर अनुशंसित शुल्क इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना उन पर लागू होंगे कि चाहे वे व्यक्तिगत रूप से आयात किए गए हों या ऊपर तालिका डी 1 में उल्लिखित अन्य असेंबली/उप-असेंबली के साथ आयात किए गए हों।
- च. सीमाशुल्क प्राधिकारियों से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि निर्यातक दो या दो से अधिक असेंबली/उप-असेंबलियों को एक साथ मिलाकर यह स्थापित करने के लिए अनुशंसित शुल्कों से बचने का प्रयास न करें कि वे उपर्युक्त तालिका डी-1 में शामिल राशि से भिन्न असेंबली/उप-असेंबली का निर्यात कर रहे हैं। इसके अलावा, साफ किए जा रहे माल के विवरण को मूल्य और माप की इकाई के संदर्भ में पर्याप्त रूप से कैप्चर किया जाना चाहिए।
- छ. हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर पर लागू शुल्क किसी भी अन्य असेंबली / उप-असेंबली, भाग या घटक, या किट पर लागू नहीं होंगे जिनका उल्लेख ऊपर तालिका डी 1 में नहीं किया गया है।

## #2

- क. छेनी का उपयोग हाइड्रोलिक रॉक ब्रेकर के साथ किया जाता है। वे विभिन्न आकार, आकार में आते हैं और छेनी की नोक आवश्यक अंतिम उपयोग के अनुसार भिन्न होती है।
- ख. छेनी का आयात वेज, टूल, मॉडल आदि के नाम से भी किया जाता है। जहां शैल तोड़ने वालों से छेनी का आयात किया जाता है, वहां छेनी पर लागू पाटनरोधी शुल्क ऐसी छेनी पर लागू होगा।

## न आगे की प्रक्रिया

420. प्राधिकारी की सिफारिश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर, अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

अनन्त स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**

**(Department of Commerce)**

**(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)**

**FINAL FINDINGS**

New Delhi, the 28th March, 2024

**Case No. A.D (OI)-08/2022**

**Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of “alloy steel chisel/ tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition” (HRBC) originating in or exported from China PR and Korea RP.**

**F. No. 6/8/2022-DGTR.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the ‘Act’) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the ‘AD Rules’ or the ‘Anti-dumping Rules’ or the ‘Rules’);

**A BACKGROUND OF THE CASE**

1. DOZCO (India) Pvt. Ltd. (hereinafter referred to as the ‘applicant’ or the ‘domestic industry’) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the ‘Authority’), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for the initiation of an anti-dumping investigation concerning imports of “**alloy steel chisel/ tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition**” (hereinafter also referred to as the ‘product under consideration’ or ‘PUC’, or the ‘subject goods’) from China PR and Korea RP (hereinafter also referred to as the ‘subject countries’).
2. The Authority, on the basis of sufficient *prima facie* evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No. 6/8/2022-DGTR dated 30<sup>th</sup> September 2022, published in the Gazette of India – Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Section 9 of the Act read with Rule 5 of the AD Rules, 1995 to determine the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods and to recommend the appropriate amount of anti-dumping duties, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

**B PROCEDURE**

3. The following procedure has been followed during the investigation:
  - a. The Authority notified the embassies of both the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the AD Rules, 1995.
  - b. The Authority issued a public notice dated 30<sup>th</sup> September 2022, published in the Gazette of India – Extraordinary, initiating the anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.
  - c. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 30<sup>th</sup> September 2022 to the embassies of both the subject countries in India, the known producers and exporters from the subject countries, the known importers/users of the subject imports in India, other domestic producers in India and other interested parties. The interested parties were requested to provide relevant information in the form and manner prescribed in the initiation notification and make their submissions known in writing within the time limits prescribed in the initiation notification.
  - d. The Authority also provided a copy of the non-confidential version of the application filed by the applicant to the known producers/exporters, known importers/users and to the embassies of both the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules, 1995 through its email dated 15<sup>th</sup> November 2022.
  - e. The embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from the subject countries to submit their responses to the questionnaire within the time limit prescribed by the initiation notification. The embassies of the subject countries were also sent a copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters along with the names and addresses of the known producers /exporters from the subject countries.
  - f. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules, 1995.
  - g. In response to the above notification, the following producers/exporters from the subject countries have submitted the exporter questionnaire responses:

Subject country	Producer/Exporter	Abbreviation
China PR	Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd.	Ningbo
	Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd	Eddie
Korea RP	Hyundai Everdigm Corporation	Everdigm
	Daemo Engineering Co. Ltd.	DAEMO
	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	Soosan
	FEEL Industrial Engineering Co. Ltd.	FEEL
	HANSUNG SPECIAL MACHINERY CO., LTD	Hansung
	D and A Heavy industries Co., Ltd.	D&A

- h. The producers/exporters from the subject countries who have not submitted the questionnaire response or have not cooperated in the investigation have been treated as non-cooperative in the investigation.
- i. The Authority also sent questionnaires to the known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules, 1995.
- j. The following importers/users submitted the importer/user responses to the questionnaire issued by the Authority:

S. No.	Details of the importer/user	Abbreviation
1.	FYN Technologies Private Limited	FYN
2.	Fine Equipment (India) Private Limited	FINE

- k. Extension requests made by the interested parties were considered and granted by the Authority wherever appropriate.
- l. The Directorate General of Systems & Data Management (DG Systems) was requested to provide transaction-wise details of the imports of the subject goods for the past injury period and the period of investigation. The same has been received by the Authority and has been considered in these final findings.
- m. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, 1995 the Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally regarding the subject investigation through a public hearing held via video conferencing on 28<sup>th</sup> July 2023. The interested parties who presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions, if any. The interested parties were further directed to share the non-confidential version of the written submissions submitted by them with the other interested parties.
- n. The statutory deadline for completion of the investigation was initially 29<sup>th</sup> September 2023. The Authority requested the Central Government to extend the timeline for completion of the investigation in terms of the proviso to Rule 17(1)(a). Vide notification dated 29<sup>th</sup> August 2023, the Central Government extended the timeline for completion of the investigation till 28<sup>th</sup> March 2024.
- o. The non-injurious price (hereinafter referred to as the 'NIP') has been determined based on the cost of production and reasonable profits of the subject goods in India, from the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the AD Rules, 1995 so as to ascertain whether anti-dumping duties lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- p. The information submitted by the applicant has been examined and verified during on site-verification to the extent deemed necessary and has been relied upon for the present final findings.
- q. The examination and verification of the information submitted by the cooperating producers/exporters from the subject country were also carried out to the extent deemed necessary and have been relied upon for the purpose of the present final findings.
- r. The period of investigation (POI) for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> April, 2021 to 31<sup>st</sup> March 2022 (12 months). The injury period for the present investigation is 1<sup>st</sup> April 2018 – 31<sup>st</sup> March 2019, 1<sup>st</sup> April 2019 – 31<sup>st</sup> March 2020, 1<sup>st</sup> April 2020 – 31<sup>st</sup> March 2021 and the POI.
- s. The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by various interested parties on mutual exchange basis in the manner prescribed through Trade Notice No. 01/2020 dated 10<sup>th</sup>



April 2020. The information/submissions provided by the interested parties on a confidential basis were examined concerning the sufficiency of such confidentiality claims. On being satisfied as to the sufficiency of the confidentiality claims filed by the interested parties, the Authority has considered such information/submissions as confidential. In case of non-acceptance of confidentiality claims, the interested parties were directed to submit the non-confidential version of the same and circulate it to the other interested parties.

- t. The Authority has considered all the arguments raised and information provided by all the interested parties at this stage, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation.
- u. A disclosure statement in terms of Rule 16 of AD Rules was issued on 20<sup>th</sup> March 2024. Keeping in view the impending deadline interested parties were granted time till 24<sup>th</sup> March, 2024. None of the interested parties in the post-disclosure comments or through any other communication with the investigation team after the issuance of the disclosure statement raised concerns regarding their inability to respond within the stipulated deadline or requested additional time for submission of post-disclosure comments. Thus, sufficient opportunity was afforded to all interested parties to present their comments on the disclosure statement.
- v. ‘\*\*\*\*’ in this Final Findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under Rules 7 of AD Rules, 1995.
- w. The exchange rate for the POI (April 2021 - March 2022) adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$= Rs. 75.37

\*\*\*\*\*

### C PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE


4. The product under consideration (hereinafter also referred to as the “PUC”) as defined at the stage of initiation was as follows:

*“The product under consideration for the present investigation is “alloy steel chisel/ tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition” (hereinafter referred to as the “subject goods” or the “product under consideration”). In common usage, the product under consideration is known as hydraulic breaker, hydraulic rock breaker, chisel/tool. The PUC is usually imported under the following description but not limited to the following:*

*Alloy Steel Chisel: imported as Rock Chisel Teeth, Tooth Rock Chisel, Breaker Tool, Hydraulic Hammer (Tools), Hydraulic Rock Breaker Wedge Point for Working Tool, Chisel Blunt, Blunt, Chisel etc.*

*Hydraulic Rock Breaker: Hydraulic Rock Breaker (with and without Chisel), Rock Breaker with & without Bulk, Hydraulic Rock breaker Assembly Kit, Rock breaker spare body assembly, Hydraulic Rock Breaker Fine, Hydraulic Rock Breaker, Rock Breaker, Box Type Hydraulic Rock Breaker etc.”*







5. Various comments on the scope of the PUC and the PCN methodology were received from the interested parties and accordingly, a meeting to discuss the same was held on 6<sup>th</sup> December 2022 Taking into consideration, the views, and submissions of the said interested parties, it was clarified through the scope of PUC and PCN Methodology Notification (hereinafter referred to as the “Scope Notification”) dated 16<sup>th</sup> June 2023<sup>1</sup>, that the scope of the PUC is limited to the following ‘assemblies’, ‘sub-assemblies’ and ‘components’<sup>2</sup> of hydraulic rock breakers:

Assemblies/sub-assemblies	Pictorial Representation of Component <sup>3</sup>
a. Front head	

<sup>1</sup> F. No. 6/8/2023-DGTR, ‘Scope of the Product Under Consideration and Product Control Numbers’, dated 16<sup>th</sup> June 2023.

<sup>2</sup> Throughout this document, the words ‘assembly’ and ‘sub-assembly’ have been used interchangeably.

<sup>3</sup> The photos are for representative purposes only. The form of the actual assemblies/sub-assemblies may vary.

Assemblies/sub-assemblies	Pictorial Representation of Component <sup>3</sup>
b. Back head	
c. Piston for hydraulic cylinder or rock breaker	
d. Cylinder body or hydraulic unit (Hydraulic body consists of front head, back head, cylinder and piston)	
e. Bracket	
f. Frame	
g. Cylinder for hydraulic rock breaker	

6. Taking into consideration, the views, and submissions of the said interested parties, the following PCN methodology was also notified vide the Scope Notification dated 16<sup>th</sup> June 2023:<sup>4</sup>

Criteria	Range	PCN
Product Category	Hydraulic Rock Breaker with Chisel	HRC
	Chisel/Tool/Blunt/Moil	CHI
	Hydraulic Rock Breaker without Chisel	HRB
Diameter of Tool/Chisel	≤75mm	D1

<sup>4</sup> F. No. 6/8/2023-DGTR, 'Scope of the Product Under Consideration and Product Control Numbers', dated 16<sup>th</sup> June 2023.

Criteria	Range	PCN
(This applies to Chisel as well as to Hydraulic Rock Breakers without Chisel)	> 75mm ≤ 100 mm	D2
	> 100mm ≤ 150 mm	D3
	> 150mm	D4

### C.1 Submissions made on behalf of the domestic industry

7. The following submissions have been made on behalf of the domestic industry regarding the product under consideration:
  - a. The initiation notification covered assemblies/sub-assemblies of Hydraulic Rock Breakers within the scope of the PUC. The product scope always included assemblies and sub-assemblies.
  - b. The intent behind providing the product description based on which the PUC is being imported in the initiation notification is to cover all forms within the scope of this investigation.
  - c. The description given in the initiation notification was not exhaustive and included assemblies as well as sub-assemblies in the PUC.
  - d. The clarification of the product scope merely mentions the list of the assemblies/sub-assemblies and thereby intended only to limit the scope of the present investigation.
  - e. In the case of *Huawei Technologies v. Designated Authority*<sup>5</sup>, the Ld. CESTAT affirmed that the Authority must include parts and components in the scope of the PUC, which would make the duty ineffective, if not included.
  - f. In *Marino Panel Products Ltd. v. Designated Authority*<sup>6</sup>, the Ld. CESTAT upheld the inclusion of a large size of medium-density fiberboards within the scope of the PUC although the domestic industry did not manufacture them.
  - g. In the anti-dumping investigation concerning *Industrial Laser Machines*, the Authority included Laser Cutting, Laser Marking, and Laser Welding machines in fully assembled, CKD and SKD forms of the product within the scope of the PUC.
  - h. In several investigations of the DGTR, such as Glass Fibers from China PR, SDH Equipment from China and Israel, *Solar Cells from Malaysia China PR, Chinese Taipei, and the USA, Castings for wind-operated electricity generators from China PR*, the Authority has given a broad definition of the PUC to ensure that the purpose of the duty is given effect to.
  - i. The EU and the USA, in several anti-dumping investigations have also defined the PUC in such a manner that it includes parts, assemblies, and components.
  - j. In *Huawei Technologies Co. Ltd. v. Designated Authority*, the Ld. CESTAT held that it is not necessary that all types of products covered by the PUC must be alike to each other or even necessarily constitute a homogenous group.
  - k. Rock breaker is a capital good and consists of several assemblies and sub-assemblies. These sub-assemblies and assemblies can be imported to circumvent anti-dumping duties once levied.
  - l. By not extending the duties to the seven assemblies/sub-assemblies, it is highly probable that importers may import the product in pieces and assemble the product in India.
  - m. In the anti-dumping investigation concerning *Axle for Trailers from China PR*, the Authority did not extend the scope of the product to include certain specific parts within the scope of the initial investigation. Subsequently, the Authority was informed by the Commissioner of Customs that there was an abnormal increase in imports of parts. Thereafter, the Authority had to initiate an anti-circumvention investigation and recommend the extension of the duty to parts of the axle for trailers.
  - n. An exporter of hydraulic rock breakers may engage in a similar exercise. The import data also indicates that there is a constant trade flow of various assemblies/sub-assemblies of rock-breakers.
  - o. The assemblies/sub-assemblies are, by design, a component of rock-breakers and have no other end uses. The conversion cost incurred in assembling the rock breakers is extremely low.

<sup>5</sup> 2016 SCC Online CESTAT 404.

<sup>6</sup> 2016 (334) E.L.T. 552.

- p. Chisels and hydraulic rock breakers are a part of the same investigation which is consistent with the Authority's practice.
- q. The WTO Panel, in *EU – Safeguard Measures on Certain Steel Products (DS595)*, reaffirmed the wide discretion of the investigating authority to define the PUC in an investigation. The panel stated that the Authority could include two separate products under one investigation. The same principle was explained by an earlier panel report in *EC – Salmon (Norway)*.
- r. In the case of *Suncity Sheets Pvt. Ltd. v. Union of India*<sup>7</sup>, the Ld. CESTAT upheld the scope of the PUC, which included both hot-rolled and cold-rolled products, stating that there is no requirement for inter-se substitutability of various types of subject goods.
- s. In the *Sunset Review of Anti-Dumping Duties on Glass Fiber from China PR* and in the *Anti-dumping Investigation on Veneered Engineered Wooden Flooring from China PR*, Malaysia, Indonesia, and the EU, different products were included and investigated together since all products were manufactured together.
- t. Eddie has relied on a minority opinion in the case of *Saint Stephen's College v. the University of Delhi*<sup>8</sup>.
- u. Every statute must be interpreted in its literal sense. It is evident from a literal reading of the product description that the "hydraulic rock breaker assembly kit" is included within the scope of the PUC. "Assembly kit" and "spare body assembly" are not synonymous with "fully assembled rock breakers".
- v. The assertion that the domestic industry has not furnished data regarding assemblies/sub-assemblies in its application is incorrect. Annexure-18 of the petition details the import segregation methodology, which includes fully assembled parts, i.e., "assemblies/sub-assemblies."
- w. The Authority is not prohibited under law to expand the scope of the product scope.
- x. The manual of standard operating practices does not override any Trade Notice or circular and may not be used in any dispute or litigation.
- y. Assemblies and sub-assemblies were always a part of the product under consideration. The initiation notification, which was published in the Official Gazette, included "hydraulic spare body" and "hydraulic assembly kits" – therefore, parties were given ample indication as to what is covered within the scope of the PUC at the stage of publication of the initiation notification in the official gazette.
- z. Under Article 5.5 of the Anti-Dumping Agreement, the Authority is only required to notify the exporting country during the initiation. The initiation notification comprised the definition of the product under consideration; the onus is, therefore, on the exporting WTO members to notify the interested parties.
- aa. The substantive obligation to notify the exporter-producers of the investigation only arises during the course of the investigation.
- bb. The Republic of Korea has made detailed oral and written submissions – indicating that they were well aware of the definition of the PUC and the clarification dated June 16, 2023.

## C.2 Submission made by the other interested parties

- 8. The *Trade Legal Affairs Divisions in the Ministry of Trade, Industry and Energy of the Government of Korea* made the following submissions concerning the scope of the product under consideration:
  - a. The initiation notification dated 30<sup>th</sup> September 2022 defined the scope of the PUC as alloy steel chisel/tool and hydraulic rock breakers in fully assembled condition. However, nine months after the initiation of the investigation, the DGTR extended the scope of the PUC.
  - b. The domestic industry has only provided evidence of dumping, injury, and causal link for rock breakers and chisels in fully assembled form. Article 5.2 of the WTO Anti-Dumping Agreement states that an anti-dumping investigation may only be initiated if *prima facie* evidence supports dumping and injury. There is no *prima facie* evidence regarding dumping and injury to the domestic industry caused by the imports of the seven components.
  - c. There is no information on record to even indicate that the present domestic industry constitutes a major proportion of the domestic production of these seven components.
  - d. The Manual of Standard Operating Practices for Trade Remedy Investigations published by the DGTR

<sup>7</sup> 2017 SCC OnLine Del 9412.

<sup>8</sup> (1992) 1 SCC 558.

states that the PUC cannot be expanded during the investigation, and the PCN methodology must be finalized within 60 days of the initiation of the investigation.

- e. If there is evidence that the seven components imported from Korea are dumped and injurious, such information has not been provided to the interested parties, which is a gross violation of Articles 6.1.3 and 6.4 of the WTO Anti-Dumping Agreement.
  - f. The PCN for the chisel is based on diameters only. However, a chisel of the same diameter may have different lengths, resulting in price differences. The price differences could be attributed to weight differences.
  - g. Article 2.4 of the WTO Anti-Dumping Agreement mandates that due allowances are made in each case for product differences that affect price comparability. It is highlighted that if PCN parameters are being defined, the DGTR is obligated to include parameters that are necessary for an apple-to-apple comparison.
9. *DAEMO Engineering Co. Ltd., Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd., Soosan Heavy Industries Co., Ltd., and FEEL Industrial Engineering Co. Ltd.* made the following submissions about the scope of the product under consideration:
- a. The scope of the product under consideration cannot be enhanced after the initiation of the investigation. In the initiation notification, the scope of the PUC was split into two parts: alloy steel chisel/tools and hydraulic rock breaker in fully assembled condition.
  - b. The description in the second paragraph of the definition of the PUC is only the non-exhaustive list of names under which the subject goods are imported into India.
  - c. Even in its application, the domestic industry has only explained two types of PUC – i.e., hydraulic rock breaker and chisel (also known as tools). There is no mention of the seven types of parts and components as being a part of the petition.
  - d. The Authority has only introduced the seven types of parts and components vide its notification dated 16th June 2023. The domestic industry itself has filed an application for PUC, which is limited to the above definition and does not include parts and components.
  - e. All information regarding the economic parameters in the petition pertains only to alloy steel chisel/tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition and does not include any assemblies/sub-assemblies.
  - f. The Authority has defined the PUC in its initiation notification based on the information contained in the petition, however, subsequently, the Authority expanded the scope of the PUC vide notification dated 16<sup>th</sup> June 2023.
  - g. The act of the Authority in expanding the scope of the PUC after the initiation of the investigation violates para 3.5 and 3.13.4 of the Manual of Operating Practices for Trade Remedy investigations, which states that the scope of the PUC cannot be changed during the course of the investigation. Any changes in the scope of the PUC must be finalized within 3 months from the date of the initiation notification.
  - h. In the case of *Industrial Laser Machines*, the scope of the PUC as defined in the initiation notification included SKD and CKD form – meaning that parts and components were expressly intended to be included within the scope of the PUC during the initiation itself.
  - i. If the Authority continues to include the assemblies and sub-assemblies in the scope of the PUC, then separate injury analysis must be done.
10. *Hyundai Everdigm Corp., and D and A Heavy Industries Co. Ltd.* have made the following submissions about the scope of the product under consideration:
- a. The Authority was not justified in expanding the scope of the PUC.
  - b. Paragraph 3 of the initiation notification defines the PUC as “*alloy steel chisel/tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition*”.
  - c. The exhaustive list of descriptions given in the following sentence is intended to list out the descriptions under which the PUC is usually imported into India and is not intended to clarify/expand the scope of the PUC.
  - d. The non-exhaustive list only mentions the names that might be mentioned for the purpose of filing a bill of entry – however, none of the descriptions clarified or expanded the scope of the PUC.

- e. The unwarranted broadening of the scope of the PUC has led to a disproportionate increase in the product scope, which defeats the requirement of fair and objective comparison.
- f. The expansion of product scope goes beyond the original intent of the product definition.
- g. The original definition categorically focused on fully assembled alloy steel chisel and hydraulic rock breakers. The current broadened scope of the PUC includes various ‘components’ or upstream inputs of hydraulic rock breakers.
- h. The newly included components are separate and distinct products and, therefore, cannot be considered as ‘like article’ to the fully assembled PUC. This should have been explicitly recognized in the initiation notification itself.
- i. The current expansion of the product scope introduces a non-exhaustive list of components without clearly establishing their relevance to the initially defined PUC.
- j. For example, if there is an anti-dumping investigation on cars, the PUC would include SUVs, MUVs, and cars with four-wheel drive; but the PUC would not include seat covers, tires, steering wheels, etc.
- k. Expansion of the product scope post the initiation stage is not legally tenable. PUC, once defined in the initiation stage, cannot be expanded frivolously.
- l. The petitioner has not provided enough evidence that circumvention in terms of Rule 25(2)(a) of the AD rules is taking place.
- m. Anti-dumping investigations are published in the Gazette and notified to the governments of the subject countries, the exporters, the importers, etc. The purpose of the notification is to give due notice to all parties to help them decide upon their participation.
- n. The Authority may narrow down the scope of the PUC, but not broaden it.
- o. Paragraph 3.13.4 of the Manual of Operating Practices for Trade Remedy Investigation itself clarifies that the scope of the PUC is frozen at the stage of initiation itself.
- p. Even if it is assumed that the Authority has the power to expand the product scope beyond the initiation stage, the initiation notification mentions the PUC as being in “fully assembled condition”.
- q. Exporters/importers would have had no reason to register their interest and participate in the subject investigation before the Hon’ble Authority at this stage.
- r. After 9 months of the investigation, the Authority abruptly expanded the scope of the PUC. Thus, many interested parties who might have been affected by the inclusion of the products had no notice of this sudden increase in the scope of the PUC.
- s. The PCN notification was not a gazette document, but rather an office memorandum, unlike the initiation notification.
- t. The PCN Notification is also not communicated through diplomatic channels as is the case with a Gazette Initiation Notification.
- u. Assemblies and sub-assemblies were not included in the scope of the PUC at the stage of the initiation.
- v. The word “assembly”, as per the Oxford Dictionary, means the process of putting together the parts of something such as a vehicle or piece of furniture. “Sub-assembly” means an assembled unit designed to be incorporated with other units in a finished product.
- w. Assemblies and sub-assemblies are terms used for the process of taking multiple products together in order to incorporate them into a finished product, and thus, individual components, assemblies, or sub-assemblies are not fully assembled hydraulic rock breakers.
- x. All past investigations cited by the petitioner were investigations where CKD and SKD were included in the scope of the PUC at the initiation stage itself. None of the past precedents are cases where the scope of the PUC has been expanded after the initiation of the investigation.
- y. The mere apprehension of the domestic industry regarding possible circumvention, without any conclusive basis, cannot be the basis for overlooking the legal obligation – which is that the PUC cannot be altered after the initiation of the investigation.
- z. The petitioner has not filed an application for anti-circumvention investigation and therefore, cannot pre-empt a mischief and request for issuance of prior remedy.
- aa. After circumvention takes place, the domestic industry is at liberty to approach the authority with a fresh

application.

- bb. The Authority cannot issue an *ex-parte* relief by including parts and components within the scope of the PUC.
11. *Hansung Special Machinery Co. Ltd., Korea RP*, made the following submissions about the scope of the product under consideration:<sup>9</sup>
    - a. The scope of the PUC includes rock breakers and chisels – however, the unit cost of the chisels is very low compared to the entirety of the rock breakers.
    - b. The price range for rock breakers is USD 10,000 ~ USD 20,000, whereas, chisels is only in the range of USD 30 ~ USD 400.
    - c. Hansung is only a producer of chisels and does not specifically object to the scope of the PUC, except to the extent of determining the competence of the petitioner to qualify as the domestic industry in the investigation in terms of Rule 2(b) to the AD Rules, 1995.
    - d. Hansung produces chisels that vary greatly in length despite having the same outer diameter. This variance of length results in a significant distortion of the per unit price of a product, even if all the other factors, such as outer diameter and the customer, remain the same.
  12. *Fine Equipments and FYN* made the following submissions about the scope of the product under consideration:
    - a. The scope of the PUC, as clarified by the letter dated 16<sup>th</sup> June 2023, is in violation of the provisions of trade remedy investigations and the manual issued by the DGTR.
    - b. Paragraphs 3.5 and 3.13.4 of the Manual of Standard Operating Practice state that the PUC cannot be enhanced during the course of the investigation.
    - c. The expansion of the PUC is in violation of the principles of natural justice since producers and manufacturers of parts.
    - d. The application filed by DOZCO does not contain information regarding the assemblies and sub-assemblies of the rock breakers.
  13. *Yantai Eddie Precision Machinery Co. Ltd.*, made the following submissions about the scope of the product under consideration:<sup>10</sup>
    - a. The PUC defined in the initiation notification was according to the scope of the PUC defined by DOZCO in its application.
    - b. The questionnaire issued by the Authority for filing an application requires the applicant to provide a comprehensive description of the alleged dumped goods.
    - c. In DOZCO's application, only two common usage names of the PUC have been mentioned – i.e., hydraulic rock breaker and chisel.
    - d. DOZCO's application first defines how a hydraulic rock breaker functions and then goes on to explain the functioning of a chisel. There is no separate reference to assemblies / sub-assemblies of rock breakers that have been identified.
    - e. The PCN notification is an incorrect interpretation of the initiation notification and an erroneous application of the doctrine of harmonious construction.
    - f. The doctrine of harmonious construction applies in cases where there is a conflict between two or more statutes or parts of the same statute, and the same are to be interpreted harmoniously so that one part does not defeat the purposes of the other part.
    - g. The doctrine is applied only where there is a clear conflict between two provisions, as held by the Hon'ble Supreme Court in the case of *Saint Stephen's College v. the University of Delhi*, (1992) 1 SCC 558.
    - h. In all circumstances, provisions must be read through the golden rule of interpretation, i.e., the ordinary, natural, and grammatical meaning. The principle of harmonious construction should not be used as a tool to first create disharmony or conflict between two provisions, only to resolve it thereafter.

<sup>9</sup> Post oral hearing written submissions filed by Hansung Special Machinery Co. Ltd., dated August 2, 2024.

<sup>10</sup> Post oral hearing written submissions filed by Yantai Eddie Precision Machinery Co. Ltd., dated August 2, 2024.

- i. The import descriptions mentioned, along with the definition of the PUC, must be read only in light of the definition of the PUC provided in the first sentence of the PUC definition.
- j. None of the import descriptions mentioned in the initiation notification captures the seven assemblies/sub-assemblies identified by the Authority in its PUC/PCN letter.
- k. A description of a product cannot be used to include its parts within the scope of the PUC.
- l. The Authority has included ‘pistons’ within the scope of the PUC. However, by any stretch of the imagination, it cannot be interpreted that a “hydraulic rock breaker in fully assembled condition” can be described as a mere ‘piston’.
- m. Even the applicant has not stated anywhere in the application that a hydraulic rock breaker in fully assembled condition is also imported with descriptions of assemblies / sub-assemblies.
- n. There is no conflict between the two parts of the initiation notification, which could warrant harmonious construction.
- o. The Authority cannot interpret the phrase “hydraulic rock breaker assembly kit” to expand the product scope and include the seven assemblies / sub-assemblies of the hydraulic rock breaker. The phrase should only be understood as referring to a situation where all the assemblies/sub-assemblies of a hydraulic rock breaker are imported together in one consignment as a kit and presented to Customs as a kit at the time of clearance.
- p. Identifying the scope of the PUC is the key starting point of any anti-dumping investigation. All other aspects of the investigation, including the domestic industry’s standing, dumping, injury and causality, are hinged on properly defining the scope of the PUC.
- q. If the scope of the PUC includes products not manufactured by the domestic industry, it will lead to an incorrect determination of import volumes, which cannot cause any injury to the domestic industry.
- r. The term ‘product’ / ‘product under consideration’ or ‘article’ / ‘article under investigation’ have not been defined in the Act and the Rules. Rule 2(d) defines the term “like article” as “*an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation...*”. However, this definition does not define what is meant by the phrase “article under investigation”. For identifying what is an “article under investigation”, the only source is the import statistics/data.
- s. The applicant has provided the import segregation methodology for three categories – rock breakers, chisel and parts of rock breaker. From this universe, the applicant chose to only select chisel and hydraulic rock breaker in fully assembled condition under the product scope.
- t. The parts of PUC, i.e., those identified as ‘RB Parts’ by the applicant have not been included in the scope of the PUC.
- u. In the application filed by DOZCO, there is no reference to assemblies/sub-assemblies of rock breakers.
- v. The applicant has made no allegation of dumping or material injury with respect to imports of assemblies/sub-assemblies. Without any *prima facie* evidence of dumping, the Authority could not have expanded the scope of the PUC.
- w. Even in the updated application, no claim of injury with respect to imports of assemblies/sub-assemblies has been made.
- x. The scope of the PUC should be limited to products manufactured and commercially sold by the applicant during the POI.
- y. Paragraph 3.10 of the Manual of Operating Practices of the DGTR states that the PUC can include items which are manufactured and commercially sold by the applicant.
- z. In the case of *Oxo Alcohols Industries’ Association v. Designated Authority, 2001 (130) ELT 58*, the Ld. CESTAT held that if the products are not manufactured by the domestic industry, the import of the same could not cause injury to the domestic industry, and therefore, such products should be excluded from the scope of the PUC.
- aa. In *Technova Imaging Systems Pvt. Ltd. v. Union of India*, the Ld. CESTAT held that in a material injury case, the anti-dumping law requires consideration of the period of investigation data, and it is in this period that the domestic industry should manufacture and commercially supply the PUC.
- bb. Inclusion of assemblies/sub-assemblies is violative of Rule 6(4) of the AD Rules, which mandates that a copy of the initiation notification must be forwarded to the governments of all the subject countries.
- cc. Rule 6(4) stems from Article 12.1 of the Anti-Dumping Agreement, which states that every



investigating authority must notify all interested parties about the initiation of an investigation through a public notice. It further states that such notice must contain the details of the product involved in the investigation.

- dd. The Authority has only forwarded the public notice, i.e., the initiation notification, to the governments of the subject countries. The exporters who had exported assemblies/sub-assemblies of rock breakers have not been informed that these items are included in the product scope. Therefore, they had no occasion to participate in the investigation.
- ee. In all previous investigations where the product scope included both inputs and outputs in a single investigation, such product inclusions were expressly defined in the application as well as the initiation notification.
- ff. In the anti-dumping investigation concerning solar cells from Malaysia, China PR, Chinese Taipei and USA, the scope of the PUC was clearly defined to include both inputs and outputs.
- gg. In the anti-dumping investigation concerning stainless steel seamless tubes and pipes from China, the Authority covered both hot-rolled and cold-rolled pipes within the product scope.
- hh. In the anti-dumping investigation concerning *Industrial Laser Machines* from China PR, the Authority included fully assembled, CKD and SKD forms of industrial laser machines within the product scope.
- ii. The petitioner has, only in its written submissions, contended that the seven assemblies/sub-assemblies are covered in the scope of the PUC. This assertion is neither present in the application filed by DOZCO nor in its PUC/PCN submissions.
- jj. The non-exhaustive list of import descriptions of the PUC cannot be used to expand the scope of the PUC in the present case to include assemblies/sub-assemblies.
- kk. The seven assemblies/sub-assemblies cannot be regarded as mere descriptions of fully assembled hydraulic rock breakers and, therefore, cannot be included within the scope of the PUC.
- ll. The apprehension of circumvention is not mentioned in the application filed by the applicant. If the applicant was of the opinion that non-inclusion of the assemblies/sub-assemblies may lead to circumvention, then such apprehension should have been laid out in the application itself.
- mm. In the case of *Huawei Technologies*, the application filed by the applicant specifically included parts of the product within the scope of the proposed PUC. Based on the application filed, the Authority defined the scope of the PUC as including parts and components.
- nn. In the present investigation, neither the application nor the initiation notification makes reference to the inclusion of the assemblies/sub-assemblies in the scope of the PUC.
- oo. The reliance placed by the domestic industry on the past practice of the Authority is misguided since, in all the previous cases cited, the Authority had included parts, components, etc., within the scope of the PUC at the initiation stage itself.
- pp. The Authority cannot interpret the phrase '*Hydraulic Rock breaker assembly kit*' to expand the scope of the PUC to include the seven assemblies/sub-assemblies of the hydraulic rock breakers.

### C.3 Examination by the Authority

- 14. The product under consideration in the Initiation Notification was defined as "*alloy steel chisel/ tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition*". The PUC consists of two different categories: (a) hydraulic rock breakers and (b) chisels.
- 15. A hydraulic rock breaker is an engineered product made of alloy steel. It is an attachment tool mounted on an excavator/mini-excavators/backhoe loader/skid steer loader etc. It is powered by hydraulic system from the excavator. The cylinder is the heart of the breaker containing a hydraulic circuit for piston reciprocation. The hydraulic oil pressure is applied on the piston, which hits the tool/chisel, and then the kinetic energy of the piston is converted into hammering energy. This impact creates a stress wave that goes through the chisel/tool to the rock. The travelling reflection of stress breaks the rock.
- 16. A chisel (also known as a tool) is attached at the bottom of the body of a hydraulic rock breaker. The chisel comes in contact with the surface to be broken on impact. Chisels are also sold separately apart from rock breakers. Usually, a chisel gets worn out after certain hours of usage and is replaced with another chisel. Depending upon the type of usage and the kind of impact force required, the tip of the chisel may be of different shapes such as blunt, wedge, moil, conical etc. The other interested parties have not objected to the inclusion of chisels within the scope of the PUC but have raised certain issues regarding the PCNs adopted by the Authority, as discussed below.

17. With respect to hydraulic rock breakers, after the initiation of the investigation, the Authority invited comments from all interested parties regarding the scope of the PUC and the Product Control Numbers (PCNs).
18. Certain interested parties requested the Authority to clarify whether assemblies, sub-assemblies and components of hydraulic rock breakers are included within the scope of the PUC. The Authority conducted an oral hearing specifically to discuss the scope of the PUC and the PCNs which may be adopted and permitted parties to file their written submissions. Vide Notification dated 16<sup>th</sup> June 2023, the Authority clarified that seven assemblies and sub-assemblies are included within the scope of the PUC.
19. The Authority has identified the following issues for consideration regarding the scope of the PUC:
  - a. Whether assemblies / sub-assemblies of fully assembled hydraulic rock breakers are included within the scope of the PUC?
  - b. Whether the PUC must only include those products which the domestic industry is manufacturing?
  - c. Whether the inclusion of assemblies / sub-assemblies of fully assembled hydraulic rock breakers permissible under the law?

**C.3.1 Whether assemblies / sub-assemblies of fully assembled hydraulic rock breakers included within the scope of the PUC?**

20. After the initiation of the investigation, the Authority invited comments from various interested parties regarding the scope of the PUC and permitted parties to propose the PCNs that should be adopted by the Authority. Multiple interested parties requested the Authority to clarify that parts and components of hydraulic rock breakers and unassembled form of the PUC are not included within the scope of the PUC. DOZCO objected to these claims stating that assemblies and sub-assemblies are included within the scope of the PUC, and exclusion of parts and components would give rise to circumvention of the duties.
21. DOZCO raised serious concerns that a significant quantity of imports is in the form of assemblies/sub-assemblies that can easily be assembled to form hydraulic rock breakers. DOZCO also claimed that assembling the components, assemblies and sub-assemblies into hydraulic rock breakers is a simple process which does not involve significant commercial expenditure or technical expertise. DOZCO submitted that since hydraulic rock breakers are capital goods, they can be imported in unassembled or sub-assembled form to evade the anti-dumping duties (if imposed).
22. DOZCO relies on the Ld. CESTAT's decisions in *Huawei Technologies*<sup>11</sup> and *Marino Panel Products*<sup>12</sup> to contend that the Authority may include parts and components within the scope of the PUC – even if the domestic industry does not manufacture them – to avoid circumvention of the duties. DOZCO also points out that in several previous investigations, such as *Industrial Laser Machines*,<sup>13</sup> *Glass Fibres*,<sup>14</sup> *SDH Equipments*,<sup>15</sup> the Authority had defined the scope of the PUC broadly to ensure that the purpose of the duty was effective. DOZCO submitted that it is the standard practice of investigating authorities all over the world to include parts and components within the scope of the PUC. DOZCO requested the Authority to take note of the anti-dumping investigation concerning *Axle of Trailers*,<sup>16</sup> where after the imposition of the anti-dumping duties, the Commissioner of Customs noticed an abnormal increase in the imports of parts, which warranted an anti-circumvention investigation. DOZCO submitted that the import data suggests that there is a constant trade flow of various assemblies/sub-assemblies of rock-breakers. DOZCO also argued that the WTO Panel in *EC – Salmon (Norway)*<sup>17</sup> and *EU – Steel Safeguards*<sup>18</sup> has observed that two separate categories of products

<sup>11</sup> *Huawei Technologies and Ors. v. Designated Authority and Ors.*, Appeal No. AD/13/2012 (CESTAT).

<sup>12</sup> *Marino Panel Products v. Designated Authority*, Appeal No. AD/7/2010-CU[DB].

<sup>13</sup> Final Finding [F. No. 06/07/2022-DGTR](#), *Anti-Dumping Investigation Concerning Imports of Industrial Laser Machines used for cutting, marking, or welding originating in or exported from China PR*.

<sup>14</sup> Final Findings [F. No. 14/28/2009-DGAD](#), *Anti-dumping Investigation concerning import of Glass Fibre and articles thereof originating in or exported from China PR*.

<sup>15</sup> Final Findings [F. No. 14/2/2009-DGAD](#), *Anti-Dumping Duty investigation in respect of import of Synchronous Digital Hierarchy Transmission Equipment (SDH Equipment), originating in or exported from the People's Republic of China PR and Israel*.

<sup>16</sup> Final Finding [F. No. 4/11/2010-DGTR](#), CASE NO. (AC) 7/2020, *Anti-Circumvention investigation concerning alleged circumvention of Anti-dumping duty imposed on the import of 'Axle for Trailer' originating in or export from China PR*.

<sup>17</sup> Panel Report, *European Communities – Anti-Dumping Measure on Farmed Salmon from Norway*, [WT/DS337/R](#), adopted 15 January 2008.

<sup>18</sup> Panel Report, *European Union – Safeguard Measures on Certain Steel Products*, [WT/DS595/R](#) and Add.1, adopted 31 May 2022.

can be covered under a single investigation.

23. It is undisputed that the product under consideration defined for any given investigation can comprise of multiple different products, which need not be like products to one another – in other words, the various categories of products within the PUC need not be internally homogenous. The WTO Panel in *EC – Salmon (Norway)*<sup>19</sup> observed that the Authority is under no obligation to define the PUC in such a manner that all categories of products within the PUC are “like” one another. It has also been the practice of the Authority in several previous investigations to define the PUC to include a broad category of products – which may not be like one another.<sup>20</sup> The Ld. CESTAT, has also held that it is permissible to include parts and components of the finished product within the scope of the PUC.<sup>21</sup>
24. The other interested parties do not dispute the Authority’s powers to define the PUC broadly to include a wide range of product categories, including parts and components. Rather, their grievance is that the PUC defined in the initiation notification has allegedly been expanded by the PCN Notification dated 16<sup>th</sup> June, 2023. The other interested parties contend that since the initiation notification defines the PUC as “hydraulic rock breakers in fully assembled condition”, the investigation must be limited to this definition only, and no expansion of the PUC is permissible. The other interested parties point out that all past investigations where parts and components were a part of the PUC were cases where the initiation notification itself defined the PUC to comprise of parts and components.
25. The Republic of Korea contended that the investigation was not initiated on the basis of *prima facie* evidence of dumping and injury in relation to the seven assemblies and sub-assemblies – which is in contravention of Article 5.2 of the Anti-Dumping Agreement. DAEMO, Ningbo, Soosan, FEEL, Everdigm, and D&A rely on the Manual of Operating Practices for Trade Remedy Investigations to contend that the product under consideration, once defined at the stage of initiation, cannot be altered subsequently. Other interested parties made similar submissions.
26. In response to the claims of the other interested parties regarding the alleged expansion of the product scope, DOZCO submitted that the scope of the PUC was not modified through the PCN Notification dated 16<sup>th</sup> June 2023. DOZCO submits that paragraph 4 of the initiation notification contained a non-exhaustive list of product descriptions under which the PUC is also imported. The non-exhaustive list contained items such as “hydraulic spare body” and “hydraulic assembly kits”, which are not fully assembled hydraulic rock breakers. DOZCO submits that the use of these terms in the non-exhaustive list of product definitions indicates that parts of fully assembled hydraulic rock breakers were intended to be included within the scope of the PUC.
27. Everdigm and D&A contended that the product description mentioned in the initiation notification cannot be used to expand the scope of the PUC. The non-exhaustive list of product descriptions only mentions the names that may be mentioned while filing the bill of entry. Eddie argues that terms such as “hydraulic rock breaker assembly kit” mentioned in the non-exhaustive list cannot be understood to include the seven assemblies and sub-assemblies of hydraulic rock breakers. Eddie further argues that the phrase should only be understood as referring to a situation where all assemblies and sub-assemblies of hydraulic rock breakers are imported together in one consignment as a kit.
28. In the present investigation, the PUC comprises, *inter alia* of hydraulic rock breaker in fully assembled condition. The Authority notes that the words “in fully assembled condition”, as mentioned in paragraph 3 of the initiation notification, do not pertain to the essential characteristics or nature of the product, but rather the form in which the product is sold or imported. It is further clarified that the descriptions mentioned in the initiation notification indicated the different forms in which hydraulic rock breakers are imported. However, the initiation notification gave the impression that all parts and components of hydraulic rock breakers were covered within the scope of the investigation. Thereafter, upon perusing the comments of all interested parties including the domestic industry, the scope was restricted to seven assemblies and sub-assemblies which were subsequently mentioned in the Scope Notification.
29. Products such as assembly kits, rod pin, through bolts etc. were excluded out of the scope of the PUC. Due to the inclusive language of the non-exhaustive list of item descriptions mentioned in paragraph 4 of the initiation notification, several smaller parts were covered within the scope of the PUC, even though they are minor parts of the hydraulic rock breakers.
30. It is further noted that rock breakers are capital goods,<sup>22</sup> comprising of numerous different parts, components,

<sup>19</sup> Panel Report, *EC – Salmon (Norway)* [WT/DS337/R](#).

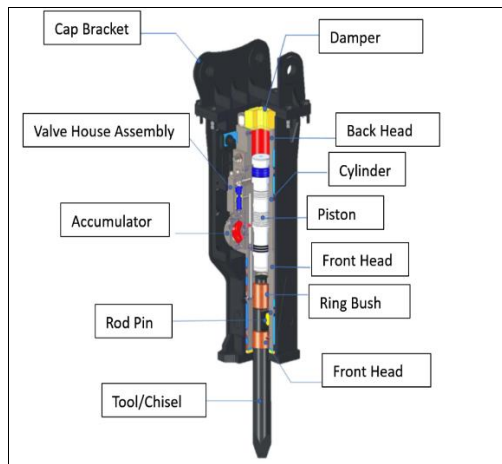
<sup>20</sup> See note 22.

<sup>21</sup> See notes 11 and 12.

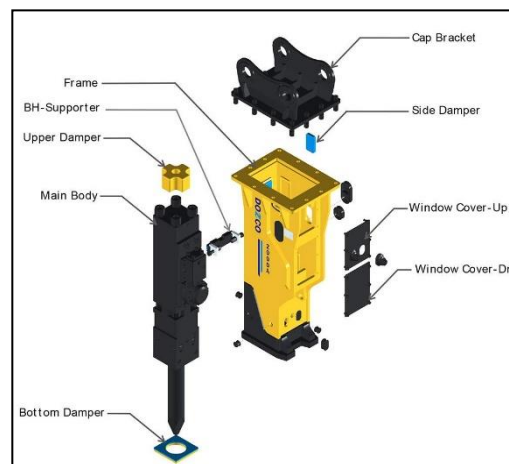
<sup>22</sup> Under the [FTP 2015-20](#), “capital goods” are defined as follows:

*“Capital Goods” means any plant, machinery, equipment or accessories required for manufacture or production, either directly or indirectly, of goods or for rendering services, including those required*

assemblies and sub-assemblies. The following picture shows the cross – section and the internal structure of a hydraulic rock breaker:



**3 D Model of Hydraulic Rock Breaker**



**Cross-section of a Hydraulic Rock breaker**



**Different types of chisels used with Hydraulic Rock Breakers**

31. The above pictures show the major components of a hydraulic rock breaker and different types of chisels used in hydraulic rock breakers. These components are further made from several smaller parts. All these smaller parts are individually manufactured and assembled to form the abovementioned major components seen in the picture. The major components are further assembled to form hydraulic rock breakers in fully assembled condition.
32. To address both the domestic industry's concerns and the counterarguments, the investigating team conducted an on-site verification at the domestic industry's plant. Observations revealed a straightforward assembly process lacking technical complexity or significant costs. Assemblies/sub-assemblies were readily converted into fully-assembled hydraulic rock breakers using basic manual labor and a heavy-weight lifting machine. This demonstrated a clear and imminent risk of circumvention. Hence, the threat of circumvention by the domestic industry is not merely an unsubstantiated assertion, but a very imminent probability. Therefore, it was not deemed appropriate to exclude the assemblies/sub-assemblies from the scope of the PUC as requested by the other interested parties.
33. It is not necessary that capital goods are always imported in a fully assembled condition; it may be the case that for ease of transportation or other logistical purposes, capital goods are imported taking place in the form

*for replacement, modernisation, technological upgradation or expansion. It includes packaging machinery and equipment, refrigeration equipment, power generating sets, machine tools, equipment and instruments for testing, research and development, quality and pollution control. Capital goods may be for use in manufacturing, mining, agriculture, aquaculture, animal husbandry, floriculture, horticulture, pisciculture, poultry, sericulture and viticulture as well as for use in services sector.*

of unassembled parts, which are ready to be assembled.

34. After a detailed analysis of the voluminous amount of import data received from DG Systems, it was noticed that a significant quantity of imports of the PUC (i.e. hydraulic rock breaker) are in the form of parts which can easily be assembled to form the PUC. In other words, the products are being imported in unassembled forms/conditions. It was observed that due to the nature and size of hydraulic rock breakers, and since they are capital goods, it was common practice to import hydraulic rock breakers in unassembled form/condition. However, this does not change the essential nature and characteristics of the finished product. The only difference between a fully assembled hydraulic rock breaker and unassembled forms of hydraulic rock breakers is the form in which they are imported. In all other parameters, they are one and the same. The words “assemblies/sub-assemblies” and “fully assembled condition” only pertain to different forms in which rock breakers are imported, as was pointed out through the several descriptions mentioned in the initiation notification. There are no differences between hydraulic rock breakers in fully assembled condition and hydraulic rock breakers imported in form of assemblies/sub-assemblies.
35. In the case of *Intercontinental Oils and Fats Pte. Ltd. v. Union of India and Ors.*,<sup>23</sup> the Ld. CESTAT permitted the inclusion of unfinished forms of the product within the scope of the PUC, even though the domestic industry did not have the capacity to manufacture the unfinished forms. In that case, the domestic industry only manufactured blended forms of C12-C14 alcohol and not pure cuts of C12 and C14 alcohol. The Ld. CESTAT noted that “pure grade C12 and C14 and its blend C12-C14 originate out of the same raw material by the same manufacturing process. It has also been contended by the domestic industry that C12 and C14 can be blended together by a simple process”. The Ld. CESTAT noted that if the pure cuts of C12 and C14 are excluded, it would defeat the very purpose of the levy and, therefore, include the pure cuts within the scope of the PUC.
36. Similarly, in the present investigation, these sub-assemblies and assemblies can be assembled to form a fully assembled hydraulic rock breaker and interchanged and substituted with the product manufactured by the domestic industry. Thus, sub-assemblies and assemblies differ from fully assembled rock breaker only in the form in which they are imported.
37. It was also argued that if all these small parts were included within the scope of the PUC, it would lead to a situation where the product scope is so large that the investigation would encompass those imported products which are not the cause of injury to the domestic industry.
38. Interested parties have stated that the seven assemblies and sub-assemblies are not “like articles” to fully assembled hydraulic rock breakers. The Authority agrees to the extent these articles are not individually alike to a fully assembled rock breaker. However, it is noted that these assemblies can be exported either together in a single transaction/consignment or multiple consignments, which may be separated in time, but could be imported to form fully assembled rock breakers.
39. In this regard, the Authority refers to the following observations in the anti-dumping investigation on *Industrial Laser Machines* from China PR may be noted:
 

“18. As regards meaning of SKD and CKD, the Authority considers that the same is a well understood term. SKD shall mean a laser machine which is not fully assembled, but is transacted as a laser machine with all essential components not fitted and the machine is not ready to use. CKD for the purpose shall mean an article in its incomplete or unfinished form and has the essential character of the complete article. Hence, a standalone component shall not amount to import of the PUC in its SKD/ CKD form. However, if all the components are transacted in such a manner that it merely requires assembly operation in India, such transaction would amount to transaction in CKD condition and shall be within the ambit of the PUC, even if such transaction does not take place in single consignment.”
40. Thus, when the seven assemblies/sub-assemblies, when transacted in such a manner that it merely requires assembly operation in India, such transaction would amount to a transaction of unassembled form/condition of hydraulic rock breaker, even if such transaction does not take place in a single consignment/single transaction or takes place in multiple transactions.
41. The Authority also notes that Everdigm and D&A have raised concerns that the inclusion of assemblies and sub-assemblies would distort the injury analysis since high-priced components which are imported in small volumes would be compared to low-priced components which are imported in high volumes. It is clarified that the dumping margin and injury margin have been determined on a weighted average basis (price per MT and not pieces per MT) and therefore, the impact of such components would not distort the margins. The comparison is not happening on a per piece basis. The prices of individual assemblies and sub-assemblies have not been compared to the prices of individual hydraulic rock breakers. Price variations among units of

<sup>23</sup> *Intercontinental Oils and Fats Pte. Ltd. v. Union of India and Ors.*, Anti-Dumping Appeal No. 50228 of 2019.

different assemblies and the fully assembled hydraulic rock breakers may not affect price comparability since the comparison is made on a weighted average basis. The Authority has conducted its dumping and injury analysis based on this methodology.

42. Based on the above, the Authority holds that the PCN notification dated 16<sup>th</sup> June 2023 has not expanded the scope of the PUC. Importantly, the PCN notification limits the PUC's scope as compared to its broader definition in the initiation notification. Thus, the scope of the PUC is as follows:

“Alloy steel chisel/ tool and hydraulic rock breaker in fully assembled condition along with the following sub-assemblies and assemblies of rock breakers:

- a. Piston for Hydraulic cylinder or rock breaker
- b. Front head
- c. Back head
- d. Cylinder
- e. Frame
- f. Cylinder body or Hydraulic Unit
- g. Bracket

All other parts and components of rock breakers are not covered within the scope of the PUC.”

### **C.3.2 Whether the PUC must only include those products which the domestic industry is selling?**

43. Eddie submitted that in the case of *Oxo Alcohols* and *Technova*, the Ld. CESTAT has held that products that are not manufactured by the domestic industry, the imports of which cannot cause injury to the domestic industry, must be excluded from the scope of the PUC.
44. DOZCO has relied on the decisions of the Ld. CESTAT in *Huawei Technologies* and *Marino Panel Products* to argue that the Ld. CESTAT permitted the inclusion of parts and components which have not been manufactured by the domestic industry within the scope of the PUC if it defeats the purpose of the levy and may lead to circumvention of the duties. D&A and Everdigm submitted that any claims of circumvention cannot be based on mere allegations and conjecture but must be proved through evidence in terms of Rule 25(2)(a) of the AD Rules. Eddie submitted that the apprehension of circumvention is not mentioned in the application but is an afterthought.
45. The Authority notes that it is undisputed that the domestic industry only sells fully assembled hydraulic rock breakers and not assemblies, sub-assemblies, or components separately. However, the domestic industry manufactures assemblies, sub-assemblies, and components and uses the same to produce fully assembled hydraulic rock breakers. In the cases of *Intercontinental*,<sup>24</sup> *Huawei Technologies*<sup>25</sup> and *Marino Panel Products*,<sup>26</sup> the Ld. CESTAT held that it is permissible to include parts and components of products within the scope of the PUC in order to ensure that the purpose of the levy is effective, even if the domestic industry does not produce or sell the goods. In the case of *Huawei Technologies*, the Ld. CESTAT held that even if parts are produced for captive consumption only, their inclusion in the PUC is justified in order to prevent or avoid circumvention. The Ld. CESTAT observed as follows:

“29. In our view it is permissible for the Authority to include within the purview of the PUC, parts and components, which if not included, would make the levy ineffective. The coverage of the product for levy of duty should be such that the purpose and intent of the levy is achieved. Anti-dumping duty is levied to safeguard the domestic producers from ill effects of dumping. If the parts and components meant for SDH application are excluded, the importers could simply bring the items in different consignments, in unassembled form, and assemble the same in India and defeat the levy. Indeed, including parts and components is consistent with the global practice of defining the PUC in a manner so as to prevent avoidance or circumvention of the levy by the exporters as is evident from the USITC decisions”

46. In the instant case, DOZCO manufactures the assemblies and sub-assemblies for captive consumption to produce fully assembled hydraulic rock breakers. As already discussed above, during the on-site verification of the domestic industry, the investigating team observed that the assembly process for the assemblies and sub-assemblies into fully assembled hydraulic rock breakers does not involve any technical complexity or substantial financial costs. From the import data, it is also observed that a significant volume of assemblies and sub-assemblies of hydraulic rock breakers are being imported.

<sup>24</sup> *Intercontinental Oils and Fats Pte. Ltd. v. Union of India and Ors.*, Anti-Dumping Appeal No. 50228 OF 2019.

<sup>25</sup> *Huawei Technologies and Ors. v. Designated Authority and Ors.*, Appeal No. AD/13/2012 (CESTAT).

<sup>26</sup> *Marino Panel Products v. Designated Authority*, Appeal No. AD/7/2010-CU[DB].

47. D&A and Everdigm submitted that circumvention must be proved in terms of Rule 25(2) of the AD Rules. While it is true that Rule 25(2) of the AD Rules stipulates a set of criteria for circumvention, the Authority notes that Rule 25(2) provides a remedy only after circumvention has taken place but does not deal with a situation of preventing circumvention. The Ld. CESTAT, in *Intercontinental*<sup>27</sup> and *Huawei Technologies*<sup>28</sup> held that the Authority has the power to take preventive action against circumvention by defining the PUC so as to include parts and components. Therefore, the arguments of D&A and Everdigm regarding Rule 25(2) of the AD Rules are unfounded.
48. The facts of the present case fit squarely in the judgement of the Ld. CESTAT in *Intercontinental* and *Huawei Technologies*. Therefore, the exclusion of assemblies and sub-assemblies of hydraulic rock breakers from the scope of the PUC is not warranted. The only argument that remains is that in *Intercontinental* and *Huawei Technologies*, the Authority had specifically mentioned parts and components in the definition of the PUC. However, this argument is not justifiable – the Authority has already explained that there has been no expansion of the PUC in the present investigation.
49. The Authority further notes that the reliance placed by Eddie on the decisions in *Technova* and *Oxo Alcohols* is misplaced. *Technova* was a case where multiple different varieties of products (lithograde aluminium, colour coated aluminum, etc.) were included within the scope of the PUC. The question of whether sub-assemblies and assemblies of a product could be included in the scope of the PUC was not considered by the Ld. CESTAT in the case of *Technova*. Further, fully assembled rock breakers are already being sold by the domestic industry, and therefore, there is no reason why the domestic industry cannot supply the assemblies and sub-assemblies of the rock breakers and, chisels manufactured by it in the market, if requested by consumers. In the case of *Oxo Alcohols*, the Ld. CESTAT held that there was no evidence to demonstrate that normal hexanol was 'like articles' to the articles manufactured by the domestic industry. The present case is distinguishable from the factual aspects of the cases cited by Eddie.

**C.3.3 Whether the inclusion of assemblies / sub-assemblies of fully assembled hydraulic rock breakers permissible under the law?**

50. DAEMO, Ningbo, Soosan, FEEL and Eddie submitted that the application filed by the domestic industry specifies only hydraulic rock breakers and chisels and does not mention the seven types of parts and components. It was further submitted that the information regarding the economic parameters in the application only pertains to chisels and hydraulic rock breakers in fully assembled condition and not the assemblies and sub-assemblies. Further, parties have submitted that the PUC defined at the stage of initiation cannot be altered as per paragraph 3.13.4 of the Manual of Operating Practices for Trade Remedy Investigations.
51. The Authority notes that the Manual of Operating Practices is not binding on the Authority.<sup>29</sup> Notwithstanding this, the Authority notes that it has not expanded the scope of the PUC beyond the scope of what has been provided in the application and the initiation notification. As explained above, sub-assemblies/assemblies of hydraulic rock breakers are merely forms in which the PUC may be imported into India.
52. D&A, Everdigm and Eddie have contended that the initiation notification was published in the Gazette and notified to the governments of the subject countries, the exporters, the importers, etc. It was further submitted that the purpose of the gazette notification was to give due notice to all parties to help them decide upon their participation. It was submitted that the PCN notification was not a gazette document, but rather an office memorandum, unlike the initiation notification, therefore, parties did not have sufficient notice of the PCN notification to decide whether or not to participate in the investigation.
53. The Authority notes that the Supreme Court, in the case of *Union of India v. Kumho Petrochemicals*,<sup>30</sup> has confirmed that under the AD Rules, the initiation notification is not required to be published in the Official Gazette. Rule 6(1) of the AD Rules stipulates that a 'public notice' is sufficient for the purpose of the initiation notification as opposed to a 'gazette notification'. The Scope Notification dated 16<sup>th</sup> June 2023 was also issued in the same form of a 'public notice' in terms of Rule 6(1) of the AD Rules, which was published on the DGTR website. All interested parties and embassies were directed to regularly visit the DGTR website for updates pertaining to the investigation. Therefore, the submission of the interested parties regarding the non-issuance of a gazette notification in this regard is unjustified. Further, the Authority has followed the same procedure in all other investigations. When the law (as confirmed by the Supreme Court) itself recognizes that a 'public notice' (as opposed to a gazette notification) is sufficient for initiation, the Authority fails to understand why the same manner of issuing a public notice of the PCN notification is not sufficient. It

<sup>27</sup> *Intercontinental Oils and Fats Pte. Ltd. v. Union of India and Ors.*, Anti Dumping Appeal No. 50228 OF 2019.

<sup>28</sup> *Huawei Technologies and Ors. v. Designated Authority and Ors.*, Appeal No. AD/13/2012 (CESTAT).

<sup>29</sup> Disclaimer, Manual of Standard Operating Practice.

<sup>30</sup> (2017) 8 SCC 307.



is also noted that the same approach regarding notification of scope has been adopted in all previous investigations.

54. It is also pertinent to note that Republic of Korea made detailed submissions in the oral hearing and filed written submissions regarding the Scope Notification dated 16<sup>th</sup> June 2023. Therefore, the argument of the parties that the Scope Notification was not publicized and made aware to all interested parties is unfounded.

### **C.3.4 Product under consideration and like article**

55. The applicant has claimed that the article manufactured by them, and the subject goods imported from the subject countries are comparable in terms of physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used and are using the two interchangeably. The other interested parties have not disputed the applicant's claim concerning the goods manufactured by the domestic industry being a 'like article' to the subject goods. The Authority, therefore, holds that the goods produced by the domestic industry are 'like article' to the subject goods imported from the subject countries in terms of Rule 2(d) of the AD Rules, 1995.

### **C.3.5 Issues related to Product Control Numbers**

56. Hansung made the following submissions regarding the Product Control Numbers (PCN) adopted by the Authority:
- a. The final PCN methodology does not result in a fair comparison as it excludes the length and includes a broad classification of the outside diameter of the Chisel.
  - b. The outside diameter and length are important criteria to determine the unit price of the chisel.
  - c. Unit price of chisel will vary depending on the length of the chisel. For instance, chisel that is of greater length will have a greater unit price since it will have a larger amount of alloy steel.
  - d. The outside diameter must not be classified as a broad range as it will distort the prices and result in an unfair price comparison.
  - e. The PCN methodology adopted by the Authority does not permit a fair comparison and is in violation of Article 2.4 of the Anti-Dumping Agreement and is in contravention of the WTO Panel's observations in *Morocco – Definitive AD Measures on Exercise Books* (Tunisia) [DS 578].
57. D&A and Everdigm made the following submissions regarding the Product Control Numbers adopted by the Authority:
- a. The PCN methodology adopted by the Authority lacks objectivity. There exists a huge price variation across the seven components.
  - b. Article 2.4 of the Anti-Dumping Agreement and paragraph 6(i) of Annexure-I to the AD Rules mandates a fair comparison between the export price and normal value. The PCN methodology does not permit a fair comparison.
  - c. The WTO Panel in *Argentina – Ceramic Tiles*<sup>31</sup> observed that fair comparison would take into account the differences in physical characteristics of the PUC.
  - d. There would be astronomical differences in the physical characteristics, end-uses of the PUC in terms of them being separate components, assemblies, and sub-assemblies.
  - e. The broadened scope of the PUC and the simplistic PCN classification does not permit a fair comparison.
58. DOZCO made the following submissions regarding the PCN classification adopted by the Authority:
- a. A chisel of the same diameter does not differ much in length. This is because the tensile strength of the chisel of a specific diameter is inversely proportionate to the length of the chisel.
  - b. The PCN methodology adopted by the Authority ensures that a fair comparison is undertaken.
  - c. The Authority is not comparing any assemblies/sub-assemblies to the fully assembled hydraulic rock breaker.
  - d. A separate PCN has been notified for the seven specified sub-assemblies.
  - e. The very objective of notifying the PCN methodology is to ensure "fair comparison".

<sup>31</sup> Report of the Panel, *Argentina — Definitive Anti-Dumping Measures on Carton-Board Imports from Germany and Definitive Anti-Dumping Measures on Imports of Ceramic Tiles from Italy*, [WT/DS189/R](#).



**C.3.6 Examination by the Authority regarding the PCN Methodology**

59. At the outset, the Authority notes that it has already held that the goods imported from the subject countries are like articles to the products manufactured by the domestic industry. Therefore, no occasion of unfair comparison arises in the present investigation. The Authority notes that the unit of measurement adopted for the present investigation is MT and not 'pieces' or 'units'. Therefore, when the Authority undertakes a comparison to determine the dumping margin, the export price and normal value are compared on a weighted average basis (price per MT and not price per piece). The comparison is not happening on a per pcs/set/units basis. Therefore, the prices of individual assemblies and sub-assemblies have not been compared to the prices of individual hydraulic rock breakers. Price variations among units of different assemblies and the fully assembled hydraulic rock breakers may not affect price comparability since the comparison is made on a weighted average basis. Thus, the contentions of the other interested parties that the PCN notification does not permit a fair comparison are not appropriate.
60. With respect to the claims that the length and diameter of chisels must be considered, the Authority notes that during the discussions regarding the PCNs with the interested parties, the investigating team was apprised of the fact that hydraulic rock breakers of a certain weight can accommodate a chisel only up to a fixed diameter. For example, chisels having diameter ranging between 0 – 75 mm can only be mounted in hydraulic rock breakers of the weight ranges between 0 – 500 kg. Thus, the diameter of chisel which could be mounted on a rock breaker can be used to ascertain the weight of the rock breaker itself. As far as length of the chisel is concerned, the Authority notes that the impact of this parameter would be reflected in the weight of the chisel since chisels of higher length would have a higher weight. Therefore, the claims of the other interested parties in this regard are unsubstantiated.

\*\*\*\*\*

**D SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING****D.1 Submissions made by the other interested party**

61. *DAEMO Engineering Co. Ltd., Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd., Soosan Heavy Industries Co., Ltd., and FEEL Industrial Engineering Co. Ltd.* have made the following submissions regarding the scope of the domestic industry and its standing:
- DOZCO has imported the PUC under HS codes 8431 49 90 and 8431 49 30 during the POI from the subject countries.
  - DOZCO has imported Rs. 124 crores worth of parts and components from the subject countries, which include about Rs. 23 crores worth of assembly and sub-assemblies of Alloy Steel Chisel/Tool and Hydraulic Rock Breaker.
  - DOZCO is an importer of the product under consideration and, therefore, it cannot be considered as a domestic industry as per Rule 2(b) of the AD Rules.
  - Manufacturing means the process of building or assembling something, especially in a factory. Manufacturers who are assembling the parts/components and making the final product in the assembled form shall be considered as manufacturer. The petitioner has not considered such manufacturers as eligible domestic producers while determining the standing of the domestic industry.
  - DOZCO, during the oral hearing has submitted that there are other manufacturers of alloy steel chisel/tools and hydraulic rock breakers who import all or some of the parts and components from the subject countries and assemble the same in India to make the PUC.
  - If the Authority continues with the enhanced scope of the PUC, then it should re-examine the standing of the domestic industry and analyse: (1) whether the applicant has commercial production of parts and components during the POI and injury period; (2) whether the applicant has sales of parts and components being manufactured by them in the Indian market; (3) whether there are commercial volumes sales of parts and components; (4) whether the domestic industry is being injured by the imports of parts and components; (5) whether the domestic industry is importing the seven assemblies / sub-assemblies mentioned in notice dated 16<sup>th</sup> June 2023.
  - As per Rule 2(b) of the AD Rules, importers must be excluded from the definition of the domestic industry.
  - Another interested party has alleged that DOZCO has imported assemblies and sub-assemblies worth at least INR 27 crores from the subject countries and has over total purchase of around INR 200 crores during the period of investigation under HS codes 84314930 and 84314990.
  - The Petitioner has not considered such manufacturers as eligible domestic producers.
62. *Hyundai Everdigm Corp., and D and A Heavy Industries Co. Ltd.* have made the following submissions

regarding the standing of the domestic industry:

- a. The petitioner is importing and locally sourcing components, assemblies/sub-assemblies and merely assembling the same (with or without modification/precision machining) to manufacture fully assembled hydraulic rock breakers.
  - b. There are several other producers of hydraulic rock breakers (with or without chisel) in India. The Authority should determine the standing of the domestic industry by including the production quantities of such producers.
  - c. The applicant has not included the other producers of hydraulic rock breakers in their application.
  - d. The other producers of hydraulic rock breakers may not be suffering any injury at all due to the alleged dumping of the PUC.
  - e. The claim of the petitioner that they are making a value addition in the range of 80-90% to the raw materials, which no other manufacturer undertakes is not present in the petition.
  - f. 80-90% value addition criterion has never been a standard which has been adopted by the Authority in previous investigations. If this were the case, significant number of anti-dumping determinations would be considered bad in law.
  - g. Under Rule 25(2)(a)(ii), for the purpose of anti-circumvention investigations, value addition of 35% for an exporter is considered sufficient.
  - h. The standing of the domestic industry must be determined separately for each upstream product – namely, components, assemblies and sub-assemblies.
  - i. The applicant has not accounted for any captive consumption of the sub-assemblies, assemblies, or components.
  - j. The applicant is not manufacturing the components, assemblies, or sub-assemblies, and therefore, they cannot be considered as the ‘domestic industry’ of these upstream products.
  - k. If the applicant is manufacturing these components, it must be seen whether they are commercially sold in the market or not.
  - l. DOZCO has not provided a non-confidential summary of the manufacturing process, which makes it difficult for the interested parties to comment on the same.
  - m. In Proforma IVA and Format VI-1 of its application, DOZCO mentions the captive consumption of raw materials/components as ‘nil’, which indicates that DOZCO is either importing or locally sourcing its components, assemblies and sub-assemblies and merely assembling them, without modifications into fully assembled HRB.
  - n. As per the Manual of SOP, and the Ld. CESTAT’s decisions in *Oxo Alcohols* and *Technova Imaging*, the applicant should undertake manufacturing of the PUC to qualify as a ‘domestic industry’.
  - o. If DOZCO is not manufacturing assemblies/sub-assemblies or components, it cannot be considered as a domestic industry of these upstream products. If DOZCO is manufacturing sub-assemblies, assemblies or components, the standing needs to be determined individually for each category.
  - p. In the anti-dumping investigation concerning *Penicillin-G Potassium*, the Authority determined the standing of the domestic industry for the intermediate and final products separately.
  - q. In the anti-dumping investigation concerning *Rubber Chemicals*, different classes of a product were examined separately for examining the share of production of the applicant company.
63. *Eddie* made the following submissions regarding the scope of the domestic industry and standing:
- a. The Authority is legally obligated to conduct separate standing analysis for each item covered in the product scope.
  - b. This is not a case where PUC merely has different PCNs. There may be a scenario where for an individual item, DOZCO may not fulfil the standing requirement.
  - c. DOZCO is an importer of assemblies/sub-assemblies of rock breakers and does not qualify as a “domestic industry” in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.
  - d. According to market intelligence, DOZCO has imported a total of 54,234 pieces valued at CIF USD 38,28,694.
  - e. Imports of assemblies/sub-assemblies from the subject country by DOZCO is significant and cannot be

regarded as imports merely for research and development purposes.

- f. DOZCO is not the sole producer of the PUC in India. There are at least eighteen other manufacturers of hydraulic rock breakers in India.
  - g. The Authority must determine whether the applicant accounts for 25% of the total Indian production, and then whether DOZCO and its supporters constitute more than 50% of total domestic production in India.
  - h. Value addition or backward integration is not relevant in determining whether other Indian manufacturers of the PUC qualify as domestic industry.
  - i. In *EC – Salmon (Norway)*, the Panel held that “producers” means any enterprise which brings into existence any type of the PUC through mental or physical labour.
  - j. Even those producers who import certain parts of rock breakers and manufacture hydraulic rock breakers in India should be considered as a part of the domestic industry.
  - k. In the anti-dumping investigation on *Aluminium foil of 80 micron and below from China PR*, the producers who had imported raw materials were considered to be a part of the domestic industry.
64. *FINE and FYN* made the following submissions regarding the scope of the domestic industry and standing:
- a. No information has been provided by DOZCO regarding the imports of assemblies/sub-assemblies by DOZCO and other Indian producers.
  - b. During the oral hearing DOZCO’s counsel submitted that they are engaged in imports of sub-assemblies.
  - c. FINE and FYN are manufacturers of the PUC and it is false for DOZCO to claim that they are the sole producers of the PUC in India.
  - d. As per the decision of the Hon’ble Supreme Court in the case of *Delhi Cloth Mills*<sup>32</sup>, any process that results in change of either name, character or use must be construed as manufacturing process.
  - e. FINE and FYN are engaged in import as well as domestic procurement of various parts and assemblies thereof into PUC.
  - f. The raw materials manufactured by FINE and FYN undergo a substantial change in its name character and use by way of producing the finished goods. There is 10% to 40% value addition in the entire process.
  - g. Several other producers in India engaged in same or similar manufacturing process.
65. *Hansung* made the following submissions regarding the scope of the domestic industry and standing:
- a. The Authority must clearly determine whether there are any other domestic manufacturers of the assemblies and sub-assemblies.
  - b. DOZCO claims that it is the sole manufacturer with value addition of 80% of the PUC, whereas other entities import parts of rock breaker and assemble them in India.
  - c. The Income Tax Act, 1961, the Central GST Act, 2017, the Factories Act, 1948 and the Consumer Protection Act, 2019, does not take into account value addition while defining “manufacture”.
  - d. In the case of *CIT v. Tata Locomotive and Engineering Co*<sup>33</sup>, the Bombay High Court held that “manufacture” also includes assembly.
  - e. In Article 3.4 of the India-Korea CEPA, the Rules of Origin specify that goods not wholly obtained or produced within a country can also be considered to be originating from that country.
  - f. The petitioner’s contention that all other entities in India are not relevant since they only import and assemble parts is not relevant since they themselves import large quantities of assemblies and sub-assemblies.
  - g. The definition of manufacture can also include assembly depending on the product and will vary on a case-to-case basis.
  - h. DOZCO’s argument that no separate standing analysis should be conducted for assemblies and sub-assemblies is absurd since such an investigation is arbitrary and wholly untenable in law.
  - i. The support letters received from fourteen companies must not be accepted since it does not contain the information as prescribed in Trade Notices Nos. 13 and 14 of 2018.

<sup>32</sup> 1962 (10) TMI 1 – SC.

<sup>33</sup> (1968) 68 ITR 325 Bom.

**D.2 Submissions made on behalf of the domestic industry**

66. The applicant has made the following submissions regarding the scope of the domestic industry and its standing:
- a. The petitioner is the sole producer of the PUC and its parts in India, and therefore satisfies the requirements of Rules 2(b) and 5(3) of the AD Rules.
  - b. There may be entities which import parts of rock breakers and assemble them in India, however, such entities cannot be considered as manufacturers for the purpose of the present investigation.
  - c. In the SSR investigation pertaining to *Synchronous Digital Hierarchy Transmission Equipment from China and Israel*, the Authority has not defined domestic production based on the geographical location of the assembly.
  - d. The Authority has ruled that merely assembling a product from sub-assemblies does not qualify an importer as a domestic producer.
  - e. Standing of the domestic industry must be determined in relation to the PUC as a whole and not individual assemblies and sub-assemblies.
  - f. The definition of producers cannot be derived from other statutes like the GST Act, Factories Act and Income Tax Act.
  - g. In *EC – Salmon (Norway)*, the Panel held that all producers that bring a thing into existence constitutes a domestic producer.
  - h. In *SDH Transmission Equipment from China*, the Authority held that the meaning of production must be determined on a case-to-case basis.
  - i. DOZCO imports assemblies and sub-assemblies for research and development purposes only. The total imports of parts and components by the domestic industry are less than 2% of the total imports of the PUC in India.
  - j. From the best information available with the domestic industry, the other manufacturers are importing the assemblies and sub-assemblies and merely assembling them in India.
  - k. The definition of domestic producers cannot be so broad to include importers of the subject goods. Such an interpretation would inherently lead to an absurdity in law specifically in anti-dumping investigations involving capital goods.
  - l. FINE and FYN who are merely engaged in assembling various assemblies and sub-assemblies of a rock breakers cannot be considered as manufacturer.
  - m. In capital goods investigation, the Authority is not under any obligation to individually examine domestic industry for each part which goes into capital goods as observed by the Authority in the anti-dumping investigation concerning SDH equipment.

**D.3 Examination of the Authority.**

67. The Authority notes that the following two issues arise for consideration:
- a. Whether applicant satisfies the ‘standing test’?
  - b. Whether in view of the imports made by the applicant, the applicant constitutes domestic industry in terms of Rule 2(b)?

**D.3.1 Whether applicant satisfies the ‘standing test’?**

68. Rule 5(3) (a) of the AD Rules, 1995 lays down the following:

*“(3) The designated authority shall not initiate an investigation pursuant to an application made under sub-rule (1) unless –*

*(a) it determines, on the basis of an examination of the degree of support for, or opposition to the application expressed by domestic producers of the like product, that the application has been made by or on behalf of the domestic industry;*

*Provided that no investigation shall be initiated if domestic producers expressly supporting the application account for less than twenty-five per cent of the total production of the like article by the domestic industry, and . . .*

*Explanation. - For the purpose of this rule the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output*

*constitute more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application.”*

69. Other interested parties submitted that DOZCO is not the sole producer of the PUC in India, and there are several others that are manufacturing the product by way of assembling assemblies/sub-assemblies and components in India. If their production is also accounted for, the domestic industry would not satisfy the standing requirement.
70. DOZCO submitted that the other alleged producers of the PUC in India are not ‘producers’ in the true sense of the term, but are importers that merely assemble the goods in India and sell the same. DOZCO claims that it is the only producer of hydraulic rock breakers in India that account for [\*\*\*]% value addition, whereas all other producers have very minuscule value addition in their products since they merely import parts and assemble the same. DOZCO relies on the findings of the Authority in SDH Transmission Equipment from China to support its contention.
71. The other interested parties counter DOZCO’s claim by stating that value addition of production is immaterial in determining the standing of the domestic industry. According to them, to ‘manufacture’ and to ‘produce’ also means to ‘assemble’. Therefore, any entity that assembles is also a manufacturer of the PUC.
72. The Authority notes the concerns of the other interested parties that the definition of the ‘domestic industry’ requires a closer inspection, and it must be seen whether the other alleged producers of the PUC satisfy the requirements of Rule 2(b). However, any determination as to whether DOZCO fulfils the requirements of Rule 2(b) in the light of these claims can only be made if there is any verifiable information regarding the total domestic production in India.
73. The Authority notes that none of the other interested parties have provided any reliable estimate as to the total domestic production of the PUC in India. Eddie, D&A, Everdigm, FINE and FYN have merely mentioned the names of some other alleged producers of the PUC, however, have not provided any further information. However, none of the interested parties have provided any verifiable data as to whether or not these alleged other producers have manufacturing facilities that enable them to produce the PUC in India or whether they are merely traders and importers of the subject goods, who assemble the goods in India and resell it in the market. The other interested parties have also not provided any information on whether these other alleged producers are engaged in imports, and if so, to what extent. Even if it is assumed that all these other alleged producers of the PUC are in fact engaged in production of the PUC, the Authority would require information regarding the production of these entities. However, none of the other interested parties have provided even the basic information regarding the production output of these other alleged producers of the PUC. Further no alleged producer of the PUC has come forward to provide information regarding its status.
74. Merely providing a list of entities and claiming they are producing the PUC is insufficient. A party intending to dispute the standing of the domestic industry must, at the very least, provide basic information which, even if not complete, would allow the Authority to draw reasonable inferences or make assumptions. The claims regarding standing made by the other interested parties remain mere allegations and conjectures that are not backed by any evidence whatsoever. In the absence of such information, any discussion on these legal issues remains academic at best.
75. FINE and FYN, in their post-oral hearing written submissions, have claimed that they import and assemble various parts, components, assemblies and sub-assemblies and sell the PUC in India, with value addition of \*\*\*. FINE and FYN, therefore, claim that they must be considered as domestic producers of the PUC. The Authority notes that Fine and FYN have both filed the appendices to the importer questionnaire issued by the Authority. Moreover, in their responses to the economic interest questionnaire, they claim to be importers of the PUC. This admission of their status itself disqualifies them from claiming to be domestic producers. Further, the Authority had circulated a questionnaire for “other domestic producers” to provide information. However, none of the other alleged producers or FYN and FINE have provided information as “other domestic producer”, as is requested by the Authority after the initiation of the investigation.
76. Furthermore, FINE and FYN have claimed the status of a domestic producer only at the stage of oral hearing. This claim is an afterthought and not substantiated with relevant evidence as required under AD Rules, 1995. Therefore, in view of the above and FINE and FYN’s admission as an importer, the Authority has not considered FINE and FYN as producers of the PUC.
77. Given that no interested party has provided any information regarding the total domestic production, the Authority is constrained to apply facts available to determine the standing of the domestic industry. Since there is no verifiable information that the other entities are engaged in the production of the PUC, the Authority, on the basis of facts available, holds that DOZCO constitutes more than 25% of the total domestic production of the PUC in India.

**D.3.2 Whether in view of the imports made by the applicant, the applicant constitutes domestic industry in terms of Rule 2(b)?**

78. Rule 2(b) of the AD Rules, 1995 defines domestic industry as under:

*“(b) ‘domestic industry’ means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.*

79. The other interested parties have raised serious claims that DOZCO has imported large volumes of the PUC from the subject countries. DOZCO submitted that its imports account for 2% of the total domestic demand in India and have merely imported the PUC for research and development purposes.

80. Rule 2(b) of the AD Rules, 1995 lays down that in situations wherein a domestic producer or its related party has made imports of the subject goods from the subject countries, the Authority may not consider such a producer as an eligible domestic producer.

81. The Authority recalls that under Rule 2(b) of the AD Rules, 1995, a domestic producer may be excluded from the scope of the ‘domestic industry’ if it is an importer of the subject goods from the subject country or it is related to any exporters or importers of the alleged dumped goods. The use of the word ‘may’ in Rule 2(b) of the AD Rules, 1995 suggests that the Authority has the discretion to even include the domestic producers that are also importers of the subject goods into India within the scope of the ‘domestic industry’, or that are related to exporters or importers of the subject goods.

82. In the case of *Gujarat Fertilizers & Chemicals Ltd.*,<sup>34</sup> the High Court of Calcutta observed that the question of whether a domestic producer which has imported the subject goods is disqualified from the scope of ‘domestic industry’ under Rule 2(b) of the AD Rules must be examined based on the nature of activities carried out by the domestic producer with respect to the imports made by it.

83. The Authority notes the serious concerns expressed by the other interested parties. During the oral hearing DOZCO stated that it has imported miniscule quantities of the assemblies and sub-assemblies. FEEL, Soosan, DAEMO and Ningbo provided transaction-wise details of the imports made by DOZCO under HSN 84314990 and 84314930 during the POI from the subject countries. Eddie also provided the quantum and volume of PUC and NPUC (non-PUC) imports made by DOZCO. The investigation team directed DOZCO to comment on the same and requested DOZCO to identify which transaction involved imports of the PUC.

84. DOZCO filed its response, wherein it identified the transactions pertaining to the PUC and the NPUC. The investigating team verified the response filed by DOZCO regarding this import statement. Based on DG systems data and import data provided by DOZCO, it is noted that DOZCO had imported [\*\*\*] MT of the subject goods from the subject countries.

85. DOZCO claimed that almost [\*\*\*%] of the imports made by it were meant for research and design. It further claimed that it was forced to import the rest of the volume due to competition from low-priced imports from the subject countries, which impact its ability to produce such assemblies and sub-assemblies.

86. In the case of *Gujarat Fertilizers & Chemicals Ltd.*, the High Court of Calcutta noted that an applicant, which imported 15% of the total production of the PUC, was not disqualified from the meaning of the domestic industry in terms of Rule 2(b) since the essential character of the applicant had not changed. The Authority notes that DOZCO had imported [\*\*\*] MT. The imports made by DOZCO (other than for R&D) constitute only about 1% of the total domestic demand of hydraulic rock breakers in India. Imports are insignificant in relation to the total domestic demand in India.

87. DOZCO has explained that it was forced to import the subject goods due to aggressive dumping of the subject goods by exporters from the subject countries. Further, DOZCO has imported only assemblies and sub-assemblies. DOZCO does not resell these assemblies and sub-assemblies for trading, but rather uses the same for manufacturing hydraulic rock breakers. DOZCO, therefore, cannot be considered to be a trader of imported goods. Hence the essential characteristic of DOZCO as a manufacturer has not changed. In this regard, it may be noted that Eddie, D&A, Everdigm, Hansung, Fine and FYN have submitted that entities that import assemblies, sub-assemblies and components and assemble the same must be considered as manufacturers of Hydraulic Rock Breakers in India. However, Fine and FYN have admitted that they are importers of the PUC and have not filed relevant information with the Authority pertaining to other domestic producers. Accordingly, for the reasons stated above, the Authority holds as follows:

<sup>34</sup> *State of Gujarat Fertilizers & Chemicals Ltd. v. Designated Authority and Ors.*, 2012 SCCOnLine Cal 8071.

- a. On the basis of facts available with the Authority, DOZCO constitutes at least 25% of the total domestic production in India; and
- b. DOZCO satisfies the definition of ‘domestic industry’ in terms of Rule 2(b) of the Rules.

\*\*\*\*

## E CONFIDENTIALITY

### E.1 Submissions made by the other interested parties

88. DAEMO Engineering Co. Ltd., Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd., Soosan Heavy Industries Co., Ltd., and FEEL Industrial Engineering Co. Ltd. have made the following submissions with regard to confidentiality:

- a. The non-confidential version of the petition does not allow for a reasonable understanding of the allegations contained therein.
- b. The purpose of Rule 7 of the AD Rules is to enable all interested parties in an anti-dumping investigation sufficient understanding of the information provided on a confidential basis.
- c. The petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the AD Rules, read with Trade Notice No. 1/2013 dated 9<sup>th</sup> December 2013.
- d. The domestic industry has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition regarding the costing information, annual reports/financial statements, even though the same are available on the MCA portal.
- e. The defence of all parties cannot be fully exercised since significant data provided in the petition is not properly indexed or provided in the non-confidential version.

89. Eddie has submitted as follows with regard to confidentiality:

- a. The applicant failed to disclose the necessary information as prescribed in the AD Rules and trade notices.
- b. The applicant has failed to provide non-confidential information as to write-up on the manufacturing process, names of raw materials used, country-wise estimates of normal value and NIP calculation.
- c. Eddie has provided the non-confidential version of its EQR with all interested parties, including the applicant.

90. Everdigm and D&A has submitted as follows with regard to confidentiality:

- a. In *Sterlite Industries (India) Ltd. v. Designated Authority*, the Supreme Court held that confidentiality is not something which must be automatically assumed.
- b. In *Reliance Industries v. DA*, the Supreme Court held that the DA is vested with the obligation to evaluate whether or not the claim for confidentiality is justified.
- c. DOZCO has claimed excess confidentiality in its application on figures related to R&D, Expenses, Funds Raised, NIP, etc. DOZCO has failed to comply with trade notice no 10/2018.
- d. Excess confidentiality does not provide the Respondents an adequate opportunity to properly defend themselves.
- e. The Authority may closely verify the basis of allocation of assets, current liabilities and resultant impact on depreciation, ROCE, and NIP.

### E.2 Submissions made by the domestic industry

91. DOZCO submitted as follows with regard to confidentiality:

- a. Eddie, Volvo, JCB India and Fine Equipments have not circulated the non-confidential versions of their submissions.
- b. Despite the fact that the unit of measurement is MT, parties have provided information in pieces.
- c. The non-confidential version of the submissions of interested parties are deficient in terms of trade notice no. 10/2018.
- d. The Authority has already issued a deficiency notice to the NCV petition filed by DOZCO, and DOZCO has duly complied with the same.

### E.3 Examination of the Authority

92. With regard to the confidentiality of the information/data submitted by the interested parties, Rule 7 of the AD

Rules provides as follows:

**7. Confidential information:** (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and subrule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."

93. The information and data submitted by the interested party and the domestic industry on a confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested party. Wherever required, parties providing information on a confidential basis were directed to provide a sufficient non-confidential version of the information filed by them on a confidential basis. The Authority repeatedly directed all parties to share the non-confidential version of their submissions through e-mails.
94. DOZCO had incorrectly established the trend figures. The same was rectified after it was directed to do so at the stage of oral hearing and DOZCO circulated the same to all other interested parties.

\*\*\*\*

## F MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

### F.1 Submissions made by the other interested parties

95. DAEMO Engineering Co. Ltd., Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd., Soosan Heavy Industries Co., Ltd., and FEEL Industrial Engineering Co. Ltd. have made the following submissions regarding miscellaneous issues:
  - a. The applicant, in the oral hearing claimed that it has been facing significant losses throughout the injury period and the POI except in the previous year 2020-21. The indexed data filed by the domestic industry in its NCV application does not show this. Rather, it shows huge profits in all years except 2020-21.
  - b. The applicant has made an error in the indexation methodology hence there is a different economic outlook in all parameters. In view of this the producer/exporter must be directed to correct the non-confidential petition and clarify the errors.
  - c. The Authority must hold a 2<sup>nd</sup> Oral Hearing once the correct NCV has been circulated.
  - d. The data provided by the domestic industry is for the period April to June 2021, whereas the POI is from 1<sup>st</sup> April 2021 to 31<sup>st</sup> March 2022.
  - e. During the oral hearing, DOZCO submitted that they have included parts and components within the import data. the inclusion of parts and components within the total import data has skewed the import volumes and import prices.
  - f. Parts and components are almost 30 to 40% lower in price and therefore, it appears that there is an increase in volumes at reduced prices.
  - g. The domestic industry has not disclosed the methodology for conversion of the import data from pieces into MT.
  - h. The domestic industry has applied some arbitrary basis which has resulted in incorrect and inflated import volume at distorted prices.
  - i. Exporters do not maintain weight wise data of parts and components sold by them.
  - j. The letters of support filed by the Petitioner in their written submissions must not be considered by the Authority at this stage since it does not contain information in the prescribed format.
96. Hansung has made the following submissions regarding miscellaneous issues:



- a. The petitioner itself has not reported the data according to the PCN methodology. The domestic industry has not revised its original application in the light of the PCN notification.
  - b. The Authority must consider the unit price data of the PUC per kg and not per piece for comparing the unit price of PUC.
  - c. The price of chisels sold by Hansung in the domestic markets and the export price are considerably different in the case of price per unit due to variance in lengths.
  - d. For fair comparison the PUC must be compared by unit price per kg.
  - e. The Petitioner has not reported data according to the PCN Methodology. The petitioner revised its data submissions, but has not separately included data concerning assemblies/sub-assemblies.
  - f. The data provided by the Petitioners is incomplete for the purpose of a fair comparison.
  - g. The import data considered by the Petitioner is from unreliable sources.
97. FINE and FYN made the following miscellaneous submissions:
- a. Levy of anti-dumping duties will increase the cost of goods sold by importers. It is unlikely that such costs will be borne by downstream users.
  - b. Importers will bear the costs and are likely to be wiped out.
  - c. If the downstream industry absorbs the increase in costs, the industry would be forced to increase the price of its services, leading to inflated costs of infrastructure development.
  - d. The PUC is installed as an accessory/tool over the main machinery to perform a specific function. There is no alternative to the PUC.
  - e. The PUC is prone to high wear and tear. These items are imported frequently for replacement. Any increase in cost is highly detrimental to the end users.
  - f. Tools and parts are specifically designed and developed by each manufacturer to fit respective design of rock breakers. Tools and parts of one manufacturer is not interchangeable with others.
  - g. Chisels are custom made as per specification and design of the rock breakers and cannot be mass produced.
  - h. Aftersales support offered by manufacturers are an important component of the business of manufacturers. The goods require frequent aftersales support due to high wear and tear. A buyer has to think about the ability of manufacturers to be able to provide efficient services across the country since any delay/non-availability of services can obstruct the entire equipment and machinery.
  - i. Price is not the only factor influencing buying decisions.

## **F.2 Submissions by the domestic industry**

98. No contesting miscellaneous submissions have been made by the domestic industry.

## **F.3 Examination of the Authority**

99. As regards the non-reliability of the import data submitted by the applicant, the Authority has examined the import data provided by DG Systems and not the third-party information provided by the applicant. Further, wherever there were errors or discrepancies in the information provided by the parties, the Authority has directed all parties to rectify the same and circulate a non-confidential version to all other parties.
100. Interested parties further submitted that due to the differences in prices of different parts of hydraulic rock breakers and the rock breakers themselves, there would be unfair price comparison. In this regard, the Authority has already addressed concerns of unfair price comparison above. The Authority reiterates that the unit of measurement adopted for the present investigation is MT and not 'pieces' or 'units'. Therefore, when the Authority undertakes comparison for the purpose of determining the dumping margin, the export price and normal value are compared on a weighted average basis (price per MT and not price per piece). The comparison is not happening on a per unit basis. Therefore, the prices of individual assemblies and sub-assemblies have not been compared to the prices of individual hydraulic rock breakers. Price variations among units of different assemblies and the fully assembled hydraulic rock breakers does not affect price comparability since the comparison is made on a weighted average basis.

**G MARKET ECONOMY TREATMENT (MET), NORMAL VALUE, EXPORT PRICE & DETERMINATION OF DUMPING MARGIN**

**G.1 Market Economy Treatment (MET) and Normal Value**

**G.1.1 Submissions of the other interested party**

101. Eddie made the following submissions regarding market economy treatment and normal value:

- a. The Authority should follow the principle of fair comparison as per Article 2.4 of the AD Agreement and Para 6(i) of Annexure-I to the AD Rules to determine the normal value, export price and dumping margin.
- b. The cost of assembly/sub-assembly of rock breaker is different from fully assembled rock breaker.
- c. Each assembly requires different moulding, heat treatment and raw materials. The cost would also be different from the cost of fully assembled rock breakers as an assembled rock breaker is made from several components and assemblies/sub-assemblies, each with a different costs structure.
- d. The Authority should compare the assemblies/sub-assemblies of rock breakers separately from a fully assembled rock breaker.
- e. Eddie has completely cooperated with the Authority in the investigation and must be granted a cooperative rate in this investigation.

**G.1.2 Submissions of the domestic industry**

102. The domestic industry has made the following submissions with respect to the market economy treatment and normal value:

- a. D&A has filed an exporter questionnaire response, however failed to file the importer questionnaire response for its related importing entity, EPIROC. Therefore, D&A's response must be rejected.
- b. DAEMO's related entity in India, DAEMO Engineering India Pvt. Ltd. has not filed the importer questionnaire response. Therefore, DAEMO's response must be rejected.
- c. Parties have provided information of PCN in pieces, when clear instructions were provided that the unit of measurement is MT.
- d. The normal value of Chinese producers/exporters must be computed on the basis of paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules since China PR is a Non-Market Economy.
- e. Certain exporter/producers of the goods have not cooperated with the Authority, the Authority must treat them as non-cooperating and reject their questionnaire response.

**G.1.3 Examination by the Authority**

103. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when destined for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either –*
  - (a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
  - (b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under subsection (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

104. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have co-operated in this investigation by filing the questionnaire response:

- a. Daemo Engineering Co. Ltd.
- b. Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd.
- c. Soosan Heavy Industries Co., Ltd.
- d. FEEL Industrial Engineering Co. Ltd.
- e. Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd.
- f. Hansung Special Machinery Co. Ltd.
- g. Hyundai Everdigm Corporation
- h. D and A Heavy Industries Co., Ltd.

105. The normal value and export price for all producers / exporters from the subject countries have been determined as below.

#### ***G.1.3.1 Normal Value and Export Price of Producers/Exporters from China PR***

106. Article 15 of China's Accession Protocol to the WTO provides as follows:

*"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:*

*(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*

*(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*

*(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*

*(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*

*(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*

*(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

107. The treatment of China PR as a non – market economy does not solely stem from Article 15 (a) (ii) –but also flows from the remaining text of Article 15 i.e., subparagraph (a), as well as the broader rules set forth in Article VI of GATT 1994<sup>35</sup> and Article 2.2.1.1 of the WTO Anti-Dumping Agreement. As per the current

<sup>35</sup> See Second [AdNote](#) to GATT Article VI from Annex I, which reads as under:

international framework emerging from Article 15 of China's Accession Protocol, read with GATT Article VI and Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement, there are no restrictions in treating China PR as non-market economy. It is noted that although Article 15 (a)(ii) has expired, Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement read with the Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol to the WTO indicate that producers/exporters from China PR may be required to prove that market economy conditions exist in China PR. Further, paragraph 8 of Annexure I to the AD Rules stipulates that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy country, is presumed to be a non-market economy. Exporters from such country may rebut such a presumption by providing information/evidence stipulated in paragraph 8(3) of Annexure-I to the AD Rules in the form of a response to the supplemental questionnaire issued by the Authority. Therefore, the burden is on the producers/exporters to prove that Market Economy Conditions prevail in the subject country.

108. The Authority has a consistent practice of treating China PR as a Non-Market Economy. It is noted that since the responding producers/exporters from China PR has not filed a response to Market economy treatment/Supplementary questionnaire to dispute the presumption that market economy conditions exist in China PR, the normal value computation is required to be done as per the provisions of paragraph 7 of Annexure I of the Rules, which reads as under:

*"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."*

109. It is noted that paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules stipulate three methods of constructing the normal value for non-market economies: (a) on the basis of price or constructed value in a market economy third country; (b) export price from a third country to other countries, including India; and (c) on any other reasonable basis. The Authority notes that under the provisions of paragraph 7 of Annexure-I to the AD Rules, the normal value must first be determined on the basis of the price or constructed value in a surrogate country, or the price of the exports from such country to other countries, including India. However, when such basis is not possible, only then the Authority can determine the normal value on any other reasonable basis, including the price paid or payable in India.<sup>36</sup>
110. It is to be noted that no information/evidence has been provided by the parties for the construction of the normal value on the basis of the first and the second methods. There is no data available with respect to the price or constructed value of the subject goods produced in a market economy third country. Further, the HS code under which the PUC is being imported also includes other products which are not covered in the scope of the PUC. Therefore, extrapolating the export price of the subject goods from third country to other countries is not possible since the export data for the relevant HS code under which the PUC is being imported also includes other products which are not covered in the scope of the PUC. There is also no public data available with the Authority to determine the normal value from the above two methods. In the absence of the above information/evidence, it is not possible for the Authority to determine normal value on the basis of the first or second method. Therefore, the Authority has decided to construct normal value for all exporters/producers from China PR based on the third method, i.e., on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India. The Authority has constructed the normal value on the basis of the price paid or payable in India.

---

*2. It is recognized that, in the case of imports from a country which has a complete or substantially complete monopoly of its trade and where all domestic prices are fixed by the State, special difficulties may exist in determining price comparability for the purposes of paragraph 1, and in such cases importing contracting parties may find it necessary to take into account the possibility that a strict comparison with domestic prices in such a country may not always be appropriate.*

<sup>36</sup> See *Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd. v. Exide Industries Ltd. & Ors.*, (2005) 3 SCC 39, paragraph 7.

***G.1.3.2 Normal Value and Export Price of Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd.****- Normal Value*

111. The normal value for Ningbo has been computed on the basis of the principles explained in relevant paragraphs above.

*- Export price*

112. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that Ningbo is a producer and exporter of the subject goods from China PR. Ningbo has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers (including assemblies and sub-assemblies) directly to its unrelated customers in India and \*\*\* MT of Chisels directly to its unrelated customers in India during the POI. Ningbo provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of inland transportation, and port and other expenses. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by Ningbo and examined Ningbo's claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Ningbo has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.3 Normal Value and Export Price of Yantai Eddie Precision Machinery Co. Ltd.****- Normal Value*

113. The normal value for Eddie has been computed on the basis of the principles explained in the relevant paragraphs above.

*- Export price*

114. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that Eddie is a producer and exporter of the subject goods from China PR. Eddie has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers (including assemblies and sub-assemblies) directly to its unrelated customers in India and \*\*\* MT of chisels directly to its unrelated customers in India during the POI. Eddie provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, and bank charges. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by Eddie and examined Eddie's claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Eddie has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.4 Normal Value and Export Price of non-cooperating producers/exporters from China PR****- Normal Value*

115. The normal value for non-cooperative producers/exporters from China PR has been computed on the basis of the principles explained in the relevant paragraphs above.

*- Export price*

116. The Authority has determined the export price for non-cooperating producers/exporters from China PR after considering the volume and value of imports based on data of cooperating producers from China PR. Adjustments have been made for ocean freight, inland freight, insurance, handling charges, commission, and bank charges. The export price so determined is stated in the below – mentioned dumping margin table.

***G.1.3.5 Normal Value and Export Price of Producers/Exporters from Korea RP******G.1.3.6 Normal Value and Export Price of DAEMO Engineering Co. Ltd.****- Normal Value*

117. Based on the verified information furnished in the exporter's questionnaire response and supplementary questionnaire responses, the Authority notes that DAEMO is a producer of the subject goods. It has exported the subject goods to India during the period of investigation to unrelated customers. The producer sells the subject goods to unrelated customers in the domestic market directly. DAEMO has sold \*\*\* MT of hydraulic rock breakers. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. Where the profit-making transactions for the subject goods were found to be more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. However, DAEMO has not passed the ordinary course of trade test and therefore, only profitable transactions have been considered. All adjustments claimed by the producer were

found to be valid and therefore allowed. The normal value determined is mentioned in the dumping margin table.

- *Export price*

118. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that DAEMO is a producer and exporter of the subject goods from Korea RP. DAEMO has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers (including assemblies and sub-assemblies) directly to its unrelated customers in India during the POI. DAEMO provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, and bank charges. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by DAEMO and examined DAEMO's claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for DAEMO has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.7 Normal Value and Export Price of Soosan Heavy Industries Co., Ltd.***

- *Normal Value*

119. Based on the verified information furnished in the exporter's questionnaire response and supplementary questionnaire responses, the Authority notes that Soosan is a producer of the subject goods. It has exported the subject goods to India during the period of investigation to unrelated customers. The producer sells the subject goods to unrelated customers in the domestic market directly. It has sold \*\*\* MT of hydraulic rock breaker and \*\*\* MT of chisels in its domestic market. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. Where the profit-making transactions for the subject goods are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. However, Soosan has not passed the ordinary course of trade test and therefore, only profitable transactions have been considered. All adjustments claimed by the producer were found to be valid and therefore, allowed. The normal value determined is mentioned in the dumping margin table.

- *Export price*

120. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that Soosan is a producer and exporter of the subject goods from Korea RP. Soosan has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers (including assemblies and sub-assemblies) directly to its unrelated customers in India and \*\*\* MT of chisels directly to its unrelated customers in India during the POI. Soosan provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, and bank charges. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by Soosan and examined Soosan's claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Soosan has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.8 Normal Value and Export Price of FEEL Industrial Engineering Co. Ltd.***

- *Normal Value*

121. Based on the verified information furnished in the exporter's questionnaire response and supplementary questionnaire responses, the Authority notes that FEEL is a producer of the subject goods from Korea RP. It has exported the subject goods to India during the period of investigation to unrelated customers. The producer sells the subject goods to unrelated customers in the domestic market directly. It has sold \*\*\* MT of hydraulic rock breakers in its domestic market. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. Where the profit-making transactions for the subject goods are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. However, FEEL has not passed the ordinary course of trade test and therefore, only profitable transactions have been considered. All adjustments claimed by the producer were found to be valid and therefore, allowed. The normal value determined is mentioned in the dumping margin table.

- *Export price*



122. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that FEEL is a producer and exporter of the subject goods from Korea RP. FEEL has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers (including assemblies and sub-assemblies) directly to its unrelated customers in India. FEEL provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, and bank charges. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by FEEL and examined FEEL's claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for FEEL has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.9 Normal Value and Export Price of Hansung Special Machinery Co. Ltd.***

*- Normal Value*

123. Based on the verified information furnished in the exporter's questionnaire response and supplementary questionnaire responses, the Authority notes that Hansung is a producer of chisels. It has exported the subject goods to India during the period of investigation to unrelated customers. The producer sells the subject goods to unrelated customers in the domestic market directly. It has sold \*\*\* MT of chisels in its domestic market. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. Where the profit-making transactions for the subject goods are more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. However, Hansung has not passed the ordinary course of trade test and therefore, only profitable transactions have been considered. All adjustments claimed by the producer were found to be valid and therefore, allowed. The normal value determined is mentioned in the dumping margin table.

*- Export price*

124. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that Hansung is a producer and exporter of the chisels from Korea RP. Hansung has exported \*\*\* MT of Chisels directly to its unrelated customers in India during the POI. Hansung provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, packaging costs, brokerage fees, bank charges, loading expenses and credit export insurance. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by Hansung and examined Hansung claims and accordingly, the claims have been allowed. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Hansung has been determined after allowing the due adjustments and the same is mentioned in the dumping margin table below.

***G.1.3.10 Normal Value and Export Price of Hyundai Everdigm Corp.***

*- Normal Value*

125. Based on the verified information furnished in the exporter's questionnaire response and supplementary questionnaire responses, the Authority notes that Everdigm is a producer of hydraulic rock breakers and chisels. It has exported the subject goods to India during the period of investigation to unrelated customers. The producer sells the subject goods to unrelated customers in the domestic market directly. It has sold \*\*\* MT of hydraulic rock breaker in its domestic market. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. Where the profit-making transactions for the subject goods is more than 80%, all transactions in the domestic sales are being considered for the determination of normal value and in cases profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are being taken into consideration for the determination of the normal value. However, Everdigm has not passed the ordinary course of trade test and therefore, only profitable transactions have been considered. All adjustments claimed by the producer were found to be valid and therefore, allowed. The normal value determined is mentioned in the dumping margin table.

*- Export price*

126. Based on the information furnished in the exporter questionnaire response and supplementary questionnaire response, the Authority notes that Everdigm is a producer and exporter of the chisels from Korea RP. Everdigm has exported \*\*\* MT of hydraulic rock breakers directly to its unrelated customers in India during the POI. Everdigm provided the relevant information in the form and manner required and has claimed adjustments on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expenses, credit cost, packaging costs, brokerage fees, bank charges, loading expenses and credit export insurance. The Authority has undertaken desk verification of the information submitted by Everdigm and examined Everdigm

#### *G.1.3.11 Normal Value and Export Price of D and A Heavy Industries Co. Ltd.*

DUMPING MARGIN TABLE – HYDRAULIC ROCK BREAKER						
SN	Producer	Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
Korea RP						



DUMPING MARGIN TABLE – HYDRAULIC ROCK BREAKER						
SN	Producer	Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
1.	DAEMO Engineering Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20
2.	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	<i>de minimis</i>
3.	FEEL INDUSTRIAL ENGINEERING CO. LTD.	***	***	***	***	0-10
4.	Hyundai Everdigm Corporation	***	***	***	***	10-20
5.	D and A Heavy Industries Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	<i>de minimis</i>
6.	Any producer	***	***	***	***	50-60
China PR						
1.	NINGBO YINZHOU GET MACHINERY LTD.	***	***	***	***	20-30
2.	Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd	***	***	***	***	130-140
3.	Any producer	***	***	***	***	170-180

DUMPING MARGIN TABLE – CHISEL						
SN	Producer	Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
Korea RP						
1.	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	<i>de minimis</i>
2.	HANSUNG SPECIAL MACHINERY CO., LTD.	***	***	***	***	10-20
3.	Any producer	***	***	***	***	10-20
China PR						
1.	Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd.	***	***	***	***	10-20

DUMPING MARGIN TABLE – CHISEL						
SN	Producer	Normal Value (USD/MT)	Net Export Price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
2.	Any producer	***	***	***	***	20-30

## I METHODOLOGY OF INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK

### I.1 General Miscellaneous Submissions

#### I.1.1 Submissions of the domestic industry

132. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. A literal reading of the initiation notification makes it abundantly clear that assemblies/sub-assemblies were included within the scope of the present investigation. Paragraph (ii) of Annexure-8 clearly states that import data has been segregated considering rock breaker, rock breaker assemblies/sub-assemblies and parts. Thus, assemblies and sub-assemblies have been included in the import data and domestic industry's parameters since the inception of the investigation.<sup>37</sup>
- b. Certain interested parties have requested the Authority to carry out separate injury analysis for each sub-assemblies and assemblies. This position is not supported by the past practice<sup>38</sup> of the Authority. Assemblies/sub-assemblies of rock breakers are not a separate product but rather a different form of the product. It is submitted that the objective behind including assemblies/sub-assemblies in the initiation notification was to ensure that exporter producers do not shift trade patterns and circumvent duties once levied. Therefore, separate analysis of injury for sub-assemblies and assemblies is not warranted.<sup>39</sup>
- c. Further, injury for rock breakers and chisels have already been analysed individually.<sup>40</sup>
- d. The applicant has provided sufficient evidence on record to establish dumping, injury and causal link between the dumped imports and injury to the applicant. The applicant requests the Authority to objectively examine the facts and evidence on record and recommend the imposition of duties.<sup>41</sup>
- e. Even if certain parameters do not reflect a deteriorating state, the same cannot be the sole ground to conclude that the domestic industry is not suffering from injury.<sup>42</sup> The same has been upheld by the Hon'ble CESTAT in *Reliance Industries v. Designated Authority*. While assessing injury, the Authority is required to analyse and assess all domestic industry parameters and not isolate a single parameter.<sup>43</sup>

#### I.1.2 Submissions of the other interested parties

133. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. As per the applicant's import data segregation methodology<sup>44</sup> 'rock breaker parts' were not included in the

<sup>37</sup> Para 54 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>38</sup> *Sunset Review of anti-dumping duty imposed on the imports of Synchronous Digital Hierarchy Transmission Equipment originating in or exported from China PR and Israel; Anti-Dumping Investigations concerning import of Compact Fluorescent Lamps originating in or exported from China PR, Sri Lanka and Vietnam; Anti-dumping investigation concerning imports of "Castings for Wind Operated Electricity Generators, whether or not machined, in raw, finished or sub-assembled form, or as a part of a sub-assembly, or as a part of an equipment/component meant for wind-operated electricity generators; Solar cells weather or not assembled partially or fully in Modules from China PR, Chinese Taipei & USA* (as cited by DOZCO in its Written Submissions).

<sup>39</sup> Para 58 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>40</sup> Para 47 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>41</sup> Para 46 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>42</sup> Para 57 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>43</sup> Para 58 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>44</sup> Annexure 8 of DOZCO's application: "The methodology is extracted below:

"Following methodology has been used for segregation of import data:

(i) Petitioner has sought import data of PUC by examining the description of each line item given in the HS Code classification for the subheadings 84314930 and 84314990.

- product scope. Therefore, the applicant's claim that assemblies/sub-assemblies have been included in the product scope is baseless.<sup>45</sup>
- b. The import data provided by the domestic industry is not reliable.<sup>46</sup> The subject goods are imported in Pcs/Nos. However, the domestic industry has mentioned the data in MT. The domestic industry has not even mentioned that at least 50% of the import transactions had weight as the defined unit of measurement in the computation of data.<sup>47</sup>
  - c. The domestic industry has not even defined the methodology used for the conversion of Pcs/Nos into MT. The usage of a non-defined conversion methodology could inflate the import volume and distort the import price. The Authority should not use the import data relied upon by the domestic industry.<sup>48</sup>
  - d. The Authority must carry out the injury analysis separately for hydraulic rock breaker, chisel and assemblies/sub-assemblies. The domestic industry has shared data only at the stage of final product i.e. hydraulic rock breaker and chisel and thus, data presented by them lacks objectivity.<sup>49</sup>
  - e. Fully assembled rock breakers are different products compared to their assemblies and sub-assemblies in terms of end-use and prices. The assemblies and sub-assemblies are manufactured separately and then used for assembling hydraulic rock breakers and therefore, the Authority should conduct a separate dumping and injury examination for assemblies and sub-assemblies.<sup>50</sup> The Authority is required to adhere to the principle of fair comparison enshrined in Art. 2.4 of the Agreement on Anti-dumping, which is equally applicable to the calculation of injury margin.<sup>51</sup>
  - f. Assemblies/sub-assemblies are not part of the PUC and therefore, injury examination should be restricted to alloy steel chisels and rock breakers.<sup>52</sup>
  - g. The applicant needs to provide information pertaining to import of assemblies/ sub-assemblies in its application. Thus, Eddie cannot comment on whether the applicant is suffering injury because the product scope was enlarged at later stages of the investigation.<sup>53</sup> DOZCO has not provided an updated application till the stage of the oral hearing, taking into account the enlarged scope of the PUC.<sup>54</sup>
  - h. The Panel in *EC - Norway*<sup>55</sup> has observed that grouping multiple products into a single PUC has severe repercussions throughout the investigation, complicating the task of collection and evaluation of data complex. The Authority is, therefore, requested to follow its past practice in *Rubber Chemicals*<sup>56</sup> and *Penicillin-G Potassium*<sup>57</sup> and examine injury of the assemblies and sub-assemblies separately.<sup>58</sup>

(ii) *PUC has been identified on the basis of its name and its description, i.e. rock breaker, rock breaker parts and chisel.*

(iii) *Product description such as hydraulic rock breaker, JSB 50S, Atlas hydraulic breaker and Breaker HM 380 are considered as rock breaker.*

(iv) *Product description such as mounting pin, thorough bolt assembly, collar bush or the product defined as hydraulic breaker spare parts are considered as rock breaker and parts ('RB Parts').*

(v) *All import transactions are in kgs, MT, pieces, and numbers. All items are converted based on the standard weights of the equipment into common units such as kgs and MT"*

<sup>45</sup> Para 59 of Eddie's Written Submissions.

<sup>46</sup> Page 10 of DAEMO's Written Submissions; Page 14 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>47</sup> Page 11 of DAEMO's Written Submissions; Page 10 of FEEL's Written Submissions; Page 14 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>48</sup> Page 10 of DAEMO's Written Submissions; Page 14 of FEEL's Written Submissions; Page 14 of Soosan's Written Submissions; Page 9 of FEEL's Rejoinder Submissions; Page 14 of Ningbo's Written Submissions; Page 9 of Ningbo's Rejoinder Submissions.

<sup>49</sup> Page 25 of Everdigm's Written Submissions; Page 25 of D&A's Written Submissions.

<sup>50</sup> Page 2 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 24-25 of D&A's Rejoinder Submissions; Paras 64-65 of Eddie's Rejoinder Submissions.

<sup>51</sup> Para 63 of Eddie's Rejoinder Submissions.

<sup>52</sup> Para 62 of Eddie's Rejoinder Submissions.

<sup>53</sup> Paras 83-83 of Eddie's Written Submissions.

<sup>54</sup> Para 83 of Eddie's Written Submissions.

<sup>55</sup> Panel Report, *European Communities – Anti-Dumping Measure on Farmed Salmon from Norway*, [WT/DS337/R](#), adopted 15 January 2008.

<sup>56</sup> *Anti-Dumping investigation concerning the imports of Rubber Chemicals viz. MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT from China and PX-13 (6PPD) from China and Korea RP.*

<sup>57</sup> *Anti-Dumping investigation involving imports of Penicillin-G Potassium originating in or exported from China PR and Mexico and 6-APA originating in or exported from China PR.*

- i. The applicant has imported the PUC (assemblies, sub-assemblies) and other parts of the rock breakers (not covered under PUC) in substantial quantities from the subject countries. Thus, injury, if any, is self-inflicted.<sup>59</sup>
- j. There is no alternative to the PUC.<sup>60</sup>
- k. Further, the PUC is used in rock breaking, and therefore, there is high wear and tear for these items. These items require frequent replacement, and hence, any increase in cost would adversely impact the end user.<sup>61</sup>
- l. Each manufacturer specifically designs the tools<sup>62</sup> and parts used in the PUC. Every supplier or manufacturer has its own design and specifications that may or may not fit into rock breakers designed by other manufacturers. Forcing manufacturers to use parts manufactured by other manufacturers will cause damage to the original equipment and may make warranties offered by OEM manufacturers ineffective and void.<sup>63</sup>
- m. Further, each chisel is custom-made as per the specifications and design of the rock breaker, and therefore, the same cannot be mass-produced. Each chisel is customised as per the specification of the rock breaker, which implies that compatibility of the rock breaker with the chisel is a major point of consideration which influences the buying decision.<sup>64</sup>
- n. Aftersales support provided after selling the subject goods is also a major factor which influences the buying decision of an end user. Quality of the product, reliability and specifications are other important considerations which guide the purchase of the PUC.<sup>65</sup>
- o. During the oral hearing, DOZCO accepted that it had provided incorrect information regarding indexes, which has affected Eddie's ability to comment on injury.<sup>66</sup>
- p. There is no material injury to the applicant on account of imports of the subject goods from Korea RP.<sup>67</sup> The alleged claims of material injury are not based on any positive evidence.<sup>68</sup>
- q. Producers/exporters do not maintain weight-wise data of parts and components sold by them, and hence, information cannot be provided in the assigned unit of measurement.<sup>69</sup>
- r. The Authority should not consider the letters of support filed as Exhibit -3 by the applicant as these are in violation of Trade Notice No.13/2018 dated 27th September 2018 and Trade Notice No. 14/2018 dated 1<sup>st</sup> October 2018, wherein a supporter is required to file a complete response in the formats prescribed by the Authority at the pre-initiation stage.<sup>70</sup>

### **I.1.3 Examination by the Authority**

134. The following issues have been raised by the domestic industry and the other interested parties as part of their submissions:

1. Whether assemblies and sub-assemblies were included in the scope of the PUC and consequently in the import data?
2. Whether imports transactions reported in pcs/nos as unit were appropriately converted into MT?
3. Whether injury examination for assemblies and sub-assemblies be carried out separately?
4. Whether the applicant is suffering from self-inflicted injury?

#### **I.1.3.1 Assemblies and sub-assemblies form part of the scope of the PUC**

135. Eddie has submitted that the import methodology, as mentioned by DOZCO in the application, did not specify that rock breaker parts were included within the scope of the PUC. It is noted that a rock breaker consists of several assemblies, sub-assemblies, and multiple small joining components that bring together the assemblies

<sup>58</sup> Page 25 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 25 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>59</sup> Paras 46-47 of Eddie's submissions; Paras 60-61 of Eddie's Rejoinder Submissions.

<sup>60</sup> Para E.3 of FYN and FINE's written submissions

<sup>61</sup> Para E.3 of FYN and FINE's written submissions

<sup>62</sup> The word tool herein should not be confused to the market parlance synonym for chisel.

<sup>63</sup> Para E.4 of FYN and FINE's written submissions.

<sup>64</sup> Para E.6 of FYN and FINE's written submissions

<sup>65</sup> Paras E.7-E.8 of FYN and FINE's written submissions.

<sup>66</sup> Para 84 of Eddie's Written Submissions.

<sup>67</sup> Page 24 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>68</sup> Page 35 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>69</sup> Page 14 of FEEL's Written Submissions; Page 14 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>70</sup> Page 11 of DAEMO's Written Submissions; Page 11 of FEEL's Rejoinder Submissions.

and sub-assemblies to form the fully assembled rock breaker. The investigation intended to cover only assemblies and sub-assemblies which were considered to be part of the PUC as was clear from the notice of initiation as well as guidance provided through the Scope Notification. Through the Scope Notification, the scope of such assemblies/sub-assemblies was restricted to the seven assemblies mentioned in the Scope Notification. The applicant has merely stated in its methodology that rock breaker parts were excluded from the purview of the PUC. It is noted that these parts have not been included within the scope of the PUC in the initiation notification as well as through the subsequent Scope Notification. Thus, assemblies and sub-assemblies have been included within the purview of the investigation since the inception of the investigation to the extent mentioned in the Scope Notification<sup>71</sup>.

### ***1.1.3.2 Conversion of volumes reported in PCS/NOS in MT***

136. DAEMO, FEEL, Soosan and Ningbo have contested the import data submitted by the applicant. They have further claimed that the applicant needs to explain how transactions in which PCS<sup>72</sup> and UNTS<sup>73</sup> have been mentioned have been converted into weight terms. It is clarified that the volume and value of the subject goods have been ascertained based on DG systems data and the export data provided in MT by the participating exporters. With respect to the transactions in which volumes were not reported in MT, the investigation team issued supplementary questionnaires to the participating producers to clarify or rectify any deficiencies and/or inconsistencies in their information. The responses filed by the parties to the supplementary questionnaires have been taken into account to arrive at the final volume of the subject goods.

### ***1.1.3.3 Separate injury examination for assemblies and sub-assemblies***

137. Eddie has argued that the application did not contain information pertaining to imports of assemblies and sub-assemblies. Eddie has further commented that due to the lack of this information, it has not been able to comment whether the applicant is suffering injury due to the enlarged product scope. Further, Everdigm and D&A have argued that assemblies and sub-assemblies have different end uses and are manufactured separately; therefore, the Authority should carry out a separate examination for assemblies and sub-assemblies. Eddie has requested the Authority to restrict the injury examination to fully assembled rock breakers and chisels. Opposed to this, DOZCO has relied on the past practice of this Authority to contend that separate examination of assemblies and sub-assemblies is not warranted. DOZCO has also stated that assemblies and sub-assemblies are only a form in which rock breakers are imported.
138. As stated earlier in Section C above and the foregoing paras, the application, as well as the initiation notification, made it amply clear that assemblies/sub-assemblies were part of the PUC. DOZCO manufactures all the assemblies and sub-assemblies of rock breakers. Guidance was further provided through the Scope Notification. The submissions of Eddie are thus unsubstantiated.
139. It is further noted that rock breaker assemblies and sub-assemblies are imported in such condition primarily for assembly and sale as fully assembled rock breakers. Such assemblies and sub-assemblies do not have any other independent use, nor has this been claimed by any of the participating exporters. Therefore, the end application of such goods and not only the form in which such imports enter the country also matters in the market.
140. Further, the process of assembling rock breakers involves minimal set-up. During its visit to the applicant's factory, the investigating team asked the applicant to demonstrate the process of creating and disassembling rock breakers. While low-weight breakers could be assembled with minimal manpower, in the case of high-weight rock breakers, only a lifting machine is required to put the assembled parts in an upright position, and the rest of the process is carried out using manpower.
141. It is noted that DOZCO has been primarily catering to users who request fully assembled rock breakers. However, it would be imprudent to conclude that upon specific request, DOZCO would not be capable of supplying other customers who may request rock breakers in sub-assembled form.
142. D&A and Everdigm have relied on *EC – Salmon (Norway)* to contend that injury in respect of assemblies and sub-assemblies be assessed separately. The Panel had observed:

*“7.58 Essentially, Norway's argument raises an issue of policy, suggesting that the absence of limits on the scope of the product under consideration might result in erroneous dumping determinations by investigating authorities. Norway argues that, if products that are not "like" are treated as the product under consideration in a single investigation, a dumping determination cannot reveal whether some or all of those products are dumped.<sup>237</sup> Norway gives, as an example, in investigation in which cars and bicycles are treated as one product*

<sup>71</sup> Notification, [Scope of The Product Under Consideration and Product Control Numbers](#), dated 16<sup>th</sup> June 2023.

<sup>72</sup> Pieces (PCS), Units (UNTS).

<sup>73</sup> *Id.*



under investigation.<sup>238</sup> We are not persuaded by Norway's extreme example. Any grouping of products into a single product under consideration will have repercussions throughout the investigation, and the broader such a grouping is, the more serious those repercussions might be, complicating the investigating authority's task of collecting and evaluating relevant information and making determinations consistent with the AD Agreement. Thus, it seems to us that the possibility of an erroneous determination of dumping based on an overly broad product under consideration is remote. That possibility is certainly not enough to persuade us to read obligations into the AD Agreement for which we can find no basis in the text of the Agreement.

7.59 Moreover, Norway's position would result in the absurd situation of requiring fragmentation of the product under consideration, and a consequent fragmentation of the like product, and ultimately the domestic industry, which would render the possibility of imposing dumping duties consistent with the AD Agreement a nullity. We see nothing in Article 2.6, which as discussed, defines "like product", which would support this view. In this regard, it is noteworthy that, while the AD Agreement specifically defines "like product" by requiring a comparison between domestically produced (or foreign) goods and the imported products that are the subject of the investigation, there is no specific definition of "product under consideration".<sup>239</sup> In our view, the very fact that there is a definition of like product in the AD Agreement indicates that Members were well able to define terms carefully and precisely when considered necessary. The absence of a definition of product under consideration indicates that no effort was undertaken in that regard. In our view, this consideration supports the conclusion that it would be absurd to impose the definition of like product from Article 2.6 onto the undefined term product under consideration. We simply see no basis in the text of Articles 2.1 and 2.6 for the obligations Norway seeks to impose on investigating authorities with respect to product under consideration."<sup>74</sup> (emphasis supplied)

143. The Authority disagrees with this selective interpretation forwarded by D&A as it would lead to unnecessary fragmentation of the product under consideration. It is noted that the WTO Panel in *EC – Salmon (Norway)* wanted to avoid such fragmentation which has been proposed by D&A and Everdigm. Given that assemblies/sub-assemblies are imported to form fully assembled rock breakers and compete in the same market as fully assembled rock breakers, it is noted that such fragmentation is not warranted.

#### **I.1.3.4 Self-inflicted injury**

144. Eddie has contended that the applicant has imported significant volumes of rock breaker and other parts of rock breaker from the subject countries and, therefore, injury to the applicant is self-inflicted. Eddie has also provided the volume and value of the alleged imports made by the applicant. The investigation team has verified this claim using the DG systems data and the applicant's records. It is noted that the applicant has not imported fully assembled rock breakers from the subject countries. However, the applicant has imported other parts of rock breakers which are not covered by the scope of the PUC. These amount to around [\*\*\*] MT. The assemblies/sub-assemblies which have been covered within the present investigation and which have been imported by the applicant amount to [\*\*\*] MT. These constitute around 1% of total demand. The applicant has explained that while around [\*\*\*] MT has been imported for R&D, the rest of the volumes have been necessitated due to competition from low-priced cheap assemblies/sub-assemblies which forces them to import the same.
145. It is noted that the mere act of importation cannot lead to a conclusion of self-inflicted injury, as stated in the foregoing paras in the section pertaining to domestic industry's standing. The volume and value of such imports are insignificant as compared to the demand for the subject goods as well as the production and sales of the applicant. The Authority, therefore, does not consider that the applicant is suffering from self-inflicted injury.

#### **I.1.3.5 Other issues**

146. DOZCO accepted that indexation in the non-confidential version of the application had been carried out incorrectly. DOZCO subsequently revised the application prior to rejoinder submissions and circulated it along with its written submissions to the other interested parties. In view of the same, the Authority disagrees with Eddie's concerns regarding its inability to comment on injury.
147. DAEMO and FEEL have requested the Authority not to consider the letters of support filed by the applicant. The Authority notes that the applicant is the sole domestic producer, in terms of Rule 2(b) of the AD Rules, of the subject goods and, therefore, constitutes 100% of total eligible domestic production. The Authority has not considered the letters of support either in establishing the applicant's status as an eligible domestic industry or

<sup>74</sup> Paras 7.58-7.59, Report of the Panel, *EC-Norway*, [WT/DS337/R](#).

in injury examination.

## **I.2 Cumulative Analysis**

### **I.2.1 Submissions by the domestic industry**

148. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The Authority should cumulatively assess injury as all requirements of Art. 3.3 of the Anti-dumping Agreement have been met.<sup>75</sup> The import volumes as well as dumping margin from each of the subject countries is above the *de-minimis* level. As regards the existence of the conditions of competition, DOZCO relies on the WTO Panel Report in *China – AD on Stainless Steel (Japan)*<sup>76</sup> wherein the panel had considered the increase in the volume of goods from a specific country as evidence of such goods being in competition with domestic goods.<sup>77</sup>
- b. There is nothing in the Anti-dumping Agreement which suggests for non-cumulation when conditions for cumulation have been fulfilled.<sup>78</sup> Certain interested parties have solely focused on imports from Korea to determine the injurious effects of imports. Such isolation of the impact of the subject goods from Korea RP are attempts to misdirect the Authority.<sup>79</sup> As enunciated by the WTO Panel in *EC – Cast Iron Tube*<sup>80</sup> country-specific analysis is not a pre-requisite for cumulative assessment.<sup>81</sup> The same has been upheld by the Hon'ble CESTAT in *Acrylic Fibre Manufacturers v. Designated Authority*.
- c. In the present investigation, there is a sudden spike in the quantum of imports from China PR and Korea RP. Thus, the dumped subject goods and the domestically produced goods are in competition with each other.<sup>82</sup>

### **I.2.2 Submissions by the other interested parties**

149. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The subject goods (rock breaker as well as chisel) from China PR and Korea RP are differently priced. The difference in the landed value of imports from China PR as well as Korea RP is significant. While the volume of imports from China PR has increased and the landed value has fallen, the volume of imports of the subject goods from Korea RP has declined, and further, the landed value is almost three times that of

<sup>75</sup> Paras 42, 44 of DOZCO's Written Submissions; Paras 49-50, 62 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>76</sup> Report of the Panel, *China – Anti-Dumping measures on Stainless Steel Products from Japan*, [WT/DS601/R](#).

<sup>77</sup> *Id.* at para 7.91.

<sup>78</sup> Para 48 of DOZCO's Rejoinder Submissions; Para 54 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>79</sup> Para 51 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>80</sup> Report of the Panel, *European Communities – Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil*, [WT/DS219/R](#).

<sup>81</sup> The Panel observed as follows:

*"7.233 Article 3.3 provides for cumulative assessment of the effects of the dumped imports of a product from different sources and explicitly identifies the criteria that must be fulfilled in order to do so. Under this provision, an investigating authority may proceed to a cumulative analysis only if: 1. Dumping margins for each individual country are more than de minimis; 2. the volume of imports from each country is not negligible; and 3. a cumulative assessment of the effects of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product. ...*

*7.234... We disagree. Article 3.3 indeed contains a condition requiring attention to the "volume" of imports. The obligatory condition contained in Article 3.3 with respect to the volume of imports from individual countries is that the volume of such imports must not be negligible. Thus, an investigating authority may not cumulate imports that are individually found to be of negligible volume (and, indeed, the provisions of Article 5.8 concerning termination would presumably apply). This is the only explicit reference to "volume" in the text of Article 3.3. We find no other express references relating to volume in Article 3.3 and decline to read into the treaty text terms that are not there. In particular, the text of this provision contains no additional requirement that authorities shall also consider whether there has been a significant increase in imports country-by-country before progressing to a cumulative assessment. Indeed, such a requirement would undermine the very concept of a cumulative analysis. We therefore consider that there are no other, additional, mandatory obligations relating to the assessment of import volumes in Article 3.3 flowing from the text of the provision.*

*7.235 We find contextual support for our view that, contrary to Brazil's argument, an Article 3.2 analysis of individual countries' volume and price is not necessary as a pre-condition for cumulation in other provisions of Article 3, and that the "effects" that may be considered cumulatively post cumulation include the volume and price effects referred to in Article 3.2."*

<sup>82</sup> Para 43 of DOZCO's written Submissions.

China PR.<sup>83</sup> Thus, competition essentially exists between imports of China PR and goods manufactured by Indian industry,<sup>84</sup> and therefore, injury cannot be attributed to imports from Korea RP.<sup>85</sup>

### I.2.3 Examination by the Authority

150. Para (iii) of Annexure – II to the AD Rules, 1995 states that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that: a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as a percentage of export price, and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the imports from individual countries are less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

151. The following issue has been raised by the domestic industry and the other interested parties as part of their submissions:

#### *I.2.3.1 Whether in view of the difference in landed value of the subject goods from Korea RP and China PR conditions of competition exist between the subject goods from the subject countries?*

152. D&A and Everdigm have contended that there is no competition between the subject goods imported from Korea RP and China PR. D&A and Everdigm argue that there is significant price difference between the subject goods imported from the two subject countries. They have further emphasised that while the volume of subject imports from China PR has increased, the volume has declined for Korea RP. Similarly, they have argued that the landed value for China PR has declined while for Korea RP, it has increased. DOZCO has stated that the volume of subject imports from the subject countries is above the *de-minimis* level and the imports of subject goods from both the subject countries are in competition with each other. It has further stated that the volume of subject goods from the subject countries has increased and therefore, the dumped goods and domestically produced goods are in competition with each other. DOZCO has relied on *EC – Cast Iron Tube*<sup>86</sup> to argue that country-specific analysis is not a pre-requisite for cumulative analysis.

153. It is noted that D&A and Everdigm have not claimed that the subject goods imported from Korea RP are not in competition with the goods produced by the domestic industry.

154. It is noted that the subject goods imported from China PR and Korea RP are like article to the goods manufactured by the domestic industry. They have the same end use and, are manufactured through similar production processes using the same raw materials, and have been procured by similar sets of consumers. D&A and Everdigm have primarily contended the change in volume and price of the subject goods from the two countries to argue that the subject goods from the two subject countries do not compete in the market. Even if D&A and Everdigm's argument is accepted at face value without taking into consideration the actual volume of imports, it is noted that the rise and fall in volumes and prices of the subject goods establishes that the subject goods from the two countries compete in the market. If there was no competition between the subject goods from Korea RP and China PR, the imports from Korea RP would be able to maintain their levels and increase their share with growth in consumption, unaffected by the rise in imports from China PR.

155. Further, the WTO Panel in *EC – Cast Iron Tube* has observed:

“7.234 In particular, the text of this provision *contains no additional requirement that authorities shall also consider whether there has been a significant increase in imports country-by-country before progressing to a cumulative assessment*. Indeed, such a requirement would undermine the very concept of a cumulative analysis. We therefore consider that there are no other, additional, mandatory obligations relating to the assessment of import volumes in Article 3.3 flowing from the text of the provision.

7.235 We find contextual support for our view that, contrary to Brazil's argument, *an Article 3.2 analysis of individual countries' volume and price is not necessary as a pre-condition for cumulation in other provisions of Article 3, and that the “effects” that may be considered*

<sup>83</sup> Page 44 of Everdigm's Written Submissions; Page 20 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>84</sup> Page 20 of Everdigm's Rejoinder Submissions.

<sup>85</sup> Page 23 of Everdigm's Rejoinder Submissions.

<sup>86</sup> Report of the Panel, *European Communities — Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil*, [WT/DS219/R](#).



*cumulatively* post cumulation include the volume and price effects referred to in Article 3.2.”<sup>87</sup> (emphasis supplied)

156. In view of the above, the Authority, therefore, disagrees with D&A and Everdigm’s contentions. Accordingly, the Authority has cumulatively assessed the imports from China PR and Korea RP.

## **J SECTION: ROCK BREAKER**

### **J.1 Volume effect of dumped imports**

#### **J.1.1 Submissions by the domestic industry**

157. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. There has been a significant increase in imports of rock breakers in absolute terms from the subject countries. While imports from China have increased by 802% compared to the base year, imports from Korea have remained at substantial levels.<sup>88</sup>
- b. The share of other countries has remained abysmal.<sup>89</sup>

#### **J.1.2 Submissions by the other interested parties**

158. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The examination regarding relative and absolute increase in dumped imports cannot be carried out if the unit of measurement adopted for imports is in MT.<sup>90</sup>
- b. The increase in imports is also attributable to the applicant, which has made a significant quantity of imports of the PUC.<sup>91</sup>
- c. The applicant has alleged that its performance has declined with the increased volume of subject imports (rock breakers). However, as per the information provided in the application, the volume of subject imports from Korea RP has come down by 15%. Import volume from Korea RP has declined significantly in absolute as well as relative terms.<sup>92</sup> Thus, imports from Korea RP have not caused injury to the domestic industry.<sup>93</sup>
- d. The share of imports from Korea has declined in relation to total Indian production, total Indian demand as well as total imports of the PUC.<sup>94</sup> The share of import volumes of subject goods from Korea RP has declined to 65% of total imports of the PUC as compared to the base year.<sup>95</sup>
- e. The volume of imports from China PR has increased significantly<sup>96</sup> by approximately nine times as compared to the base year, and therefore, the injury to the domestic industry may be a consequence of imports from China PR.<sup>97</sup>
- f. In paragraph 47 of the applicant’s written submissions, the applicant has presented sales of other domestic producers. This is contrary to the arguments presented by the applicant throughout the investigation, in which it has maintained that there are no other Indian producers, a fact which has been contested by the other interested parties. The application should, therefore be rejected and the investigation terminated<sup>98</sup> as the applicant has concealed this fact and has misled the Authority.<sup>99</sup>

<sup>87</sup> Paras 7.234-235, Report of the Panel, *European Communities — Anti-Dumping Duties on Malleable Cast Iron Tube or Pipe Fittings from Brazil*, [WT/DS219/R](#).

<sup>88</sup> Para 45 of DOZCO’s Written Submissions.

<sup>89</sup> Para 46 of DOZCO’s Written Submissions.

<sup>90</sup> Page 10 of DAEMO’s Written Submissions; Page 10 of FEEL’s Rejoinder Submissions; Page 10 of Ningbo’s Rejoinder Submissions.

<sup>91</sup> Para 48 of Eddie’s Rejoinder Submissions.

<sup>92</sup> Page 25 of Everdigm’s Written Submissions; Page 25 of D&A’s Written Submissions.

<sup>93</sup> Page 15 of Soosan’s Written Submissions; Page 15 of DAEMO’s Written Submissions; Page 15 of FEEL’s Written Submissions.

<sup>94</sup> Page 27 of Everdigm’s Written Submissions; Page 27 of D&A’s Written Submissions.

<sup>95</sup> Page 19 of Everdigm’s Rejoinder Submissions; Page 20 of D&A’s Rejoinder Submissions.

<sup>96</sup> Page 25 of Everdigm’s Written Submissions; Page 20 of Everdigm’s Rejoinder Submissions.

<sup>97</sup> Page 15 of Soosan’s Written Submissions; Page 15 of DAEMO’s Written Submissions; Page 15 of FEEL’s Written Submissions.

<sup>98</sup> Para 51 of Eddie’s Rejoinder Submissions.

<sup>99</sup> Para 51 of Eddie’s Rejoinder Submissions.

**J.1.3 Examination by the Authority**

159. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the volume of dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. As stated above, the investigating team has arrived at the final volumes based on DG Systems data coupled with the export information provided by the participating producers.

160. The distribution of various sources of supply of the PUC in demand is as follows:

<b>Table 1: Volume Parameters (Fully Assembled)</b>							
<b>S.No.</b>	<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2018-19</b>	<b>2019-20</b>	<b>2020-21</b>	<b>POI</b>	<b>POI (Dumped Imports)</b>
1	Domestic Sales – Applicant	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	84	172	115	
2	Domestic Sales - Other Producers	MT	-	-	-	-	
	Trend	Index	-	-	-	-	
3	Subject Countries	MT	2,279	5,124	3,181	5,862	*** <sup>100</sup>
	Trend	Index	100	225	140	257	
4	Subject Countries - Non-dumped Imports	MT	Not determined				*** <sup>101</sup>
5	Other Countries – Imports	MT	43	27	105	95	
	Trend	Index	100	62	243	220	
6	Total imports	MT	2,322	5,150	3,286	5,957	
	Trend	Index	100	222	142	257	
7	Total Demand	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	197	147	231	
<b>Subject Imports in relation to</b>							
8	Indian Production	%	***	***	***	***	*** <sup>102</sup>
	Range	%	350-400	1050-1100	350-400	850-900	650-700
9	Total Demand	%	***	***	***	***	*** <sup>103</sup>
	Range	%	80-90	90-100	70-80	90-100	60-70
10	Total Imports	%	98	99	97	98	*** <sup>104</sup>

161. From the above, it is noted that the imports (fully assembled rock breakers) from the subject countries have increased from 2,279 MT in the base year to 5,862 MT in the POI, i.e. an increase of 3,583 MT. The demand for the subject goods has also increased throughout the injury period, including the POI, except in 2020-21, wherein the demand dipped as compared to 2019-20 levels. However, it remained above the base year level. In 2020-21, imports from the subject countries declined significantly by almost 1943 MT, whereas the

<sup>100</sup> Confidential as there are only two exporters with *de-minimis* margin. Revelation of this figure would lead to disclosure of import volume of the exporters to each other.

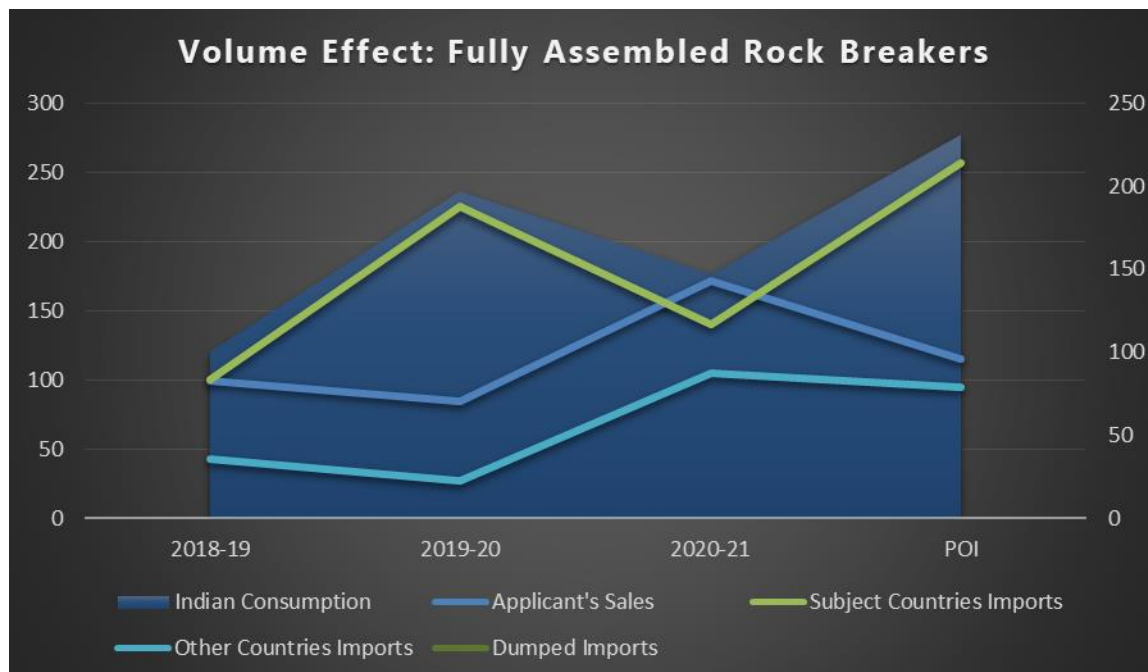
<sup>101</sup> *Id.*

<sup>102</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

<sup>103</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

<sup>104</sup> *Id.*

domestic industry's sales doubled. Thus, there was an increase in the sales of the applicant with a decline in the volume of subject goods from the subject countries. However, the volume of subject imports from the subject countries increased significantly during POI. Out of 5,862 MT, \*\*\*<sup>105</sup> MT was found to be dumped. During the POI, the domestic industry's sales declined by \*\*\*% despite an increase of \*\*\* % in demand as compared to 2020-21. Further, the volume of dumped imports in the POI constitutes \*\*\* % of the growth in demand (as compared to 2020-21) and \*\*\* % of the total demand in the POI. Thus, dumped imports from the subject countries have not only captured the entire growth in demand but also adversely impacted the sales of the domestic industry.



162. As regards the relative increase in dumped imports from the subject countries, it is noted that as compared to the base year, subject imports from the subject countries in relation to Indian production have increased by almost 479 %. The imports of subject goods from the subject countries are at \*\*\* % in relation to Indian production in the POI and constitute 98 % of the total imports into India in the POI. With regards to the increase in the volume of subject imports from the subject countries in relation to Indian demand, the share of subject imports from the subject countries has increased from \*\*\* % in the base year to \*\*\* % in the POI. The share of subject imports from the subject countries in total demand as well as in relation to Indian production and demand had declined in 2020-21. However, the same has increased in the POI. Out of the \*\*\* % imports from the subject countries in the POI, almost \*\*\* % volume pertains to dumped imports. Thus, imports have increased in absolute as well as relative terms in the POI and a significant quantity has been found to have entered in the Indian market at dumped prices.

163. The following table represents the volume of rock breakers fully assembled along with assemblies and sub-assemblies:

Table 2: Volume Parameters-Fully Assembled and Assemblies/Sub-assemblies							
S.No.	Particulars	UoM	2018-20	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Domestic Sales – Applicant	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	84	172	115	
2	Domestic Sales - Other Producers	MT	–	–	–	–	
	Trend	Index	-	-	-	-	

<sup>105</sup> Figure kept confidential to maintain intra-party confidentiality.

Table 2: Volume Parameters-Fully Assembled and Assemblies/Sub-assemblies							
S.No.	Particulars	UoM	2018-20	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
3	Subject Countries	MT	2,617	5,968	4,048	9,670	*** <sup>106</sup>
	Trend	Index	100	222	141	259	
4	Subject Countries - Non-dumped Imports	MT	Not determined				*** <sup>107</sup>
5	Other Countries – Imports	MT	61	177	190	191	
	Trend	Index	100	289	311	312	
6	Total imports	MT	2,679	6,144	4,238	9,861	
	Trend	Index	100	219	143	258	
7	Total Demand	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	195	148	232	
Subject Imports in relation to							
8	Indian Production	%	***	***	***	***	*** <sup>108</sup>
	Range	%	350-400	1050-1100	350-400	1250-1300	1200-1250
9	Total Demand	%	***	***	***	***	*** <sup>109</sup>
	Range	%	80-90	90-100	70-80	90-100	70-80
10	Total Imports	%	98	97	96	98	*** <sup>110</sup>

164. As mentioned above, volume and price effects have been undertaken on two levels for rock breakers – firstly, at the fully assembled level and secondly, for fully assembled plus assemblies and sub-assemblies' level. Given the fact that the sub-assemblies and assemblies compete in the same market with fully assembled breakers, the Authority has carried out analysis at both levels to ascertain injury to the domestic industry.

165. It is noted that imports from the subject countries have increased from 2,617 MT in the base year to 9670 MT in the POI, whereas the applicant's sales have increased merely by \*\*\* MT. Out of 9760 MT in the POI, \*\*\* MT has been found to have entered at dumped prices. Between the base year and the POI, demand has increased by \*\*\* MT. It is noted that demand has followed the same trend as in the case of fully assembled breakers. After increasing initially in 2019-20, demand declined in 2020-21 and subsequently increased further in the POI. Despite a significant increase in demand in 2019-20, the applicant's sales had declined whereas the volume of low-priced imports from the subject countries significantly increased. However, with a decline in the volume of imports from the subject countries in the succeeding year (2020-21), the applicant was able to increase its sales significantly. Nevertheless, with the influx of low-priced imports in the POI, applicant's sales declined significantly as compared to the previous year.

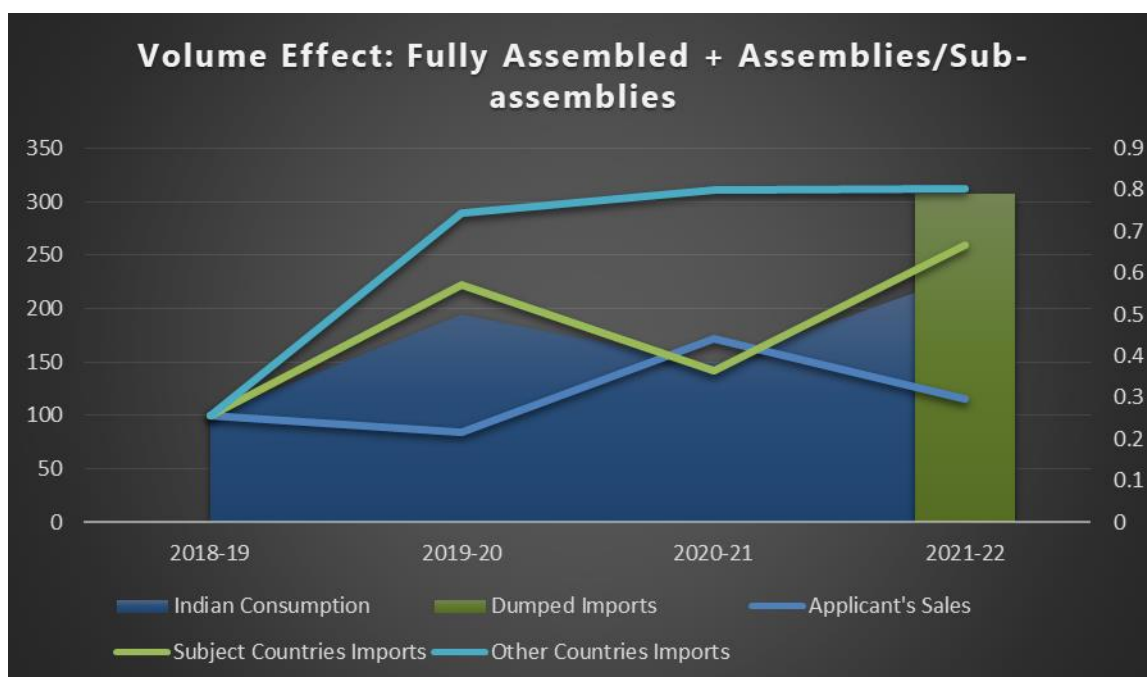
<sup>106</sup> Confidential as there are only two exporters with *de-minimis* margin. Revelation of this figure would lead to disclosure of import volume of the exporters to each other.

<sup>107</sup> *Id.*

<sup>108</sup> *Id.*

<sup>109</sup> *Id.*

<sup>110</sup> *Id.*



166. As regards the relative increase in subject imports, it is noted that subject imports from the subject countries have increased by almost 981 % in the POI in relation to Indian production as compared to the base year. Such imports have also increased by almost 152 % in relation to Indian production compared to 2019-20 and almost 962 % compared to 2020-21. The subject imports from the subject countries constituted \*\*\* % of the total Indian demand in the POI. Subject imports from the subject countries have also increased compared to 2020-21 and 2019-20. Thus, imports have increased in absolute as well as relative terms. Further, out of the 98% subject imports, \*\*\* % have been found to have entered at dumped prices.
167. Everdigm, Soosan, DAEMO and FEEL have contended that the absolute volume of imports from Korea RP has declined in absolute as well as relative terms. Everdigm has also argued that the import volume from China PR has increased by 9 times compared to the base year, and therefore, the injury is on account of China PR. DOZCO has argued that volumes of dumped imports from the subject countries have increased significantly in absolute as well as relative terms. As noted above, imports of fully assembled rock breakers from Korea RP and China PR in the POI have increased by 196% and 126%, respectively, as compared to the base year. Further, as compared to 2020-21, imports from China PR and Korea RP in the POI have increased by 193% and 25%, respectively, in the POI.
168. Likewise, if the volume of assemblies and sub-assemblies are included, it is noted that imports from the subject countries have increased by 432% and 56% from China PR and Korea RP as compared to the base year and 117% and 8% as compared to 2019-2020. Thus, the volume of dumped imports from China PR and Korea RP has increased as compared to the injury period simultaneously, albeit in different proportions. The entire volume of subject imports from China PR have been found to enter into India at dumped prices in the POI, whereas almost \*\*\* % of imports from Korea RP has been found to enter into India at dumped prices. Thus, there has been an increase in the volume of subject imports from the subject countries in absolute and relative terms. Moreover, the quantum of dumped imports from Korea RP is above the *de-minimis* level in the POI. For these reasons, the Authority disagrees with the contention that injury is entirely attributable to China PR.
169. Notwithstanding the above, once this Authority arrives at the conclusion that the conditions for cumulation have been fulfilled, it is noted that the rise and fall in the volume of imports of individual subject countries does not impact the injury analysis, as the obligation to examine the impact of dumped imports is at the level of the subject countries and not individual subject countries.
170. Eddie has commented that the applicant's written submissions admit the existence of other domestic producers of the PUC. The Authority has perused the written submissions of the applicant, and it is noted that in the confidential version of the submissions, the sales of other domestic producers have been mentioned as zero. The Authority notes that DOZCO erred in its revised application. In view of this, Eddie's concerns stand addressed.

**J.2 Volume effect of the dumped imports on the market share of the domestic Industry****J.2.1 Submissions by the domestic industry**

171. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The imports of rock breakers are 3 times the total Indian production. The demand for rock breakers has steadily increased. However, the domestic market has been entirely captured by low-priced imports.<sup>111</sup>
- b. The market share of the applicant has declined during the POI even though the demand for rock breakers has increased by 31% since the base year. The decline in the market share is due to the increase in the volume of low-priced imports<sup>112</sup>.

**J.2.2 Submissions by the other interested parties**

172. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The domestic industry has claimed that despite an increase of 31% in demand compared to the base year, its market share has declined. The volume of imports from Korea RP has also declined in the POI compared to the base year, whereas imports from China have increased nine-fold.<sup>113</sup> Thus, the loss of market share cannot be due to the import of subject goods from Korea RP.<sup>114</sup>

**J.2.3 Examination by the Authority**

173. The following table shows market share of the domestic industry and the subject countries for fully assembled rock breakers in the total Indian demand:

Table 3: Market Share - Fully Assembled							
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range		10-20	0-10	20-30	0-10	
2	Subject countries	%	80	92	76	89	*** <sup>115</sup>
3	Subject countries - Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>116</sup>
4	Other countries		2	0	3	1	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	

174. It is noted that the applicant's share in demand has continuously declined in the injury period, including the POI, except in 2020-21, wherein there was a decline in the imports of subject goods from the subject countries. The market share of subject goods from other countries has remained in the range of 0-3%. The domestic industry's share has declined from \*\*\*% in the base year to \*\*\*% in the POI. As compared to 2019-20 and 2020-21, the applicant's share has increased by \*\*\*% and declined by \*\*\*% in the POI, respectively. The applicant's share increased during 2020-21 when the imports from the subject countries fell by \*\*\*% compared to 2019-20. It is also noted that the share of imports from other countries has also followed a similar trend.

175. As compared to 2019-20, demand grew by 17 % in the POI. However, the volume of subject imports grew by 14 %, whereas domestic industry's sales have increased by 36%. Nevertheless, while there was a growth of \*\*\*% in demand in the POI as compared to 2020-21, subject imports have grown by 84%. The domestic sales have declined in the POI as compared to previous year. The dumped imports in the POI are slightly above than \*\*\* times of the growth in demand. Thus, dumped imports from the subject countries have led to a decline in the market share of the applicant in the POI.

<sup>111</sup> Para 47 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>112</sup> Para 48 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>113</sup> Page 20 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 21 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>114</sup> *Id.*

<sup>115</sup> Confidential as there are only two exporters with *de-minimis* margin. Revelation of this figure would lead to disclosure of import volume of the exporters to each other.

<sup>116</sup> *Id.*



**Table 4: Market Share - Fully assembled and Assemblies/Sub-assemblies**

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range	%	10-20	0-10	20-30	0-10	
2	Subject countries -	%	82	91	79	92	*** <sup>117</sup>
3	Subject countries - Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>118</sup>
4	Other countries	%	2	3	4	2	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	

176. It is noted that the applicant's share in demand has continuously declined in the injury period, including the POI, except in 2020-21, wherein there was a decline in the imports of subject goods from the subject countries. The market share of subject goods from other countries has remained in the range of 2-4%. The domestic industry's share has declined from \*\*\*% in the base year to \*\*\*% in the POI. As compared to 2019-20 and 2020-21, the applicant's share has declined by \*\*\*% and \*\*\*% in the POI, respectively. The applicant's share increased during 2020-21 when the imports from the subject countries declined by 12% compared to 2019-20. It is also noted that the share of imports from other countries has also followed a similar trend. Thus, imports of subject goods from the subject countries have adversely affected the market share.

177. Everdigm and D&A have argued that the volume of imports from Korea RP has declined in the POI as compared to the previous year. It is noted that imports from Korea RP are above the base year level as well as the entire injury period.

### **J.3 Price effect of dumped imports**

#### **J.3.1 Submissions by the domestic industry**

178. The following submissions have been made by the domestic industry:

- Price undercutting continued to be positive and significant despite the applicant selling at lower profits.<sup>119</sup>
- Further, the applicant has not been able to increase its selling price due to such imports.<sup>120</sup>
- As opposed to D&A and Everdigm's arguments, no business would voluntarily decide to sell at losses. The applicant is forced to sell at lower prices to remain competitive in the market space, as dumped imports have severely hampered the applicant's ability to compete on price.<sup>121</sup>
- Eddie's claim that the cost of sales and selling price have moved in tandem and therefore, domestic industry is not suffering from injury is incorrect. The applicant has not been able to sell at a price to make reasonable returns to recuperate all its expenses. The applicant has been making sales at cost.<sup>122</sup>

#### **J.3.2 Submissions by the other interested parties**

179. The following submissions have been made by the other interested parties:

- NSR is a result of voluntary commercial decision of a business entity. Thus, presence of price undercutting in itself cannot be an indicator of injury<sup>123</sup> as the data provided by the domestic industry shows growth in terms

<sup>117</sup> *Id.*

<sup>118</sup> *Id.*

<sup>119</sup> Para 53 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>120</sup> Para 48 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>121</sup> Para 55 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>122</sup> Para 55 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>123</sup> Page 27 of Everdigm's Written Submissions; Page 22 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 27 of D&A's Written Submissions; Page 20 of D&A's Rejoinder Submissions.

of production as well as profitability and that, the Authority must undertake a wholistic examination.<sup>124</sup>

- b. There has been an anomalous increase of about 56% in the cost of sales of the applicant between 2020-21 and the POI. The Authority should seek clarification from the applicant regarding this abrupt increase and examine if there are any misallocation errors.<sup>125</sup>
- c. The applicant has been able to increase its selling prices in line with its cost of sales. Therefore, there is no apparent injury on this count.<sup>126</sup>
- d. The landed value of imports from Korea RP has increased by 22 basis points as compared to the base year. The low volume of subject imports from Korea RP at such high landed price cannot be considered to injure the applicant.<sup>127</sup>
- e. The applicant's selling prices have moved in tandem with their cost of sales. Therefore, the landed value of imports cannot be said to have any impact on the applicant's selling prices.<sup>128</sup>

### J.3.3 Examination by the Authority

#### J.3.3.1 *Price Undercutting*

180. With regards to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analysed whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the price or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The same has been examined in the table below:

Table 5: Price Undercutting (Dumped Imports Only - Fully Assembled Rock Breakers)								
S.No.	Particulars	Quantity	CIF	LV	NSR	PU	PU	PU
		MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	%	Range
1	Subject Countries	***	2,16,580	2,28,212	***	***	***	200-250

Table 6: Price Undercutting (Dumped Imports Only-Fully Assembled + sub-assembled/Assembled)								
S.No.	Particulars	Quantity	CIF	LV	NSR	PU	PU	PU
		MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	%	Range
1	Subject Countries	***	1,59,318	1,68,199	***	***	***	200-250

181. It is noted that price undercutting is positive and significant for the subject goods.

182. Everdigm and D&A have contended that the existence of price undercutting should not be the basis to conclude the existence of injury to the domestic industry. The Authority is aware of its obligations with regards to injury examination. It is further noted that the existence of price undercutting is a positive factor for establishing injury. However, the conclusion regarding the existence of injury to the domestic industry is an intricate exercise in which several factors, including the price effect of imports, are considered in conjunction.

#### J.3.3.2 *Price suppression/depression*

183. The Authority assesses price suppression/depression to examine whether imports have prevented the domestic industry from increasing its prices as well as whether such imports have led to a reduction in prices. The following table depicts the parameters useful in assessing price suppression/depression:

Table 7: Price Suppression/Depression - Fully Assembled Only						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI (dumped imports)
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***

<sup>124</sup> Page 27-28 of Everdigm's Written Submissions; Page 20 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>125</sup> Page 28 of Everdigm's Written Submissions; Page 28 of D&A's Written Submissions.

<sup>126</sup> Page 29 of Everdigm's Written Submissions; Page 28 of D&A's Written Submissions.

<sup>127</sup> Page 29 of Everdigm's Written Submissions; Page 28 of D&A's Written Submissions.

<sup>128</sup> Paras 87-88 of Eddie's Written Submissions.



	Trend	Index	100	103	61	99
2	Selling Price (NSR)	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	96	72	99
3	Landed Value	₹/MT	3,44,564	2,89,578	4,59,647	2,28,212
	Trend	Index	100	84	133	66

184. It is noted that the applicant's cost of sales has remained almost in the same range except in 2020-21, wherein the applicant's cost of sales had substantially declined. The applicant has explained that the cost of sales declined due to fixed cost absorption as a consequence of the increase in sales during this period. It is further noted that the applicant's selling price had declined in 2019-20 with the decline in landed value. The applicant also explained that it was, however, able to maintain its selling price in 2020-21 due to a reduction in cost of sales.
185. However, despite improvement in landed value in 2020-21, the applicant was not able to increase its selling price even though there was a significant decline in its cost of sales. The domestic industry has explained that it tried to match the prices of the low-priced imports and therefore, it could not increase its selling price. The applicant also explained that it was, however, able to maintain its selling price in 2020-21 due to a reduction in cost of sales and as a consequence was able to increase its market share. However, in the POI, the cost of sales of the applicant escalated back to the range of previous years of injury period. At the same time, the landed value declined significantly and fell below base year level.
186. Eddie has argued that the selling price and cost of sales have moved in tandem, and therefore, it cannot be said that imports from the subject countries have impacted the selling price of the applicant. The applicant has submitted that Eddie's assertion is incorrect as it has been selling at cost, and has therefore, not been able to recuperate its expenses. The Authority notes that as compared to the immediate previous year, the selling price has increased by 27 index points as opposed to an increase of 39 index points in cost of sales, whereas the landed value fell by 67 index points. Thus, the landed value has not only suppressed the prices of the applicant but also depressed them.

**Table 8: Price Suppression/Depression – Fully Assembled + Assemblies/Sub-assemblies**

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI (dumped imports)
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	103	61	99
2	Selling Price (NSR)	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	96	72	99
3	Landed Value	₹/MT	3,46,121	2,81,965	4,24,399	1,68,199
	Trend	Index	100	82	123	49

187. It is noted that the applicant's cost of sales has remained almost in the same range except in 2020-21, wherein the applicant's cost of sales had substantially declined. The applicant has explained that its cost of sales declined due to fixed cost absorption as a consequence of the increase in sales during this period. It is further noted that the applicant's selling price had declined in 2019-20 with the decline in landed value. However, despite improvement in the landed value in 2020-21, the applicant was not able to increase its selling price even though there was a significant decline in its cost of sales. The domestic industry has explained that it tried to match the prices of the low-priced imports to increase its market share and therefore, it could not increase its selling price. The applicant also explained that it was able to maintain its selling price in 2020-21 due to a reduction in the cost of sales. However, in the POI, the cost of sales of the applicant escalated back to the range of previous years of injury period. At the same, landed value declined drastically and fell significantly below the base year level.

#### **J.4 Production Capacity and capacity utilisation and sales**

##### **J.4.1 Submissions by the domestic industry**

188. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. Capacity utilisation of the applicant has declined.<sup>129</sup>
- b. Domestic industry's production has increased merely by 14%.<sup>130</sup>

#### **J.4.2 Submissions by the other interested parties**

189. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Although the applicant's capacity has remained same throughout the injury period including the POI, the production and capacity utilisation of the applicant has increased in the POI as compared to the base year<sup>131</sup> with the increase in demand. Thus, there is no injury to the domestic industry.<sup>132</sup>
- b. The applicant has not been able to increase its production as it has focused on importing PUC rather than manufacturing the same in India. Thus, imports have not played any role in this process.<sup>133</sup>

#### **J.4.3 Examination by the Authority**

190. The following table depicts the volumetric parameters of the applicant:

<b>Table 9: Volumetric Parameters of Domestic Industry (Rock Breaker)</b>						
<b>S.No</b>	<b>Particulars</b>	<b>UoM</b>	<b>2018-19</b>	<b>2019-20</b>	<b>2020-21</b>	<b>POI</b>
1	Capacity	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	100	100
2	Production	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	79	148	114
3	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
	Range	%	30-40	20-30	40-50	30-40
4	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	84	172	115

191. The applicant's capacity has remained the same throughout the injury period, including the POI. The applicant's production has declined significantly as compared to 2020-21. It is noted that during this period the volume of imports from the subject countries significantly declined. It is further noted that between 2019-20 and the POI, the applicant's production has increased by 35 index points. However, during the same period, the volume of subject imports increased by 150 index points. The demand for subject goods has also continuously increased except in 2020-21.
192. Everdigm, Soosan, FEEL, DAEMO and Ningbo have argued that the applicant has been able to increase its sales and production with the growth in demand. It is, however, noted that the applicant has not been able to increase its sales and production in proportion with the growth in demand during the POI on account of dumped imports from the subject countries. The applicant's market share has significantly declined, whereas the market share of imports has significantly increased. The demand between 2019-20 and the POI increased by \*\*\*MT. Almost \*\*\*% of this growth has been captured by subject imports, and the domestic industry was only able to utilize \*\*\*% of this growth. Thus, almost the entire growth in demand has been captured by the dumped imports from the subject countries.

### **J.5 Market Share**

#### **J.5.1 Submissions by the domestic industry**

193. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. Imports from the subject countries have captured 79% of the domestic market.<sup>134</sup> Thus, the applicant has not been able to increase its sales volume.<sup>135</sup> The increase in sales is not in with the increase in demand.<sup>136</sup>

<sup>129</sup> Page 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>130</sup> Para 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>131</sup> Page 26 of Everdigm's Written Submissions; Page 30 of Everdigm's Written Submissions; Pages 29-30 of D&A's Written Submissions.

<sup>132</sup> Page 17 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of DAEMO's Written Submissions; Page 17 of FEEL's Written Submissions; Page 16 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>133</sup> Para 54 of Written Submissions.

<sup>134</sup> Para 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>135</sup> Para 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>136</sup> Para 56(c) of DOZCO's Written Submissions.

**J.5.2 Submissions by the other interested parties**

194. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The applicant's sales have increased with the increase in demand.<sup>137</sup> The applicant's sales have also increased as compared to the base year, and therefore, there is no injury to the applicant.<sup>138</sup>
- b. The import volume of subject goods from Korea RP declined significantly during the POI as compared to the base year. Therefore, such imports could not impact the domestic industry's performance<sup>139</sup>. Further, the domestic industry's performance has improved during the entire injury period, including the POI.<sup>140</sup>

**J.5.3 Examination by the Authority**

195. The following table shows the market share of the domestic industry and subject imports:

Table 10: Market Share Fully Assembled							
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range	%	10-20	0-10	20-30	0-10	
2	Subject countries - Dumped Imports	%	80	92	76	89	*** <sup>141</sup>
3	Subject countries - Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>142</sup>
4	Other countries	%	2	0	2	1	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	
6	Total Demand	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	197	147	231	

Table 11: Market Share – Fully Assembled+ Assemblies/Sub-assemblies							
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range	%	10-20	0-10	20-30	0-10	
2	Subject countries	%	82	91	79	92	*** <sup>143</sup>
3	Subject countries - Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>144</sup>
4	Other countries	%	2	0	3	1	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	
6	Total Demand	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	206	160	327	

<sup>137</sup> Page 15 of Soosan's Written Submissions.

<sup>138</sup> Page 17 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of DAEMO's Written Submissions; Page 18 of FEEL's Written Submissions.

<sup>139</sup> Page 26 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>140</sup> Page 26 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>141</sup> Confidential. For preserving intra-party confidentiality.

<sup>142</sup> *Id.*

<sup>143</sup> *Id.*

<sup>144</sup> *Id.*

196. As compared to the base year, the applicant's sales have increased by 15 index points in the POI in absolute numbers. During the same period, demand has grown by 131 (fully assembled only) and 226 (fully assembled and assemblies/sub-assemblies) index points. However, despite an increase in the absolute quantity of sales and demand as compared to the base year, the applicant's market share has declined by 9-10%. During this period, the share of subject imports from the subject countries has increased by 10% in absolute terms. As compared to 2020-21, a period in which the applicant's sales had peaked in terms of absolute numbers as well as market share, the applicant's market share has declined by \*\*%, the market share of subject countries increased by 13% in the POI. Out of the 92% market share, \*\*% of the market share is occupied by dumped imports.
197. It is further noted that even with the increase in demand over the four-year period, the growth of imports from the subject countries has far exceeded the growth in sales of the applicant. At the fully assembled level, while demand grew by \*\*% between 2020-21 and the POI, subject imports increased by 83%. As compared to 2019-20, demand has grown by \*\*%, whereas subject imports have increased by 13%. It is further noted that a significant volume of this growth has entered into the commerce of India at dumped prices.
198. If the entire volumes of rock breakers including assemblies/sub-assemblies is considered, it is noted that between the period 2020-21 and the POI, the volume of dumped imports from the subject countries grew by 139% whereas demand grew by \*\*%. However, during this period, the applicant's sales declined by \*\*%. Further, between 2019-20 and POI, demand has grown by \*\*% whereas subject imports has increased by 62%. \*\*% of the subject imports have been found to have entered into the commerce of India at dumped prices. Thus, the applicant has not been able to benefit from the growth in demand, whereas the quantum of dumped imports has exceeded the growth in demand.

## **J.6 Financial Parameters of the domestic industry**

### **J.6.1 Submissions by the domestic industry**

199. The following submissions have been made by the domestic industry:
- The applicant has been selling its products at prices much lower than its cost of sales due to the presence of dumped imports.
  - The applicant has not been able to earn remunerative prices on its sales and, therefore, has been in losses.

### **J.6.2 Submissions by the other interested parties**

200. The following submissions have been made by the other interested parties:
- The information regarding profitability parameters is distorted as the applicant has provided cumulative data<sup>145</sup> of domestic and export sales. Any conclusion of injury based on such distorted information would not be an objective examination.<sup>146</sup>
  - The profitability of the applicant has increased sharply during the POI as compared to the base year.<sup>147</sup>
  - As per the revised information submitted by the applicant due to the error in indexation, it can be noted that the applicant has been a loss-making entity since the base year and has continued to incur losses during the entire injury period even though there was no dumping of the subject goods during this period. Thus, there are factors other than imports which are causing injury to the domestic industry.<sup>148</sup>
  - The revised data submitted by the applicant shows the ROCE figure as positive, whereas rest of the profitability figures are negative. The Authority should examine the veracity of the profitability parameters of the domestic industry.<sup>149</sup>
  - The increase in average capital employed despite a decline in fixed assets/depreciation and no change in installed capacity is inexplicable.<sup>150</sup>
  - It is submitted that working capital and inventory have a direct correlation. However, the applicant's working capital is showing an abnormal trend whereas average inventory has not moved in the same trend. The

<sup>145</sup> Page 87 and 90 of the DI petition as cited by Everdigm, D&A.

<sup>146</sup> Page 30 of Everdigm's Written Submissions; Page 30 of D&A's Written Submissions.

<sup>147</sup> Page 16 of Soosan's Written Submissions; Page 16 of DAEMO's Written Submissions; Page 16 of Ningbo's Submissions.

<sup>148</sup> Page 11-12 of Soosan's Written Submissions; Page 12 of DAEMO's Written Submissions.

<sup>149</sup> Page 21 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 22 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>150</sup> Page 19 of Soosan's Written Submissions.

figures provided by the applicant appear to be concocted and incorrect.<sup>151</sup>

- g. The PBIT as % of capital employed has increased sharply for rock breaker in the POI as compared to the base year, which establishes that there is no injury to the domestic industry.<sup>152</sup>

### J.6.3 Examination by the Authority

201. The following depicts the financial parameters of the applicant:

Table 12: Profitability Parameters (Rock breakers)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	103	61	99
2	Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	96	72	98
3	Profit/Loss	₹/MT	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(106)	(21)	(104)
4	PBIT	₹ lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(106)	(26)	(143)
5	Cash Profits	₹ lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(102)	(19)	(143)
6	ROCE	%	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(157)	(32)	(155)

202. It is noted that the applicant's cost of sales has remained in the same range throughout the injury period, including the POI, except in the year 2021-22, wherein the applicant's cost of sales significantly declined. The applicant has stated the same was on account of fixed cost absorption due to an increase in sales. However, cost of sales increased back to pre-2020-21 levels during the POI. The applicant has been selling its product at prices much below its cost of sales since the base year. The applicant has explained that due to the presence of low-priced imports, the domestic industry has not even been able to recover even its cost of sales. The applicant has been experiencing losses since the base year. However, these losses have aggravated in the POI.
203. The applicant incurred significant losses in 2019-20 as well. It is noted that the landed value of the subject imports was lowest during this period. Although landed value has improved in the POI as compared to 2019-20, it remains significantly below the cost of sales of the applicant. The applicant's PBIT and cash profits have followed the same trend as profits.
204. Everdigm and D&A have claimed that the applicant included the data on its export sales within the domestic sales. It is clarified that the investigation team has considered data pertaining to the domestic performance of the applicant. Furthermore, export sales constitute less than [\*\*\* %] of total sales.
205. It is noted that the applicant's ROCE has also declined over the injury period, including the POI, after recovering in 2020-21. Soosan and FEEL have argued that the applicant's working capital and inventory have not moved in the same trend even though the two have a correlation. Soosan has, therefore, alleged that the applicant has incorrectly reported its data. It is noted that inventory level is merely one of the many factors with which working capital has direct correlation. Therefore, it is not necessary that working capital and inventory would fall the same trend.
206. Soosan and FEEL have also argued that change in capital employed despite no change in fixed assets and depreciation is improper. It is noted that capital employed has changed due to the sale of fixed assets by a related party to the applicant.

## J.7 Salary, Wages and No. of Employees

### J.7.1 Submissions by the domestic industry

207. The following submissions have been made by the domestic industry:

<sup>151</sup> Page 19 of Soosan's Written Submissions; Page 19 of FEEL's Written Submissions.

<sup>152</sup> Page 20 of Soosan's Written Submissions.

- a. The number of employees has remained constant since 2020-21 FY. However, the salaries and wages have increased by 44 index points indicating the rising operating cost of the domestic industry.
- b. It is submitted that the PUC is a complex engineered product and requires technically skilled staff who need to be paid higher remuneration.<sup>153</sup>

### **J.7.2 Submissions by the other interested parties**

208. The following submissions have been made by the other interested parties

- a. The salaries and wages of the employees have increased with the increase in the number of employees, and therefore, there is no injury.<sup>154</sup>
- b. The productivity per day per employee of the applicant has increased.<sup>155</sup>

### **J.7.3 Examination by the Authority**

209. The following tables shows the figures pertaining to wages, employment, and productivity of the applicant:

Table 13: Employment (Rock Breakers)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Wages	₹ lacs	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	117	145
2	No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	127	132
3	Productivity/day		***	***	***	***
	Trend	Index	100	79	148	114
4	Productivity/Employee		***	***	***	***
	Trend	Index	100	79	116	86
5	Wages/Employee	₹ lacs/Nos	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	92	110

210. It is noted that wages of employees have increased over the injury period and have peaked in the POI. The number of employees has also increased over the course of the injury period. The applicant explained that the PUC is a complex engineering product and they have, therefore, hired skilled labourers who demand higher remuneration. It is further noted that with an increase in production during 2020-21, the number of employees increased. The increase in wages/employee is nominal. It is noted that productivity per day has increased, whereas productivity per employee has registered a marginal decline.
211. Soosan and FEEL have argued that the applicant is not suffering from injury as it has been able to increase wages as well as its number of employees. It is noted that a mere increase in wages and the number of employees cannot be a ground to conclude the non-existence of injury.

## **J.8 Inventories**

### **J.8.1 Submissions by the domestic industry**

212. The following submissions have been made by the domestic industry:

### **J.8.2 Submissions by the other interested parties**

213. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The trend of working capital and average inventory do not exhibit the same trend, even though the two are interrelated.<sup>156</sup>

<sup>153</sup> Para 51 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>154</sup> Page 18 of Soosan's Written Submissions; Page 16 of DAEMO's Written Submissions; Page 18 of FEEL's Written Submissions; Page 17 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>155</sup> Page 18 of Soosan's Written Submissions; Page 19 of FEEL's Written Submissions.

<sup>156</sup> Page of Soosan's Rejoinder Submissions; Page of FEEL's Written Submissions.

**J.8.3 Examination by the Authority**

214. The following table shows the inventory figures of the applicant:

Table 14: Inventories (Rock Breakers)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Average Inventory	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	117	112	140

215. It is noted that the applicant's inventories have increased over the injury period except during 2020-21, wherein it registered a marginal decline as compared to the previous year but remained above the base year level. The inventories have attained their highest level during the POI. The applicant has explained that despite undertaking limited production and selling below cost of sales, it has not been able to increase its sales only marginally due to the presence of low-price dumped imports in the market.

**J.9 Growth****J.9.1 Submissions by the domestic industry**

216. No contesting submissions have been made by the domestic industry.

**J.9.2 Submissions by the other interested parties**

217. No contesting submissions have been made by the other interested parties.

**J.9.3 Examination by the Authority**

218. The following table shows the inventory figures of the applicant:

Table 15: Growth (Rock Breakers)						
S.No.	Particulars		2019-20	2020-21	POI	POI compared to the base year
1	Production	%	(***)	***	(***)	***
2	Domestic Sales	%	(***)	***	(***)	***
3	Profit/Loss	%	(***)	***	(***)	(***)
4	ROCE	%	(***)	***	(***)	(***)
5	Inventory	%	***	(***)	***	***
6	Market Share	%	(***)	***	(***)	(***)

219. From the above, it is noted that the domestic industry has exhibited growth in terms of sales and production as compared to the base year, whereas its performance has declined with respect to other parameters. It is further noted that the domestic industry's performance in POI significantly declined as compared to the previous year. The domestic industry's performance improved in 2020-21 compared to 2019-20. It is noted that during this period, the volume of imports from the subject countries declined, whereas landed value improved. However, with the consequent increase in dumped imports during the POI and the decline in landed value, domestic industry's parameters were affected adversely.

**J.10 Magnitude of Dumping Margin****J.10.1 Submissions made by the domestic industry**

220. No contesting submissions have been made by the domestic industry.

**J.10.2 Submissions made by the other interested parties**

221. No contesting submissions have been made by the other interested parties.

**J.10.3 Examination by the Authority**

222. As noted above, the dumping margin of the subject goods from the subject countries except D&A and Soosan is above the *de minimis* limit and is significant. It is further noted that the dumping margin of the cooperating producers from Korea RP and China PR is also above the *de minimis* limit and is significant (barring D&A and Soosan) for rock breakers.

**J.11 Ability to raise capital investment****J.11.1 Submissions made by the domestic industry**

223. No contesting submissions have been made by the other interested parties.

**J.11.2 Submissions made by the other interested parties**

224. No contesting submissions have been made by the other interested parties.

**J.11.3 Examination by the Authority**

225. The applicant has submitted that due to dumped imports from the subject countries, it has been forced to sell below cost of sales and has therefore been making losses, which has impacted its ability to raise capital investment for further expansion and diversification.

226. It is noted that with the continuous losses being suffered by the domestic industry, its ability to raise capital has been adversely affected. However, despite an increase in demand for the subject goods in the POI, the applicant's performance has deteriorated considerably, and thereby, its ability to raise capital investments has diminished.

**K SECTION: CHISELS****K.1 Volume effect of dumped imports****K.1.1 Submissions made by the domestic industry**

227. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The volume of imports of chisels has increased in absolute as well as relative terms.

**K.1.2 Submissions made by the other interested parties**

228. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Imports of subject goods from Korea RP have declined in relation to total Indian production, and total Indian demand as well as total imports of the PUC during the POI as compared to the base year.<sup>157</sup>
- b. The imports of chisel have moved in tandem with the increase in Indian demand. During the same period, the applicant has been able to significantly improve its production. Thus, there is no volume injury.<sup>158</sup>
- c. The volume of imports of chisel from Korea RP have halved with the decline in demand of the subject goods<sup>159</sup>. Sales of the domestic industry have also declined. Whereas the volume of imports from China PR of chisel has increased significantly as compared to the previous year.<sup>160</sup>

**K.1.3 Examination by the Authority**

229. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in the volume of dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. As stated above, the investigating team has arrived at the final volumes based on DG Systems data coupled with the export information provided by the participating producers.

230. It is also noted that chisels are either sold as a separate commodity, or it may be sold along with the rock breakers. A significant quantity of chisels may have been imported along with rock breakers. The volumetric parameters examined below represent imports of chisels which are sold as a separate commodity and not chisels sold along with rock breakers since it was not possible to segregate the entire volume of chisels exported to India.

231. The distribution of various sources of supply of the PUC in demand is as follows:

<sup>157</sup> Page 34 of Everdigm's Written Submissions; Page 34 of D&A's Written Submissions.

<sup>158</sup> Para 50 of Eddie's Written Submissions.

<sup>159</sup> Page 33 of Everdigm's Written Submissions; Page 33 of D&A's Written Submissions.

<sup>160</sup> Page 16 of Soosan's Written Submissions; Page 15 of FEEL's Written Submissions; Para 30 of Hansung's Written Submissions.



Table 16: Volume Parameters (Chisels)

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Domestic Sales – Applicant	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	94	88	76	
2	Domestic Sales – Other Producers	MT	-	-	-	-	
	Trend	Index	-	-	-	-	
3	Subject Countries	MT	2,705	6,707	4,727	7,185	*** <sup>161</sup>
	Trend	Index	100	248	175	266	-
4	Subject Countries – Non-dumped Imports	MT	Not determined				*** <sup>162</sup>
5	Other Countries – Imports	MT	19	47	51	36	-
	Trend	Index	100	247	266	186	
6	Total imports	MT	2,724	6,754	4,778	7,220	
	Trend	Index	100	248	175	265	
7	Total Demand	MT	***	***	***	***	
	Trend	Index	100	187	141	190	
<b>Subject Imports in relation to</b>							
8	Indian Production	%	***	***	***	***	*** <sup>163</sup>
	Range	%	100-150	350-400	250-300	450-500	450-500
9	Total Demand	%	***	***	***	***	*** <sup>164</sup>
	Range	%	60-70	70-80	70-80	80-90	80-90
10	Total Imports	%	99	99	99	100	*** <sup>165</sup>

232. Table 16 shows that subject imports from the subject countries have increased from 2705 MT in the base year to 7185<sup>166</sup> MT in the POI, i.e. an increase of 4469<sup>167</sup> MT compared to the base year. The non-dumped import volume is \*\*\*<sup>168</sup> MT. The demand for subject goods has also increased through the POI except in 2020-21, wherein the demand declined. However, the demand remained substantially above the base year level. During 2020-21, the volume of imports from the subject countries declined significantly by almost 2000 MT as compared to 2019-20. It is noted that despite a decline in volume, the applicant was not able to increase its sales of chisels.

<sup>161</sup> See note 143.

<sup>162</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

<sup>163</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

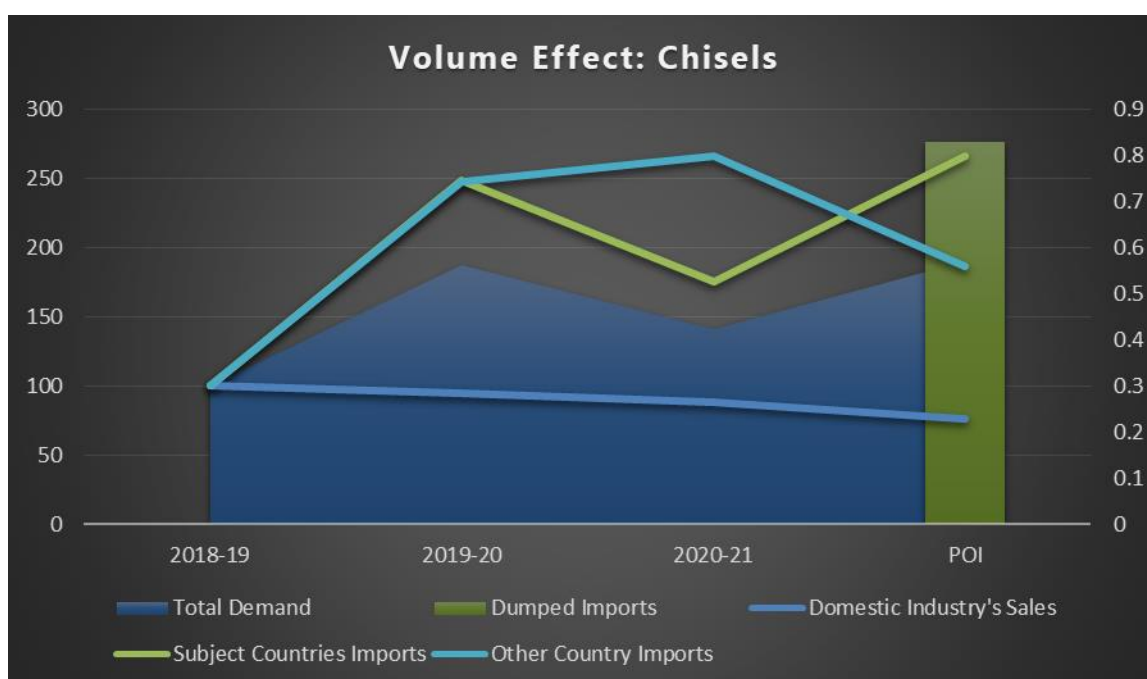
<sup>164</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

<sup>165</sup> Number has been kept confidential as it pertains to a single exporter.

<sup>166</sup> Confidential. Disclosure of these figures from total imports would reveal the volume of a single exporter.

<sup>167</sup> *Id.*

<sup>168</sup> *Id.*



233. Further, with a significant increase in demand for the subject goods in the POI, the volume of dumped imports has increased significantly as compared to the previous year. However, the domestic industry's sales during the same period have declined by \*\*\* %. Thus, the dumped imports from the subject countries have not only captured the entire growth in demand but also captured the share of the domestic industry.
234. Eddie has contended that the volume of imports from the subject countries has moved in tandem with the demand of the subject goods and that the domestic industry has been able to increase its production accordingly. It is noted that the domestic industry's sales have declined in the POI despite an increase in demand. Thus, dumped imports from the subject countries have not only subsumed the entire growth in demand but also captured the market share of the domestic industry.
235. As regards the relative increase in dumped imports from the subject countries, it is noted that as compared to the base year, dumped imports from the subject countries in relation to Indian production have increased by almost 342% in the POI as compared to the base year and 211% as compared to 2020-21 and constitute almost 100% of the volume of imports into India in the POI. The share of subject imports from the subject countries in demand has also increased from \*\*\*% in the base year to \*\*\*% in the POI, out of which \*\*\*% is dumped. The share of dumped imports is \*\*\*% of total demand and is above 2019-20 levels. Further, as compared to 2019-20 and 2020-21, the share of subject imports in the POI in relation to demand has increased by \*\*\*% and \*\*\*% respectively. Dumped imports constitute \*\*\*% of the total demand in the POI and have increased by \*\*\*% as compared to 2019-20. However, in relation to 2020-21, they have increased by \*\*\*%.
236. Soosan, Hansung, FEEL, D&A and Everdigm have argued that the volume of chisels has declined from Korea RP, and the injury to the applicant is due to an increase in the volume of imports of China PR. Based on the import data above, it is noted that the volume of imports of chisel from Korea has increased significantly as compared to the base year as well as the previous year. It is also noted that while imports from China PR have remained at their 2019-20 levels, the import volume from Korea PR has increased. The Authority, therefore, disagrees with the contention that injury to the domestic industry is solely due to imports from China PR.

## **K.2 Volume effect of the dumped imports on the market share of the domestic industry**

### **K.2.1 Submissions made by the domestic industry**

237. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The applicant's market share has declined significantly as compared to the base year whereas market share of other producers has increased significantly. Despite operating on low-capacity utilisation, the applicant has not been able to capture domestic market share because of dumped imports.<sup>169</sup>

### **K.2.2 Submissions made by the other interested parties**

238. The following submissions have been made by the other interested parties:

<sup>169</sup> Para 49 of DOZCO's Written Submissions.

- a. The decline in the domestic industry's market share of chisels is due to an increase in domestic sales of fully assembled hydraulic rock breakers in which chisels are captively consumed<sup>170</sup>.

### K.2.3 Examination by the Authority

239. The following table shows the market share of various sources of supply of chisel in India:

Table 17: Market Share (Chisels)							
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range		40-50	10-20	20-30	10-20	
2	Subject countries	%	60	79	74	84	*** <sup>171</sup>
3	Subject countries - Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>172</sup>
4	Other countries		0	1	1	0	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	

240. It is noted that the applicant's market share in the POI has declined as compared to all three years of the injury period. At the same time, the volume of subject goods from the subject countries has increased in the POI as compared to the previous year's levels. The market share of the non-subject countries has remained in the same range of 0-1%. The domestic industry's market share for chisels has declined by \*\*\*% as compared to the base year. During the same period, imports from the subject countries increased by 24%. During 2020-21, the domestic industry's market share increased as compared to 2019-20. This period also witnessed a decline in imports of the subject goods from the subject countries. However, despite an increase in demand in the POI of around \*\*\*% as compared to the previous year, the domestic industry's sales have declined. Further, the demand in the POI is almost at 2019-20 levels. However, as compared to 2019-20, domestic industry's sales have declined.

241. Everdigm and D&A argued that there has been a decline in sales of chisels as the applicant has chosen to sell chisels attached to rock breakers. The investigating team enquired into this allegation, and it is noted that even where the applicant sells chisels along with the rock breaker, the transaction of chisel is recorded separately and not subsumed within the transaction of rock breakers. Therefore, the Authority does not agree with the submissions of Everdigm and D&A.

### K.3 Price effect of the dumped imports on the domestic Industry

#### K.3.1 Submissions made by the domestic industry

242. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. Price undercutting from both subject countries is positive and significant, particularly in case of China<sup>173</sup>.

#### K.3.2 Submissions made by the other interested parties

243. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Change in cost and selling price cannot in itself indicate price suppression and depression on account of imports of PUC from Korea RP.<sup>174</sup>
- b. The landed value of imports from Korea RP has no correlation with domestic industry's selling price. The applicant has not been pressurised to reduce or increase its price due to low volume high priced imports from Korea RP.<sup>175</sup>

<sup>170</sup> Page 20 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 21 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>171</sup> See note 143.

<sup>172</sup> *Id.*

<sup>173</sup> Para 49 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>174</sup> Page 35 of Everdigm's Written Submissions; Page 35 of D&A's Written Submissions.

<sup>175</sup> Page 35 of Everdigm's Written Submissions; Page 35 of D&A's Written Submissions.

- c. The Authority should seek explanation regarding the anomalous increase of about 34% in cost of sales for chisel between 2020-21 and the POI.<sup>176</sup>

### K.3.3 Examination by the Authority

#### K.3.3.1 Price Undercutting

Table 18: Price Undercutting - Chisels (Dumped Imports Only)								
S.No.	Particulars	Quantity	CIF	LV	NSR	PU	PU	PU
		MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	₹/MT	%	Range
1	Subject Countries	***	79,887	87,705	***	***	***	70-80

244. The price undercutting for chisels is positive and significant.
245. D&A and Everdigm have argued that the price undercutting of chisels from Korea RP is negative. It is noted that once this Authority reaches a decision pertaining to the cumulation of imports from different sources of dumping, it is not required to assess price undercutting for each subject country separately. Rather, the obligation under Art. 3.4 of the Agreement on Anti-dumping, as well as under Annexure – II of the AD Rules, is to assess the price effects of dumped imports irrespective of the source, subject to fulfilment of *de minimis* criteria and conditions of competition.
246. D&A and Everdigm have argued that setting up of NSR is a voluntary commercial decision; therefore, price undercutting alone cannot indicate the existence of injury. For reasons mentioned in Section Rock breaker above, the Authority agrees with the D&A and Everdigm that price injury cannot in itself be the conclusive evidence of injury.
247. Concerning D&A and Everdigm's first limb of submission, this Authority agrees with D&A and Everdigm. The setting up of NSR is indeed a voluntary commercial decision, which is taken up by any entity, taking into account the various factors at play. Selling significantly below the cost of sales over an elongated period of time may not be considered commercially prudent for any business entity unless it intends to get an advantage over its competitors in terms of market share etc. However, this is not the case in the present investigation. The landed value of subject goods from the subject countries has been consistently below the cost of sales as well as the selling price.
248. Thus, despite undertaking losses in its sales and efforts to match the low price of the dumped imports, the applicant has not been able to increase its market share.

#### K.3.3.2 Price Suppression/Depression

249. The Authority assesses price suppression/depression to examine whether imports have prevented the domestic industry from increasing its prices and whether such imports have led to a reduction in prices. The following table depicts the parameters useful in assessing price suppression/depression:

Table 19: Price Suppression/Depression (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	122	90	127
2	Selling Price (NSR)	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	102	100	113
3	Landed Value	₹/MT	86,308	73,680	91,200	87,705
	Trend	Index	100	85	106	102

250. It is noted that there has been variation in the applicant's cost of sales throughout the injury period. It is further noted that the applicant's NSR has consistently remained below the landed value. The landed value has declined in the POI as compared to previous year. The landed value continues to remain significantly below the cost of sales. The applicant has explained that its cost of sales had declined in 2020-21 due to fixed cost absorption as a result of increase in sales.

<sup>176</sup> Page 35 of Everdigm's Written Submissions; Page 35 of D&A's Written Submissions.

251. While the cost of sales increased by 27 points<sup>177</sup>, selling price increased by only 13 index points, whereas landed value increased by merely 2 points as compared to the base year. Despite significant improvement in landed value in 2020-21 and a decline in cost of sales, the applicant was not able to increase its selling price. The applicant has explained that it made an attempt to match the prices of the dumped imports and increase its market share. As can be noted from Table 17, the applicant succeeded in increasing its market share during 2020-21. However, in the POI, the applicant industry has slightly increased its price to reduce its losses. Nevertheless, this has led to a decline in sales and a reduction in the market share of the applicant.
252. Everdigm and D&A have argued that changes in cost and selling price cannot by themselves indicate price suppression/depression. As stated above, the Authority compares several parameters to examine price suppression/depression. The aforementioned parameters are considered in conjunction and the Authority adopts a causation approach to establish whether imports are suppressing/depressing the prices of the applicant.
253. It is further noted that between 2020-21 and the POI, the cost of sales increased by 27 index points. During this period the landed value also increased 2 index points and reached its second highest level in the entire injury period, including the POI. The applicant was also able to increase its prices by 13 index points. However, the increase in selling price was much below the rise in the cost of sales. It is observed that during this period imports from the subject countries were undercutting domestic prices by \*\*\*%. Thus, the applicant could not increase its selling price. Thus, imports from the subject countries suppressed/depressed the prices of the applicant.
254. Everdigm and D&A have also argued that imports of chisels from Korea RP are low in volume and are high in price. For the reasons mentioned above regarding the cumulation of imports from subject countries, it is noted that the effect of dumped imports has to be considered as whole and not country-wise, and therefore, the Authority does not agree with Everdigm and D&A.

#### **K.4 Production, capacity, capacity utilization and sales**

##### **K.4.1 Submissions by the domestic industry**

255. The following submissions have been made by the domestic industry:

- Capacity utilisation of the applicant has declined.<sup>178</sup>
- The applicant's production has declined.<sup>179</sup>

##### **K.4.2 Submissions by the other interested parties**

256. The following submissions have been made by the other interested parties:

- The capacity has remained the same during the entire injury period. The decline in production and capacity utilisation<sup>180</sup> is due to a decline in demand for chisels<sup>181</sup>, and this decline cannot be attributed to subject imports from the subject countries.<sup>182</sup>

##### **K.4.3 Examination by the Authority**

257. The following table depicts the volumetric parameters of the applicant:

Table 20: Volumetric Parameters of the Domestic Industry (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Capacity	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	100	100
2	Production	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	98	92	80
3	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***

<sup>177</sup> As compared to base year.

<sup>178</sup> Page 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>179</sup> Para 50 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>180</sup> Para 32 of Hansung's Written Submissions.

<sup>181</sup> Page 17 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of Soosan's Written Submissions.

<sup>182</sup> Page 17 of DAEMO's Written Submissions; Page 17 of Soosan's Written Submissions; Page 15 of Ningbo's Written Submissions.

**Table 20: Volumetric Parameters of the Domestic Industry (Chisels)**

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
	Range	%	30-40	30-40	30-40	20-30
4	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	94	88	76

258. It is noted that the applicant's capacity has remained constant throughout the injury period, including the POI. However, production has gradually declined over the injury period, including the POI. Hansung, Soosan and DAEMO have contended that the decline in the applicant's production is a consequence of the decline in demand. However, as has been established above, demand for the subject goods has increased over the years, except in 2020-21. However, the applicant's sales have declined by 18 index points compared to 2019-20. At the same time, the volume of imports from the subject countries has increased. With the decline in production, the applicant's capacity utilisation has also declined and has reached its lowest level in the POI. The applicant's sales have also declined over the injury period, whereas the volume of subject imports has continuously increased. Thus, the dumped imports have adversely affected the applicant's volumetric parameters.

### **K.5 Volume effect of the dumped imports on the market share of the domestic Industry**

#### **K.5.1 Submissions by the domestic industry**

259. The following submissions have been made by the domestic industry:

- The imports of chisels are 3 times the total Indian production. The demand for chisels has steadily increased. However, the domestic market has been entirely captured by low-priced imports.<sup>183</sup>
- Market share of the applicant has declined during the POI even though the demand for rock breakers has increased by 31% since the base year. The decline in market share of the domestic producers is due to increase in the volume of low-priced imports.<sup>184</sup>

#### **K.5.2 Submissions by the other interested parties**

260. The following submissions have been made by the other interested parties:

- The decline in sales of chisel may be attributed to the decline in demand<sup>185</sup> of the subject goods and not to the imports from the subject countries.<sup>186</sup>
- The sales quantity and sales value of chisels have declined even though sales of rock breakers have increased. This difference in the performance of rock breakers and chisels shows a clear case of sales substitution wherein the customers prefer to buy fully assembled rock breakers with chisels (downstream product) rather than buying chisels (upstream product) separately.<sup>187</sup> Thus, the independent decline in sales of chisels cannot be considered injurious to the applicant.<sup>188</sup>

#### **K.5.3 Examination by the Authority**

261. The following table shows market share of the domestic industry and the subject countries in the total Indian demand:

**Table 21: Market Share (Chisels)**

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
1	Applicant's domestic sales	%	***	***	***	***	
	Range	%	40-50	10-20	20-30	10-20	

<sup>183</sup> Para 47 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>184</sup> Para 48 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>185</sup> Para 33 of Hansung's Written Submissions.

<sup>186</sup> Page 18 of DAEMO's Written Submissions; Page 18 of FEEL's Written Submissions; Page 15 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>187</sup> Page 37 of Everdigm's Written Submissions; Page 37 of D&A's Written Submissions.

<sup>188</sup> Page 37 of Everdigm's Written Submissions; Page 37 of D&A's Written Submissions.



Table 21: Market Share (Chisels)

S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI	POI (Dumped Imports)
2	Subject countries imports	%	60	80	74	84	*** <sup>189</sup>
3	Subject countries Non-dumped Imports	%	Not determined				*** <sup>190</sup>
4	Other countries	%	0	1	1	0	
5	Total Demand	%	100	100	100	100	
6	Total Demand	MT	***	***	***	***	-
	Trend	Index	100	187	141	190	

262. As compared to the base year, the applicant's sales have declined in the POI by 24 index points, whereas it has lost a market share of \*\*\*%. During the same period, demand has almost become twice as much as the base year. The volume of imports has continuously increased except a decline in 2020-21, even so, it remained above the base year level. Despite witnessing a strong rebound in demand during the POI, the applicant was not able to increase its market share. It is further noted that the demand is almost at level of 2019-20, however, the applicant's sales have declined whereas the share of dumped imports has declined by \*\*\*% in the total demand. Thus, the dumped imports have prevented the applicant from increasing its market share.

263. Hansung has argued that the demand for chisels has declined and therefore, the applicant is suffering from losses. It is noted that demand for the chisels is at its highest level in the POI and therefore, Hansung's submissions are not tenable.

264. Everdigm and D&A have argued that the applicant's sales in chisel have declined as it has started to sell chisels primarily with rock breakers. It is noted that the applicant records the sale of chisels separately in its sales register even if it is sold along with rock breakers. The Authority, therefore, does not agree with Everdigm and D&A's submissions.

## K.6 Financial Parameters of the domestic industry

### K.6.1 Submissions by the domestic industry

265. The following submissions have been made by the domestic industry:

- The applicant has been suffering from significant losses due to dumped imports.
- The applicant has been forced to sell below the cost of sales due to the presence of dumped imports and is therefore not able to earn adequate returns.

### K.6.2 Submissions by the other interested parties

266. The following submissions have been made by the other interested parties:

- The profitability data provided by the applicant is distorted as the applicant has cumulated<sup>191</sup> information on domestic as well as export sales.<sup>192</sup>
- The profitability of the applicant has increased sharply during the POI as compared to the base year.<sup>193</sup>
- It is submitted that working capital and inventory have a direct correlation. However, the applicant's working capital is showing an abnormal trend whereas the average inventory has not moved in the same trend. The figures provided by the applicant appear to be concocted and incorrect.<sup>194</sup>

<sup>189</sup> Confidential. Disclosure of these figures from total imports would reveal the volume of a single exporter.

<sup>190</sup> *Id.*

<sup>191</sup> Page 87 and 90 as cited by Everdigm.

<sup>192</sup> Page 37 of Everdigm's Written Submissions; Page 37-38 of D&A's Written Submissions.

<sup>193</sup> Page 16 of Soosan's Written Submissions; Page 16 of DAEMO's Written Submissions; Page 17 of Ningbo's Written Submissions; Para 34 of Written Submissions; Page 38 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>194</sup> Page 20 of Soosan's Written Submissions; Page 20 of FEEL's Written Submissions; Page 19 of Ningbo's Written Submissions.

- d. The PBIT as % of capital employed has increased substantially<sup>195</sup> and sharply for chisel in the POI as compared to the base year which establishes that there is no injury to the domestic industry.<sup>196</sup>
- e. The revised data submitted by the applicant shows the ROCE figure as positive, whereas the rest of the profitability figures are negative. The Authority should examine the veracity of the profitability parameters of the domestic industry.<sup>197</sup>

### K.6.3 Examination by the Authority

267. The following depicts the financial parameters of the applicant:

Table 22: Profitability Parameters (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	122	90	127
2	Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	102	100	113
3	Profit/Loss	₹/MT	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(230)	(44)	(200)
4	PBIT	₹ lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	100	318	31	246
5	Cash Profits	₹ lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(374)	(22)	(293)
6	ROCE	%	(***)	(***)	(***)	(***)
	Trend	Index	(100)	(413)	(59)	(371)

268. It is noted that the applicant's cost of sales has increased over the injury period except in 2020-21, wherein the cost of sales had declined. The applicant's selling price has also increased by 13 index points in the POI as compared to the base year and the previous year. However, the increase in selling price is not commensurate with the increase in the cost of sales. The applicant has been selling the subject goods at prices significantly below its cost of sales.
269. The applicant has been making losses throughout the injury period, and losses are at the second highest level in the POI. The applicant has incurred the highest losses in 2019-20. It is noted that the landed value of subject goods from the subject countries was at its lowest level during this period. PBIT and cash profits have followed the same trend as profits.
270. ROCE has significantly declined in the POI as compared to the injury period. The applicant has not been able to earn adequate returns.

### K.7 Wages, Employment and Productivity

#### K.7.1 Submissions by the domestic industry

271. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. Number of employees have remained constant since FY 2019-20. Salaries and wages have increased only by 6 index points despite high inflation. Productivity per employee has decreased due to a decline in capacity utilisation.<sup>198</sup>

#### K.7.2 Submissions by the other interested parties

272. The following submissions have been made by the other interested parties:

<sup>195</sup> Para 37 of Hansung's Written Submissions.

<sup>196</sup> Page 20 of Soosan's Written Submissions; Page 20 of FEEL's Written Submissions; Page 19 of Ningbo's Written Submissions.

<sup>197</sup> Page 21 of Everdigm's Rejoinder Submissions.

<sup>198</sup> Para 52 of DOZCO's Written Submissions.



- a. The salary and wages have increased with the increase in the number of employees.<sup>199</sup>
- b. The number of employees employed in chisel production increased during the intermediate year. However, the trend of salary has been irregular.<sup>200</sup> The Authority must examine whether the data provided in the application is correct.
- c. The productivity of the applicant has increased.<sup>201</sup>
- d. The applicant's productivity per day per employee has increased during the POI as compared to the base year.<sup>202</sup>

### K.7.3 Examination by the Authority

273. The following table provides the domestic industry's trends pertaining to salary, wage and employment:

Table 23: Employment (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Wages	₹ lacs	***	***	***	***
	Trend	Index	100	113	83	108
2	No. of Employees	Nos.	***	***	***	***
	Trend	Index	100	100	127	132
3	Productivity/day		***	***	***	***
	Trend	Index	100	98	92	80
4	Productivity/Employee		***	***	***	***
	Trend	Index	100	98	72	60
5	Wages/Employee	Rs./No.	***	***	***	***
		Index	100	113	65	82

274. Wages have increased compared to the base year by 8 index points and in relation to 2020-21 by 25 index points. Total wages had significantly increased in 2019-20 but have declined thereafter. It is further noted that wages/employee remain significantly below the base year level. However, wages/employee has increased in relation to 2020-21. The applicant has explained that in the wake of COVID-19, the domestic industry had adopted cost-cutting measures.
275. The number of employees has increased over the year, after remaining constant for the base year and the year subsequent to it. However, there was an increase in employees thereafter.
276. The productivity per day has remained in the same range and has marginally declined. Similarly, the productivity/employee has significantly declined over the injury period and has reached its lowest level in the POI. It is noted that the decline in productivity parameters is primarily on account of the decline in production.

## K.8 Inventories

### K.8.1 Submissions by the domestic industry

277. The following submissions have been made by the domestic industry:

<sup>199</sup> Para 35 of Hansung's Written Submissions.

<sup>200</sup> Page 18 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of Ningbo's Written Submissions; Page 18 of FEEL's Written Submissions:"

Particulars	Unit	2018-19	2019-20	2020-21	POI
No. of employees	Indexed	100	132	132	132
Salaries and Wages	Indexed	100	113	83	106

"

<sup>201</sup> Para 36 of Hansung's Written Submissions.

<sup>202</sup> Page 18 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of FEEL's Written Submissions; Page 19 of DAEMO's Written Submissions; Page 18 of Ningbo's Written Submissions.

- a. The applicant's inventories have increased in the POI.<sup>203</sup>

### **K.8.2 Submissions by the other interested parties**

278. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Working capital and inventory have not moved in the same trend even though the two are directly interrelated.<sup>204</sup>

### **K.8.3 Examination by the Authority**

279. The following table depicts the inventory levels of the domestic industry:

Table 24: Inventories (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2018-19	2019-20	2020-21	POI
1	Average Inventory	MT	***	***	***	***
	Trend	Index	100	112	126	123

280. It is noted that inventory has increased over the injury period but has marginally declined in POI as compared to the previous year, but still remains significantly above the base year and subsequent year. It is noted that despite a significant decline in production over the years, applicant's inventories have continued to increase.

## **K.9 Growth**

### **K.9.1 Submissions by the domestic industry**

281. No contesting submissions have been made by the domestic industry.

### **K.9.2 Submissions by the other interested parties**

282. No contesting submissions have been made by the other interested parties.

### **K.9.3 Examination by the Authority**

283. The following table depicts the growth of the domestic industry:

Table 25: Growth (Chisels)						
S.No.	Particulars	UoM	2019-20	2020-21	POI	POI compared to the base year
1	Production	%	(***)	(***)	(***)	(***)
2	Domestic Sales	%	(***)	(***)	(***)	(***)
3	Profit/Loss	%	(***)	(***)	(***)	(***)
4	ROCE	%	(***)	(***)	(***)	(***)
5	Inventory	%	***	***	(***)	(***)
6	Market Share	%	(***)	(***)	(***)	***

284. From the above, it is noted that except inventory, all parameters of the applicant have declined over the injury period. All parameters except inventories also show a declining trend as compared to the base year. The domestic industry's parameters had improved during 2020-21 as compared to the previous year. It is noted that during this period the import volume of subject goods had declined, and landed value had also increased. However, with the increase in the imports of dumped volume, the domestic industry's performance has further declined.

## **K.10 Magnitude of dumping margin**

285. As noted above, the dumping margin of the subject goods from the subject countries is above the *de minimis* limit and is significant. It is also noted that the dumping margin of the cooperating producers from Korea RP (except Soosan) is above the *de minimis* limit and is significant.

<sup>203</sup> Para 52 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>204</sup> Page 18 of Soosan's Written Submissions; Page 17 of FEEL's Written Submissions; Page 19 of DAEMO's Written Submissions; Page 18 of Ningbo's Written Submissions.

**K.11 Ability to raise capital investment**

286. The applicant has submitted that due to the presence of dumped imports from the subject countries, it has been forced to sell below cost of sales and has therefore been making losses which has impacted its ability to raise capital investment for further expansion and diversification.
287. It is noted that with the continuous losses being suffered by the domestic industry, its ability to raise capital has been adversely affected. However, despite an increase in demand for the subject goods in the POI, the applicant's performance has deteriorated considerably, and thereby diminishing its ability to raise capital investments.

**L CAUSAL LINK ASSESSMENT****L.1 Submissions by the domestic industry**

288. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The installed capacity remained constant throughout the entire injury period. There has also been only a marginal increase in the applicant's sales and production figures which is not proportionate to the growth in demand. The dumped imports command the majority share of the market for both rock breakers as well as chisels. The profitability parameters have been adversely impacted as a result of such dumped imports<sup>205</sup>
- b. Due to the increase in the quantity of dumped imports, the capacity utilisation has declined and the growth of the applicant in volume parameters<sup>206</sup> has remained sub-optimal.<sup>207</sup>
- c. The domestic industry's prices have been suppressed by low-priced imports.
- d. The demand for the subject goods has remained high. There are no trade restrictive practices. The technology used to manufacture the product remains the same. There has been no material change in the consumption of the PUC.<sup>208</sup>
- e. The shutdowns carried out due to COVID-19 did not have a significant impact on the performance parameters of the applicant.<sup>209</sup>

**L.2 Submissions by the other interested parties**

289. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Any injury suffered by the applicant is due to factors other than subject imports from Korea RP. The Authority must examine other known factors in accordance with obligations under Art.3.5 of the WTO Agreement on Anti-dumping and Annexure – II of the AD Rules, 1995, to find the cause of the injury to the applicant.<sup>210</sup> The same standard has been upheld by the Appellate Body in *US – Hot – Rolled Steel*<sup>211</sup> and the GATT Panel in *US – Norwegian Salmon*<sup>212</sup>. Accordingly, the Authority must distinguish the injurious effects of other known factors from the injurious effects of the dumped imports.<sup>213</sup> If the Authority concludes that there are factors other than imports from Korea RP, the Authority should terminate the investigation at its end.<sup>214</sup>
- b. The domestic industry manufactures chisels (upstream product) as well as rock breakers (downstream product). The sales value and quantity of chisels sold by the applicant have declined, whereas it has increased for rock breakers. This clearly indicates sales substitution wherein the applicant is more focused on increasing the sales and value of the downstream product, i.e. rock breaker. The sales of chisels have declined as rock breakers are being sold as complete and fully assembled sets.<sup>215</sup>

<sup>205</sup> Para 56 of DOZCO's Written Submissions; Para 60 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>206</sup> Para 60 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>207</sup> Para 56 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>208</sup> Para 57 of DOZCO's Written Submissions; Para 60 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>209</sup> *Id.*

<sup>210</sup> Page 21 of Soosan's Written Submissions; Page 21 of DAEMO'S Written Submissions.

<sup>211</sup> Appellate Body Report, *United States – Anti – dumping Measures on Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan* adopted 23 August 2001.

<sup>212</sup> Panel Report adopted by the Committee on Anti-dumping Practices, *United States – Imposition of Anti – dumping duties on imports of fresh and chilled Atlantic Salmon from Norway* (ADP/87) (adopted 27 April 1984).

<sup>213</sup> Para 23 of Soosan's Written Submissions; Page 23 of DAEMO's Written Submissions.

<sup>214</sup> Page 39 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>215</sup> Page 42 of Everdigm's Written Submissions; Page 42 of D&A's Written Submissions; Page 23 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 22 of D&A's Rejoinder Submissions.

- c. The applicant has stated in its application that the Government of India has exempted imports of the subject goods for certain projects from basic customs duty. This exemption raises several issues i.e. whether there exists a demand-supply gap for the subject goods, supply-side issues, quality of the PUC manufactured by the domestic industry, and compatibility issues of the equipment.<sup>216</sup>
- d. The applicant has failed to address several other factors such as depressed market conditions, subdued demand for the company's product, the impact of the pandemic as well as internal problems of the applicant which have played an important role in the deterioration of the applicant's performance.<sup>217</sup>
- e. As the applicant has been a loss-making entity throughout the injury period, the Authority should examine other factors such as subdued demand for the applicant's product, post-sale service and guarantee and warranty services.<sup>218</sup>
- f. The COVID-19 pandemic and the resultant lockdown is a widely known factor which demonstrates the absence of any causal relationship between the dumped imports and injury to the applicant. Global lockdown disrupted<sup>219</sup> the domestic as well as export<sup>220</sup> market of hydraulic rock breakers<sup>221</sup>.
- g. Despite the pandemic, all relevant economic parameters of the applicant have shown growth.<sup>222</sup>
- h. Other Indian manufacturers have not brought to the notice of the investigation. Such producers have not submitted their data, which indicates that they may not be suffering from injury at all. Therefore, any injury to the applicant is on account of its own inefficiencies or third factors.<sup>223</sup>

### **L.3 Examination by the Authority**

290. Para (v) of Annexure – II to the AD Rules, 1995 requires the Authority to establish that the domestic industry is suffering injury due to the dumped imports. At the same, the Authority is required to examine factors other than the dumped imports that could have impacted the performance of the domestic industry so that the injury caused by other known factors is not attributable to the dumped imports of the subject goods. The relevant factors in this respect include the volume of subject goods not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the pattern of consumption, trade restrictive practices, changes in technology, the export performance of the domestic industry and the productivity of the domestic industry. The aforementioned factors have been examined below:

#### **L.3.1 Volume of subject goods not sold at dumped prices**

291. The volume of subject goods from the subject countries has been found to enter the Indian market at dumped prices. The magnitude of the dumping margin is above the *de-minimis* limit, except D&A, for all cooperating producers exporting rock breakers to India. The magnitude of the dumping margin is above the *de-minimis* limit for all cooperating producers, except Soosan, exporting chisels to India. Further, the volume of subject goods from the non-subject countries constitutes an insignificant percentage of the total volume of imports of the subject goods and are at prices higher than dumped imports from the subject countries.

#### **L.3.2 Contraction in demand**

292. It is noted that demand for the subject goods has increased over the injury period after a slight decline in 2020-21. The demand is at its highest level in the POI.
293. Soosan, DAEMO, FEEL and Hansung have argued that the applicant has not addressed the depressed market conditions and that the applicant's product has been facing subdued demand. The Authority disagrees with

<sup>216</sup> Page 43 of Everdigm's Written Submissions; Page 43 of D&A's Written Submissions; Page 23 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 23 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>217</sup> Para 23 of Soosan's Written Submissions; Page 13 of DAEMO's Rejoinder Submissions; Page 12 of FEEL's Written Submissions.

<sup>218</sup> Para 11 of Hansung's Written Submissions.

<sup>219</sup> <https://www.prnewswire.com/news-releases/hydraulic-hammer-market-to-reach-3-4-billion-globally-by-2031-at-5-6-cagr-allied-market-research-301655879.html> (as cited as footnote 17 of Everdigm's Written Submissions).

<sup>220</sup> <https://www.marketwatch.com/press-release/mobile-hydraulic-rock-breaker-market-2022-key-product-segments-application-analysis-and-industry-growth-forecast-by-2028-2022-09-29> (as cited in Everdigm's submissions – at footnote 18).

<sup>221</sup> Page 40 of Everdigm's Written Submissions; Page 40 of D&A's Written Submissions; Page 22 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 24 of D&A's Rejoinder Submissions.

<sup>222</sup> Page 40 of Everdigm's Written Submissions.

<sup>223</sup> Page 43 of Everdigm's Written Submissions; Page 43 of D&A's Written Submissions; Page 23 of Everdigm's Rejoinder Submissions; Page 24 of D&A's Rejoinder Submissions.

these submissions. As stated above, the demand for the subject goods has increased over the period of time and is at the highest level in the POI. In fact, the volume of imports from all cooperating exporters has increased in the POI. Further, the conditions of competition for the imported subject goods from the subject countries and the applicant are the same. Therefore, it cannot be said that the applicant has been facing subdued demand due to factors other than dumped imports.

### **L.3.3 Change in pattern of consumption**

294. None of the interested parties has argued or brought forth any evidence which establishes a change in the pattern of consumption which could have impacted the performance of the domestic industry.

### **L.3.4 Trade restrictive practices**

295. None of the interested parties have argued or brought forth any evidence regarding any trade restrictive practices that could have impacted the domestic industry's performance.

### **L.3.5 Development in Technology**

296. None of the interested parties have argued or brought forth any evidence to demonstrate advancements in technology in the manufacturing of PUCs that could have impacted the performance of the domestic industry. The investigating team has found that the production process of the cooperative producers from China PR and Korea RP is similar to that of the applicant. It is, however, noted that some of the producers from Korea RP outsource the majority of the assembly and sub-assemblies manufacturing process in several instances.

### **L.3.6 Export performance of the domestic industry**

297. As compared to previous years, the applicant's exports have declined. It is noted, however, that the applicant's export sales have always constituted a very insignificant percentage (less than 5%) of its total sales. Thus, the applicant's export performance has not impacted the applicant's domestic sales performance.

### **L.3.7 Performance of other products of the domestic industry**

298. It is noted that the applicant only manufactures the PUC as defined in the present investigation. The data pertaining to such products have not been used in the present investigation. Therefore, it cannot be said that the applicant's performance with respect to other products has impacted the production or sales of the like article manufactured by the applicant.

### **L.3.8 Productivity of the domestic industry**

299. It is noted that the productivity of the applicant for chisels has remained in the same range over the injury period, including the POI. Even in the case of rock breakers, the applicant's productivity has remained in the same range. Therefore, the applicant's productivity cannot be considered as a factor impacting the performance of the domestic industry.

### **L.3.9 Sales Substitution**

300. Everdigm and D&A have argued that the applicant's performance in chisel has declined because of its focus on selling fully assembled rock breakers (along with chisels). As mentioned above, the applicant records the sale of chisel separately in its sales register even if it is sold along with rock breakers. Therefore, the Authority does not agree with Everdigm and D&A's submissions.

### **L.3.10 Exemption of basic customs duty for certain projects**

301. Everdigm and D&A have argued that the exemption of basic customs duty on the PUC for certain projects raises several questions pertaining to the existence of demand-supply issues and the quality of the PUC. It is noted that none of the cooperating producers have brought forth any evidence that establishes that the applicant's product is of inferior quality or adduced any evidence to demonstrate that the applicant does not provide effective after-sale service.

302. It is further noted that the existence of a demand-supply gap or exemption of basic customs duty for certain projects does not warrant dumping of the subject goods. The Authority, therefore, does not agree with the submission of the applicant.

### **L.3.11 Impact of COVID-19**

303. It is noted that the demand in the POI has rebounded to pre-covid levels for both the subject goods, and therefore, it cannot be considered that COVID-19 has adversely impacted the market.

### **L.3.12 Factors establishing Causal Link:**

304. After examining the factors enumerated above, the Authority holds that the domestic industry has not suffered injury in the POI due to other factors. Further, the following factors show that the injury to the domestic

industry is due to the subject imports:

- a. For rock breakers as well as chisels, the volume of dumped imports from the subject countries has increased in the POI as compared to the injury period in absolute terms as well as in relation to the production and consumption of the subject goods in India. As a consequence of such an increase in the volume of low-priced dumped subject goods, the domestic industry has not been able to sell the like article manufactured in significant quantities in the domestic market, nor has it been able to benefit from the growth in consumption.
- b. For rock breakers as well as chisels, the applicant's capacities remain significantly underutilized.
- c. Due to the low-priced imports of the subject goods from the subject countries, the applicant has been selling the like article manufactured by it below its cost of sales. As a result, the domestic industry has been forced to sell at losses.
- d. The low-priced subject imports have depressed the prices of the like article manufactured by the applicant.
- e. The adverse impact of the dumped imports on the selling price of the domestic industry has led to a significant loss, a decline in cash profit and a significant reduction in the return on capital employed.
- f. The growth of the domestic industry has become adversely affected in respect of several economic parameters.
- g. The incremental demand for the subject goods in the POI has been almost entirely captured by the imports from the subject countries, which has caused the applicant not to be able to take advantage of the growth in Indian demand.

## **M INJURY MARGIN**

### **M.1 Submissions by the domestic industry**

305. No contesting submissions have been made the domestic industry.

### **M.2 Submissions by the other interested parties**

306. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. Eddie submits that the cost structure, as well as the manufacturing process of assemblies and sub-assemblies of rock breakers, is different from that of a fully assembled rock breaker. To ensure fair comparison, the Authority should not compare sub-assemblies separately from fully assembled rock breakers.<sup>224</sup>

### **M.3 Examination by the Authority**

307. The Authority has determined non-injurious price (NIP) for the domestic industry on the based on the principles laid down in Annexure III to the AD Rules, 1995, as amended. The NIP of the like article has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry for the period of investigation. For the determination of the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with respect to utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses are charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III to the AD Rules, 1995.
308. The landed value for China PR has been determined by adding a 7.5 % basic customs duty and other applicable surcharges and cess to the CIF value of the subject goods. The landed value for Korea RP is the CIF Value for the subject goods.
309. Eddie has argued that the cost structure of assemblies and sub-assemblies is different from that of a fully assembled rock breaker. As has been clarified above, assemblies and sub-assemblies are nothing but a form of fully assembled rock breaker. It is further noted that assemblies and sub-assemblies compete in the same market as that of a fully assembled rock breaker. Therefore, separate computation of injury margin for assemblies and sub-assemblies is unwarranted.
310. The injury margin has been computed as the difference between the landed value of the subject goods and the non-injurious price of the like article manufactured by the domestic industry.

## **N DETERMINATION OF INJURY MARGINS**

311. Considering the landed value of the subject goods from the subject countries and the non-injurious of the like article manufactured by the domestic industry, the dumping margins are as follows:

---

<sup>224</sup> Paras 89-90 of Eddie's Written Submissions.

INJURY MARGIN TABLE: Rock breaker						
Sl.No.	Producer	Non-injurious Price (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range
<b>Korea RP</b>						
1.	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
2.	Daemo Engineering Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
3.	FEEL Industrial Engineering Co. Ltd	***	***	***	***	0-10
4.	Hyundai Everdigm Corporation	***	***	***	***	20-30
5	D and A Heavy Industries Co., Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
6	Any producer	***	***	***	***	50-60
<b>China PR</b>						
1.	Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd.	***	***	***	***	130-140
2.	Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd.	***	***	***	***	20-30
3.	Any producer	***	***	***	***	160-170

INJURY MARGIN TABLE: Chisel						
Sl.No.	Producer	Non-injurious Price (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range
<b>Korea RP</b>						
1.	Soosan Heavy Industries Co. Ltd.	***	***	(***)	(***)	Negative
2.	HANSUNG SPECIAL MACHINERY CO., LTD	***	***	(***)	(***)	Negative
3	Any producer	***	***	***	***	10-20
<b>China PR</b>						
2.	Ningbo Yinzhou Get Machinery	***	***	***	***	0-10

INJURY MARGIN TABLE: Chisel						
Sl.No.	Producer	Non-injurious Price (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range
	Ltd.					
3.	Any producer	***	***	***	***	30-40

## O POST DISCLOSURE EXAMINATION

312. The Authority circulated the disclosure statement containing all essential facts under consideration for making the final recommendations to the Central Government to all interested parties on 20<sup>th</sup> March 2024. The interested parties were directed to file their comments on the disclosure statement by 24<sup>th</sup> March 2024. None of the interested parties requested for additional time for submission of post-disclosure comments. The Authority has examined all post – disclosure comments made by the interested parties in these final findings to the extent deemed relevant. Any submission which was merely a reproduction of the previous submission and which had been adequately examined by the Authority has not been repeated for the sake of brevity.

### O.1 RE: The Product Under Consideration

313. DOZCO submitted that the Authority rightly defined the scope of the PUC. DOZCO stated that other jurisdictions also provide explanations to the scope of the PUC, which may give an elaborate list of items originally not defined. In the “*less than fair value investigation on Brass Rods exported from India*”,<sup>225</sup> the USDOC had modified the scope of the PUC to include various items and types of products. DOZCO referred to the final scope ruling in “*Paper shopping bags exported from India*”,<sup>226</sup> where the USDOC noted that it has significant discretion while determining the scope of the PUC, and it must provide ample deference to the applicant to clarify and identify the products for which it seeks or does not seek relief.

314. DOZCO has argued that in the present investigation, the Authority has merely provided clarification as to the scope of the PUC, which was part of the investigation *ab initio*. This is also similar to the USDOC practice in which the subject line is merely a brief of detailed explanation given later in the initiation notification.<sup>227</sup> Accordingly, DOZCO requested the Authority to confirm the scope of the PUC as has been proposed in the disclosure statement.<sup>228</sup>

315. The Authority notes that through the Scope Notification the scope of the PUC was only clarified. The scope of the PUC remained the same as defined in the initiation notification.

316. Eddie submitted that the seven sub-assemblies identified by the Authority in the PCN notification dated 16th June 2023 cannot individually be identified as “forms” of hydraulic rock breakers. Eddie further submitted that the PUC defined by the Authority exceeded what was mentioned in the application. It was submitted that DOZCO, in its application, has not made any references to the apprehension of circumvention. Eddie submits that in the present case, neither the application nor the initiation notification mentions anything about the seven assemblies/sub-assemblies. Therefore, the decision of CESTAT in *Huawei*, *Merino Panel Products*, and *Intercontinental* are not applicable to the present case. It was submitted that in all investigations concerning capital goods, the PUC merely made references to CKD and SKD forms of the product but did not make references to individual parts or assemblies.

317. Eddie has further contended that the inclusion of the seven assemblies/sub-assemblies of rock breakers within

<sup>225</sup> See Page 7 of the Preliminary Scope Determination issued by Department of Commerce, Less-Than-Fair Value Investigations of Brass Rod from Brazil, India, Israel, Mexico, the Republic of Korea, and South Africa and Countervailing Duty Investigations of Brass Rod from India, Israel, and the Republic of Korea, (A-533-916) Dated September 25, 2023; *see also*, *Mitsubishi Electric Corp. v. United States*, 898 F.2d 1577, 1583 (Fed. Cir. 1990) (Mitsubishi); *see also* Senate Report on Trade Agreements Act of 1979, S. Rep. No. 96-249 (1979) at 45 (stating that “domestic petitioners and the administrators of the law have reasonable discretion to identify the most appropriate group of products for purposes of both the subsidy and injury investigations”).

<sup>226</sup> See Page 8 of the Less-Than-Fair Value and Countervailing Duty Investigations of Certain Paper Shopping Bags from Cambodia, the People’s Republic of China, Colombia, India, Malaysia, Portugal, Taiwan, the Republic of Turkey, and the Socialist Republic of Vietnam: Final Scope Decision Memorandum, Dated March 11, 2024 (C-533-917).

<sup>227</sup> Para 15 of DOZCO’s Comments on Disclosure Statement

<sup>228</sup> Para16 of DOZCO’s Comments on Disclosure Statement.



the scope of the PUC was never intended by DOZCO in its application. DOZCO claimed that its imports accounted for less than \*\*\* % of the Indian demand – however, this claim is contrary to what DOZCO mentioned in its application, wherein it claimed to import low-value ‘parts of PUC’ during the POI. DOZCO intentionally made a false statement before the Authority that it did not import the PUC and only disclosed its imports once the other interested parties brought data and evidence regarding DOZCO’s imports.

318. The Authority notes that Eddie’s above contentions are a repetition of what it has stated in its written and rejoinder submissions. These arguments have been appropriately addressed in the relevant sections above.
319. Everdigm and D&A have re-iterated that the applicant only intended to include fully assembled hydraulic rock breakers in their application, and the PCN notification dated 16<sup>th</sup> June 2023 is an expansion of the original PUC defined in the initiation notification. It was further submitted that none of the investigations cited in the disclosure statement are instances where the scope of the PUC has been broadened. Everdigm and D&A further submitted that since the PCN notification dated 16<sup>th</sup> June 2023 was not a gazetted document, parties may not have been adequately notified of the same. Producers of the newly added products who may not have been interested in the investigation before have not been sufficiently notified. They further submitted that as per the Manual of Operating Practices, the scope of the PUC is frozen at the stage of the initiation itself and cannot be modified thereafter.
320. The Authority notes that these arguments of Everdigm and D&A are a repetition of the arguments they made earlier, which are appropriately dealt with in the relevant section of this final finding.
321. Eddie additionally submitted that the standing of DOZCO must be assessed separately in relation to each and every individual item covered in the PUC separately.
322. The Authority notes that Eddie’s argument is unsubstantiated. The PUC is defined as “*alloy steel chisel/tool and hydraulic rock breakers in fully assembled condition*” – the standing has been assessed on the basis of the PUC so defined. As is the consistent practice of the Authority, the standing of the domestic industry is required to be assessed in relation to the PUC as a whole and not for every assembly/sub-assembly of the PUC.
323. Eddie, Everdigm, and D&A submitted that rock breakers imported as spare parts or for replacement of parts of already imported rock breakers must be excluded from the scope of the PUC since parts of rock breakers are company and model-specific. This is also because the dimensions and specifications of parts of rock breakers are unique and specific to a particular brand. A user cannot replace parts of imported rock breakers with those manufactured by DOZCO. It was also submitted that if the Authority’s intention was to cover imports of all ‘forms’ of imports hydraulic rock breakers (i.e., whether fully assembled or unassembled), then the Authority should not have any objection to the exclusion of imports of replacement parts since they cannot be regarded as imports of ‘forms’ of hydraulic rock breakers. Everdigm and D&A referred to the *anti-circumvention investigation concerning CR Flat Products of Stainless Steel from China PR, Korea RP, the EU, South Africa, Taiwan, Thailand and the USA*, where exclusion was granted on an end-usage basis:

*The PUI which is imported by an importer for end use in the same form without slitting (except to the extent of tolerances as mentioned in the Custom Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11<sup>th</sup> December, 2015) will not be liable for payment of the applicable AD Duty as per Custom Notification No. 61/2015-Customs (ADD) dated 11<sup>th</sup> December, 2015.”*

324. Regarding imports of spare parts or parts used for replacement of rock breakers, the Authority notes that there is no reliable way to determine whether the goods are being imported for replacement. If the exemption is granted, parties may mis-declare or misrepresent imports as replacement to evade the duties. The possibility of misuse of the exemption, if granted, cannot be ruled out. Therefore, the Authority has decided not to grant this exemption requested by Everdigm, D&A and Eddie.
325. Everdigm and D&A submitted that the assembly process of fully assembled hydraulic rock breakers involves technical and skilled workmanship, which adds substantial value to the end product. There is a value addition of above 40%.
326. The Authority notes that it has already addressed all arguments regarding the possibility of imminent circumvention in the relevant sections above. Everdigm and D&A have not offered any substantiated estimates of conversion costs and expenses associated with the assembly process of hydraulic rock breakers. Further, as already explained above, the Ld. CESTAT has held that it is within the purview of this Authority to include within the scope of the PUC parts of goods which if not included, would defeat the purpose of the levy.<sup>229</sup>

<sup>229</sup> *Intercontinental Oils and Fats Pte. Ltd. v. Union of India and Ors.*, Anti-Dumping Appeal No. 50228 of 2019; *Huawei Technologies and Ors. v. Designated Authority and Ors.*, Appeal No. AD/13/2012 (CESTAT).

327. Everdigm and D&A submitted that the PUC is a capital good, which is sold in pieces and not in terms of its weight in Korea RP and worldwide; thus, no data in terms of weight is usually maintained by the Korean manufacturers. Everdigm and D&A also argued that in the absence of recorded data in terms of weight, a benchmark should have been provided to objectively convert data recorded in pieces into MT. Everdigm and D&A further submitted that “[a]t several points during the investigation, this request of a standard conversion methodology was officially made by the Respondent. However, such efforts elicited no response”. It was submitted that Everdigm and D&A attempted to convert the cost in terms of weight using the weight of the standard model measured at the time of the product development and that this data was filed under protest without agreeing to the objectivity of such data. It was further submitted that there may be customization requests from customers on the standard model, such as lubricant injection, change of design and materials of parts, etc., which would result in a change of actual weight of the product, vis-à-vis the weight of the product at the time of product development.
328. The Authority notes that the general statement that the PUC is “*sold in pieces and not in terms of its weight in Korea RP and worldwide*” does not seem appropriate. The import data as received from DG Systems clearly establishes that a significant share of import transactions, including transactions from Korea RP was reported in KGs. Thus, the claim that PUC is sold only in pieces and units is not apposite.
329. It is further noted that neither Everdigm nor D&A furnished any evidence on record to establish that minor modifications such as lubricant injection and change in design led to any significant change in weight. The issue was also discussed extensively during remote verification. However, neither of the two exporters were able to substantiate their claims that the weight of the products exported by them was at variance with the weight of the standard models.
330. It is also noted that Everdigm and D&A had also adopted an incorrect approach in the declaration of weight in Appendix 3A as well as Appendix 4A. The weights reported by Everdigm and D&A were found to be at a wider variance than the weights reported for models on their website. The investigation team subsequently asked Everdigm and D&A to revise the same, and the revised submissions were taken on record.
331. Additionally, the Authority notes that in its “submission of comments on the PCN on behalf of D&A Heavy Industries” dated November 19, 2022, D&A specifically requested the Authority to consider weight as a parameter of the PCN:

*It is our humble submission that the non-inclusion of weight and diameter as one of the characteristics in devising the PCN system for the purpose of the present investigation would defeat the requirement of conducting a fair comparison among the different types/ forms of the PUC. Accordingly, D&A humbly requests that breakers should be classified as ‘Heavy’ and ‘Others (=non-heavy breakers)’ basis their weight and diameter as a parameter while finalizing PCN methodology.*

332. The arguments raised by D&A are difficult to appreciate in view of its initial submissions wherein it requested the Authority to frame a PCN system based on *inter alia* the weight of the product and has thereafter claimed that it does not maintain data in the form of weight. It is unclear to the authority as to how an interested party can suggest a parameter for formulating PCNs when it had no basis in its internal records to categorise the PUC on the parameter suggested by it. Interested parties should avoid from making such unstudied suggestions.
333. Given the apparent contradiction in the initial submission, statements thereafter made, the information provided in the response, (which D&A and Everdigm itself admitted that it was not entirely accurate), there were potential grounds to undertake appropriate substantive measures under Section N of the initiation notification. However, giving due deference to the concerns of D&A and Everdigm, the Authority deemed it fit to allow them to submit the revised information pertaining to weight, even though the initial response did not correctly identify the weight of the different rock breakers exported by D&A and Everdigm. In view of the above, the Authority rejects the arguments raised by D&A and Everdigm as unsubstantiated and self-contradictory.
334. The Authority further notes that MT was the most appropriate unit of measurement in the instant investigation for the reasons outlined above. The Authority sees no reason to re-iterate the same in this post-disclosure analysis.

## **O.2 RE: Confidential information in the Disclosure Statement**

335. Eddie submitted that the Authority has claimed excess confidentiality over landed value, C.I.F. import price, and dumping margin range of non-cooperating producers from China. It was submitted that as per Rule 7 and the judgments of the Hon’ble Supreme Court in *Reliance Industries Ltd. v. Designated Authority*<sup>230</sup> and *Union*

<sup>230</sup> (202) E.L.T. 23 (S.C.).

of *India v. Meghmani Organics Ltd. & Ors.*,<sup>231</sup> confidentiality is the prerogative of the parties and the Authority has no right to claim confidentiality in the proceedings.

336. The Authority notes that the C.I.F. import price, landed value, and dumping margin range of non-cooperating producers from China were inadvertently not mentioned in the disclosure statement. The same has been rectified in this finding. The Authority further notes that the non-disclosure of this information has not specifically prejudiced Eddie; the investigating team had promptly disclosed all information related to Eddie (landed value, C.I.F. price, etc.) to Eddie itself.

### O.3 RE: Scope of the domestic industry and standing

337. D&A and Everdigm submitted that they had provided a list of PUC manufacturers to the Authority, showcasing that the DOZCO is not the sole producer of the PUC in India. However, the Authority has not examined the same.<sup>232</sup>
338. It is noted that D&A and Everdigm had merely provided a list of entities along with their websites. This list did not set forth any evidence regarding the production or capacity of these entities, nor did any of these entities participate in the present investigation. Even the website of these entities did not mention whether the PUC was manufactured by the entities or imported. Thus, there was no evidence to the contrary that DOZCO was the sole producer of the PUC. Accordingly, the Authority has determined the standing of the domestic industry based on the best information available.
339. The Authority further notes that D&A and Everdigm failed to provide even primary contact information of these alleged domestic producers to the investigation team. It is noted where an interested party disputes the existence of a fact, the burden of proof to establish the same rests on such interested party. The Authority cannot be obliged to chase every unsubstantiated claim or mere utterance by an interested party. In this regard, the Authority finds that D&A and Everdigm have failed to discharge the burden of proof. The Authority confirms DOZCO's status as the sole manufacturer of the PUC.
340. DOZCO has argued that the Authority has failed to record the names of user industries who have supported the domestic industry.<sup>233</sup> It has argued that the same should be taken into cognisance as the user industry has mentioned explicitly that the Indian industry is not able to manufacture subject goods at competitive price due to the dumped imports.<sup>234</sup>
341. In this regard, the Authority recalls that information provided by supporters is used to determine the standing of the domestic industry. In the present case, no support letter has been filed on behalf of any other domestic producer. The 24 user industries have not provided any quantifiable information regarding the effect of imports. The letters of support filed by user industries are immaterial for deciding the standing of the industry. The Authority has, therefore, not considered the support expressed by the user industry. Nevertheless, the fact that the user industry has voiced support for the domestic industry has been recorded in the Indian industry issues section.
342. D&A and Everdigm have further argued that the standing of the domestic industry has to be each of the assemblies/sub-assemblies separately by taking into account the individual market share and commercial sales assemblies/sub-assemblies.<sup>235</sup> It is noted that assemblies and sub-assemblies are imported into the country for being assembled into rock breakers and compete in the market as fully assembled rock breakers. Assemblies/sub-assemblies merely differ in form and compete with fully assembled rock breakers. Therefore, determining separate standing in relation to each of the assemblies/sub-assemblies would lead to unnecessary fragmentation of the PUC. Further, as stated above, the domestic industry does manufacture assemblies/sub-assemblies. DOZCO merely sells them in fully assembled condition. It would be imprudent to conclude that upon specific request by any customer, DOZCO could not supply assemblies/sub-assemblies to such a customer given the fact that fully assembled rock breakers, which DOZCO is already supplying in the market, are nothing but an assemblage of these assemblies/sub-assemblies.
343. DOZCO has also explained apart from R&D purposes<sup>236</sup>, imports "*were made by the DI on account of urgent requirements for specialized forged and machined parts that could not be sourced from India owing to shortage of supply for these specialized forged and machined parts in India. Notably, these imports of PUC*

<sup>231</sup> 2016 (340) E.L.T. 449 (SC).

<sup>232</sup> Para 7 of D&A's Comments to Disclosure Statement; Para 7 of Everdigm's Comments to Disclosure Statement.

<sup>233</sup> Para II.2-4 of DOZCO's Comments to Disclosure.

<sup>234</sup> *Id.*

<sup>235</sup> Para 7 of D&A's Comments to Disclosure Statement; Para 7 of Everdigm's Comments to Disclosure Statement.

<sup>236</sup> Para 20 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

were used in the further manufacturing activities (like heat treatment, shot blasting and assembly into rock breakers) of like products by the DI and not resold to customers in the domestic market. The quantum of these imports is insignificant of the total production of PUC by the DI during the POI.<sup>237</sup>

344. Eddie submits that DOZCO fails to satisfy the requirements of Rule 2(b) of AD Rules, as it has imported the PUC. It has argued that rock breakers are capital goods and are sold in pieces/numbers. Considering the fact that the Authority has conducted the standing and injury analysis in previous cases<sup>238</sup> of capital goods in units of numbers and not in metric tons, the Authority should adopt the same approach in the present case. Analyzing imports by DOZCO by comparing the weight of such imports in metric tons with the total demand in India and DOZCO's total production and sales in metric tons would result in a skewed analysis and would be a mechanism to mask the imports by DOZCO for granting it the status of domestic industry in this investigation.

345. Eddie has further submitted that DOZCO has imported the following quantities of rock breakers:

Parts	Total Pieces
Back Head	***
Cylinder	***
Front Head	***
Hydraulic Body/Main Body	***
Piston	***
Other parts	***

346. Eddie has further submitted that DOZCO's imports of assemblies/sub-assemblies should be compared only with DOZCO's production of assemblies/sub-assemblies for determination of standing.<sup>239</sup> Further, the imports of DOZCO should also be assessed in light of production and sales of DOZCO. DOZCO has sold only fully assembled rock breakers. The Authority has also observed that DOZCO has not sold assemblies/sub-assemblies of rock breakers. Therefore, the Authority must examine the numbers/pieces of hydraulic rock breakers manufactured and sold by DOZCO during the POI and compare them with the number of assemblies/sub-assemblies imported by DOZCO during the POI. Only this will reveal whether DOZCO qualifies as a domestic industry under Rule 2(b) of the AD Rules. Eddie has further stated that the Authority cannot conclude on standing merely by comparing the weight of imported assemblies/sub-assemblies by DOZCO with the weight of its production, sales, and demand.<sup>240</sup>

347. It is noted that the Authority notified at the initiation stage that the unit of measurement for the present investigation is MT. It is further clarified that the standing of the domestic industry has been determined for the PUC as a whole, i.e., by taking into account the sales and production of chisels and rock breakers. It is noted that these products are used in the same market and are complementary to each other, therefore, standing of DOZCO has been determined by taking sales and production of chisels and rock breakers. In view of the above, the imports made by DOZCO represent less than 5% of its sales and production. Therefore, the Authority has considered that DOZCO fulfils the requirements Rule 2(b) of AD Rules.

348. It is further clarified that using pieces as units of measurement would lead to skewed analysis. Rock breakers consist of multiple assemblies/sub-assemblies. If each of the assemblies/sub-assemblies is treated as a single unit and fully assembled rock breakers are also treated as a single unit, it would unnecessarily distort the volume and price effect of imports. Thus, a simple "piece count" fails to capture these disparities, potentially misrepresenting the overall weight and economic impact of the imports. Metric tonnes provide a standardized unit for measuring the cumulative weight of imported rock breakers, regardless of their assembly state. This enables objective and accurate comparisons of import volumes across different categories (fully assembled vs. assembly/sub-assemblies). Using weight as the unit of measurement provides a more comprehensive distribution of the value of imports compared to using pieces as a unit of measurement. Thus, to prevent such distortion, a common factor of weight was adopted.

349. Eddie's assertion that standing for assemblies/sub-assemblies should be separately determined by comparing DOZCO's production of assemblies/sub-assemblies is also unwarranted. It is noted that DOZCO manufactures and sells fully assembled rock breakers. It would not be logical to exclude assemblies/sub-assemblies merely because DOZCO has not sold such assemblies/sub-assemblies in the market. DOZCO has been manufacturing

<sup>237</sup> Para 21 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>238</sup> [Industrial Laser Machine](#) and [Wheel Loaders](#).

<sup>239</sup> Para 39 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

<sup>240</sup> Para 41 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

and assembling sub-assemblies/assemblies into fully assembled rock breakers, which it subsequently sells in the market. Therefore, assemblies/sub-assemblies are being sold by DOZCO into the Indian market, although in the form of fully assembled rock breakers.

350. Eddie's insistence on commercial sales of rock breakers in the form of assemblies/sub-assemblies for DOZCO to qualify as domestic industry is therefore not appropriate as even the imported assemblies/sub-assemblies assembled into fully assembled rock breakers before being sold into the market. The Authority here recalls the observations in *Intercontinental*, wherein the Ld. CESTAT permitted the inclusion of parts of the PUC, even though the domestic industry in that case did not even have the capacity to manufacture the same in order to prevent circumvention of duties. It is further noted that separate determination of standing for assemblies and sub-assemblies in such an analysis is unwarranted as it would lead to unnecessary fragmentation of the PUC.
351. Eddie has further placed reliance on the judgement of the Hon'ble CESTAT in *Technova Imaging Systems*<sup>241</sup>. As stated in the disclosure statement and the foregoing paras above, Eddie's reliance on *Technova* is misplaced. In the present investigation, the domestic industry has been selling the subject goods in the market in commercial quantities, albeit in a different form.
352. Eddie has submitted that DOZCO's operations are similar to that of FINE and FYN, two alleged domestic producers who have participated in the investigation. Eddie has claimed that, like DOZCO, FINE and FYN also import assemblies/sub-assemblies and assemble them into fully assembled rock breakers.<sup>242</sup> The Authority notes that FINE and FYN have not been excluded from the scope of eligible domestic producers merely because they have imported the PUC. Rather, FINE and FYN's claims could not be assessed as they have furnished only an importer questionnaire response instead of the response meant for other domestic producers. Therefore, the Authority is not in a position to determine their eligibility as producers of the PUC, and FINE and FYN have been accordingly, not treated as domestic producers of the PUC.
353. DOZCO has relied on the Report of the Panel in *EC – Salmon* to argue that FYN and FINE do not carry out substantial value addition and therefore, should not be considered as domestic producers.<sup>243</sup>
354. The Panel in *EC – Salmon* noted as follows:

“7.114. The EC's assertion is difficult to square with the ordinary meaning of the term "produce". The verb "to produce" is defined, inter alia, as "[b]ring (a thing) into existence" and ""bring into existence by mental or physical labour (a material object)". ”<sup>244</sup>

355. DOZCO has argued that the term “bring into existence” signifies that a producer can be accredited with bringing something to existence only when there is substantial value addition. The Authority disagrees with such a broad interpretation. It is noted that neither the AD Rules nor the Anti-dumping Agreement consider any threshold of value addition for designating any manufacturer as a producer. The introduction of such a test might diminish the rights of interested parties or add onto obligations which do not currently exist under the AD Rules or the Anti-dumping Agreement. Furthermore, the test of substantial transformation would differ from industry to industry and on a case-to-case basis. However, given the fact that FYN and FINE have not been considered eligible domestic producers as they have not filed appropriate information, the Authority does not consider it necessary to examine this issue any further.

#### **O.4 RE: Normal Value and Dumping Margins**

356. DOZCO has stated that the Authority has taken a lenient approach towards exporters as the PCN notification was issued after a considerable lapse of time. According to DOZCO, this delay gave the other interested parties significant time to manipulate their responses.<sup>245</sup>
357. It is noted that the AD Rules do not provide any limitation beyond which PCN notification can be issued. The exercise of notifying PCNs is a complex task that has huge ramifications throughout the investigation and no straightjacket formula that is equally applicable in all investigations can be adopted. Further, DOZCO has merely expressed a possibility regarding the manipulation of data and has not pointed out any significant issue as to how such data was manipulated. It is noted that the investigating team has not found any such instances in the information provided by the cooperating exporters. Wherever the responses were not found to be sufficient, multiple deficiency letters were issued to the cooperating exporters to explain the deficiencies. Likewise, several opportunities were afforded to DOZCO to explain the issues in its application.

<sup>241</sup> Para 42 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

<sup>242</sup> Para 43 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

<sup>243</sup> Paras 23-24 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>244</sup> Panel Report, *European Communities – Anti-Dumping Measure on Farmed Salmon from Norway*, [WT/DS337/R](#), adopted 15 January 2008.

<sup>245</sup> Paras 5-6 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

358. Hansung has submitted that the Authority has determined a positive dumping margin for Hansung. However, in light of the negative injury margin determined for Hansung and the Authority's consistent adherence to the lesser duty rule, Hansung is not filing any comments on the dumping margin determined by the Authority.<sup>246</sup>
359. D&A has submitted that it accepts the dumping margin determined by the Authority and requests the same to be confirmed for final findings.<sup>247</sup> DOZCO has requested the Authority to reject D&A's questionnaire response as its related party Epiroc Mining India has not filed the importer questionnaire response.<sup>248</sup>
360. The Authority notes that D&A has not exported any of the subject goods to Epiroc Mining India during the POI. Thus, Epiroc Mining India has not been part of the import chain during the POI or during the injury period. The same has been confirmed from the DG Systems data as well as from the records provided by D&A. Accordingly, the Authority considers that in filing or not filing of questionnaire response by Epiroc Mining India would not make material impact on this investigation.
361. Everdigm has contended that non-determination of cost of production ("COP") for assemblies/sub-assemblies significantly undermines the reliability of the determinations based on COP. Thus, determinations for the PCN categories "HRB-D1" and "HRB-D3" were improper<sup>249</sup>. Furthermore, if information pertaining to sub-assemblies/assemblies are incorporated into calculations, the Authority should utilize the COP claimed by Everdigm. It is clarified that the COP of Everdigm for assemblies/sub-assemblies has been determined based on the information provided by Everdigm.
362. Everdigm has also contested the COP determined for the PCN categories "HRC". It was submitted that impairment losses have been included in COP determination. Unlike indirect selling general and administrative overheads, which are typically managed on a holistic basis without divisional differentiation and are allocated to PUC using an allocation ratio, impairment losses on tangible and intangible assets are regulated by accounting standards. Impairment losses are assessed once a year based on the accounting settlement date, the end of each year, considering the business performance of the asset use sector and reflected in the financial statements. The impairment losses are recognized in advance as accounting losses due to a reduced possibility of generating profits using the assets. In other words, it is an adjustment that reflects losses estimated to occur in the future in accounting. In other words, these are not costs actually incurred in the past, including during the period of investigation. The assessment of impairment losses calculated differently varies depending on the business sector utilizing the assets. In this case, the attachment division has shown profitability, thereby precluding the occurrence of impairment losses in this division. In light of the foregoing arguments, the Everdigm urges the Authority to reconsider its approach<sup>250</sup>.
363. Everdigm's has submitted that its landed value and net export price is also at variance despite the Authority acknowledging that all adjustments claimed by Everdigm have been allowed. It has stated that certain trading items may not have been excluded by the investigating team. In view of the above, the Authority was requested to revisit its export price determination.<sup>251</sup> It has also stated that in view of the concerns expressed in the calculation of COP, normal value and export price, dumping margin should be re-assessed.<sup>252</sup>
364. As regards Everdigm's submissions on impairment losses on assets factored into the costs of the PUC, even though it is unrelated to the attachment division responsible for producing and selling PUC, it is noted that during the process of desk verification, the respondent never raised this issue. This issue was specifically brought to the notice of the Authority only at the stage of post-disclosure. It is also noted that during verification, Everdigm claimed that they do not maintain separate trial balances and financial statements for the plants where the PUC is manufactured. On a detailed examination of the questionnaire response submitted by the respondent, it is seen that impairment losses on assets are grouped under indirect selling and administrative overheads, whereas similar common expenses are also grouped under the same heading. Everdigm has not submitted evidence supporting every item grouped under the indirect selling and administrative overheads either in the detailed questionnaire response or at the time of desk verification. In view of the above, the Authority has considered the total indirect selling and administrative expenses, including impairment losses for the company as a whole as claimed by the respondent and appropriately allocated to the PUC and NPUC as per the standard acceptable principles for determination of cost of production, which Everdigm agreed upon at the time of desk verification. Hence, raising a novel issue post-disclosure, which hitherto was neither discussed nor verified, cannot be accepted by the Authority at such a belated stage.

---

<sup>246</sup> Paras 2-4 of Hansung's Comments on Disclosure Statement.

<sup>247</sup> Para 8 of D&A's Comments on Disclosure Statement.

<sup>248</sup> Para 37 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>249</sup> Para 8 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>250</sup> *Id.*

<sup>251</sup> Para 9 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>252</sup> Para 10 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

365. As regards the export price of Everdigm, it is noted that all adjustments claimed by Everdigm have been appropriately adjusted. The variance in export price was on account of incorrect weight provided earlier by Everdigm. Subsequently, export price has been rectified in the final findings based on the revised weights provided by Everdigm. Accordingly, dumping margin for Everdigm has been appropriately adjusted.
366. FEEL has submitted that it agreed with the conclusions drawn by the Authority in the disclosure statement and requested the Authority to issue final findings based on the dumping/injury margin determined at the stage of the disclosure statement.<sup>253</sup> It is, however, noted that a calculation error occurred in determining the injury margin of FEEL. While computing the injury margin for FEEL, the basic customs duty ("BCD") amount was added to the C.I.F. import price, even though imports from Korea RP are exempt from payment of BCD pursuant to the India-Korea CEPA. Since the BCD was added to the C.I.F. import price, a higher landed value was arrived at, thereby resulting in a negative injury margin. Accordingly, landed value has been re-determined for FEEL by excluding the amount of BCD. FEEL has been informed of these changes through a limited confidential disclosure. The injury margin for FEEL has been accordingly revised.
367. Soosan has agreed with the conclusions drawn by the Authority in the disclosure statement and requested the Authority to issue final findings based on the dumping/injury margin determined at the stage of the disclosure statement.<sup>254</sup>
368. DAEMO has submitted that the Authority has determined a higher cost of production and normal value than what was claimed by DAEMO in its questionnaire response. As per DAEMO's information based on market intelligence, DAEMO's export price is comparable to that of other exporters from Korea RP who got a negative injury margin. *A fortiori*, DAEMO's injury margin should also be negative, as has been worked out for other cooperating exporters from Korea RP.<sup>255</sup>
369. The Authority notes that the confidential working of the landed value was provided to DAEMO. DAEMO has not brought any evidence forward to contest the same apart from merely stating that its injury margin should be negative as has been determined for other exporters. It is, however, noted that a calculation error occurred in determining the injury margin of DAEMO. While computing the injury margin for DAEMO, the basic customs duty ("BCD") amount was added to the C.I.F. import price, even though imports from Korea RP are exempt from payment of BCD pursuant to the India-Korea CEPA. Since the BCD was added to the C.I.F. import price, a higher landed value was arrived at, thereby resulting in a negative injury margin. Accordingly, landed value has been re-determined for DAEMO by excluding the amount of BCD. DAEMO has been informed of these changes through a limited confidential disclosure. The injury margin for DAEMO has been accordingly revised.
370. It is further noted that DOZCO has contended that DAEMO's related party in India, DAEMO Engineering India Limited, has not participated in the present investigation and, therefore, its response should be rejected.<sup>256</sup> It is noted that DAEMO had accepted in its questionnaire the existence of its related entity in India. Subsequent clarifications were sought regarding DAEMO's related entity through deficiency questionnaires. It is further noted that DAEMO did not export the PUC during the investigation to DAEMO India, and therefore, DAEMO India has not filed a response to the questionnaire. The Authority has also verified this with the DG systems data. There is only one transaction pertaining to the PUC, which was exported by DAEMO before the commencement of the POI but whose bill of entry was filed in April 2021, i.e. during the POI. For the abovementioned reasons, the Authority considers that there was no deficiency in the export chain of DAEMO and therefore, its response has not been rejected.
371. Ningbo has submitted that the injury margin range for rock breakers and chisels is in the same range for participating as well as the residual category of exporters. It is requested that the Authority should grant the cooperating exporters a lower margin as compared to the residual category.<sup>257</sup> Eddie has also raised similar concerns.<sup>258</sup>
372. The Authority notes that determining the dumping margin and injury margin is a mathematical exercise based on import data provided by participating exporters or the import data available with the Authority. Suppose the extent of dumping by a particular exporter is higher than that of the rest of the exporters. In that case, there is no reason why such a particular exporter should not be awarded a higher margin. Although this Authority intends not to reward non-cooperation, the scientific computation of margins does not grant much discretion. Nevertheless, in the present investigation, it is noted that the duties of cooperating producers from China PR

<sup>253</sup> Page 2 of FEEL's Comments on Disclosure Statement.

<sup>254</sup> Page 2 of Soosan's Comments on Disclosure Statement.

<sup>255</sup> Page 2 of DAEMO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>256</sup> Para 38 of DOZCO's Comments on Disclosure.

<sup>257</sup> Page 2 of Ningbo's Comments on Disclosure Statement.

<sup>258</sup> Paras 50-51 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

and Korea RP are below the margins of the residual category.

373. DOZCO has stated that the disclosure statement did not clarify the basis of the price paid or payable in India. DOZCO has requested that the domestic industry's actual production cost be considered for the fixation of normal value and not the national cost. There is no basis to assume that the producers in the subject country are operating under the best circumstances. This approach would favour the exporters. The average cost of production of the domestic industry should be considered. Further, and in any case, consideration of the lowest NIP is done without legal basis. Instead, the Authority should adopt the highest cost of production.<sup>259</sup>
374. DOZCO has also submitted that the present range of dumping margin determined for exporters from China PR by the Authority is not in line with the consistent practice of DGTR. Accordingly, DOZCO has requested the Authority to re-determine margins for exporters from China PR.<sup>260</sup>
375. As regards the construction of normal value for China PR, it is stated that China has not claimed market economy status; the Authority has no option but to resort to paragraph 7 of Annexure I to AD Rules for constructing the normal value for producers/exporters from China PR. The Authority has determined China PR's normal value as a non-market economy country, considering the price 'actually paid or payable in India' for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin.

## **O.5 RE: Injury Analysis**

376. Everdigm has re-iterated that the cylinder, piston, front head, back head, bracket, and frame are separate products with different product characteristics, end uses, and prices. This requires an individual injury and dumping analysis for each assembly/sub-assembly. The current analysis by the Authority is against the principles of objectivity enshrined under Rule 11(2) of AD Rules and Art. 3.1 of the Anti-dumping Agreement.<sup>261</sup>
377. Everdigm's contentions remain unsubstantiated. As stated in the preceding paragraphs, the imported assemblies/sub-assemblies have no end use other than being assembled into fully assembled rock breakers. Everdigm has not presented any evidence contrary to this examination. The assemblies/sub-assemblies may individually differ in characteristics from each other or in relation to a fully assembled rock breaker. However, the fate of each of these assemblies/sub-assemblies (i.e. the end use) is to become a fully assembled rock breaker. There is no other intermediate use of such assemblies/sub-assemblies. Further, there is no independent use of these assemblies/sub-assemblies, i.e. a cylinder would not have any independent function if it does not become part of a hydraulic unit.
378. Everdigm has further contended that each of these components is manufactured separately, and each of them is an input material for a fully assembled rock breaker.<sup>262</sup> It is noted that the manufacturing process of rock breakers differs from producer to producer. While some producers may manufacture it from scratch, i.e. melting and forging raw steel, others may use sourced assemblies/sub-assemblies to assemble it. Thus, what is considered an input material would differ from case to case. However, regardless of which base input material is used in the production, the end product is a rock breaker. Assemblies/sub-assemblies do not have any independent existence. Accordingly, the Authority has considered the volume of assemblies and sub-assemblies together in injury analysis.
379. Everdigm has relied on this Authority's investigation in *Anti-Dumping investigation concerning the imports of Rubber Chemicals viz. MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT from China and PX-13 (6PPD) from China and Korea RP* to argue for separate examination of each of the assemblies and sub-assemblies.<sup>263</sup> Eddie has also argued that as each assembly/sub-assembly requires different moulding, heat treatment and raw materials. Therefore, each one of them has different cost structure. Accordingly, injury analysis and margins for assemblies/sub-assemblies should be assessed separately.<sup>264</sup>
380. Everdigm's reliance on the aforementioned case is misplaced. The Authority had conducted the examination of different kinds of rubber chemicals, which differed in chemical composition and other physical characteristics. However, as those chemicals were broadly categorised in the industry as rubber chemicals and the fact that the applicant was suffering injury on all the named chemicals, the Authority conducted a single investigation. However, given the variation in the production process and properties of the chemicals, a separate standing and injury assessment was carried out.

<sup>259</sup> Para 34 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>260</sup> Para 35-36 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>261</sup> Para 12 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>262</sup> Para 12 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>263</sup> Id.

<sup>264</sup> Paras 44-45 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.



381. The facts of the present investigation are antipodal to *Rubber Chemicals*<sup>265</sup>. Unlike *Rubber Chemicals*, the assemblies/sub-assemblies and fully assembled rock breakers are made from the same raw material. The difference in physical characteristics of assemblies/sub-assemblies is of a temporary nature, and these differences exist only in form for convenience of transportation. Assemblies/sub-assemblies are imported/manufactured to be transformed into fully assembled rock breakers. This process of transformation does not entail any metallurgical process which could change or lend new chemical properties to fully assembled rock breakers. As soon as assemblies/sub-assemblies are assembled into fully assembled rock breakers, the physical differences in form between assemblies/sub-assemblies disappear.
382. It is further noted that even though the assemblies/sub-assemblies have different cost structures individually, Eddie ignores the fact that all such cost structures, moulding processes, etc., form part of an assembled rock breaker. Thus, all characteristics of assemblies/sub-assemblies are indeed subsumed and reflected in fully assembled rock breakers. Further, even at the cost of re-iteration, it is pointed out that assemblies/sub-assemblies and fully assembled rock breakers compete in the same market. Accordingly, there is no need to assess injury of assemblies/sub-assemblies separately.
383. Everdigm has requested the Authority should exclude the volume of Soosan, D&A and FEEL from the volume of dumped imports.<sup>266</sup>
384. It is clarified that the volume of Soosan and D&A has been excluded from the volume of dumped imports since the dumping margin for these exporters was determined to be negative, based on the information filed by them in their responses. The volume of FEEL has not been excluded, as the dumping margin for FEEL is positive.
385. D&A has submitted that the indexed figures of economic parameters showcase a positive and increasing trend in the POI compared to the base year. This establishes no injury to the domestic industry due to alleged dumping.<sup>267</sup>
386. It is noted that D&A is effectively arguing for an end-to-end comparison of the relevant parameters without considering the relevant intervening trends in the injury period. The same would present a distorted and skewed injury analysis, and therefore, the Authority disagrees with the submissions of D&A.
387. DOZCO has stated that the Authority has not provided non-dumped figures for the injury period.<sup>268</sup>
388. It is clarified that the dumping margin is determined only for the POI. Accordingly, the quantum of non-dumped imports cannot be stated in the appropriate table for the periods prior to the POI.
389. DOZCO has requested that the Authority hold that imports from the subject countries have remained significantly high in relation to India's production, consumption, and demand. DOZCO has further submitted that imports are undercutting its prices, thereby preventing them from increasing. There is only a marginal rise in the production and sales of the domestic industry. Further, domestic industry sales have not increased in proportion to the increase in demand, indicating that exporters and producers are engaged in unfair trade practices. The domestic industry has been unable to increase its capacity utilisation and has been earning negative returns. All profit parameters have declined.<sup>269</sup>
390. The Authority notes that DOZCO has re-iterated its submissions regarding injury parameters. These submissions have already been addressed in the injury examination section above.
391. DOZCO has submitted that there are no factors other than dumped imports which have caused injury to the applicant.<sup>270</sup>
392. Everdigm has argued that other Indian manufacturers have not been put to notice regarding the initiation of the investigation and have not submitted data which indicates that they may not be suffering from injury, which clearly establishes a break in causal link.<sup>271</sup>
393. It is clarified that the Authority had issued a public notice regarding the initiation of the investigation.

<sup>265</sup> Final Finding [F.No. 14/5/2007-DGAD](#) *Anti-Dumping investigation concerning the imports of Rubber Chemicals viz. MBT, CBS, TDQ, PVI, and TMT from China and PX-13(6PPD) from China and Korea* RP dated 1<sup>st</sup> October 2008.

<sup>266</sup> Para 13 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>267</sup> Para 8-9 of D&A's Comments on Disclosure Statement; Paras 14-15 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

<sup>268</sup> Para 54 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>269</sup> Para 55 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>270</sup> Para 56 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>271</sup> Para 16 of Everdigm's Comments on Disclosure Statement.

However, none of the alleged producers participated in the investigation. The Authority has, therefore, carried out its examination based on the best information available.

### O.6 RE: Non-Injurious Price

394. DOZCO has submitted that the Authority has calculated the NIP based on the cost audit report submitted for the POI by the applicant, which disregards the detailed submissions on record substantiating the total cost of production and corporate centralized overheads. The present data upon which the NIP has been computed has been based on a different set of information, i.e. the cost audit report. Accordingly, DOZCO requests the Authority to compute the NIP based on the following information:

Particulars	Rock breakers	Chisels
	INR/MT	INR/MT
Optimum Cost of Raw Materials Consumed	***	***
Cost of Primary Packing Materials Consumed	***	***
Consumable stores and spares	***	***
Optimum Cost of Utilities consumed	***	***
Salaries & Wages	***	***
Depreciation and Amortization expenses	***	***
Other Manufacturing Overheads*	***	***
Other Administration Overheads*	***	***
Selling & Distribution Overheads (allowable)*	***	***
Selling Overheads (non-allowable like Commission, Freight, Discount, Export- related expenses etc.)		
Other/ Miscellaneous Expenses*		
Other Income*	(***)	(***)
Total Cost of Sales excluding Finance Cost	***	***
Return towards Finance Costs (Actual)	***	***
Return towards Pre-tax Profit (Balance of 22% ROCE)	***	***
Non-Injurious Price	***	***

395. DOZCO has further submitted that even in the alternative if NIP is calculated based on the cost audit report, it would also yield a higher NIP than the presently disclosed NIP. DOZCO requests the Authority to reconsider the raw material cost and increase it to the following numbers per MT:

Particulars	Amount as per Cost Audit Report			Reference
Cost of Raw Materials Consumed	***			A
Change in inventories of materials	***			B
Less: Scrap Sales as per Ledger Account	***			C
Cost of Raw Materials Consumed (Net of Scrap Sales)	***			D = A +B + C
Particulars	Rock breaker	Chisel	NPUC	Total
Production Value Ratio (D)	***	***	***	***
Production Quantity (E)	***	***	***	***
Cost of Materials allocated in the ratio of Production Value (INR): $F=E*D$	***	***	***	***
Cost of Materials allocated in ratio of Production Value (INR/MT) $G=F/E$	***	***	***	***

396. As regards DOZCO's disagreement regarding the methodology of computation of NIP, it is clarified that generally, the Authority determines the NIP based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India as per the information furnished by the domestic industry based on Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the AD Rules. However, in this case, during verification, it was found that there is a substantial difference between the total cost of the manufacturing division of the company manufacturing PUC/NPUC as claimed in the application and the abridged cost statement of the cost audit report for the financial year 2021-22. The domestic industry explained that the difference was due to the fact that certain common costs of the company had not been considered by the cost auditor in his report. It is seen in para 3(c) of the cost audit report of 2021-22 that centralised expenses incurred through the corporate office are charged to administration overheads, which are allocated/apportioned to cost objects/individual products on an equitable basis, which seems to be contradictory. Therefore, the Authority felt it appropriate to allow the total cost for the manufacturing division as per the total cost given in the abridged cost statement of the cost audit report of 2021-22, duly adjusted with the scrap realised value, and accordingly, NIP has been determined.
397. DAEMO, Ningbo, and Soosan submit that the Authority must not consider a rate of 22% return on capital employed ("ROCE") for determining the non-injurious price (NIP). This has resulted in a highly inflated, non-injurious price, which is not based on practical considerations. The 22% ROCE was designed in 1987 when all parameters like interest rate and corporate tax were different from the prevailing rates. Further, in the case of *Bridgestone Tyre Manufacturing & Ors. v. Designated Authority*, the Ld. CESTAT observed that the price of 22% ROCE adopted by the Authority is not correct.
398. The Authority notes that adopting a rate of 22% ROCE has been a standard practice of the Authority in all anti-dumping investigations. Further, the Authority notes that the other interested parties have misrepresented the observations of the Ld. CESTAT. In *Bridgestone*, the Ld. CESTAT did not hold that 22% ROCE is a wrong consideration while determining the NIP. The Ld. CESTAT's observations in *Bridgestone* were regarding the consideration of 22% ROCE while determining price underselling. The decision in *Bridgestone* was issued prior to the introduction of Annexure-III to the AD Rules. Therefore, the reliance of the other interested parties on the case of *Bridgestone* to contend that 22% ROCE is high while computing the NIP is unfounded. In the subsequent case of *Merino Panel Products*, the learned CESTAT has upheld DGTR's practice of granting 22% ROCE.
399. DAEMO has requested imposition of anti-dumping duties on *ad valorem* basis as there are several grades within the PUC as well as there is considerable price variation within the scope of the PUC.<sup>272</sup>
400. The Authority agrees with the submissions of DAEMO and would be recommending the imposition of anti-dumping duties on an *ad valorem* basis.
401. DAEMO has stated that since the Authority has not separately determined the dumping and injury for assemblies/sub-assemblies of rock breakers, it is requested that the Authority clarify the rate of duty which shall be applicable if a producer exports assemblies/sub-assemblies to India.<sup>273</sup> Eddie has also claimed for a separate set of anti-dumping duties for assemblies/sub-assemblies and fully assembled rock breakers. Eddie has also argued that assemblies/sub-assemblies are also imported as spare parts to replace worn out parts. Thus, assemblies and sub-assemblies target a different market segment and have independent demand from hydraulic rock breakers.<sup>274</sup>
402. In this regard, it is noted that as assemblies/sub-assemblies of rock breakers are nothing but a different form of rock breakers, duties applicable to rock breakers shall be applicable to such assemblies/sub-assemblies. Further, the Authority has recommended duties on an *ad valorem* basis, and thus, accordingly, duties would be applicable based on the value of the product. Accordingly, duties paid would be higher in the case of fully assembled rock breakers, as it would have a higher C.I.F. value, and duties paid shall be lower in case assemblies/sub-assemblies, as it would have a lower C.I.F. value.
403. For the sake of maintain uniformity in DUTY TABLE and the convenience of the customs authorities, the DUTY TABLE includes recommended duties for hydraulic rock breakers as well as chisels for each of the participating exporters.

<sup>272</sup> Page 2 of DAEMO's Comments on Disclosure Statement.

<sup>273</sup> Page 3 of DAEMO's Comments on Disclosure Statement; Page 2-3 of Soosan's Comments on Disclosure Statement.

<sup>274</sup> Paras 45-48 of Eddie's Comments on Disclosure Statement.

**P INDIAN INDUSTRY ISSUES****P.1 Submissions by the domestic industry**

404. The following submissions have been made by the domestic industry:

- a. The arguments presented by FINE and FYN regarding adverse implications on the user industry are not substantiated with any evidence. No user industry has stepped forward to assert the same. *Per contra*, several users have stepped forward to support imposition of anti-dumping duties.<sup>275</sup>
- b. There has been no objection to the levy of anti-dumping on the subject goods. In fact, user industry has come forward to support imposition of anti-dumping duties.<sup>276</sup> Several infrastructure and construction activities are in the pipeline.<sup>277</sup>
- c. Subject goods will enter into the Indian market at fair prices upon levy of anti-dumping duties. Imposition of duties would be in furtherance of *atmanirbhar bharat* objective of the Government.<sup>278</sup>

**P.2 Submissions by the other interested parties**

405. The following submissions have been made by the other interested parties:

- a. The applicant has asserted that Indian industry would benefit from the imposition of anti-dumping duties. The applicant has also claimed that imposition of anti-dumping duties is necessary in view of the increased demand in the construction and infrastructure activities. Eddie submits that in view of the increased demand imposition of anti-dumping duties would be entirely unnecessary.
- b. DOZCO's production capacity is restricted at 1,840 MT for hydraulic rock breakers and at 5,000 MT for chisels whereas the Indian demand for hydraulic rock breakers is approximately 22,000 MT and for chisels approximately 12,000 MT. Thus, imposition of anti-dumping duties would exacerbate the demand-supply gap.<sup>279</sup>

**P.3 Examination by the Authority**

406. Trade remedial investigations are intended to restore equal competitive opportunities in the domestic market by ensuring a level playing field for domestic producers by the imposition of appropriate duties against trade distorting imports. At the same time, the Authority is aware that the impact of such duties is not limited to only the domestic producers of the PUC but also affects the users and consumers of the PUC. Moreover, the imposition of duties may introduce competition concerns domestically but can concurrently stimulate the emergence of new producers within the country.
407. It is noted that multiple end users have participated in the investigation, notably JCB India and VOLVO CE, who are amongst the largest importers of the PUC from the subject countries. However, none have filed the economic interest questionnaire or made any legal submissions objecting to the imposition of duties.
408. Additionally, the Authority has received correspondence from 24 user industries. These industries contend that the availability of domestically manufactured PUCs is vital because they can be readily serviced, and parts or replacements are accessible at reasonable prices. They assert that producers from China PR and Korea RP impose high prices for parts, thereby impeding their operations.
409. It has also been asserted by these users that Indian manufactured products are superior in quality compared to imports from China PR and Korea RP. However, it's important to note that no technical evidence has been submitted to substantiate this claim.
410. FINE and FYN have submitted economic interest questionnaires and have estimated an impact of a 7%-8% increase in costs on the imposition of 10% of anti-dumping duties. However, they have not estimated the effect of such duties on the end user and whether the increase in costs due to the anti-dumping duties could be passed on to the end user or absorbed by the downstream industry.
411. Eddie submitted that in view of the increasing demand in the mining and construction sector, anti-dumping duties should not be imposed. Eddie also pointed out the limitation of the domestic industry's ability to fulfil the Indian demand. Eddie has argued that demand for rock breakers has increased by 227% compared to the base year in the POI. DOZCO's capacity for rock breakers is limited to \*\*\* MT, as they have admitted in the oral hearing, whereas the Indian demand is almost five times. The imposition of anti-dumping duties would

<sup>275</sup> Para 66 of DOZCO's Rejoinder Submissions.

<sup>276</sup> Exhibit-3 to DOZCO's Written Submissions.

<sup>277</sup> Page 33 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>278</sup> Page 34 of DOZCO's Written Submissions.

<sup>279</sup> Para 69-70 of Eddie's Rejoinder Submissions.

merely increase the demand-supply gap.<sup>280</sup>

412. The Authority notes that the demand-supply gap in the country does not bar the domestic industry from seeking redressal from dumped imports. As held by the CESTAT in the *DSM Idemitsu Limited vs. Designated Authority*, the demand-supply gap does not justify dumping. Foreign producers can always meet the Indian demand by selling the product at un-dumped prices.
413. The Authority notes that the existence of a demand-supply gap cannot be a justification for not correcting distorted prices. The objective behind the imposition of anti-dumping duties is not to restrict the export of subject goods but only to correct the trade distortion in the least restrictive manner. Further, the purpose of anti-dumping duties is not to prevent or restrict imports but merely to ensure a level playing field and to address unfair competition. The proposed measures would promote fair trade conditions in India.
414. DOZCO has argued that low prices imports are threatening the existence of the only Indian manufacturer. DOZCO has further pointed out that the Authority should not ignore the fact that the shutdown of the only Indian manufacturer will have catastrophic effect on the end user, triggering cyclic effect.<sup>281</sup> In the event consumers become completely import reliant, they will be forced to follow the foreign producers' sales policies resulting in higher foreign currency outflows and inventory levels. However, in the case of procurement from the domestic industry, the users can maintain lower inventory levels, thereby making them more competitive for end customers. Presence of a vibrant domestic industry is essential to ensure a fair and competitive Indian market, which in its absence would be completely dominated by subject countries.<sup>282</sup>
415. The Authority notes that even with the growth of demand in the POI, only the volume of imports from the subject countries has increased. The increase in imports from the subject countries has not only adversely impacted the market share of the domestic industry but has also impacted the volume of imports from non-subject countries, whose share in the market has been reduced to almost zero in the POI. Therefore, it is noted that even though imports of subject goods may decline as a consequence of the imposition of anti-dumping duties, imports from non-subject countries would replace such dumped imports and, thereby, mitigate the adverse effects, if any. It is also in the interest of the user industry to have sources of supply of subject goods within the Indian territory for prompt and short-term delivery of the subject goods. It is also in the long-term interest of the user industry to maintain multiple sources of supply.

## Q CONCLUSIONS

416. Based on the submissions made, substantiated information provided by the interested parties and the facts available before the Authority as recorded and examined in the aforementioned paragraphs and on the basis of determination of dumping and consequent injury to the domestic industry, the Authority concludes the following:
- i. **Product under consideration and like article:** The article manufactured by the domestic industry and the subject goods exported from the subject countries are 'like article' to each other in terms of Rule 2 (d) of the AD Rules, 1995.
  - ii. **Standing of the domestic industry:** The applicant accounts for 100 % of the eligible domestic production. The imports made by the applicant represent merely \*\*\* % of the total demand of the PUC. The applicant satisfies the requirements stipulated under Rule 2 (b) of the AD Rules, 1995 and application satisfies the standing requirements under Rule 5(3) of the AD Rules, 1995.
  - iii. The application contained all information relevant for the purpose of initiation of the anti – dumping investigation and necessary evidence in terms of Rule 5(2) of the AD Rules, 1995 to justify the initiation of the present investigation for determination of dumping and material injury to the domestic industry in terms of Rule 5 (3) of the AD Rules, 1995.
  - iv. **Confidentiality:** The claims regarding confidentiality were accepted wherever warranted and in case, where such confidentiality claims were found to be excessive, the interested parties were directed to disclose the same or provide appropriate non – confidential summary of the same in terms of Rule 7 of the AD Rules, 1995.
  - v. **Dumping:**
    - a. **Rock breaker:** Two producers from China PR namely Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd., and Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd., and five producers from Korea RP, namely Soosan Heavy Industries Co., Ltd., Daemo Engineering Co. Ltd., FEEL Industrial

<sup>280</sup> Para 49 of Eddie's Comment on Disclosure Statement.

<sup>281</sup> Para 63 of DOZCO's Comment on Disclosure Statement.

<sup>282</sup> Para 62 of DOZCO's Comments on Disclosure Statement.

Engineering Co. Ltd., Hyundai Everdigm Corporation, and D and A Heavy Industries Co., Ltd. participated in the investigation. Based on the information provided by such exporters and the constructed normal value, the dumping margin for exports of Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd., Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd, Daemo Engineering Co. Ltd., FEEL Industrial Engineering Co. Ltd. and Hyundai Everdigm Corporation was determined to be positive.

- b. **Chisel:** One producer from China PR namely Ningbo Yinzhou Get Machinery Ltd, and two producers from Korea RP, namely Soosan Heavy Industries Co. Ltd., and Hansung Special Machinery Co., Ltd. participated in the investigation. Based on the information provided by such exporters and the normal value, the dumping margin for exports of Ningbo and Hansung has been determined positive. However, the dumping margin for Soosan was determined to be negative.
- vi. **Volume effect:** The volume of imports and the dumping margin of the subject goods from the subject countries were found to be above *de minimis* thresholds as stipulated under para (iii) of Annexure – II to the AD Rules, 1995.
- vii. With respect to the volume effect of the dumped imports on the state of the domestic industry as required to be assessed under para (ii) of the AD Rules, 1995, it was found that such imports (rock breaker as well as chisel) have increased in absolute as well as relative terms to the production, consumption, and demand of the PUC in India. It was further found that the growth in demand was almost entirely subsumed by such dumped imports.
- viii. **Price effect:** As regards the price effect of such dumped imports, it was found that price undercutting from both the subject countries was positive. It was further found that such dumped imports were adversely impacting the prices of the domestic industry. The landed value of the subject imports (for rock breakers as well as chisel) was found to be at their lowest level in the POI.
- ix. **Volumetric and financial parameters of the domestic industry:** As regards the effect of such dumped on the economic parameters of the domestic industry, the following conclusions were reached:
  - a. **Production, capacity, capacity utilisation, sales, and market share:** The applicant's capacity has remained constant for both rock breaker and chisel. However, due to the presence of dumped imports it was not able to fully utilise its capacities. The applicant's production as well as sales for rock breakers and chisels declined in the POI as compared to the injury period. There was considerable growth in demand which was largely met by dumped imports.
  - b. **Cost of sales, selling price, profitability, and return on capital employed:** For both rock breakers and chisels, the applicant's per unit cost of sales has remained almost constant except for the year 2020-21. The applicant's selling price for rock breakers and chisels have also declined compared to previous years but has increased compared to immediate previous year. However, the selling price of the applicant was found to be below the unit cost of sales. Further, the rise in selling price for both rock breakers and chisels was not found to be commensurate with the rise in the cost of sales. The applicant's cash profits, profit before interest and tax, as well as return on capital employed have significantly declined as compared to the base year. Even with restoration of demand during the POI, the applicant was not able to achieve profits.
  - c. **Inventories:** The applicant's inventories for both rock breakers and chisels were found to be increased during the POI.
  - d. **No. of employees, productivity, and wages:** The applicant has been able to increase its number of employees and the wages to be paid to them. However, the productivity of the applicant for both the products has been affected due to decline in production as a consequence of dumped imports.
  - e. **Growth:** The applicant's growth in terms of production, domestic sales, profits, return on capital employed, inventories and market share were found to be adversely impacted for both rock breakers as well as chisels.
  - f. **Ability to raise capital investment:** It was found that despite an increase in demand of the subject goods, the applicant's performance had deteriorated which has impacted its ability to raise capital investments.

- x. **Causal link:** It was found that domestic industry has suffered material injury due to the dumped imports and no other known factors were found to be the cause of the injury. There has been an increase in the volume of the dumped imports during the POI due to which the inventories of the domestic industry have piled up. The presence of dumped imports in the Indian market forced the applicant to sell its like article at prices below its cost of sales, thereby incurred losses and adversely affected the profitability parameters of the domestic industry. Further, the incremental demand for the subject goods (for both rock breakers and chisels) in the POI was largely subsumed by the imports from the subject countries due to which the applicant was not able take advantage of the growth in Indian consumption.
- xi. **Injury Margin:**
- Rock breaker:** Upon comparison of the non – injurious price determined as per Annexure – III to the AD Rules, 1995 and the landed value of subject imports from the subject countries as required under Rule 17 (3) (b) to the AD Rules, the injury margin for producers from China PR, namely Eddie and Ningbo and the injury margin for DAEMO, FEEL and Everdigm from Korea RP, were found to be positive.
  - Chisels:** Upon comparison of the non – injurious price determined as per Annexure – III to the AD Rules, 1995 and the landed value of subject imports from the subject countries as required under Rule 17 (3) (b) to the AD Rules, the injury margin for Ningbo from China PR is positive and the injury margin for all producers from Korea RP were found to be negative.
- xii. **Indian industry issues:** None of the interested parties filed any substantive quantitative data through which the impact of anti – dumping duties could be assessed on the end user. It is noted that users of the PUC would have multiple options if a viable domestic industry exists.

## R RECOMMENDATIONS

417. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was provided to the domestic industry, other domestic producers, embassies of the subject countries, producers/exporters of the subject goods from the subject countries, importers, users, and other interested parties to provide information with regards to dumping, injury, and causal link. Having initiated under Rule 5(3) of the AD Rules, 1995 and conducted investigation in accordance with Rule 6 of the AD Rules, 1995 regarding dumping, injury, and causal link as required under Rule 17 (1) (a) of the AD Rules, 1995 and established material injury to the domestic industry due to subject imports from the subject countries, the Authority recommends imposition of anti – dumping duties on the subject imports from the subject countries.
418. Considering the nature of the product under consideration and the large number of PCNs involved, the Authority considers that it would be appropriate to recommend anti-dumping duty as a percentage of the CIF value of the import price of the subject goods.
419. Further, having regard to the lesser duty rule as enunciated in Rule 17 (1)(b) of the AD Rules, 1995, the Authority recommends imposition of definitive anti – dumping duties equal to the lesser of margin of dumping or margin of injury, for a period of five (5) years, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti – dumping duties equal to the amount expressed as percentage of CIF value indicated in **Col. (7)** of the **‘DUTY TABLE’** below is recommended to be imposed on all subject imports from the subject countries originating or exported from the subject countries.

## S DUTY TABLE

Sl.No.	CTH Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty (% of CIF Value in USD)
Col. (1)	Col. (2)	Col. (3)	Col. (4)	Col. (5)	Col. (6)	Col. (7)
1.	84314930 and 84314990	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	China PR	Any country including China PR	Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd	131.11%
2.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	China PR	Any country including China PR	Yantai Eddie Precision Machinery Co., Ltd	29.21 %
3.	-do-	Hydraulic Rock	China PR	Any country including	NINGBO YINZHOU GET	26.95%

Sl.No.	CTH Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty (% of CIF Value in USD)
Col. (1)	Col. (2)	Col. (3)	Col. (4)	Col. (5)	Col. (6)	Col. (7)
		Breakers <sup>#1</sup>		China PR	MACHINERY LTD.	
4.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	China PR	Any country including China PR	NINGBO YINZHOU GET MACHINERY LTD.	4.55%
5.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	China PR	Any country including China PR	Any producer other than S.No. 1 to 4 above	162.50 %
6.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Any country other than subject countries	China PR	Any producer	162.50 %
7.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	China PR	Any country including China PR	Any producer other than S.No. 1 to 4 above	29.21 %
8.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Any country other than subject countries	China PR	Any producer	29.21 %
9.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	NIL
10.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Soosan Heavy Industries Co., Ltd.	NIL
11.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	DAEMO Engineering Co. Ltd.	9.43%
12.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	DAEMO Engineering Co. Ltd.	12.47%
13.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	D and A Heavy Industries Co., Ltd.	Nil
14.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	D and A Heavy Industries Co., Ltd.	12.47%
15.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Hyundai Everdigm Corporation	11.91%
16.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Hyundai Everdigm Corporation	12.47%
17.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	FEEL INDUSTRIAL ENGINEERING CO. LTD.	8.16%
18.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	FEEL INDUSTRIAL ENGINEERING CO. LTD.	12.47%
19.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	HANSUNG SPECIAL MACHINERY CO., LTD	52.77%
20.	-do-	Alloy Steel	Korea RP	Any country including	HANSUNG SPECIAL	Nil





Sl.No.	CTH Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Duty (% of CIF Value in USD)
Col. (1)	Col. (2)	Col. (3)	Col. (4)	Col. (5)	Col. (6)	Col. (7)
		Chisels <sup>#2</sup>		Korea RP	MACHINERY CO., LTD	
21.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Any producer other than S.No. 9 to 20 above	52.77%
22.	-do-	Hydraulic Rock Breakers <sup>#1</sup>	Any country other than subject countries	Korea RP	Any producer	52.77%
23.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Korea RP	Any country including Korea RP	Any producer other than S.No. 9 to 20 above	12.47%
24.	-do-	Alloy Steel Chisels <sup>#2</sup>	Any country other than subject countries	Korea RP	Any producer	12.47%






#1

**For Hydraulic Rock Breakers:**

- Hydraulic Rock Breakers are used in construction and mining industry along with Alloy Steel Chisels for carrying out demolition, excavation, mining, concrete and boulder breaking activities. Hydraulic Rock Breakers are imported and sold in fully assembled condition as well as in semi-knocked (SKD) condition and CKD (completely knocked down) condition, wherein different assemblies, sub-assemblies as mentioned in **Table D1** below can be imported to form fully assembled hydraulic rock breakers.
- The duties mentioned in **Col.7** of the Duty Table above for fully assembled Hydraulic Rock Breakers shall be applicable to imports of Hydraulic Rock Breakers and the Assemblies/Sub-assemblies mentioned in **Table D1** only.
- Where Alloy Steel Chisels are imported with Hydraulic Rock Breakers, anti-dumping duties applicable to Alloy Steel Chisels shall be applicable to such Alloy Steel Chisels. *Anti-dumping duties for hydraulic rock breakers and its assemblies/sub-assemblies mentioned in Table D1, shall not be made applicable to alloy steel chisels or vice-versa.* (Also refer point *h.* below)
- The duties on hydraulic rock breakers shall be applicable only to the following assemblies/sub-assemblies and not to other parts and components of hydraulic rock breakers:

Table D1	
Assemblies/sub-assemblies of hydraulic rock breakers covered under the scope of anti-dumping duties	Pictorial Representation of Component <sup>283</sup>
h. Front head	
i. Back head	

<sup>283</sup> The photos are for representative purposes only. The form of the actual assemblies/sub-assemblies may vary.

Table D1	
Assemblies/sub-assemblies of hydraulic rock breakers covered under the scope of anti-dumping duties	Pictorial Representation of Component <sup>283</sup>
j. Piston for hydraulic cylinder or rock breaker	
k. Cylinder body or hydraulic unit (Hydraulic body consists of front head, back head, cylinder and piston)	
l. Bracket	
m. Frame	
n. Cylinder for hydraulic rock breaker	

e. The recommended duties on assemblies/sub-assemblies shall be applicable on them irrespective of the fact that whether they are imported individually or along with other assemblies/sub-assemblies mentioned in **Table D1** above.

f. The customs authorities are requested to ensure that exporters do not attempt to evade the recommended duties by physically combining two or more assemblies/sub-assemblies together to establish that they are exporting a different assemblies/sub-assembly other than what has been covered in **Table D1** above. Further, the description of the goods being cleared should be captured adequately in terms of value and unit of measurement.

g. The duties applicable to hydraulic rock breakers shall not be applicable to any other assemblies/sub-assemblies, part or component, or kits which have not been mentioned in Table D1 above.

#2

#### For Alloy Steel Chisels:

h. Alloy Steel Chisels are used along with hydraulic rock breakers. They come in various shape, size and the tip of the chisel varies according to the required end use.

i. Alloy Steel Chisels are also imported by the name of tool, wedge, toil, moil, teeth, tooth, working tool, chisel blunt, hydraulic hammer (tool), breaker tool etc. Where chisels are imported with rock breakers, anti-dumping duties applicable to chisels shall be applicable to such chisels. Anti-dumping duties applicable to alloy steel chisels shall not be made applicable to hydraulic rock

---

*breakers or its assemblies/sub-assemblies mentioned in Table D1 above.* (Also refer point *b* above).

**T FURTHER PROCEDURE**

420. An appeal against the recommendation of the Authority shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

ANANT SWARUP, Designated Authority